लेंक के स्पैंकिंग साहसिक कारनामे
एक पैरोडी लघुकथा संग्रह
यू मे द्वारा

निबेलुंग की छोटी माँ
अध्याय I: खोया हुआ
सौंदर्य दैत्य के उदर में
अध्याय I: विशाल मछली
सौंदर्य दैत्य के उदर में
अध्याय II: एक पवित्र प्रतिज्ञा
निशा को आखिरकार उसकी सज़ा मिलती है
अध्याय I: इम्प और भेड़िया
निशा को आखिरकार उसकी सजा मिलती है
अध्याय II: राजकुमारी और शूरवीर
लेंक की लैकेसिस से मुलाक़ात
यू मे और गोजिरा द्वारा
लेंक का हीलफॉल में साहसिक अभियान
अध्याय I: निषेध
लेंक का हीलफॉल में साहसिक अभियान
अध्याय II: प्रशिक्षण
लेंक का हीलफॉल में साहसिक अभियान
अध्याय 3: वादा

लेखकीय टिप्पणी

ये लघुकथाएँ स्वतंत्र रूप से लिखी गई हैं, और इन्हें किसी भी क्रम में, स्वतंत्र कहानियों के रूप में पढ़ने के लिए अभिप्रेत है। हालाँकि इन सभी कहानियों में नायक का एक ही नाम है, फिर भी ये सभी एक ही साझा ब्रह्मांड या निरंतरता में घटित नहीं होती हैं। इन्हें किसी सुसंगत उपन्यास के रूप में नहीं, बल्कि ढीले-ढाले संबंधों वाली कहानियों और किंवदंतियों की एक श्रृंखला समझें। इस पुस्तक में प्रकाशित लघुकथाओं को उन संस्करणों से संपादित किया गया है जो पहले मुफ्त में ऑनलाइन प्रकाशित किए गए थे।

इस संग्रह की चार कहानियाँ गोजिरा के सहयोग से लिखी गई हैं, और सह-लेखक की अनुमति से इन्हें यहाँ शामिल किया गया है।

इनमें से कई कहानियों में शारीरिक दंड के चित्रण प्रमुखता से दिखाए गए हैं। ये दृश्य यथार्थवाद और नाटकीयता प्रदान करने के उद्देश्य से हैं। लेखक का मानना है कि ये दृश्य कथानक के लिए अनिवार्य हैं और चित्रित मध्यकालीन काल्पनिक दुनिया की संस्कृति और मूल्यों को सटीक रूप से दर्शाते हैं। यह कृति एक परिपक्व दर्शकों के लिए व्यंग्यात्मक पैरोडी के रूप में अभिप्रेत है। पाठकों को विवेक बरतने की सलाह दी जाती है।

यह एक काल्पनिक कृति है। जीवित या मृत व्यक्तियों से कोई भी समानता पूर्णतः संयोग है।

निबेलुंग की छोटी माँ

अध्याय I: खोया हुआ

"मैं मेडो को दिखाऊँगा! वह मुझे फिर कभी कायर नहीं कहेगा!"

लेंक उस रास्ते पर अकड़कर चला, जो मेडो ने उसे सदावन-वन में रास्ता निकालने के लिए बताया था। मेडो के साथ इस बात पर तीखी बहस हुई थी कि क्या लेंक को कभी कोई परी-साथी मिलेगा, और मेडो ने लेंक को चुनौती दी थी कि वह "ओल' नॉट" को ढूँढ़े – वह एकांतप्रिय वृक्ष-मानव जो सदावन-वन में रहता है। लेंक का काम था कि वह ओल' नॉट की बुजुर्ग-लकड़ी की लाठियों में से एक चुराए, यह साबित करने के लिए कि वह वहाँ गया था, ओल' नॉट के सिर के पीछे एक चिंगारी-बीज फेंके, और निबेलुंग गाँव – जो धुंध के बच्चों का घर है – बिना किसी नुकसान के वापस आ जाए।

शुरू में लेंक ने मेडो की बात मानने से इनकार कर दिया, क्योंकि उसे याद था कि सरीना ने उसे और दूसरे बच्चों को सदावन-वन के पास जाने से मना किया था, जब तक कि वह स्वयं उनका मार्गदर्शन करने के लिए वहाँ न हो। हालाँकि सभी निबेलुंग बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष के संरक्षण में बच्चे थे, फिर भी वे सरीना को अपनी बड़ी बहन की तरह देखते थे, खासकर लेंक, जो जब तक याद रख सकता था, उसे अपनी माँ जैसा ही मानता था।

वह जानता था कि वह सच में उसकी माँ नहीं है। वह हो ही नहीं सकती। वह उससे बस कुछ ही साल बड़ी थी। लेंक को यकीन था कि उसकी एक माँ थी। लेकिन जब भी उसने अपने माता-पिता के बारे में पूछा, दूसरे निबेलुंग ने हमेशा उसे बताया, "बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष ही हमारे पिता हैं।"

सभी बच्चों में से केवल सरीना ने ही कभी विश्वास में बताया था कि उसे याद है कि लेंक की एक माँ थी। जब लेंक ने पूछा कि उसकी माँ को क्या हुआ, तो सरीना ने जवाब दिया, "मुझे माफ़ कर दो, लेंक। लेकिन वह खो गई है।"

खो गई। खो जाना, यानी हमेशा के लिए खो जाना। लेंक जानता था कि वह अपनी माँ को फिर कभी नहीं देख पाएगा। लेकिन वह शायद ही कभी उस पर ध्यान देता था। आखिर, सभी निबेलुंग के पास उनकी देखभाल करने के लिए सरीना थी – उनकी "छोटी माँ"।

आमतौर पर लेंक सरीना की अवज्ञा करने का सपना भी नहीं देखता था। लेकिन धीरे-धीरे, फिर भी पक्के तौर पर, मेडो की कटु टिप्पणियों ने लेंक का संकल्प तोड़ दिया था।

लेंक के गाल जल रहे थे, जब उसे याद आया कि कैसे मेडो ने अपनी बाहें तानी थीं, खुद को लेंक से बड़ा दिखाने की कोशिश में। "तुम्हें क्या लगता है, बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष कभी तुम जैसे कायर को कोई परी देगा? महान और शक्तिशाली मेडो ओल' नॉट की छड़ियों में से एक को पुरस्कार के रूप में हथियाने में कभी हिचकिचाएगा नहीं!"

(महान और शक्तिशाली मेडो को खुद के बारे में तीसरे व्यक्ति में बात करना बहुत पसंद था।)

लेंक ने जंगली घास में होकर कदम बढ़ाते हुए दाँत भींच लिए। अगर यही मेडो की साहस की परीक्षा थी, तो यह बहुत आसान था। लेंक ने मेडो के निर्देशों का पूरी तरह पालन किया: उत्तर जाओ, पश्चिम मुड़ो, दक्षिण मुड़ो, पश्चिम मुड़ो, और निश्चित रूप से, वहाँ ओल' नॉट वहीं झपकी ले रहा था जहाँ मेडो ने कहा था। छाल जैसी सख्त त्वचा और पत्तों जैसे बालों वाला यह गोल-मटोल छोटा जीव अपने पसंदीदा पेड़ के नीचे आराम से ऊँघ रहा था, उसकी गोल ठिगनी नाक के सिरे पर नाक का एक बुलबुला था।

मोटी घास के पीछे से ध्यान से देखते हुए, लेंक का मेडो पर गुस्सा कम हो गया, और उसकी जगह एक कुचल देने वाला अपराधबोध आ गया। ओल' नॉट ने कभी लेंक का कोई नुकसान नहीं किया था। लेकिन क्या मेडो आखिर सही नहीं था? क्या बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष ने स्वयं लेंक से नहीं कहा था कि उसे परी तब तक नहीं मिलेगी जब तक सही समय न आ जाए और लेंक सच्चा साहस दिखाने के लिए तैयार न हो जाए?

लेंक ने अपने आप को मजबूत किया। आखिर, एक लाठी चुराने और ओल' नॉट की झपकी में खलल डालने से कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन यह मेडो को एक बार और हमेशा के लिए साबित कर देगा कि लेंक कोई कायर नहीं था।

पैर की उँगलियों पर कदम रखते हुए, लेंक सोते हुए ओल' नॉट के पीछे पेड़ों के सहारे रखी नक्काशीदार बुजुर्ग-लकड़ी की लाठियों के संग्रह की तरफ चुपके से बढ़ा। जैसे ही उसने एक को खींचा, दूसरी लाठियाँ झुक गईं, लेकिन लेंक ने उन्हें इससे पहले ही पकड़ लिया कि वे जंगल की जमीन पर खड़खड़ाकर गिरतीं।

राहत की साँस लेते हुए, लेंक मोटी घास की तरफ वापस गया, अपनी थैली से एक चिंगारी-बीज निकाला, और निशाना साधा। ओल' नॉट को चोट पहुँचाना न चाहते हुए, लेंक ने उसे बेमन से फेंका, ताकि वह केवल हल्के से उसके सिर के पीछे टकराए।

जैसे ही ओल' नॉट तीखी चीख के साथ उछलकर खड़ा हुआ, लेंक मुस्कुराए बिना नहीं रह सका, जब वह जंगल के उस खोखले रास्ते से वापस भागने को मुड़ा, जिधर से वह आया था। उसे बस मेडो के बताए निर्देशों को उल्टा दोहराना था, और…

अपने पीछे लेंक ने एक तीखी चटक सुनी, जैसे कालीन-पीटक को कालीन पर दे मारा जाए। जैसे ही उसने देखने के लिए मुड़ा, उसने एक प्रक्षेप्य सीधे अपनी तरफ आते देखा!

एक ज़ोरदार "चटाक!" के साथ, एक भारी बीज – उस बीज से कई गुना बड़ा जो लेंक ने फेंका था – लेंक की पिछली जाँघ पर, उसके बाएँ नितंब के ठीक नीचे जा लगा। लेंक सदमे में आगे की तरफ लड़खड़ाया, लेकिन ओल' नॉट की गुस्से भरी गालियों की आवाज़ सुनकर, लड़के ने जान लिया कि उसे भागना ही होगा, और वह उठकर भागा।

पूरी ताकत से दौड़ता हुआ, ताकि उसकी लटकती टोपी उसके पीछे फड़फड़ाए, लेंक ने पीछे मुड़कर देखा और ओल' नॉट को अपने पतले-दुबले पैर पटकते और हड्डीली मुट्ठी हिलाते हुए एक झलक पकड़ी। बूढ़ा वृक्ष-मानव तेज़-पाँव लड़के के साथ नहीं चल सकता था, लेकिन वह अपनी नाक से बीजों को विस्फोटक शक्ति के साथ थूक सकता था। वे उस ताकत और सटीकता से लगते थे जो निबेलुंग के बच्चे, गुलेल के साथ भी, कभी हासिल नहीं कर सकते थे।

लेंक ने प्रक्षेप्यों से बचने के लिए पेड़ों के बीच झुककर और टेढ़ी-मेढ़ी दौड़ लगाई, जब तक कि ओल' नॉट उससे बहुत पीछे न रह गया।

लेंक सुरक्षित था! अपनी टोपी उतारकर और अपने काँपते घुटनों पर हाथ रखकर, वह पेट में दर्द के मारे दुगना हो गया – आधा थकान से और आधा दबी हुई हँसी से। क्या साहसिक कार्य था!

अपनी सुनहरी जुल्फों में उँगलियाँ फेरकर अपने माथे का ठंडा पसीना पोंछते हुए, लेंक ने अपनी टोपी वापस सिर पर रखी और चुराई गई बुजुर्ग-लकड़ी की लाठी को देखा जो मेडो को उसकी वीरता साबित करेगी।

अब, उसे बस अपने पैरों के निशान पर वापस निबेलुंग गाँव जाना था!

लेकिन जब उसने अपने आस-पास का निरीक्षण किया, तो लेंक को एहसास हुआ कि वह भागने की भागदौड़ में जंगल के रास्ते से बहुत आगे निकल गया होगा।

"कोई बात नहीं। मुझे बस उत्तर जाना है, फिर पूर्व, फिर... दक्षिण? नहीं, रुको, यह दक्षिण था, फिर पूर्व, फिर उत्तर!"

जैसे ही सूरज पेड़ों के पीछे डूबा, ऊपर का आसमान गोधूलि नीले रंग में बदल गया।

***

दूर से एक भेड़िये की चीख गूँजी। लेंक मुश्किल से सूरज डूबने से पहले रास्ते पर वापस आ पाया था, ताकि चाँदनी की एक झलक उसके ऊपर पत्तों के बीच की खुली जगह से झाँक सके। दो बार अपने आप पर संदेह करने और वापस लौटने के बाद, लेंक ने ध्यान से मेडो के निर्देशों को दोहराया, जब तक कि उसने सही रास्ता नहीं निकाल लिया। वह गाँव की मोटा-मोटा दिशा जानता था, इसलिए जब तक वह जंगल के रास्ते पर रहा, वह जानता था कि वह जंगल के घने, उजाड़ हिस्सों में खो नहीं सकता। उसकी आँखें धीमी रोशनी के अभ्यस्त होने के बाद भी, लेंक को अभी भी अपने स्पर्श के एहसास पर निर्भर रहना पड़ता था, एक बार में केवल एक कदम उठाना और अपने नीचे की जमीन को महसूस करना ताकि खुद को विश्वास दिला सके कि वह अब भी उस अच्छी तरह चली गई राह पर था। लेकिन फिर, उसे कुछ ऐसा मिला जिसकी उसे उम्मीद नहीं थी: रास्ते का एक दोहरा विभाजन, एक दक्षिण की ओर जा रहा था, दूसरा पश्चिम की ओर।

लेंक ने अपनी स्थिति पर विचार किया। वह जानता था कि निबेलुंग गाँव मोटे तौर पर दक्षिण की दिशा में था, लेकिन उसे पूरा यकीन था कि वह पहले बहुत पूर्व की ओर भटक गया था। कान लगाकर सुनते हुए, लेंक ने एक अजीब आवाज़ पकड़ी: एक बाँसुरी पर बजाई गई भूतिया धुन? और वह पश्चिम वाले रास्ते से आ रही थी!

चुराई गई लाठी को एक अंधे आदमी की छड़ी की तरह इस्तेमाल करते हुए, लेंक मुस्कुराया और पश्चिम की ओर बढ़ा। उसे मदद के लिए चीखने का मन हुआ था जब तक कि कोई दूसरा निबेलुंग उसे न ढूँढ़ लेता, लेकिन मेडो द्वारा की जाने वाली चिढ़ के विचार पर, लेंक ने अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करने और हार न मानने का संकल्प किया। जब उसने सोचा कि वह सरीना को बताएगा कि उसने अकेले ही जंगल में रास्ता कैसे निकाला, तो उसका सीना फूल गया!

उसे आश्चर्य हुआ, लेंक ने आगे रास्ते पर एक हल्की चमक देखी। अजीब? उसे यकीन था कि निबेलुंग गाँव तक पहुँचने के लिए उसे कम से कम एक बार दक्षिण मुड़ना होगा, लेकिन यह मशालों की रोशनी के अलावा और क्या हो सकता था?

लेकिन जैसे ही वह पास आया, उसने देखा कि रोशनी का रंग ठंडा, हरा था, जो मशालों की लहराती रोशनी से ज़्यादा जुगनू की स्थिर चमक जैसा था। पश्चिम वाला रास्ता एक खुली जगह में जाकर खत्म हुआ, जिस पर एक प्राचीन, गिरा हुआ पेड़ छाया हुआ था, जो अगर जीवित होता तो बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष का मुकाबला कर सकता था। उसका ठूँठ, जो आसानी से छह फीट व्यास का था, उस बूढ़े पेड़ के एकमात्र कब्र-पत्थर की तरह काम करता था।

लेंक ने अपनी लाठी कसकर पकड़ी, काँप रहा था। उसे सदावन-वन के इस हिस्से की कोई याद नहीं थी! जैसे ही उसने आँसू पीछे झपकाए, लेंक ने पेड़ के ठूँठ पर कुछ बैठा देखा जो उसने पहले नहीं देखा था। एक बच्चे जैसी आकृति, उसके साथी निबेलुंगों में से किसी की तरह, नरकट की बाँसुरी बजा रही थी? लेंक ने उस बच्चे को पुकारा, लेकिन पास आते ही ठोकर खाई, और गीली चपत के साथ जंगल की जमीन पर कीचड़ और पत्तों में जा गिरा।

लेंक के लड़खड़ाने की आवाज़ पर, बच्चे का सिर उसके संगीत से ऊपर उठा। लेंक ने धुंधला-सा महसूस किया कि बच्चे के चेहरे में कुछ अजीब था, और उसके कपड़ों की जाँच की: भूरे, चमड़े के फटे-पुराने कपड़े, जो हरी, पत्तेदार किनारी से सजे थे। निबेलुंगों की बुनी हुई टोपियों के विपरीत, उसकी टोपी लटकती हुई थी, जिसके ऊपर फटे-पुराने टुकड़ों का एक गुच्छा था, और उसका चौड़ा किनारा उसके चेहरे को छाया में ढक रहा था।

लेंक स्थिर हो गया, जब उस बच्चे ने उसे चमकती लाल आँखों से देखा। नहीं… टोपी ने बच्चे का चेहरा नहीं ढका था।

बच्चे का कोई चेहरा ही नहीं था!

फिर भी, बिना चेहरे वाला बच्चा लेंक को देखकर अपना सिर झुकाता हुआ लगा। "क्या तुम खो गए हो?"

हालाँकि उसकी आवाज़ ऊँची थी, लेंक को यकीन था कि यह एक लड़के की आवाज़ थी।

लेंक ने अपने होंठों से एक पत्ता थूका, खुद को उठाया और अपनी लाठी को अपने सामने मजबूती से पकड़ लिया, ज़रूरत पड़ने पर लड़ने के लिए तैयार। "नहीं! मैं खोया नहीं हूँ! मैं निबेलुंग गाँव से हूँ! मुझे वापस जाने का रास्ता पता है! मैंने बस… एक गलत मोड़ ले लिया, मुझे लगता है!"

बिना चेहरे वाला बच्चा काँपता हुआ लगा। "बहुत अफसोस की बात है। मुझे उम्मीद थी कि हम दोस्त बन सकते हैं। तुम्हारा चेहरा दयालु है।"

लेंक ने अपनी लड़ाई वाली मुद्रा ढीली कर दी। "धन्यवाद! तुम्हारी, उह… लाल आँखें हैं! क्या तुम निबेलुंगों में से किसी के दोस्त हो?"

छायादार सिर ने इधर-उधर हिलाया। "नहीं। मुझे जंगल में ही रहना पड़ता है। लेकिन मुझे एक दोस्त चाहिए!"

"तुम कौन हो?"

बिना चेहरे वाला बच्चा सवाल पर विचार करने के लिए रुकता हुआ लगा। "मुझे नहीं लगता कि मेरा कोई नाम है। लेकिन मैं एक बच्चा हूँ, तुम्हारी तरह!"

लेंक ने अपना सिर खुजलाया, इस सोच पर खिलखिलाकर हँस पड़ा कि बच्चा अपना नाम भूल गया। "अच्छा, बच्चे, मैं तुम्हारा दोस्त बनूँगा! मैं कल सूरज निकलने पर तुमसे मिलने आऊँगा। तब तक मेरे पास शायद अपनी खुद की एक परी-मार्गदर्शक होगी! … बताओ, क्या तुम वह रास्ता जानते हो जो मुझे निबेलुंग गाँव वापस जाने के लिए लेना चाहिए?"

बिना चेहरे वाले बच्चे ने धीरे-धीरे सिर हिलाया।

लेंक ने अपनी लाठी पर पकड़ कसी। "क्या तुम मुझे घर जाने का रास्ता दिखा सकते हो?"

बिना चेहरे वाले बच्चे ने जोर-जोर से सिर हिलाया, फिर अपने ठूँठ से कूदा और दक्षिण की ओर भागा, लेंक की तरफ हाथ हिलाते हुए। "मेरे पीछे आओ, दोस्त!"

जीत के उल्लास के साथ, लेंक अपने नए दोस्त के पीछे भागा, उसे कुछ टहनियाँ अपने चेहरे पर लगती हुई महसूस हुईं, जब वह उसके साथ बने रहने के लिए तेज़ी से बढ़ा। "धीरे चलो, बच्चे! मैं साथ नहीं चल पा रहा!"

बिना चेहरे वाले बच्चे की आँखें उनके पीछे लाल रोशनी की एक लकीर छोड़ती हुई लग रही थीं, जब वह जवाब में चिल्लाने के लिए मुड़ा। "हमें जल्दी करनी चाहिए! हमें उड़ना चाहिए! सूरज जल्दी ही निकल आएगा!"

मेडो की चुनौती और यह याद करके कि अगर सरीना को पता चला कि उसने उसकी अवज्ञा की है तो वह कितनी मुसीबत में पड़ेगा, लेंक अपने मार्गदर्शक के साथ बने रहने के लिए तेज़ दौड़ा, उन टहनियों और कँटीली झाड़ियों को नजरअंदाज करते हुए जो उसके कपड़ों को खींचती थीं और उसकी नंगी टाँगों पर घिसती थीं। खुली जगह की रोशनी उनके पीछे फीकी पड़ गई, जब तक कि वे अंधकार में डूब नहीं गए। केवल जब एक तेज शाखा ने उसके बाएँ गाल को खरोंचा, तब लेंक ने अंततः रुक गया। "आउच! रुको, बच्चे! मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा!"

"मुझे पता है।"

"अच्छा, तो दौड़ना बंद करो! अगर तुम मेरा हाथ पकड़ लो–"

लाल आँखें फिर से दिखाई दीं। "तुम्हें अब दौड़ने की ज़रूरत नहीं है। यह काफी दूर है।"

लेंक को अपना चेहरा जलता हुआ महसूस हुआ, जब उसे एहसास हुआ कि वे रास्ते से भटक गए थे। "रुको, हम कहाँ हैं? तुमने कहा था कि तुम मुझे घर ले जा रहे हो!"

"यह मेरा घर है।"

"नहीं, मेरा घर निबेलुंग गाँव है! तुमने कहा था–"

"मैंने कहा था कि मैं निबेलुंग गाँव का रास्ता जानता हूँ। मैंने यह नहीं कहा कि मैं तुम्हें निबेलुंग गाँव ले जा रहा हूँ! मैंने कहा था कि मैं तुम्हें घर जाने का रास्ता दिखाऊँगा। अब हम घर पर हैं। अब हम दोस्त बन सकते हैं।"

लेंक स्थिर हो गया, अचानक ठंडा पड़ गया। "तुम किस बारे में बात कर रहे हो? तुम हमें खो गए!"

लाल आँखें हवा में घूम गईं, मानो बिना चेहरे वाला बच्चा उत्सुकता से अपनी गर्दन टेढ़ी कर रहा हो। "मैं पहले ही खो गया था। मैं बहुत, बहुत समय पहले खो गया था। अब मैं जंगल छोड़ नहीं सकता। अब तुम भी खो गए हो!"

लेंक उन आँखों की तरफ झपटा, बच्चे को बाजू या कलाई से पकड़ने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वहाँ सिर्फ छाया थी। लेंक तेज शाखाओं से जा टकराया, जिन्होंने उसके अंगरखे को चीर दिया और उसकी टोपी को उसके सिर से खींच लिया। लाल आँखें दो बार झपकीं, फिर अंधकार में गायब हो गईं। "चिंता मत करो, मैं तुम्हें ढूँढ़ने वापस आऊँगा! फिर हम हमेशा के लिए दोस्त बन सकते हैं!"

मूर्खतापूर्ण तरीके से, लेंक बिना चेहरे वाले बच्चे को पुकारता रहा, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। फिर लेंक ने बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष से, सभी निबेलुंग बच्चों से, और सबसे अधिक सरीना से मदद के लिए चीखा। वह तब तक चीखता रहा जब तक उसकी आवाज़ बैठ नहीं गई, और अंत में जमीन पर सिमट गया, रोता रहा, जब तक कि उसमें रोने की भी ताकत नहीं रह गई।

जैसे ही उसके आँसू सूखे, लेंक ने एक दमघोंटू खामोशी महसूस की, जो अंधकार जितनी ही गहरी थी। हवा में पत्तों की कोई सरसराहट नहीं थी, किसी जानवर की कोई आवाज़ नहीं थी। बस कुछ नहीं था।

"मैं खो गया हूँ। मैं अब हमेशा-हमेशा के लिए खो गया हूँ," लेंक ने सोचा, और उसका आखिरी विचार भी निगल लिया गया जैसा लगा।

तभी, उसे एक धीमा गीत सुनाई दिया। लेंक बैठ गया, उसका सिर उसके ऊपर की एक शाखा से टकराया। "आउच!!"

जैसे ही उसने अपनी धड़कती हुई खोपड़ी को मला, लेंक ने सोचा कि कहीं बिना चेहरे वाला बच्चा और बाँसुरी के संगीत से उसे चिढ़ाने वापस तो नहीं आ गया। लेकिन जैसे ही उसने ध्यान से सुना, वह पहले जैसा गीत नहीं था, न ही वह नरकट की बाँसुरी की आवाज़ थी। वह एक साधारण आलू-बाँसुरी की जानी-पहचानी आवाज़ थी।

"सरीना!" लेंक उछलकर खड़ा हो गया, और बुजुर्ग-लकड़ी की लाठी का उपयोग करके अंधाधुंध उस खुशी भरे संगीत की तरफ लड़खड़ाता हुआ बढ़ा। फिर, उसने एक पत्ते के पीछे रोशनी की एक बिंदु-सी पकड़ी, जो अंधकार के लंबे घंटों के बाद चौंधिया देने वाली लग रही थी, और वह उसकी तरफ झपटा!

लेंक जंगल के रास्ते की नरम जमीन पर जा गिरा, चुराई गई लाठी उसके सामने खड़खड़ाती हुई गिरी, बिल्कुल सरीना के सामने। उसके द्वारा बजाया गया आखिरी नोट आश्चर्य की एक तेज सीटी थी, जो उसके गीत के बिल्कुल विपरीत थी।

"लेंक! तुम मुझे मिल गए!" उसकी आवाज़ फटी और वह अपने ही शब्दों की हास्यास्पद आवाज़ पर मुस्कुराई। "मैंने तुम्हारा नाम तब तक पुकारा जब तक मेरी आवाज़ नहीं चली गई। फिर मैंने अपना गीत बजाया!"

लेंक ने ताजे आँसू बहाए, जब उसने अपना चेहरा सरीना की छाती में छिपा लिया। "मुझे पता था कि तुम मेरे लिए आओगी!"

सरीना ने गले लगाने का जवाब दिया, उसे प्यार से सिर पर थपथपाया, फिर खाँसी। उसकी आवाज़ अजीब तरह से लड़खड़ा रही थी, लेकिन उसके चेहरे पर कुछ भी हँसी के काबिल नहीं था। "लेंक, तुम क्या सोच रहे थे? तुम हमेशा के लिए खो सकते थे! मैं तुम्हारे लिए बहुत चिंतित थी।"

लेंक पीछे हटा और सरीना को ऊपर देखा, उसकी निगाह उस लाठी पर गई जो वह मेडो को लाने वाला था। "मुझे माफ़ कर दो, सरीना। मैं बस सदावन-वन का पता लगाना चाहता था और ढूँढ़ना चाहता था—"

"ओह, मुझे तुम्हारे ओल' नॉट को तंग करने के बारे में सब पता है। मैं पहले वहीं गई थी!" सरीना ने अपने दाहिने हाथ से लेंक के कान को मजबूती से मरोड़ा, कान को हल्के से घुमाया, फिर अपने खाली हाथ से चुराई गई बुजुर्ग-लकड़ी की लाठी उठा ली।

लेंक चिल्लाया और दबाव कम करने के लिए सहज रूप से अपने बाएँ हाथ से सरीना की कलाई को पकड़ लिया, लेकिन सौभाग्य से उसने जोर से खींचा नहीं, जब उसने लेंक को घर वापस रास्ते पर ले जाना शुरू किया। "तुम भाग्यशाली हो कि मुझे तुम मिल गए, लेंक। तुम पूरी तरह जानते हो कि मेरे बिना किसी भी बच्चे को सदावन-वन के पास जाने की इजाज़त नहीं है। जैसे ही हम घर पहुँचेंगे, मैं तुम्हें थपेड़ा मारूँगी, नौजवान!"

लेंक तड़पा, उसकी आँखों में ताजे आँसू भर आए। "ओउच! लेकिन... सरीना! मैंने कहा कि मुझे माफ़ी चाहिए!"

सरीना ने लेंक को एक बहुत ही परिचित नज़र से देखा। "तुम्हें अभी पर्याप्त माफ़ी नहीं है... अभी तक नहीं!"

लेंक के कंधे तन गए, जब वह सरीना की तेज़ क़दमों के साथ चलने के लिए संघर्ष कर रहा था। यह पहली बार नहीं होगा जब "छोटी माँ" ने उसे अपनी गोद में लिटा लिया हो। कल जब उसने ओल' नॉट को तंग किया था, तब का बहुत पुराना अपराधबोध अचानक पूरी ताकत से वापस लौट आया।

"... जी, सरीना। मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी नहीं करूँगा। क्या तुम मुझे ओल' नॉट के पास ले जाओगी ताकि मैं माफ़ी माँग सकूँ?"

सरीना की निगाह एक बार लेंक की तरफ सहानुभूति के साथ उठी, फिर उसने खुद को मजबूत किया और तेज़ कदम बढ़ाती रही। लेंक ने महसूस किया कि उसने उसके कान पर मरोड़ का दबाव हल्का कर दिया, हालाँकि उसने इसे पूरी तरह छोड़ा नहीं। "अच्छा, यह एक शुरुआत है! कम से कम तुम जानते हो कि तुम उससे माफ़ी के कर्ज़दार हो! लेकिन आज नहीं। वह कुछ दिनों तक चिड़चिड़ा रहेगा, और मुझे यकीन है कि वह तुम्हारी माफ़ी सुनने के लिए... खैर, तुम दोनों के ठंडा होने के बाद अधिक तैयार होगा! वैसे भी, मुझे लगता है कि तुमने एक दिन के लिए सदावन-वन में काफी समय बिता लिया है!"

जैसे ही उसने सोचा कि निबेलुंग गाँव में घर वापस उसका क्या इंतज़ार है, लेंक को अब यकीन नहीं रहा कि वह सदावन-वन को छोड़ना चाहता था।

लेकिन जैसे ही उसे सदावन-वन की काली, प्राणघातक खामोशी याद आई, उसे फिर से वह गर्माहट महसूस हुई जो सरीना के गीत ने उसके दिल में जगाई थी। उसे सरीना का

उसके लिए प्यार महसूस हुआ, भले ही निबेलुंग की छोटी माँ उसका कान मरोड़ती हुई उसे घर ले जा रही थी।

[अध्याय I का अंत]

निबेलुंग की छोटी माँ

अध्याय II: मिल गया

जब सूरज अभी भी उग रहा था, सरीना की परी-साथी धुँधले जंगल के रास्ते पर उनके प्रकाश-स्त्रोत का काम कर रही थी। सरीना ने अपना उपदेश समाप्त कर लिया था, और लेंक बोलने में बहुत शर्मिंदा था, इसलिए खामोशी केवल एक स्थिर थप-थप-थप से टूटती थी, जब सरीना चुराई गई बुजुर्ग-लकड़ी की लाठी को चलने की छड़ी के रूप में इस्तेमाल कर रही थी।

जैसे ही वे सदावन-वन से निकलकर दिन के उजाले में आए, सरीना ने लेंक के कान पर अपनी पकड़ नहीं छोड़ी। जैसे ही उसे अपने कान में झटका महसूस हुआ, लेंक को दर्दनाक तरीके से एहसास हुआ कि वह कितना बुरा दिख रहा था। जंगल के सबसे गहरे, सबसे अंधेरे कोनों में अपनी पागल-भागदौड़ के कारण, उसकी टोपी हमेशा के लिए खो गई थी, उसका अंगरखा कई जगहों से फट गया था, और उसके पैरों, बाजुओं और चेहरे पर पतली-पतली खरोंचों के निशान थे।

लेंक का चेहरा शर्म से जल गया जब उसे एहसास हुआ कि वह कैसा नज़ारा पेश करेगा। बाकी सभी निबेलुंग, बस उसे देखकर ही अंदाज़ा लगा लेंगे कि जंगल में उसके साथ क्या हुआ था और उसके साथ आगे क्या होने वाला है।

मानो उसे सज़ा देने के लिए, लेंक ने एक लड़की की चिढ़ाती आवाज़ सुनी, जो कहीं से भी आती हुई लग रही थी। "अरे! सरीना! तुम्हें लेंक मिल गया? वाह, वह तो बुरी तरह बिगड़ गया है!"

लेंक की आँखें फैल गईं और उसने स्रोत ढूँढ़ने के लिए अपना सिर घुमाया, केवल अपने पकड़े हुए बाएँ कान पर एक हल्का झटका महसूस करने के लिए, जब सरीना ने उस छिपी हुई लड़की को जवाब देने के लिए पुकारा। "हाँ! लेकिन वह ज़िंदा है और उसे कोई चोट नहीं आई। यही मायने रखता है!"

सरीना ने अपना सिर झुकाया, और लेंक ने उसकी नज़र का अनुसरण करते हुए आवाज़ के स्रोत को ऊपर देखा। उनके ऊपर, फादो अपना गोरा सिर चौकी-चबूतरे से बाहर निकाले, अपनी कोहनियों पर टिकी हुई थी। "कोई चोट नहीं, हुह? ज़्यादा देर नहीं, मेरा ख्याल है! क्या तुम उसे अब उसका थपेड़ा देने वाली हो, या घर पहुँचने तक इंतज़ार करोगी?"

फादो अपने पैरों को पीछे उत्सुकता से हिला रही थी, मानो उसके नीचे की दुनिया में जो कुछ भी हो रहा था वह उसके मनोरंजन के लिए एक नज़ारा हो। फादो की आँखों में देखने में असमर्थ, लेंक ने अपना सिर झुका लिया, सोच रहा था कि क्या हर कोई उसे अपनी सज़ा पाते हुए देखने का इंतज़ार कर रहा था।

सरीना ने फादो को एक कठोर नज़र से देखा। "यह तुम्हारा काम नहीं है, फादो। वह पहला निबेलुंग नहीं है जिसे मैंने अकेले सदावन-वन में भटकते हुए पकड़ा है। जैसा कि तुम्हें याद होगा!"

फादो की धूर्त मुस्कान गायब हो गई, और वह चौकी-चबूतरे के किनारे से पीछे हट गई, उसके हाथ अपने ही निचले हिस्से को बचाने के लिए उड़ गए। "हाँ, सरीना! मुझे खुशी है कि तुम उसे मिल गई! मैं बस यहाँ ऊपर बैठूँगी, और, उह... अपने काम से काम रखूँगी!"

ऐसा लगता था कि दूरी पर भी, कोई भी सरीना की चेतावनी भरी नज़र से सुरक्षित नहीं था। इस बातचीत की आवाज़ पर, बाकी निबेलुंग सरीना के बचाव अभियान की खबर सुनने के लिए दौड़े। तिला, एक ऊर्जावान लड़की जो अपने छोटे भूरे बालों को हेडबैंड के साथ पहनना पसंद करती थी, लेंक को देखकर खिलखिलाई। मोनो ने अपने रॉक गार्डन के लिए पत्थर ढोने का काम रोका, अपने लंबे लाल-सुनहरे बालों को अपनी आँखों से हटाकर अविश्वास में देखा, और अपने भाइयों, शिरी और क्योदा को बुलाने के लिए दौड़ा।

लेंक ने गुस्से से सोचा कि क्या वह तीनों "सब-कुछ-जानने वाले भाइयों" से एक मददगार भाषण सुनने वाला था कि उसे पहली जगह सदावन-वन में कभी नहीं जाना चाहिए था। निबेलुंग और उनकी परी-साथियों के बीच खबर फैलते ही सभी घर खाली हो गए। निबेलुंग गाँव जितनी छोटी जगह में कोई रहस्य ज़्यादा देर छिपा नहीं रह सकता था। लेकिन सबसे बुरी बात, मेडो छोटी भीड़ के सामने दौड़कर आया, फिर अपनी गति धीमी की और लेंक और सरीना की तरफ अकड़कर चला, अपने नुकीले कान से नुकीले कान तक मुस्कुराता हुआ। "अच्छा-अच्छा-अच्छा! निबेलुंग गाँव का नायक अपनी विजयी वापसी करता है... अपनी पूँछ दबाए? ... ओह!"

मेडो ने अपना मुँह चटाके से बंद कर लिया, जब सरीना ने अपने हाथ में चुराई गई बुज़ुर्ग-लकड़ी की लाठी को घुमाया। उसने अपना वार समय पर रोक लिया ताकि मेडो की खोपड़ी न फटे, लेकिन उसने उसकी नाक को लाठी के बट से हल्के से दबाया। "ऐसा लगता है कि लेंक इस धारणा के तहत था कि अगर वह ओल' नॉट से एक लाठी चुराता है, तो यह साबित होगा कि वह अपनी खुद की परी पाने के लिए तैयार है। मुझे आश्चर्य है कि उसके सिर में यह मूर्खतापूर्ण विचार किसने डाला?"

मेडो ने लेंक की तरफ ज़हरीली नज़र से देखा। "तुमने मुझे सरीना के सामने बेच दिया? मुझे उम्मीद है कि वह तेरी चमड़ी उधेड़ देगी–"

सरीना ने मेडो की नाक को लगभग खिलंदड़ अंदाज में चुराई गई लाठी से थपथपाया, जिससे वह कुछ कदम पीछे हट गया। "नहीं, मेडो। लेंक ने तुम्हारी खबर नहीं लगाई, लेकिन तुमने खुद ही अपनी खबर लगा ली!"

"ओहो!" ऊपर से फादो की आवाज़ गूँजी, जो अपने सामने घटित नाटकीय दृश्य का विरोध नहीं कर सकी, इससे पहले कि सरीना की गुस्से भरी नज़र ने उसे चौकी-चबूतरे के किनारे से वापस भागने पर मजबूर कर दिया। "माफ़ी चाहती हूँ! अपने काम से काम रख रही हूँ!"

बाज़ू बाँधकर, मेडो ने अपनी छाती फुला ली। "अच्छा, तो क्या हुआ? यह तो बस एक मज़ाक था। मुझे कैसे पता चलता कि वह इसे इतना गंभीरता से लेगा? निबेलुंगों के नेता के रूप में–"

सरीना ने लाठी को एक ठाठ के साथ घुमाया और उसके बट को अपने सामने ज़मीन पर पटक दिया। "बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष ने तुम्हें बस अपने उपवन के प्रवेश द्वार पर नज़र रखने के लिए कहा था उन राक्षसी पौधों के लिए जो उग आए हैं। इससे तुम हमारे बॉस नहीं बन जाते, मेडो। अगर तुम नेता बनना चाहते हो, तो कुछ ज़िम्मेदारी लेकर शुरू करो। मैं बाद में इस मामले पर चर्चा करने के लिए तुम्हारे ट्रीहाउस पर मिलूँगी!"

लेंक के कान इस खबर पर खड़े हो गए। क्योंकि बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष उनके पिता थे, इसलिए किसी भी निबेलुंग बच्चे को "नेता" नहीं कहा जा सकता था। सरीना का उपनाम "छोटी माँ" सिर्फ एक उपनाम था, कोई औपचारिक पद नहीं। भले ही वह किसी छोटे निबेलुंग को थपेड़ा मारती थी, उसने कभी भी ज़बरदस्ती नहीं की। एक दुर्व्यवहार करने वाले निबेलुंग को सरीना द्वारा सज़ा दी जाती थी अगर यह पूरी तरह स्पष्ट होता कि वह उसके योग्य है, जो स्वयं बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष के पास भेजे जाने के सहमत विकल्प के रूप में था। और बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष ने हाल ही में कम और कम बुलावे भेजे थे।

मेडो ने "नेता" की उपाधि का दावा तब से किया था जब कुछ हफ्ते पहले बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष ने उससे और सरीना से बात की थी, लेकिन यह पहली बार था जब लेंक ने निबेलुंग गाँव के पास राक्षसों के बारे में सुना।

लेंक लगभग अपने हर साथी निबेलुंग को यही सोचते हुए महसूस कर सकता था।

मेडो ने गला घोंटा और सरीना की नज़र का सामना किया, उसे दर्दनाक तरीके से एहसास हो रहा था कि अब सभी की नज़र लेंक के बजाय उस पर थी। "हम इस पर यहीं और अभी चर्चा क्यों नहीं कर सकते?"

सरीना इतनी मीठी ईमानदारी से मुस्कुराई कि वह चौंकाने वाली थी। "बेवकूफ मत बनो, मेडो! तुम नहीं चाहते कि हर कोई सुने! इसके अलावा, मुझे पहले लेंक की देखभाल करनी है!"

***

जब वे आखिरकार लेंक के ट्रीहाउस पर पहुँचे, तो सरीना ने उसका कान छोड़ा और सीढ़ी की तरफ इशारा किया।

"बहादुर बनो, लेंक। अपने कमरे में चढ़ो और उसका सामना करो जो तुम्हारा इंतज़ार कर रहा है।"

शर्मसार, लेंक केवल सिर हिला सका और आज्ञा मानी। उसने अपने फटे-पुराने अंगरखे के बचे हुए टुकड़ों से होकर एक ठंडी हवा महसूस की, जब वह अपने ट्रीहाउस की सीढ़ी चढ़ रहा था। उसने कभी इतना असुरक्षित महसूस नहीं किया था।

सरीना ने बुजुर्ग-लकड़ी की लाठी को अपनी बेल्ट में टिकाया, और उसके पीछे सीढ़ी पर चढ़ी, फिर आखिरी डंडे से बरामदे पर हल्के से कूद गई। जैसे ही उसने उसे उदास आँखों से नीचे देखा, लेंक को एहसास हुआ कि उसके बगल में खड़ा होकर वह अभी भी कितना छोटा था।

सरीना ने लाठी को दीवार के सहारे रखा, और दराज़ और कमरे के बीच में मौजूद लकड़ी के ठूँठ की तरफ इशारा किया जो बैठने की जगह और मेज़ दोनों का काम करता था। "तुम जानते हो कि क्या करना है, लेंक।"

लेंक ने अपने गले की गाँठ निगली, लेकिन आज्ञा मानी। उसके दराज़ पर एक मजबूत बुजुर्ग-लकड़ी का कंघी-ब्रश रखा था, जिसके पीछे एक लाल पेड़ की शाखा की नक्काशी थी, जो लेंक का अपना हस्तशिल्प था।

लेंक काँपता हुआ ब्रश उठाता है, सरीना की तरफ मुड़ता है, जो पहले से ही चिकने लकड़ी के ठूँठ पर शालीनता से बैठी थी और उसका हाथ बढ़ाए हुए थी। उसे ब्रश सौंपने के बाद, लेंक धीरे-धीरे उसकी गोद पर झुकने लगा, तभी उसने उसकी छाती पर हाथ रखकर उसे रोक दिया। "रुको, पहले तुझे साफ कर लेते हैं!"

उसे आश्चर्य हुआ, सरीना की परी-मार्गदर्शक उसके अंगरखे की छाती से बाहर निकली और उसके चारों ओर चक्कर लगाने लगी, उसके पंख संगीतमय ढंग से झंकृत हो रहे थे। लेंक ने अपने पैरों, बाजुओं और चेहरे की कई खरोंचों पर जलन महसूस की, और जैसे ही गर्मी कम हुई, उसने खुद को ठीक पाया। सरीना ने लेंक के बालों को धीरे से कंघी करना शुरू किया, और एक पल के लिए, उसने अपने ऊपर शांति की एक लहर महसूस की, जब तक कि कंघी उसके बालों में उलझी एक टहनी पर नहीं अटक गई।

"औच!"

सरीना उसकी परेशानी पर खिलखिलाई। "लेंक, तुम तो बिगड़ गए हो! सौभाग्य से कोई निशान नहीं है। अफसोस, मेरी परी तुम्हारे अंगरखे के लिए कुछ नहीं कर सकती! क्या तुम्हारे पास कोई अतिरिक्त है?"

लेंक ने अपना चेहरा दूसरी तरफ कर लिया, सरीना की आँखों में देखने से बचते हुए। वह इन स्थितियों में कभी नहीं जानता था कि क्या कहना है।

सरीना ने आह भरी, लेकिन उसकी आवाज़ समझदारी भरी थी। "लेंक, मैं इसे उतना ही जल्दी खत्म करना चाहती हूँ जितना तुम। तुम मेरा नियम जानते हो। मैं किसी दूसरे निबेलुंग को तब तक थपेड़ा नहीं मारती जब तक वह स्वेच्छा से स्वीकार न करे। जब तक–"

"जब तक मैं बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष के पास जाना पसंद करूँ?" लेंक ने झपटा, उसका गुस्सा उसकी शर्म को जला रहा था। "अच्छा, शायद मैं बस यही करना चाहता हूँ। मुझे परवाह नहीं है अगर वह मुझे छड़ी से पिटाई दे। उसने एक महीने में मुझसे बात क्यों नहीं की?"

सरीना की आँखें फैल गईं, लेकिन केवल साधारण आश्चर्य से नहीं। लेंक ने उसकी आँखों में डर की एक झलक देखी, यहाँ तक कि पीड़ा भी, इससे पहले कि सरीना उसे अपनी मातृ-शांत पीछे छिपा लेती। "लेंक, हम इस बारे में बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष को परेशान नहीं कर सकते। अभी, वह–"

"मुझसे नाराज़ हैं?" लेंक ने दाँत भींचे, अपनी मुट्ठियाँ इतनी कस लीं कि उसके पोर सफेद हो गए। "क्या यह इसलिए है क्योंकि मैंने उसे अपने बुरे सपनों के बारे में परेशान किया था? शायद मेडो सही है। हर बार जब मुझे बुरा सपना आता है, मैं रोते हुए वृक्ष के पास परी के लिए दौड़ता हूँ, यह मेरी गलती है। आखिरी बार, उसने सिर्फ इतना कहा कि वह मुझे परी तब भेजेगा जब मैं सच्चा साहस दिखाने के लिए तैयार होऊँगा। इसका क्या मतलब है? वह सोचता है कि मैं कायर हूँ!"

सरीना ने तुरंत सिर हिलाया। "नहीं! बिल्कुल ऐसा नहीं है! वृक्ष तुमसे नाराज़ नहीं है! और, मेडो बस… उफ़! देखो, बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष अभी किसी को नहीं देख सकता। वह… ठीक महसूस नहीं कर रहा है।"

लेंक का गुस्सा गायब हो गया, उसकी जगह उलझन ने ले ली। "क्या? क्या वह बीमार है या कुछ? वह बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष है, वह बीमार नहीं पड़ सकता!"

सरीना ने अपने कंधे झुकाए, अपने घुटनों को पकड़ लिया। "मुझे नहीं… काश मुझे पता होता!"

अब उसकी बारी थी उसकी आँखों में देखने से बचने की। जैसे ही उसने एक आँसू की झलक पकड़ी जिसे सरीना ने सावधानी से, लेकिन असफल रूप से, उससे छिपाने की कोशिश की, लेंक को अचानक बहुत बुरा लगा। "सरीना? मुझे माफ़ कर दो!"

सरीना सजग होती हुई लगी। एक काँपती साँस के साथ, उसने खुद को सीधा किया, जो भी उसे परेशान कर रहा था उसे दरकिनार कर दिया। "अच्छा, तुम्हें सच में माफ़ी माँगनी चाहिए, लेकिन उसके लिए नहीं! रुको, तुमने 'बुरे सपने' कहा? मुझे घुड़सवार और आग वाले सपने के बारे में पता है। क्या तुम्हें अब और आ रहे हैं?"

लेंक ने उस भयानक सपने की याद को अपनी मानसिक आँखों में जीवंत कर दिया, मानो वह अभी भी उसकी गिरफ्त में हो – एक काले घोड़े पर सवार, काले कवच में एक लंबा आदमी, उस पर झपटता हुआ। "नहीं! … हाँ? नहीं, मुझे दूसरे बुरे सपने नहीं आ रहे हैं, लेकिन हाँ, मुझे वही सपना आ रहा है, बार-बार, लगातार…"

"हर रात?"

लेंक ने सिर हिलाया, उसका चेहरा शर्म से जल रहा था। "यही… यही कारण है कि मैं सदावन-वन में भाग गया। मुझे पता था कि मेडो की चुनौती बेवकूफी थी! लेकिन मैं साबित करना चाहता था कि मैं बहादुर हूँ। कि मैं एक बेवकूफी भरे सपने से नहीं डरता!"

सरीना ने बाज़ू बाँध लिए, झुकने से इनकार करते हुए। "लेंक, बहादुरी का काम होता मेडो को 'नहीं' कहना। इसके बजाय, तुमने खुद को खतरे में डाला और अपने दोस्तों को बहुत चिंता दी। और गरीब ओल' नॉट ने तुम्हारा क्या बिगाड़ा था? यही हिस्सा मुझे सबसे ज्यादा हैरान करता है। क्या एक निर्दोष वृक्ष-मानव को धमकाना तुम्हारे लिए साहस है?"

लेंक ने अपनी किल्ट के फटे हुए किनारे से खेला। "नहीं! मैं उसे चोट नहीं पहुँचाना चाहता था…" उसकी आवाज़ बुझ गई, उसे अपनी मूर्खता को व्यक्त करने के लिए कोई शब्द नहीं मिल रहे थे।

सरीना ने आह भरी, फिर कंघी-ब्रश को ऐसे रख दिया जैसे हार मान रही हो। "अच्छा, मैं तुम्हें बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष के पास नहीं ले जा सकती। मेडो और मुझे उसके निर्देश स्पष्ट थे। तो मुझे लगता है कि हम एक गतिरोध पर हैं। अगर तुम्हें पछतावा नहीं है, तो हमें तब तक इंतज़ार करना होगा जब तक बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष–"

लेंक ने सरीना के कंधे को पकड़ा ताकि वह जाने के लिए उठने न पाए। "मेरा यह मतलब नहीं था! मुझे पछतावा है, सरीना… इस सब के लिए।"

सुखद आश्चर्यचकित, सरीना ने मुस्कुराकर उसका बाजू थपथपाया। "मैं तुम्हें माफ़ करती हूँ, लेंक। लेकिन सच कहूँ तो, यह अभी मेरी गोद में जीवन की सबसे कड़ी थपेड़े खाने और इसके बाद बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष के पास जीवन की सबसे कड़ी छड़ी-पिटाई खाने के बीच का विकल्प है। तुम जो भी चुनो, मैं तुम्हें नीचा नहीं देखूँगी, लेकिन अगर मैं तुम्हारी जगह होती, तो मैं कंघी-ब्रश चुनती!"

लेंक ने सिर हिलाया। "तुम सही कहती हो, मैं इसे जल्दी खत्म करना चाहता हूँ। लेकिन, ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि मैं छड़ी-पिटाई से डरता हूँ!"

सरीना मुस्कुराई, फिर बातें करने लगी। "तुम्हें डरना चाहिए! मुझे छड़ी-पिटाई मिली है, पता है! यह भयानक थी! बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष ने अपनी एक विशाल शाखा नीचे झुकाई, और मुझसे उसके ऊपर लेटने को कहा। फिर उसने मुझे उठाया और अपनी छोटी शाखाओं से इतना पीटा कि मैं रोते-रोते बेहाल हो गई! मैं एक हफ्ते तक नहीं बैठ सकी, लेकिन मैं इसके लायक थी! मैंने फिर कभी मेडो को नहीं मारा!"

आमतौर पर, लेंक खामोश बैठकर सरीना की बड़बड़ाती कहानियाँ सुनना पसंद करता था। तथ्य यह कि वह बात करना पसंद करती थी और वह सुनना पसंद करता था, उन्हें आदर्श वार्ताकार बनाता था। लेकिन लेंक सज़ा के लिए युगों से लटका हुआ था। जिस क्षण उसने मेडो की चुनौती स्वीकार की, लेंक ने इस बात का धीमा, आधा-दबा डर महसूस किया था कि जब सरीना को पता चलेगा तो वह क्या कहेगी, और जिस क्षण सरीना ने उसे ढूँढ़ा और कान से मरोड़ा, उसने स्वीकार कर लिया था कि यह उसका अपरिहार्य भाग्य होगा।

इससे पहले कि सरीना खुशी-खुशी, शानदार विवरण में बता सके कि एक प्राचीन, बुद्धिमान, जीवित पेड़ से पिटना कैसा लगता है, लेंक ने आखिरकार उसके होठों पर एक उँगली रखी ताकि उसकी कहानी रुक सके। "सरीना, तुम ही थीं जिनकी मैंने अवज्ञा

की। तुम ही थीं जिन्होंने मुझे बचाया। यह सही है कि तुम मेरी सज़ा दो। कृपया… मुझसे इंतज़ार नहीं होता!"

शरमाते हुए, सरीना ने अपने मुँह पर हाथ रख लिया, मानो इतनी मूर्ख और भुलक्कड़ होने के लिए माफ़ी माँग रही हो। "बिल्कुल!"

जैसे ही सरीना ने अपनी सीट समायोजित की और कंघी-ब्रश उठाया, लेंक उसकी गोद पर लेट गया, अपने शरीर को मेज़ की चिकनी लकड़ी की सतह पर टिकाते हुए। सरीना ने गहरी साँस ली, जब उसने प्रयोगात्मक रूप से कंघी-ब्रश को लेंक के फटे अंगरखे के निचले हिस्से पर थपथपाया, वह अचानक उससे ज़्यादा घबरा गई थी। "लेंक, मैं तुमसे प्यार करती हूँ, लेकिन मुझे तुम्हें थपेड़ा मारना है… क्या तुम तैयार हो?"

लेंक ने दाँत भींचे और सिर हिलाया, केवल सकारात्मक खर्राटे के साथ जवाब दिया। "हाँ-हाँ!"

सरीना ने एक आँसू पोंछा, अपनी सिसकियाँ छिपाती हुई, फिर अपना बायाँ हाथ लेंक की कमर के चारों ओर लपेटा और कंघी-ब्रश को अपने दाहिने हाथ से धीरे-धीरे अपने सिर के ऊपर उठाया। जैसे ही कंघी-ब्रश की पहली थपकी पड़ी, लेंक को अचानक एहसास हुआ कि उसका अंगरखा कितना फटा हुआ था, और वह उसे कितनी कम सुरक्षा देने वाला था। कंघी-ब्रश की सतह कपड़े के एक फटे हिस्से पर फैल गई, जिससे लेंक की ऊपरी जाँघ और सफेद कपड़े के निक्कर उजागर हो गए। फटे हिस्से के दोनों ओर, मोटी हरी ऊन ने उपकरण के खिलाफ एक मामूली गद्दी प्रदान की, जिससे एक धीमी, गूँज़ती चटक पैदा हुई। लेकिन फटे हिस्से पर, लेंक ने बुज़ुर्ग-लकड़ी के कंघी-ब्रश की सतह को अपने निचले नितंब की त्वचा पर सीधे महसूस किया – आने वाली चीज़ों का एक भयावह शगुन।

सरीना ने अपना जबड़ा जमाया और ध्यान से अपनी दस सबसे कड़ी थपकियों को इस तरह निशाना बनाया कि लेंक के नितंब की अधिकांश सतह समान रूप से कवर हो जाए। गर्व और चिढ़ के मिश्रण के साथ, सरीना ने देखा और सुना कि लेंक अपनी जगह पर पूरी तरह स्थिर और खामोश पड़ा है। यह कोई आश्चर्य नहीं था। लेंक हमेशा थपेड़े की शुरुआत में दृढ़ रहता था। जितना सरीना उसके दृढ़ संकल्प की प्रशंसा करती थी, उतना ही वह चाहती थी कि लेंक खुद को सख्त दिखाने के लिए इतना ज़ोर न लगाता।

लेकिन सरीना धैर्य रख सकती थी।

***

लेंक के ट्रीहाउस के बाहर, फादो आधी-अधूरी मासूमियत से इधर-उधर घूम रही थी। बेशक, वह लेंक को पसंद करती थी, और उसे मुसीबत में देखकर उसे बहुत दुख होता था। दूसरी ओर, यह जानकर अच्छा लगता था कि आज उसके अलावा कोई और भी मुसीबत में है!

इसके अलावा, फादो यह याद करने से खुद नहीं रोक पाई कि कैसे लेंक ने एक बार अपनी खुद की गुलेल बनाई थी और एक सख्त मेवा सीधे उसके पिछवाड़े पर मारा था! बेशक, गुलेल जब्त कर ली गई और बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष को भेज दी गई, और सरीना ने फादो को विश्वास दिलाया कि उसकी शरारत के लिए लेंक को अच्छी तरह थपेड़ा मारा गया था।

लेकिन फादो सोचती रही कि क्या सरीना लेंक को उतनी ही सख्ती से थपेड़ा मारती है जितनी वह सभी निबेलुंग बच्चों को, जिसमें फादो भी शामिल थी।

अगर थपेड़े शुरू नहीं हुए थे, तो शायद वह मौका मिलने पर सरीना को मदद का हाथ बढ़ा सकती थी? या अगर यह खत्म हो गया था, तो शायद वह लेंक को भावनात्मक सहारा दे सकती थी? किसे आपत्ति हो सकती थी?

लेकिन जैसे ही फादो सीढ़ी के आखिरी डंडे पर चढ़ने ही वाली थी, उसने पहली पहचानी जाने वाली गड़गड़ाहट सुनी जो सब कुछ बता देती है।

फादो मुस्कुराई। हे भगवान! वह ठीक उसी समय पहुँची जब लेंक का थपेड़ा शुरू हो रहा था?

सरीना के घर के ऊपर चौकी-चबूतरे से महत्वपूर्ण चीज़ों पर नज़र रखना उसका कर्तव्य था। लेकिन कुछ चीज़ें होती हैं जिन्हें ज़मीन पर ही जाँचना पड़ता है!

सावधानी से, फादो ने अपना सिर बस इतना ऊपर उठाया कि ट्रीहाउस के फर्श के ऊपर झाँक सके। कितनी किस्मत! दरवाज़े का पर्दा खुला हुआ था, और वह सब कुछ उतनी ही स्पष्ट रूप से देख सकती थी जैसे कि यह उसके लिए तैयार किया गया हो!

लेंक का नितंब और पैर दरवाज़े की तरफ थे, जबकि सरीना एक समकोण पर बैठी थी, अपने काम में इतनी तन्मय कि उसने फादो पर ध्यान नहीं दिया।

अफसोस! फादो को सरीना को कोई सहायता देने का अवसर मिल गया था। बीच में आना अशिष्टता होगी! उसे बस सज़ा खत्म होने तक इंतज़ार करना होगा!

लेकिन इससे पहले कि फादो सीढ़ी से नीचे उतरती, उसने सरीना को लेंक की किल्ट को उसकी पीठ के निचले हिस्से पर उठाते हुए देखा ताकि उसके सफेद निक्कर उजागर हो सकें।

***

सरीना ने अंगरखे के फटे हुए अवशेषों को अपने निशाने से हटा दिया। लेंक के निक्कर के नीचे, दस चमकीले गुलाबी निशान पहले से ही सूजने लगे थे, लेकिन लेंक दृढ़ता से अडिग था। सरीना ने अपनी स्थिति पर विचार किया। उसे न तो लेंक को शर्मसार या अपमानित करने की इच्छा थी, न ही उसे घाव या चोट के निशान देने की। लेकिन उसे एक स्थायी प्रभाव भी डालना था। प्रेरणा की एक चमक के साथ, सरीना ने जानबूझकर कंघी-ब्रश नीचे रखा, जानबूझकर लेंक को अपने सामने रखी वस्तु को देखने दिया, फिर अपनी सीट समायोजित की और प्रयोगात्मक रूप से लेंक के तने हुए नितंबों पर अपने खुले हाथ से थपथपाया।

वह लेंक को कुछ मिनट देगी ताकि वह सोच सके कि वह कंघी-ब्रश अपने अंगरखे के ऊपर कैसा लगा था, और उसके पतले निक्कर पर उसके हाथ की जलन के बारे में सोच सके। जितने वर्षों से सरीना ने निबेलुंग गाँव के लिए यह मातृ जिम्मेदारी स्वीकार की थी, उसने सीखा था कि जब किसी जिद्दी बच्चे को थपेड़ा मारने की बात आती है, तो धीमी और स्थिर गति हमेशा दौड़ जीतती है।

हर थपकी के साथ, लेंक अपने नितंब पर धीरे-धीरे आग फैलती हुई महसूस कर सकता था, लेकिन आँसू रोकने में कामयाब रहा, चीखने की इच्छा का विरोध करने के लिए अपनी मुट्ठियाँ भींचता और खोलता रहा।

एक विशेष रूप से ज़ोरदार थपकी के बाद, लेंक की टाँगें प्रतिवर्ती रूप से हिल गईं, और उसने महसूस किया कि उसके निक्कर का तंग कपड़ा खिंच गया और ऊपर चढ़ गया। जैसे ही उसके माथे पर पसीने की एक बूंद टपकी, लेंक ने महसूस किया कि बढ़ती गर्मी थप्पड़ों की जलन से भी बदतर थी। उसने लगभग कामना की कि सरीना उसके निक्कर नीचे उतार दे, ताकि ठंडी हवा राहत दे! लेकिन फिर उसने अपने चेहरे के पास रखे भयानक कंघी-ब्रश की एक झलक पकड़ी, और उसे अपने असुरक्षित नंगे नितंब पर महसूस करने का विचार उसे फिर से ठंडा कर देता!

***

फादो सीढ़ी के डंडे पर आगे-पीछे हिल रही थी। यह सपना सच हो गया था! अब वह कभी नहीं सोचेगी कि क्या सरीना लेंक को दूसरे निबेलुंग बच्चों की तुलना में कोई तरजीह

देती है। बल्कि, सरीना लेंक को उससे कहीं अधिक कड़ी थपेड़ा मार रही थी जितना फादो ने कभी महसूस किया था… या देखा था।

निबेलुंग गाँव में जो कुछ भी चल रहा था, उसे जानना फादो का काम था। क्या फादो को इस बात के लिए दोषी ठहराया जा सकता था कि वह कभी-कभी ठीक उसी समय आसपास होती थी जब सरीना की पौराणिक थपेड़े-मारी में से कोई एक हो रही होती थी?

"फादो? तुम क्या कर रही हो?"

फादो को अपनी रीढ़ में एक कंपकंपी महसूस हुई, जब उसने बमुश्किल एक चीख को दबाया। नीचे, तिला सीढ़ी के नीचे तक चुपके से आ गई थी, उसे संदेह से देख रही थी।

फादो ने लगभग गुस्से से जवाब दिया, फिर खुद को रोका और फुसफुसाने के लिए सिर नीचे किया, "तिला? अपने काम से काम रखो!"

"बहुत अच्छी सलाह लगती है! क्या तुम सरीना को लेंक को थपेड़ा मारते हुए झाँक रही हो?"

फादो ने सदमे और आक्रोश के उस नज़रिए से प्रतिक्रिया दी जो तभी संभव है जब कोई पाप में डूबा हो और रंगे हाथों पकड़ा गया हो। "क्या ख्याल है! मैं बस सरीना को बधाई देने और गरीब लेंक को संवेदना देने के लिए मिलने जा रही थी!"

तिला ने आँखें घुमाईं, लेकिन मुस्कान छिपाने में विफल रही। "ओह! और मैं तुम्हें ठीक उसी समय मिली जब तुम सीढ़ी चढ़ रही थीं, इसमें कोई शक नहीं। और जो स्पष्ट रूप से थपेड़े की आवाज़ें चल रही थीं, तुमने तुरंत अपनी आँखें फेर लीं और 'गरीब लेंक' और सरीना की गोपनीयता की ज़रूरत के सम्मान में घर चली गईं!"

फादो शरमा गई, जब वह सीढ़ी से नीचे उतरी, पहले से ही डरी हुई कि अगर तिला ने यह बात सरीना को बता दी तो उसके पिछवाड़े का क्या हश्र होगा। "बेशक! आखिर… हम सभी को पहले थपेड़े मिल चुके हैं, है ना? हम जानते हैं कि गरीब लेंक अभी क्या झेल रहा है, इसलिए… इस छोटे से रहस्य को हमारे बीच ही रखना सबसे अच्छा है!"

तिला ने बाज़ू बाँधे, एक चौड़ी मुस्कान के साथ। "बेशक! 'गरीब लेंक की खातिर', यह हमारा छोटा सा रहस्य होगा!"

फादो सीढ़ी से नीचे कूदी, इससे पहले कि वह सख्त हो जाती, सोच रही थी कि क्या शोर ने सरीना को सचेत कर दिया है। जैसे ही फादो पीछे हटी, उसने काँपते हाथों से अपना नितंब ढँक लिया, इससे पहले कि उसने तिला की मजाकिया नज़र को अपने पीछे

पाया। जवाब में, फादो ने तिला को बुरी नज़र दिखाई, फिर अपनी उँगलियाँ फैलाने का नाटक किया और अपने हाथों को सलीके से अपनी पीठ के पीछे मोड़ लिया।

फादो को पीछे हटने देने के बाद, तिला ने अपने आस-पास की जाँच की। कोई दूसरा निबेलुंग पास में नहीं लग रहा था। उसने सोचा कि फादो को लुभाने वाली अपील क्या हो सकती है? निश्चित रूप से, थपेड़ा देखना खुद थपेड़ा खाने के जोखिम के लायक नहीं था?

अचानक, खामोशी लेंक के ट्रीहाउस से थप्पड़ों की लगातार आवाज़ों से टूट गई। तिला ने महसूस किया कि सरीना ने लेंक की यातना रोक दी होगी, केवल इसे फिर से शुरू करने के लिए!

तिला ने अपनी ठुड्डी सहलाते हुए उस आखिरी बार को याद किया जब उसने खुद को सरीना की गोद में पाया था। उस अवसर पर, तिला कोहरे की पुरानी तलवार की तलाश में पत्थर-वन में गई थी, उन संकेतों को नज़रअंदाज़ करते हुए जो बताते थे कि इसे आपातकाल के अलावा नहीं छुआ जाना चाहिए।

अपने स्वयं के अनुभव के आधार पर, तिला ने अनुमान लगाया कि सरीना शायद लेंक को अपनी बात समझाने के लिए कंघी-ब्रश या लकड़ी के चम्मच का उपयोग करेगी।

तिला सीढ़ी के डंडे पर पहुँची। एक त्वरित नज़र से कोई नुकसान नहीं हो सकता था!

***

लेंक ने थप्पड़ों की एक खामोश मानसिक गिनती रखने के लिए संघर्ष किया, कुछ भी ताकि उसका ध्यान धीमी आग पर भुनने की अनुभूति से भटके, लेकिन जैसे ही उसने सौ थप्पड़ पार किए, सरीना ने गति बढ़ा दी, और लेंक ने अपनी गिनती खो दी।

आखिरकार, लेंक ने अपनी टाँगें कमजोर रूप से हिलाना शुरू कर दिया, अपनी चीखों को घुरघुराहट और गुनगुनाहट से दबाते हुए। अब जब वह आखिरकार प्रगति कर रही थी, सरीना ने राहत की लहर महसूस की। अगर लेंक अपनी सामान्य हानिरहित शरारतों का दोषी होता, तो सरीना बहुत पहले ही संतुष्ट हो गई होती, चाहे लेंक आँसू बहाए या नहीं।

वह जानती थी कि लेंक को पछतावा है, और वह जानती थी कि अब तक उसका पूरा पिछवाड़ा एक समान गुलाबी रंग का होना चाहिए। वह पहले से ही लड़के के अंडरगारमेंट्स के नीचे से निकलती गर्मी को महसूस कर सकती थी, जो उसकी गोद पर

छटपटाने पर ऊपर चढ़कर उसके निचले गालों को उजागर कर रहे थे, जिस पर कंघी-ब्रश की पहली दस थपकियों से उभरे लाल, उभरे हुए निशान दिख रहे थे।

सरीना ने तब रुका जब उसने आखिरकार लेंक को एक दबी हुई चीख निकालते सुना। आमतौर पर, सरीना लंबे-चौड़े उपदेशों से नफरत करती थी, लेकिन लेंक तक पहुँचने के लिए, उसे एहसास हुआ कि उसे आँख मूँदकर पिटाई करने से ज्यादा कुछ करने की ज़रूरत है।

लेंक ने डर की एक झलक महसूस की जब उसने उसे कंघी-ब्रश उठाते देखा, और उसने साँस पकड़ने की कोशिश की। उसे आश्चर्य हुआ, वह सरीना को भी ज़ोर-ज़ोर से साँस लेते सुन सकता था, जैसे दोनों कोई दौड़ लगा रहे हों।

"लेंक," उसने कहा, उसकी आवाज़ दृढ़ लेकिन कोमल थी। "क्या तुम समझते हो कि तुम्हें अभी क्यों थपेड़ा मारा जा रहा है?"

अब जब पहला हमला खत्म हो गया था, लेंक को अपने कमजोर, झुलसे हुए पिछवाड़े का फिर से एहसास हुआ। "मैंने तुम्हारी अवज्ञा की, और एक मूर्खतापूर्ण चुनौती स्वीकार की। मैं ओल' नॉट के साथ क्रूर था और उससे चोरी की। मैं लगभग हमेशा के लिए खो गया था।"

सरीना ने उसके उत्तर से संतुष्ट होकर सिर हिलाया। "सही कहा," उसने कहा, बिना अपनी आवाज़ को अपनी सहानुभूति की एक बूंद भी व्यक्त करने दी। "तुमने एक धौंसिया और मूर्ख की तरह काम किया, ठीक वैसे ही जैसे मेडो चाहता था।"

सरीना को अपराधबोध महसूस हुआ जब उसने लेंक को अपने कंधे झुकाते देखा, फिर अपना चेहरा अपनी बाहों में छिपा लिया, मानो यह फटकार कंघी-ब्रश के हज़ारों वार से ज़्यादा दर्द दे रही हो।

वह एक बड़ा हीरो बनना चाहता था, लेकिन अब वह एक शरारती छोटे लड़के की तरह रह गया था।

सरीना ने खुद से वादा किया कि वह उसे इसका एहसान चुकाएगी। वह जानती थी कि सख्त आदमी के व्यवहार के पीछे, लेंक एक संवेदनशील आत्मा था, लेकिन वह लेंक को विनम्रता का एक ऐसा सबक सिखाने पर भी अडिग थी जिसे वह कभी नहीं भूल सकेगा। "हम कुछ अलग करने की कोशिश करेंगे। तुम कंघी-ब्रश से मेरे द्वारा दिए गए प्रत्येक वार को गिनोगे। फिर, मैं तुमसे एक सवाल पूछूँगी। मुझे उम्मीद है कि जवाब देने से पहले तुम ध्यान से सोचोगे," सरीना ने ज़ोर देने के लिए कंघी-ब्रश को लेंक के

धड़कते गालों में से प्रत्येक पर दो बार थपथपाया, "या तुम कंघी-ब्रश के साथ समाप्त होने के बाद चुराई गई लाठी से पिटाई की उम्मीद कर सकते हो। क्या तुम तैयार हो?"

लेंक ने सिर हिलाया, अपने अपराधबोध के आँसू छिपाने की एक व्यर्थ कोशिश में नाक सूँघता हुआ।

***

तिला मंत्रमुग्ध हो गई थी। जुनून! नाटक! उसने हमेशा लेंक को पसंद किया था, और किसी तरह, उसे अपनी अपमान की घाटी सहते हुए देखना उसकी नज़रों में उसे और अधिक प्रशंसनीय बना रहा था।

कुछ हफ्ते पहले, तिला ने सरीना की गोद में अपनी ही एक यात्रा के दौरान अपनी खिड़की से एक गोरा सिर झाँकते देखा था। तब से, तिला को संदेह था कि फादो निबेलुंग गाँव में थपेड़े-मारी की झाँकी लेने की कोशिश कर रही थी। अब उसे पता था क्यों!

"यह अद्भुत है, है न?" फादो की आवाज़ गूँजी।

तिला ने अनमने ढंग से सिर हिलाया, फिर फुसफुसाया, "हाँ, फादो, सरीना थपेड़ा मारती रहती है और मारती रहती है, लेकिन लेंक बस स्थिर रहता है और झेलता रहता है! तुम कैसे–" तिला रुकी और अपने कंधे के ऊपर दोबारा देखा तो पाया कि फादो सीढ़ी के नीचे से उसे देख रही है।

"फादो? तुम यहाँ क्या कर रही हो? तुम हमें पकड़वा दोगी!"

फादो मुस्कुराई, और अपनी आवाज़ को धीमी फुसफुसाहट में छिपाने की जहमत नहीं उठाई। "हमें पकड़वाओगी? मैं तो गरीब लेंक की गोपनीयता पर हमला नहीं कर रही हूँ! सरीना क्या सोचेगी?"

तिला की निगाहें ऊपर थपेड़े की आवाज़ और नीचे अपनी तंग करने वाली के बीच दौड़ रही थीं, प्रार्थना कर रही थी कि उसकी फुसफुसाहट सरीना के कानों तक न पहुँचे। "फादो, तू पाखंडी है! तू खुद एक मिनट पहले झाँक रही थी!"

"तिला, तू पाखंडी है, तू एक मिनट पहले मुझे झाँकने पर उपदेश दे रही थी!"

तिला ने हार की भीख माँगते हुए एक हाथ हिलाया। "ठीक है, ठीक है! लेकिन यह हमारा छोटा सा रहस्य है, है न? देख, मुझे अब समझ आ गया! तुझे यह देखना होगा!"

फादो मुस्कुराई, जैसे तिला ने उसे एक शानदार चाय पार्टी में बुलाया हो, फिर तिला के बगल में खड़े होने के लिए सीढ़ी पर चढ़ गई। "उस स्थिति में, हम दोनों को अपनी आवाज़ नीचे रखनी चाहिए!"

तिला लकड़ी के डंडों की चरमराहट पर तन गई, जो उनके संयुक्त वजन के नीचे दब रहे थे। यह उसकी उम्मीद से ज़्यादा था, लेकिन तिला ने अपनी उँगली अपने होठों पर दबाकर फादो को चुप रहने का इशारा किया। दोनों ने सिर हिलाया, और साजिशकर्ताओं ने धीरे-धीरे अपने सिर उठाकर लेंक के ट्रीहाउस में घटित दृश्य को देखा।

***

कंघी-ब्रश की चटक, लेंक के पतले अंडरगारमेंट के कपड़े पर, पिछली सज़ा की आवाज़ से तेज़ थी, हालाँकि उतनी ज़ोरदार नहीं थी जितनी घनी थपकी जब सरीना ने उसे उसके ऊनी अंगरखे पर सज़ा दी थी। लेंक ने एक युद्ध-घोष गरजा, फिर अपना संयम बनाए रखने के लिए अपना होंठ काट लिया। "एक, सरीना!"

सरीना ने अपना पहला सवाल सोचा, और बुनियादी बातों से शुरू करने का फैसला किया। "तुमने आज सदावन-वन के बारे में क्या सीखा?"

"मुझे पता नहीं था कि यह इतना खतरनाक है! मैं उस बच्चे की फिर कभी नहीं सुनूँगा!"

सरीना ने एक भौंह उठाई। "कौन सा बच्चा?"

लेंक तड़पा जब उसने पहली थपकी का बाद का झटका महसूस किया, जहाँ कंघी-ब्रश ने एक ताजा निशान उभारा था। यह अपने आप में एक दूसरी थपकी की तरह था। फिर उसने आखिरकार सवाल सुना। "बिना चेहरे और लाल आँखों वाला लड़का! मैं उससे सदावन-वन में मिला था!"

सरीना ने राहत और चिढ़ दोनों के साथ साँस छोड़ी। "मैं उसे जानती हूँ। तो, इसी तरह तुम जंगल के रास्ते से भटका दिए गए?"

लेंक ने ज़ोर-ज़ोर से सिर हिलाया। सरीना ने विचार किया कि क्या उसके पास आज एक निराकार वन-आत्मा को ढूँढ़ने और थपेड़ा मारने का समय है। उसने लेंक को राहत की नई नज़र से देखा। यह जानते हुए कि लेंक हमेशा के लिए खोने के कितने करीब आ गया था, उसने उसे कसकर गले लगाने और कभी न छोड़ने का मन किया। दूसरी ओर, इसने उसे इतना मूर्ख होने के लिए उसका थपेड़ा शुरू से शुरू करने का भी मन किया। एक आह के साथ, सरीना ने एक समझौता किया। "अच्छा, मैं तुम्हें किसी ऐसी चीज़ के लिए सज़ा नहीं दूँगी जो तुम नहीं जान सकते थे। हालाँकि…"

उसने कंघी-ब्रश का दूसरा वार लेंक के बाएँ गाल पर तिरछे मारा, इतना ज़ोर से कि वह चीख के साथ अपनी जगह पर उछल पड़ा।

"दो गिनो!" सरीना ने अडिग होकर आदेश दिया।

लेंग साँसों के बीच चीख निकालने में कामयाब रहा, "दो, सरीना!"

सरीना ने तीसरा वार देने के लिए कंघी-ब्रश उठाया। "क्या तुम मेरे बिना फिर कभी सदावन-वन का पता लगाने जाओगे?"

ज़ोर-ज़ोर से साँस लेते हुए, लेंक ने अपने जवाब के बारे में सोचने के लिए रुका। "मैं वादा नहीं कर सकता, सरीना!"

सरीना का कान फड़का। "इसका क्या मतलब है?"

लेंक ने अपनी टाँगें एक साथ दबा लीं, मानो डर हो कि उसे एक अतिरिक्त थपकी मिलने वाली है। "तुमने मुझसे कहा था कि अपने जवाबों के बारे में सोचूँ, सरीना। क्या होगा अगर कोई और जंगल में खो जाए? मुझे उनकी मदद करनी होगी जैसे तुमने मेरी मदद की!"

प्रभावित होकर, सरीना ने सिर हिलाया। उसे याद नहीं था कि आखिरी बार किसी बच्चे ने इतनी बेबाकी से जवाब दिया था, जब वह उसकी गोद पर असहाय पड़ा था, लेकिन वह नाराज़ नहीं हो सकी। "सही बात है। लेकिन अगर तुम खुद खो गए तो किसी खोए हुए निबेलुंग की कोई मदद नहीं कर सकते… मैं तुमसे कहती हूँ, अगली बार जब मैं सदावन-वन जाऊँगी तो तुम्हें अपने साथ ले चलूँगी। एक बार रास्ते सीख लिए, तो वहाँ नेविगेट करना इतना मुश्किल नहीं है। लेकिन तब तक, यह वर्जित है। वादा?"

लेंक ने अपनी टाँगें ढीली कर दीं। उसके अंडरगारमेंट्स संघर्ष के कारण ऊपर चढ़ गए थे। सरीना देख सकती थी कि उसके नितंबों का गुलाबी रंग एक पीला, पेस्टी लाल हो गया था। अभी उतना चमकीला रंग नहीं जितना सरीना देखना पसंद करती थी, लेकिन वे प्रगति कर रहे थे! "मैं वादा करता हूँ, सरीना!"

सरीना मुस्कुराई, जब उसने कंघी-ब्रश उठाया। "तो यह सौदा पक्का है! तीन गिनना मत भूलना! और कोई याद दिलाना नहीं!"

उसने अपना तीसरा वार सीधे उसके निचले नितंब के बीच में निशाना बनाया। जहाँ तंग निक्कर उसके मांस को पूरी तरह ढँक नहीं पा रहे थे, लेंक ने कंघी-ब्रश की मजबूत सतह

को अपने दोनों बैठने के स्थानों पर महसूस किया! दो ताजे आँसू बहते हुए महसूस कर, उसने लगभग गुर्राया, "हा-च! तीन, सरीना!"

सरीना को ओल' नॉट की कहानी लेंक की हरकतों के बारे में याद आने पर गुस्सा चढ़ गया। "जब मैं तुम्हें उसके पास ले जाऊँगी तो तुम ओल' नॉट से क्या कहोगे?"

"मैं उससे कहूँगा कि मुझे माफ़ी चाहिए! मैं उसे फिर कभी परेशान नहीं करूँगा! मुझे परवाह नहीं अगर वह मुझ पर फिर से चिंगारी-बीज फेंके! या बड़ी लाठी से मुझे पीटे!"

उत्सुक होकर, सरीना ने लेंक के नितंब को करीब से देखा। वास्तव में, उसके बाएँ नितंब के नीचे एक छोटा, धब्बेदार नील का निशान था, जो एक चिंगारी-बीज के सटीक आकार में था। "बुरा विचार नहीं है! जब मैं तुम्हें उसके पास ले जाऊँगी तो हम ओल' नॉट को तय करने देंगे!" लेंक के पिछवाड़े के भविष्य के भाग्य को ओल' नॉट पर छोड़ने से संतुष्ट, सरीना ने लेंक के धौंसियापन को माफ करने का फैसला किया और अपनी एजेंडा की अगली वस्तु पर चली गई।

उसने चौथी थपकी दी, जो बीच में ही थी, लेकिन इस बार थोड़ी ऊपर, ताकि लेंक के निक्कर के तंग सूती कपड़े पर एक लहर दौड़ जाए और प्रभाव बिंदु पर एक अंडाकार निशान छूट जाए। लेंक ने अपनी चीखों को दबाने पर इतना ध्यान केंद्रित किया कि वह गिनती भूल गया। सरीना ने कुछ सेकंड इंतज़ार किया, फिर एक के बाद एक पाँचवीं और छठी थपकी दी, एक प्रत्येक गाल पर। "गिनती, लेंक!"

"हम्म! चार! पाँच, छह!"

सरीना ने लेंक की कमर पर हल्के से दबाव डाला, मानो उसे गले लगाने के लिए, लेकिन उसकी स्थिति की याद दिलाने के लिए भी, ज़रूरत पड़ने पर थपकियों की एक त्वरित बौछार जारी करने के लिए तैयार। "नहीं, लेंक। बस चार। यह दिखावा करना बंद करो कि दर्द नहीं होता, और अपनी गिनती और अपने जवाबों पर ध्यान केंद्रित करो!"

लेंक ने अपना माथा लकड़ी की सतह पर टिका दिया। थपेड़े वाले नितंब की स्मार्ट अनुभूति जैसी कोई चीज़ नहीं है जो तुम्हें बेवकूफ महसूस कराए! "चार, सरीना!"

सरीना ने पहला सवाल पूछा जो उसके दिमाग में आया। "तुमने पहली जगह मेडो की क्यों सुनी?"

सरीना उम्मीद कर रही थी कि सवाल से कुछ समय मिलेगा, शायद लेंक को उन बेवकूफी भरे फैसलों की श्रृंखला के बारे में सोचने पर मजबूर करे जो उसकी

लगभग-मृत्यु के अनुभव की ओर ले गए। उसने सोचा कि सवाल उसे भड़का सकता है। इसके बजाय, उसे आश्चर्य हुआ, लेंक रोने लगा, उसके कंधे काँप रहे थे।

"मैं... मैं... डर गया था!"

"मेडो से डर? वह अब तुम्हें धमका नहीं सकता! तुम उसे हरा सकते हो!"

लेंक ने सिर हिलाया, उसके आँसू गाढ़ी, काँपती सिसकियों में बदल गए। "डर... कि वह मुझे कायर कहे! डर... कि मैं कायर हूँ!"

तुरंत, सरीना का दिल पिघल गया। उसने ब्रश को अपनी तरफ, लेंक की नज़र से दूर रखा, और धीरे से उसकी पीठ सहलाई। "तुम कायर नहीं हो, लेंक। मेडो ये बातें इसलिए कहता है क्योंकि तुम अब उससे ज़्यादा मज़बूत हो!"

"उसकी वजह से नहीं! मेरी वजह से! मुझे बुरे सपनों से डर लगता है! मुझे सोने से डर लगता है! मुझे घोड़े पर सवार उस आदमी से डर लगता है! मुझे... हर चीज़ से डर लगता है!" लेंक पिघल गया, खुलकर रोने लगा, ताकि उसके नीचे मेज़ की सतह आँसुओं से भीग गई।

आश्चर्यचकित, राहत और चिंता सब एक साथ, सरीना ने उसे अच्छी तरह रोने दिया, उसके सिर और कंधों को तब तक सहलाती रही जब तक उसने आँसू नहीं पोंछे और फिर से खुद को मजबूत करने की कोशिश नहीं की। लेंक ने महसूस किया कि उसने अपना दाहिना हाथ उसके नितंब पर रखा, लेकिन इस बार एक दुलार की तरह, मानो वह वहाँ छोड़े गए लाल निशानों को शांत करना चाहती हो।

"लेंक, मैं तुम्हें बता दूँ कि तुम मेरे जाने-पहचाने निबेलुंगों में सबसे बहादुर हो। मुझे हर बार घबराहट होती है जब मुझे तुम्हें थपेड़ा मारना होता है... क्या तुम एक रहस्य जानना चाहते हो?"

लेंक के सुनहरे बाल हिले, जब वह उत्सुक होकर उठा। जैसे ही उसकी नज़र मिली, सरीना ने उसे आँख मारी। "हर बार जब मैं मेडो को थपेड़ा मारती हूँ, वह पहली थपकी से पहले ही बच्चे की तरह रोने लगता है। तो, अगली बार जब मेडो तुम्हें परेशान करे, तो यह ध्यान रखना और देखना कि क्या इससे मदद मिलती है!"

लेंक की एक भारी साँस हँसी में बदल गई, इससे पहले कि उसने आखिरकार अपनी साँस धीमी की। "लेकिन मेरे बुरे सपनों का क्या?"

सरीना ने सोचा कि वह क्या कह सकती है। वह जानती थी कि लेंक मूल रूप से निबेलुंग नहीं था। उसने कभी लेंक से उसकी उत्पत्ति के बारे में झूठ नहीं बोला था, लेकिन न ही उसने उसे सब कुछ बताया था: कि उसकी माँ निबेलुंग नहीं थी… कि निबेलुंगों की कोई माँ नहीं होती। वह सही समय का इंतज़ार कर रही थी।

लेकिन हर दिन, लेंक बड़ा और मज़बूत होता जा रहा था। जल्द ही, यह स्पष्ट हो जाएगा कि वह जंगल के बच्चों में से एक नहीं था। सरीना लेंक को अपनी गोद से उठाकर सब कुछ बताना चाहती थी। उससे माफ़ी माँगना चाहती थी। उससे बिनती करना चाहती थी कि वह इसके बजाय उसे थपेड़ा मारे। लेकिन बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष ने लेंक की माँ की आखिरी इच्छा का सम्मान किया था कि उसकी सच्ची उत्पत्ति को जब तक संभव हो सख्त रहस्य रखा जाए, ताकि उसके बेटे को बाहरी दुनिया के झगड़ों और युद्धों से दूर रखा जा सके, कम से कम जब तक वह उनका सामना करने के लिए काफी बड़ा न हो जाए।

अपने पेट में एक गड्ढा महसूस करते हुए, सरीना ने बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष को तय करने के लिए छोड़ दिया कि कब सही समय है। "मुझे तुम्हारे बुरे सपनों के बारे में नहीं पता, लेंक, लेकिन उनका जो भी परिणाम हो, मैं वादा करती हूँ कि तुम अकेले नहीं होंगे उसका सामना करने के लिए।"

लेंक ने सरीना के शब्दों पर मनन किया, थोड़ा उलझन में, लेकिन कम सांत्वना महसूस नहीं की।

"अब," उसने कहा, उसकी आवाज़ कोमल थी। "मुझे तुम्हारा नितंब नंगा करना है ताकि मैं तुम्हारा थपेड़ा ठीक से खत्म कर सकूँ।"

***

लेंक के ट्रीहाउस के बाहर, फादो और तिला ने लेंक द्वारा झेले गए भीषण वारों पर सदमे की साँसें, मेडो के रोने-धोने वाले बच्चे होने की खबर पर हँसी के ठहाके, लेंक की आत्मा को उजागर करने के हृदय-विदारक दृश्य पर आँसू, और सरीना को उसे सांत्वना देते हुए देखकर कोमल भावनाएँ रोकने के लिए संघर्ष किया।

उन्हें यकीन था कि इतना सब कुछ होने के बाद, सरीना संतुष्ट होगी। लेकिन अब, नंगे नितंब पर थपेड़ा? यह केवल सबसे गंभीर अपराधों के लिए बचाकर रखा जाता था! फिर भी, लेंक ने निबेलुंग गाँव के मूलभूत नियमों में से एक को तोड़ा था।

और उनके आश्चर्य के लिए, लेंक बिना किसी विरोध की आहट के अपने भाग्य को स्वीकार करता हुआ लगा? तिला और फादो के गाल एक-दूसरे से सट गए, जब वे

बेहतर दृश्य के लिए होड़ कर रहे थे। निबेलुंग गाँव की लड़कियों के बीच, यह सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया था कि लेंक लड़कों में सबसे सुंदर था, भले ही वह स्वयं निबेलुंग न हो।

एक ऊँची आवाज़ चिड़ियों के गीत की तरह चहकी। "अरे! तुम दोनों बदमाश क्या कर रहे हो?"

फादो और तिला अपने साझा सीढ़ी के डंडे पर खतरनाक ढंग से डगमगाए, जब उनमें से प्रत्येक ने अपने पिछवाड़े को ढँकने के लिए एक हाथ छोड़ा, मानो सरीना कोई बदला लेने वाली आत्मा हो जो उन्हें हवा में ही थपेड़ा मारने आ गई हो। उन्होंने मुड़कर अपनी दो परी-साथियों को पाया। तिला की परी ने बाज़ू बाँध रखे थे, उसके पंख स्थिर रूप से फड़फड़ा रहे थे। फादो की परी ने अपने कूल्हों पर हाथ रखे और अपना पैर थपथपाया जैसे वह किसी अदृश्य फर्श पर खड़ी हो।

तिला और फादो की नज़रें मिलीं, हर एक उम्मीद कर रहा था कि दूसरा कोई शानदार स्पष्टीकरण देगा। उनकी परी-साथियाँ दोस्तों से कहीं अधिक थीं। वे संरक्षक, सलाहकार, नैतिक मार्गदर्शक थीं! कोई बचाव पेश करने में असमर्थ, तिला और फादो ने अपनी परियों को देखा, उनके द्वारा सरीना को सचेत करने, शायद उन्हें सीढ़ी चढ़ने और विनम्रता से लेंक के सामने थपेड़ा खाने के लिए कहने का इंतज़ार कर रही थीं!

लेकिन दोनों परियाँ शरारत से मुस्कुराईं, और अपने निबेलुंग बच्चों के सिर पर बैठने के लिए उड़ गईं। "तुम्हें कैसी हिम्मत हुई… हमें बिना बुलाए!"

***

लेंक का दिल उम्मीद से धड़क रहा था। उसने इस पल का डर किया था, पूरी तरह जानता था कि यह आने वाला है, लेकिन फिर भी उसे उम्मीद थी कि सरीना उसे इस आखिरी अपमान से बचाएगी। लेकिन लंबे थपेड़े ने उसकी जिद को तोड़ दिया था, ताकि अब वह खुद को अपने भाग्य को स्वीकार करने के लिए तैयार पाता था। वह जानता था कि यह उसकी सज़ा का आखिरी हिस्सा था, और उसने इसे एक बहादुर निबेलुंग की तरह झेलने का फैसला किया था।

सरीना ने धीरे से लेंक को खड़े होने में मदद की और उसके अंगरखे के नीचे उसके सफेद निक्कर को पकड़े हुए धागों को खोलने के लिए पहुँची। लेंक के हाथ पहले गांठों पर गए। "कृपया, सरीना! … क्या मैं कर सकता हूँ?"

सरीना ने सिर हिलाया और विनम्रता से अपना सिर दूसरी तरफ घुमा लिया, जिससे लेंक अपने अंडरवियर को अपने नितंब से बस थोड़ा नीचे खींच सका। यह केवल जब

उसने अपने निक्कर नीचे उतारे कि उसे एहसास हुआ कि वे कितने असहज थे। उसने अपने अंगरखे के किनारे को अपनी कमर के सामने नीचे रखा, अपने अंगरखे के फटे हुए अवशेषों द्वारा प्रदान की गई शालीनता की आखिरी किरण के लिए आभारी। लेंक को अपना चेहरा गर्म जलता हुआ महसूस हुआ, जब वह वहाँ खड़ा था, असुरक्षित और कमजोर। फिर भी, उसके ट्रीहाउस में सरसराती ठंडी हवा उसके दूसरे लाल गालों के खिलाफ सुकून देने वाली लग रही थी।

लेंक ने आज्ञाकारी ढंग से वापस अपनी स्थिति में आ गया, अपने अंगरखे के फटे हुए पिछले हिस्से को एक साफ फ्लैप की तरह उठाकर अपना लाल होता पिछवाड़ा उजागर कर दिया। जैसे ही सरीना शुरू करने वाली थी, उसने अपनी परिधीय दृष्टि में रोशनी की एक चमक पकड़ी, जैसे सूरज की रोशनी में परी-धूल। उसने पलक झपकाई और दरवाजे के बाहर सीढ़ी को ध्यान से देखा, लेकिन अपने सामने लेंक के नंगे नितंब को देखकर, उसने हाथ में लिए काम पर ध्यान केंद्रित करने और थपेड़ा फिर से शुरू करने का फैसला किया, अपने हाथ से शुरू करते हुए, मानो वे शुरुआत से शुरू कर रहे हों।

सरीना अपनी पूछताछ के लिए लेंक के जवाबों से संतुष्ट थी। अगर उसने गुस्ताखी या बहाने से जवाब दिया होता, तो उसने जितनी देर ज़रूरी होती, उसकी सज़ा बढ़ाने की योजना बनाई थी। जैसा कि था, सरीना लेंक की यातना को समाप्त करने के लिए उत्सुक थी, लेकिन तब तक कोई रहम नहीं दिखाने के लिए अडिग थी जब तक उसका पिछवाड़ा लाल सेब की तरह चमक न जाए।

लेंक पहले से ही जानता था कि अगले कुछ दिनों तक उसे बैठने में कठिनाई होगी। लेकिन शर्म, अपराधबोध, अपमान और दर्द, सभी नए भावों के साथ तीव्र विरोधाभास में थे: प्यार, सुरक्षा… और निर्भयता। लेंक के आँसू वापस आ गए। लेंक ने शायद ही ध्यान दिया जब सरीना ने हाथ के थपेड़े रोके, कई थपेड़ों का संचित दर्द अब उसकी व्यक्तिगत थपकियों को महसूस करने की क्षमता को अभिभूत कर रहा था।

लेकिन जैसे ही उसने कंघी-ब्रश की ठंडी लकड़ी को अपने पिछवाड़े पर रगड़ते हुए महसूस किया, और चेतावनी की थपकियाँ सुनीं, उसका आखिरी विचार सरीना के प्रति कृतज्ञता और अपने भाग्य की स्वीकृति का था।

***

बमुश्किल सरीना की नज़र से बचने के लिए समय पर झुकने के बाद, फादो और तिला ने भव्य समापन को देखने के लिए अपने सिर उठाने की हिम्मत की। लेंक चीखा और छटपटाया, जब सरीना ने उसे कंघी-ब्रश से निर्दयता से पीटा, लेकिन केवल एक छोटे से हाथ से उसे अपनी जगह पर रोके रखते हुए, लेंक ने विशुद्ध इच्छाशक्ति के बल पर अपनी स्थिति छोड़ने या खुद को बचाने से इनकार कर दिया!

उनके छोटे से कारनामे का अवैध मज़ा बहुत पहले ही विस्मय और सहानुभूति की भावना से बदल दिया गया था। दोनों लड़कियाँ लेंक के पास दौड़कर उसे सांत्वना देना चाहती थीं, या सरीना के चरणों में गिरकर सब कुछ कबूल करना चाहती थीं। तिला ने अपना सिर और ऊपर उठाया, छिपने के किसी भी बहाने को भूलकर, चीखने के लिए तैयार, "कृपया! मुझे इसके बजाय थपेड़ा मारो!"

लेकिन किस्मत ने हस्तक्षेप किया। लेंक ने अपने बाएँ पैर को इतनी ताकत से मारा कि उसका जूता पूरे कमरे में उड़ गया, खुले दरवाज़े से होकर, और सीधे तिला के चेहरे पर जा लगा। फादो को यह होने से पहले ही देखने का समय मिल गया था, लेकिन प्रतिक्रिया करने में असमर्थ थी। तिला ने सहज रूप से फादो को पकड़ लिया, जिस सीढ़ी के डंडे पर वे दोनों खड़ी थीं वह कराहा और दो टुकड़ों में टूट गया, फादो ने सहज रूप से ऊपरी डंडे को पकड़ लिया, पूरी सीढ़ी बरामदे से टूट गई, और वे सभी एक पागल भागदौड़ में जमीन पर गिर गए, जो एक अंतिम, लड़कियों भरे आलिंगन में बदल गया, साथ में दो परियाँ भी जो लड़कियों के बालों से बेबसी से चिपकी रहीं।

लेंक अपनी सज़ा में इतना मग्न था कि उसने हंगामा नहीं सुना, लेकिन सरीना ने सब कुछ देखा। लेंक को नीचे देखते हुए, उसने अपने हाथ के काम की जाँच की। धीरे से, लेकिन तुरंत, सरीना ने स्वतंत्र रूप से रोते हुए लड़के को अपनी गोद से उठाया, और उसका सिर मेज़ पर टिका दिया।

बरामदे के किनारे पर झाँकते हुए, सरीना ने फादो और तिला को पहचाना, दोनों बेहोश थीं, उनके चेहरे पर उलझे हुए भाव जमे हुए थे। सरीना ने खामोशी से गुस्सा किया, "क्या दिन है!"

उसने अपनी परी को सचेत करने के लिए अपनी कमीज़ की छाती पर थपथपाया, और उसे दो जासूसों की जाँच करने के लिए नीचे भेजा। चूँकि परियाँ उपचारात्मक जादू से संपन्न थीं, सरीना उनके लिए और कुछ नहीं कर सकती थी, और इसलिए उसने फिलहाल अपना पूरा ध्यान लेंक पर देने का फैसला किया।

सिसकते हुए, लेंक ने अपने अग्र-बाहुओं पर आँसू पोंछे, फिर भी अपनी स्थिति बनाए रखने की कोशिश कर रहा था। "क्या? क्या हुआ? क्या मैंने बहुत जोर से लात मारी?"

"नहीं, तुम्हारी सीढ़ी गिर गई। क्या तुम्हारे पास कोई अतिरिक्त है?"

लेंक ने पलक झपकाई, फिर अपनी बहती नाक को अपने अंगरखे के सामने पर पोंछा, अपनी बुरी हरकतों के लिए पश्चाताप और अपनी उचित सज़ा स्वीकार करने के अलावा

कुछ भी याद करने के लिए संघर्ष कर रहा था। "हाँ, मेरे पास थैले में एक रस्सी की सीढ़ी है।"

सरीना गर्व से चमक उठी। "तुम अद्भुत हो, लेंक! कोने में जाओ और मेरा इंतज़ार करो।"

लेंक की निगाहें कोने में रखी लाठी पर गईं। "क्या... क्या तुम मुझे अब उस लाठी से पिटाई करने वाली हो?"

सरीना ने उसकी नज़र चुराई हुई लाठी पर जाते हुए देखी। रुकावट से पहले, वह उसे एक अतिरिक्त छड़ी-पिटाई देने के लिए बहुत ललचा रही थी, या चुराई गई लाठी से उसे कैनिंग करके उसकी चोरी को काव्यात्मक न्याय के अंतिम स्पर्श से पुरस्कृत करती, लेकिन लेंक इतना बहादुर, इतना आज्ञाकारी, और इतना पश्चातापी था, कि उसका दिल पिघल गया। "नहीं। तुमने अपनी सज़ा बहादुरी से ली, लेंक। मुझे तुम पर गर्व है।"

लेंक ने उसकी ओर देखा, उसकी आँखें आँसुओं से चमक रही थीं। "धन्यवाद, सरीना। मुझे उस चीज़ के लिए खेद है जो मैंने इसके लायक होने के लिए की।"

सरीना मुस्कुराई और उसे कोने तक ले जाने के लिए अपना हाथ उसके कंधे पर रखा, फिर चुराई गई लाठी को स्वयं उठाकर अपनी बेल्ट में लगा लिया। उसे एक गुप्त संदेह था कि यह काम आएगी। "तुम्हें माफ़ किया! लेकिन यह मत भूलना कि तुम पर अभी भी ओल' नॉट से माफ़ी माँगने का कर्ज़ है। हम कल इसे उसे वापस कर देंगे। अगर तब तक तुम्हें अभी भी अपराधबोध महसूस हो, तो तुम उससे पूछ सकते हो कि क्या वह सोचता है कि तुम पिटाई के लायक हो। मैं तुम्हें उससे पूछने के लिए मजबूर नहीं करूँगी। यह तुम पर निर्भर है। यहाँ खड़े रहो और आज जो कुछ भी हुआ है उसके बारे में तब तक सोचो जब तक मैं आकर तुम्हें रिहा न कर दूँ।"

लेंक ने सिर हिलाया, जब उसने अपने निक्कर खींचे, पिटाई की संभावना के बावजूद अजीब तरह से सांत्वना और माफ़ी महसूस कर रहा था। सरीना ने आखिरी बार अपने पसंदीदा छोटे दोस्त को उसकी निगरानी में खड़ा देखकर आनंद लिया, इससे पहले कि उसने रस्सी की सीढ़ी बाँधने की ओर ध्यान दिया।

उसने अपने पीछे का दरवाज़ा बंद कर दिया, नहीं चाहती थी कि लेंक को अभी इस भयानक जानकारी के सामने उजागर करे कि उसकी जासूसी की गई थी। क्या करें, क्या करें?

सरीना को राहत हुई, उसकी परी ने बताया कि फादो और तिला दोनों को कोई स्थायी चोट नहीं आई थी, हालाँकि वे दोनों एक अनियोजित झपकी ले रही थीं।

सरीना ने घास की पहाड़ी पर चारों बदमाशों के ढेर के बेतुके दृश्य पर अपना मुँह कस लिया। "उनकी परी-साथियों का क्या?"

"जाग रही हैं, लेकिन उनके पंख थोड़े बिखरे हुए हैं।"

सरीना ने रस्सी की सीढ़ी को गिरने दिया, और मुस्कुराए बिना नहीं रह सकी, जब सीढ़ी का सिरा नीचे फादो के ऊपर की ओर उठे नितंब पर हल्के से पड़ा। आने वाली चीज़ों के संकेत और शगुन! बहुत बुरा कि फादो इसकी सराहना करने के लिए जाग नहीं रही थी!

"मैं लेंक को बिस्तर पर सुलाने जा रही हूँ। लड़कियाँ अपनी झपकी से तीनों के जागने के बाद उचित रूप से उससे माफ़ी माँग सकती हैं।"

सरीना की परी ने अपनी उँगलियाँ चटकाईं, फिर परी-आकार के नितंब पर थपेड़ा मारने के एकांतिक नाटक में अपनी बाहें फैलाईं। "उनकी परियों को भी अच्छी पिटाई देना मत भूलना। लेंक की जासूसी करना अपने आप में काफी बुरा है, लेकिन एक परी-संरक्षक अपने निबेलुंग को भटकाने के लिए प्रेरित करे? तुम उन्हें जो भी सज़ा दो, मैं दोगुना कर रही हूँ! वैसे, मुझे देरी करने का कोई कारण नहीं दिखता जबकि उनके निबेलुंग ठीक हो रहे हैं!"

सरीना एक ऐसी सजातीय आत्मा को संरक्षक पाकर खिलखिला उठी! लेंक ने उत्सुकता से सरीना को देखा, जब वह उसके ट्रीहाउस में वापस आई, लेकिन उसने पूछताछ करने की हिम्मत नहीं की, न ही थपेड़े की ताज़ा याद के साथ बहस करने की, जो अभी भी उसके दिमाग में ताज़ा थी। "मैंने अपना फैसला कर लिया है। मैं ओल' नॉट से मुझे छड़ी से पिटाई देने के लिए कहूँगा। और मैं बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष से भी मुझे छड़ी-पिटाई देने के लिए कहना चाहता हूँ!"

सरीना ने दोबारा देखा, उम्मीद कर रही थी कि लेंक मज़ाक कर रहा है। "सज़ा का भूखा होने की कोई ज़रूरत नहीं, लेंक!"

लेंक ने सरीना को एक दृढ़ नज़र से देखा जो किसी बहस की गुंजाइश नहीं देता था। "मैं डरता नहीं हूँ!"

सरीना ने कंधे उचकाए, फिर उसके बाल बिखेर दिए। "अच्छा, मुझे लगता है कि हम निर्णय उन पर छोड़ सकते हैं।"

उसने जम्हाई ली और अपनी झुकती आँखों को रगड़ा, जब सरीना ने उसे टाइम-आउट से रिहा किया और बिस्तर की तरफ मार्गदर्शन किया।

सरीना उसके अंगरखे के कॉलर को उसके सिर के ऊपर खींचने के लिए पहुँची। "तुम्हारे कपड़े फटे हुए हैं! मैं तुम्हारे लिए उन्हें सिल दूँगी!"

लेंक ने अपने अंगरखे के किनारे को पकड़ा, शरमाते हुए। "नहीं! कृपया, सरीना, मुझे करने दो!"

सरीना ने अपनी पकड़ छोड़ी, बेवकूफ महसूस कर रही थी। "ओह! माफ़ करना, लेंक। आदत है। मैं तुम्हें कुछ गोपनीयता देने के लिए बाहर जाती हूँ।" यह एक मीठा-कड़वा पल था। उसने लेंक को तब कपड़े पहनाए था जब वह एक शिशु के रूप में उसकी देखभाल में छोड़ा गया था। पलक झपकते ही, उसने महसूस किया कि वे दिन हमेशा के लिए चले गए थे।

लेंक ने फटे हुए कपड़े दरवाजे के बाहर छोड़े, फिर अपना सिर पर्दे के पीछे से बाहर निकाला। सरीना ने सोचा कि क्या वह अभी भी कपड़े उतारने में शर्मा रहा था, जब तक उसने देखा कि उसने एक अतिरिक्त अंगरखा और टोपी पहन ली है। "सरीना? सब कुछ के लिए धन्यवाद!"

सरीना ने उसके माथे पर एक चुम्बन लगाकर जवाब दिया, और उसे उसकी झपकी के लिए छोड़ दिया। उसने सदावन-वन में अपनी बिना नींद की रात के बाद बिस्तर में गोता लगाते हुए गिरने की आवाज़ सुनी।

जैसे ही सरीना सीढ़ी से नीचे उतरी, उसने अपनी परी को फादो और तिला की परियों को इकट्ठा करते सुना, प्रत्येक को उनके पंखों से चिकोटी काटती हुई, जैसे वह उनका मार्गदर्शन कर रही थी। "अरे! सुनो! तुम दोनों पर शर्म आनी चाहिए! एक परी अपने निबेलुंग को इस तरह के विनाश के लिए लुभाए? यह संपूर्ण परी-जाति के लिए कलंक है!"

जैसे ही सरीना ने फादो को कमर से पकड़ना शुरू किया, गोरी निबेलुंग हिली, और काँपते हुए बड़बड़ाई, "... पाँच और मिनट, मम्मी!"

सरीना मुस्कुराई और फादो के नितंब पर एक त्वरित थप्पड़ लगाया। "ओह, बहुत अच्छा! तुम जाग गई!"

थप्पड़ ने उसे जगाते ही फादो पिल्ले की तरह चीखी। अभी-अभी एक ज्वलंत सपने से जागी थी जहाँ वह निबेलुंग गाँव के सभी लोगों के सामने घुटने पर झुकी हुई थी और थपेड़ा खा रही थी, फादो बोलने से बहुत डर गई थी, जब उसने धुंधले रूप से महसूस किया कि उसका बुरा सपना वास्तविकता बन गया है!

फादो की राहत के लिए, सरीना ने उसे नीचे रखा, केवल एक और मजबूत थप्पड़ मारा और फादो के ट्रीहाउस की तरफ इशारा किया। "सीधे घर जाओ और मेरा इंतज़ार करो। अगर तुम इतनी उत्सुक हो कि मैं लेंक को कैसे थपेड़ा मारती हूँ, तो तुम्हें झाँकने की ज़रूरत नहीं है, मैं तुम्हें प्रत्यक्ष रूप से दिखाऊँगी!"

"कृपया मुझे सभी निबेलुंगों के सामने थपेड़ा मत मारो!" फादो ने विनती की।

सरीना ने इस धारणा पर विचार करने का नाटक किया, जैसे फादो ने उसे एक शानदार विचार दिया हो। "हम्म! यह तुम्हें दूसरों की गोपनीयता का सम्मान करना सिखाने का एक उचित तरीका होगा!"

सरीना ने अपनी बेल्ट से लाठी निकाली, और उसे अपनी खुली हथेली पर पटक दिया, फिर उसे फादो को सौंप दिया: दोषी को अपनी ही फांसी की कुल्हाड़ी ले जानी थी! "तुम्हें और तिला को थपेड़ा मारने के बाद, मैं तुम्हें उससे व्यक्तिगत रूप से माफ़ी माँगने का मौका दूँगी। हम देखेंगे कि क्या वह सोचता है कि तुम गोपनीयता की गरिमा के लायक हो। लेकिन किसी भी तरह, लेंक से माफ़ी माँगने के बाद तुम्हें एक अतिरिक्त पिटाई मिलेगी। अब चलो, फादो!"

फादो ने आज्ञा मानी, पहले से ही अपने भाग्य के लिए समर्पित, सख्त प्रार्थना कर रही थी कि लेंक उस पर दया करे।

सरीना की परी ने अभी भी बेहोश तिला को अपने पैर से इशारा किया। "अगर तुम उसके जागने का इंतज़ार करने वाली हो, तो मैं इन दोनों को सबक सिखाना शुरू करती हूँ!" दोनों दोषी परियाँ इतनी जोर से काँपीं कि उन्होंने परी-धूल की बौछार भेजी। सरीना ने सिर हिलाया और गर्व से देखा, जब उसकी परी दोनों बेपरवाह परियों को ले गई, जो दोनों अपने बहुत छोटे, चमकते नितंबों को ढँके हुए थीं।

सरीना ने तिला के बेहोश पड़े और मूर्खतापूर्ण मुस्कान बिखेरते देखकर निराशा में आह भरी। "तिला, तिला। मुझे संदेह था कि फादो दूसरे निबेलुंगों के थपेड़ों पर जासूसी करने की कोशिश कर रही थी। लेकिन मुझे तुमसे बेहतर उम्मीद थी!"

सरीना तिला को अपने साथ ले जाने और निबेलुंग गाँव के आसपास कुछ और जिम्मेदारियाँ सौंपने पर विचार कर रही थी। इन दिनों बस बहुत सारे निबेलुंग शरारत में पड़ रहे थे!

जैसे ही उसने तिला के बेजान शरीर को अपने कंधे पर उठाया, सरीना ने अपनी कार्य-सूची पर विचार किया: पहले फादो और तिला, फिर उनकी परियाँ, फिर मेडो (और

वह हमेशा एक झंझट था), फिर फादो और तिला को लेंक से माफ़ी माँगनी होगी, जिसका मतलब फादो और तिला के लिए एक और थपेड़ा, जिसका मतलब उनकी परियों के लिए एक और थपेड़ा!

तिला कराही और अपना वजन सरीना के कंधे पर हिला, जैसे वह सपनों की दुनिया में किसी काल्पनिक थपेड़े से पीड़ित हो।

सरीना ने तिला के ऊपर की ओर उठे नितंब पर एक चंचल चेतावनी थप्पड़ लगाया। "स्थिर रहो, तिला, मैं तुम्हें घर ले जा रही हूँ!"

"... मुझे माफ़ कर दो, सरीना..." तिला ने नींद में बड़बड़ाया।

सरीना ने पीली मुस्कान के साथ आँखें घुमाईं। एक पश्चातापी निबेलुंग के थपेड़े के लिए नितंब ऊपर किए लेटे रहने पर नाराज़ रहना असंभव था, चाहे वह निबेलुंग कितना भी शरारती रहा हो।

उपसंहार:

सरीना के कुछ व्यस्त दिन थे। उसने तिला के ठीक होने के दौरान फादो को थपेड़ा मारना शुरू किया। जब तिला पूरी तरह से जागी, तो उसने खुद को यह दृश्य देखकर काश किया कि वह कभी न जागती! सरीना ने फादो को एक लकड़ी का चिन्ह बनाने का निर्देश दिया जिस पर लिखा था, "मुझे दूसरे निबेलुंगों को थपेड़ा मारते समय जासूसी करना पसंद है!" इसने फादो को अपने भविष्य के भाग्य का अनुमान लगाने के लिए काफी समय दिया, जब सरीना ने दिन का पहला थपेड़ा तिला को दिया। एक गंभीर बातचीत के बाद, दोनों आँसू भरी लड़कियों ने वादा किया कि वे फिर कभी नहीं करेंगी। फादो ने अपनी ईमानदारी साबित करने की उम्मीद में, उन सभी थपेड़ों को कबूल किया, जिन पर उसने गुप्त रूप से जासूसी की थी।

फिर भी, सरीना ने फादो को अपनी गोद में लिया, दूसरे दौर के लिए एक लकड़ी के चम्मच के साथ, और तिला को अभी भी अपनी बारी के इंतज़ार में अपना खुद का चिन्ह बनाना था। सरीना की परी ने उसे दोनों बागी परियों के साथ पूरी प्रक्रिया दोहराना नहीं भूलने दिया, लेकिन सरीना ने दोनों को एक साथ थपेड़ा मारकर समय बचाया, उसकी हथेली और लकड़ी का चम्मच दोनों आसानी से दोनों छोटे-छोटे नितंबों को ढँक सकते थे।

लड़कियों को उनके सिर के चारों ओर चिन्ह पहनकर लेंक के ट्रीहाउस ले जाया गया, ताकि वे अपनी माफ़ी माँग सकें और लेंक के फैसले को स्वीकार कर सकें। अपने शुरुआती सदमे से उबरने के बाद, लेंक को सरीना को बुजुर्ग-लकड़ी के कंघी-ब्रश से दोनों

बदमाशों (और उनकी परियों) को थपेड़ा मारने में मदद करने की अनुमति दी गई। यह उसके लिए अपनी शुरुआती चिढ़ भूलने के लिए काफी था। जब सरीना ने मज़ाक में सुझाव दिया कि क्या तिला और फादो एक सार्वजनिक छड़ी-पिटाई के लायक हैं, तो लेंक पूरी तरह से फादो और तिला को बिना किसी पिटाई के छोड़ने को तैयार था।

हालाँकि, फादो और तिला लेंक के साथ अपने दुर्व्यवहार से गहराई से आश्वस्त थीं। तिला ने पूरे निबेलुंग गाँव के सामने एक लंबी, कड़ी नंगे-नितंब थपेड़ा मारने का अनुरोध किया ताकि वह दूसरे बच्चों के लिए एक उदाहरण बन सके। यह थोड़ा अधिक था जितनी फादो ने उम्मीद की थी, लेकिन जब सरीना ने तिला को उसकी परिपक्वता और साहस के लिए सराहा, तो फादो ने भी सार्वजनिक ताड़ना के लिए स्वेच्छा से काम किया। इस बिंदु पर, दोनों परियों ने बस स्वीकार कर लिया कि उन्हें शायद सरीना की परी द्वारा दिन-रात थपेड़ा मारा जाएगा, बस बराबरी के लिए। फादो और तिला को उनके चिन्ह पहनकर घर-घर जाने और हर निबेलुंग और परी को उनकी सार्वजनिक सज़ा के समय, स्थान और कारण की घोषणा करने के लिए भेजा गया।

फादो और तिला की सार्वजनिक पिटाई अगले दिन के लिए स्थगित कर दी गई। सरीना आखिरकार शाम तक मेडो के घर पहुँची, और उसे गुस्से में इधर-उधर घूमता पाया। शुरू में, मेडो ने गुस्से से तर्क किया कि वह थपेड़ा मारने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन सरीना ने जोर देकर कहा कि अगर उसमें इसका सामना करने का साहस नहीं है तो थपेड़ा उसका कोई भला नहीं करेगा। उसके सुखद आश्चर्य के लिए, मेडो ने थपेड़ा मारने का अनुरोध किया, और अपनी बेल्ट सरीना को पेश की। अपने धौंसियापन के बावजूद, सरीना जानती थी कि मेडो वास्तव में दूसरे निबेलुंगों की मदद करने के लिए उत्सुक था। बेशक, इसने उसे मेडो के नितंब को तब तक जलाने से नहीं रोका जब तक कि वह वादा नहीं करता कि वह फिर कभी लेंक को परेशान नहीं करेगा।

अगले दिन, सरीना लेंक को सदावन-वन में ओल' नॉट से माफ़ी माँगने के लिए ले गई। लेंक के सुझाव पर, ओल' नॉट लेंक को अपनी टहनी-जैसी गोद पर झुकाकर, अपनी झपकी में खलल डालने का बदला लेने के लिए थोड़ा बहुत खुश था। लेंक ने अपनी नाराजगी के लिए पाया कि बूढ़े वृक्ष-मानव की हथेली एक लकड़ी के कंघी-ब्रश की तरह सख्त थी, और उसकी प्रत्येक उँगली एक छड़ी की तरह लचीली और पतली थी। लेंक ने ओल' नॉट से बुजुर्ग-लकड़ी की लाठी के छह वार स्वीकार करने के लिए अपने हाथों को अपने घुटनों पर रखकर खड़ा किया। जब ओल' नॉट इस बारे में बात करने लगा कि उसके जमाने में शरारती पौधों को उन पर विस्फोटक चिंगारी-बीज फेंककर भी सज़ा दी जाती थी, तो सरीना ने इससे पहले ही हस्तक्षेप कर दिया कि लेंक और भी रचनात्मक सज़ा के लिए स्वेच्छा से काम कर सकता था। बूढ़ा वृक्ष-मानव संतुष्ट लग रहा था, और उसने सरीना को चुराई गई लाठी एक उपहार के रूप में पेश की, ताकि छोटे-छोटे घुसपैठिए बच्चों को काबू में रखा जा सके।

जैसे ही वह और लेंक हाथों-हाथ घर की ओर चल रहे थे, सरीना ने सदावन-वन के अकेले, लाल-आँखों वाले आत्मा-बच्चे की एक झलक पकड़ी, जो छाया में गहरे दबी एक खोपड़ी के ऊपर मंडरा रहा था। चूँकि लेंक उसके साथ था, सरीना ने अभी के लिए उस आत्मा को नज़रअंदाज़ करने का फैसला किया, लेकिन उसने बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष से खोपड़ी-बच्चों को पकड़ने और थपेड़ा मारने के संभावित तरीकों के बारे में पूछने का मानसिक नोट बना लिया।

निबेलुंग गाँव में वापस, सरीना ने लेंक से तिला और फादो की पिटाई खत्म करने में मदद करने की बिनती की, और लेंक ने हिचकिचाते हुए सहमति दी। उसे किसी दूसरे निबेलुंग को दर्द में देखकर नफरत थी, लेकिन वह जानता था कि सरीना अभिभूत हो रही थी। लेंक के आश्चर्य की कल्पना करें जब न केवल फादो और तिला, बल्कि मेडो भी पत्थरों के घेरे में एक सार्वजनिक थपेड़ा स्वीकार करने के लिए पहुँचा! यह पता चलने पर कि लेंक सरीना के सहायक के रूप में काम करेगा, मेडो ने गुस्से में पीछे हटने की लगभग कोशिश की, लेकिन सरीना की एक नज़र और कुछ ठहाके और मज़ाकिया टिप्पणियाँ उसे डटे रहने के लिए मनाने के लिए काफी थीं: और एक से अधिक अर्थों में।

अपने हाथों को अपने सिर के पीछे रखे, अपनी शर्म की घोषणा करने वाला चिन्ह अपनी गर्दन के चारों ओर, और अपना नितंब नंगा करके खड़ी, तिला ने घबराकर देखा, जब सरीना ने फादो को अपनी गोद में लिया और लेंक ने मेडो को अपनी गोद में लिया, जिसका चेहरा पीला पड़ गया था, पत्थरों के घेरे के बीच में, उत्सुक दर्शकों से घिरे हुए। तिला ने सरीना को अपनी दिशा में आँख मारते देखा, इससे पहले कि वह फादो पर पहली थपकी देती। यह बिल्कुल उत्साहजनक नहीं था, लेकिन अपनी उचित सज़ा के सामने लेंक के साहस को याद करके, तिला ने राहत महसूस की। वह आने वाली चीज़ों का सामना करने के लिए तैयार थी।

दो थपेड़ा-मारने वालों को बारी-बारी से पाँच थपेड़ा-खाने वालों को सज़ा देने के लिए मजबूर होने के कारण, सार्वजनिक सज़ा पूरी दोपहर चली, और सरीना ने बस शुरू से सज़ा शुरू करने पर जोर दिया, हाथ के थपेड़े से शुरू, उसके बाद कंघी-ब्रश, लकड़ी के चम्मच, बेल्ट, बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष द्वारा स्वयं प्रदान की गई पतली छड़ियों का एक बंडल, सब-कुछ-जानने वाले भाइयों द्वारा बनाई गई एक पैडल, और अंत में, बुजुर्ग-लकड़ी की लाठी से अंतिम पिटाई। सरीना की परी ने सुनिश्चित किया कि फादो और तिला की परियों को लगातार थपेड़ा मारा जाता रहे, जैसा कि पिछले दिन और रात से हो रहा था (परी के नितंब आश्चर्यजनक रूप से लचीले होते हैं, उनके उपचारात्मक जादू के कारण)।

अंत में, सभी निबेलुंगों ने मेडो, फादो और तिला को उनकी सज़ा लेने के लिए बधाई दी, और यहाँ तक कि लेंक और मेडो ने भी हाथ मिलाया। जैसे ही उसने तीनों नंगे, पूरी तरह

से पिटे हुए नितंबों को घर वापस जाते देखा, सरीना ने खुद को अच्छी तरह से किया गया काम के लिए बधाई दी।

छोटी माँ का काम कभी खत्म नहीं होता था, और वह इसे किसी और तरह नहीं चाहती थी!

[समाप्त]

सौंदर्य दैत्य के उदर में

अध्याय I: विशाल मछली

"मेरी सहायता करो। मैं प्रभु दग-गादोल के उदर के अंदर फँसी हूँ।
—लैपिस

पुनश्च: मेरे पिता को मत बताना!"

लेंक और नेविया को एवलॉन की झील पर मछली पकड़ते समय एक बोतल में छिपा यह संदेश मिले हुए एक दिन और एक रात बीत चुकी थी। लेंक ने सोचा था कि यह कोई मज़ाक है, जब तक कि उसकी मुलाक़ात दो मेरो मछुआरों (लेंक ने सोचा, उनके शल्कों और पंखों को देखते हुए, दो "मछली-मानवों" के लिए एक उपयुक्त पेशा) से नहीं हुई। उन्हें वह अजीब चिट्ठी दिखाने के बाद, लेंक ने जाना कि लैपिस उनकी राजकुमारी का नाम था, और वह वास्तव में दो दिनों से लापता थी। प्रभु दग-गादोल, यह पता चला, एक महान, पवित्र मत्स्य था, जो सभी मेरोओं के बीच अपनी बुद्धि के लिए प्रसिद्ध था।

मेरो क्षेत्र के आसपास के इलाके में जादुई मेरो नीलमणि के ठिकाने के बारे में उत्तर खोजने में एक सप्ताह बिताने के बाद, यही एकमात्र सुराग था जो लेंक को अब तक मिला था। कुछ मनाने के बाद, दो मेरो मछुआरों ने फैसला किया कि एक लड़का जो इतनी सारी मछलियाँ पकड़ सकता है, एवलॉनियन होने के बावजूद, इतना बुरा नहीं हो सकता, इसलिए वे उसे राजा मेरो के महल तक मार्गदर्शन करने के लिए सहमत हो गए।

एक दृढ़ हृदय के साथ, लेंक जानता था कि उसे राजकुमारी को किसी भी कीमत पर बचाना है... जिसमें राजकुमारी लैपिस के निर्देशों को नज़रअंदाज करना और उसके पिता, राजा मेरो द बोन XVI को बताना भी शामिल था।

राजा की मोटी, कैट-फिश मूंछें काँप उठीं, जब उन्होंने चिट्ठी की जाँच की। "हो, यह पत्र! यह राजकुमारी लैपिस का है! हम्म... देखते हैं... वह प्रभु दग-गादोल के अंदर है? यह संभव नहीं है! हमारे संरक्षक देवता, प्रभु दग-गादोल, मेरी प्यारी राजकुमारी लैपिस को कभी नहीं खाएँगे! लेकिन जब से वह अजनबी, मैडॉक ड्रैकोमियर, यहाँ आया है, प्रभु दग-गादोल गलफड़ों के आसपास थोड़ा हरा-सा हो गया है..."

लेंक ने इंतज़ार किया, जब राजा रुककर प्रश्न पर विचार करते लगे। फिर उसने कुछ और सेकंड इंतज़ार किया। और फिर कुछ और सेकंड। जैसे ही लेंक ने अपना मुँह खोला, राजा सीधे हो गए, उनका पेट इस परिश्रम से जोर-जोर से हिल रहा था।

"सबूत स्पष्ट लगते हैं। बेशक तुम लैपिस को ढूँढ़ने जाओगे। तुम यहाँ से प्रभु दग-गादोल की वेदी तक जा सकते हो। मैं यह पत्र रखूँगा। तुम वह बोतल रख लो जिसमें यह था। इसे सम्मानपूर्वक लो... मेरो!"

राजा मेरो को अपनी विशाल देह को अपने विश्राम-आसन से उठाने और अपना भार बगल में हटाना शुरू करने में कुछ प्रयास लगे, धीरे-धीरे अपने जलमय सिंहासन के पीछे छिपी वेदी का रास्ता खोलते हुए।

राजा ने अपनी मोटी देह को हिलाने के वीरतापूर्ण प्रयास में तेज़ी से साँस छोड़ी। "म्यूप! बस इसी रास्ते, लड़के! अब, भाग जाओ! ओह... और अगर तुम पाओ कि राजकुमारी लैपिस ने अवज्ञा की है और फिर से प्रभु दग-गादोल के मुँह के अंदर खेलने गई है, तो उसे बता देना कि वह बड़ी मुसीबत में है! और कि वह घर पहुँचते ही अपने पापा से थपेड़े की उम्मीद कर सकती है!"

राजा मेरो ने एक पतला, जालीदार हाथ उठाया, और जोर से नीचे लाया, लेकिन उनकी भुजाएँ उनके विशाल पेट से बहुत दूर तक नहीं पहुँच पाईं। "हम्म... फिर से, शायद उसने अवज्ञा नहीं की है। मुझे उम्मीद है कि वह प्रभु दग-गादोल के पेट में नहीं है। मुझे उसे थपेड़ा मारने से नफरत होगी... यह उस तरह की चीज़ थी जो मैं उसकी माँ को सौंपा करता था!"

केवल आधा सुनते हुए, लेंक ने जोर-जोर से सिर हिलाया, राजा की विशाल कमर के बीच से धकेलने की कोशिश कर रहा था। "हाँ, महाराज! मुझे मदद करके खुशी है! और मेरो नीलमणि के बारे में क्या?"

राजा मेरो ने अपने सिंहासन से खिसकने के प्रयास रोक दिए, लेंक को एक चट्टान और एक नरम, गोल-मटोल जगह के बीच खतरनाक रूप से दबा दिया। "हम्म? हाँ, हाँ! यह एक शानदार कलाकृति है! साथ ही, अब मैं सोचता हूँ, यह देखते हुए कि तुम इतने सहायक युवक हो, क्या मैं तुम्हारी दयालुता पर एक छोटे से अनुरोध का बोझ डाल सकता हूँ। अगर... और केवल अगर! लेकिन, जैसा कि मैं कहता हूँ, अगर तुम्हें पता चले कि मेरी प्यारी पफ़ीफिश राजकुमारी फिर से प्रभु दग-गादोल के मुँह के अंदर खेलने के लिए घर से भाग गई है, तो क्या तुम इतने दयालु होगे कि... मेरी जगह उसे दंडित करो? ऐसा नहीं कि मुझे लगता है कि वह दोषी है! वह एक प्यारी बच्ची है, बिल्कुल अपनी माँ की तरह! मैं इस संभावना का उल्लेख केवल उन महान प्रयासों के सम्मान में कर रहा हूँ जो तुमने पहले ही उठाए हैं, और तुम्हारी आवश्यकता के सम्मान में कि तुम

मेरी ओर से, उसके पिता के रूप में, लोको पैरेंटिस के रूप में कार्य करो, तुम बेशक समझते हो! अगर आवश्यकता पड़े, और अगर वह वास्तव में, सचमुच इसके लायक हो; तुम्हें, निश्चित रूप से, मेरी अनुमति है कि तुम उसे थपेड़ा मारो!"

लेंक ने जोर-जोर से सिर हिलाया, राजा के पास से बाहर निकलने के लिए धकेलते हुए संघर्ष कर रहा था। "हाँ, महाराज! केवल अगर उसने अवज्ञा की! समझ गया! और, मेरो नीलमणि के बारे में?"

"ओह! उस पर चर्चा करने का समय होगा जब मेरी अद्भुत छोटी राजकुमारी को बचा लिया जाएगा! यह बहुत अच्छा है! मैं सोच रहा था कि एक सक्षम युवा साथी कब आएगा और मेरो नीलमणि के बारे में पूछेगा! मुझे इससे कोई ऐतराज़ नहीं कि तुम एवलॉनियन हो!"

नेविया ने सोचा कि राजा मेरो किस बारे में बात कर रहे होंगे, लेकिन इससे पहले कि वह पूछ पाती, लेंक ने राजा मेरो के विशाल ग्लूटस मैक्सिमस के बीच से अपना रास्ता बनाते हुए चिल्लाया, "हाँ, महाराज! राजकुमारी मेरो को बचाऊँ, रत्न ढूँढ़ूँ, उसे घर वापस लाऊँ!"

"और उसे थपेड़ा मारो... केवल अगर तुम्हें करना पड़े!" राजा मेरो ने अपनी प्यारी बेटी को किसी और को सज़ा देने के विचार पर अपना सिर झुका लिया।

"ठीक है! केवल अगर मुझे करना पड़े!" लेंक ने राजा को नज़रअंदाज करते हुए जवाब दिया, जब वह सुसज्जित मेहराबदार गलियारे से नीचे, छिपे हुए पवित्र स्थान की ओर दौड़ा।

दग-गादोल की वेदी एक बड़ा, निर्मल तालाब था, जो चारों ओर ऊँची, दुर्गम चट्टानों से घिरा था। जैसे ही लेंक तालाब के पास पहुँचा, वह हैरान रह गया, जब एक विशाल मछली, जो किसी भी व्हेल से बड़ी थी, पानी से बाहर निकली, और अपना सिर ऊँचे लकड़ी के घाट पर टिका दिया, बिल्कुल एक उम्मीद से भरे, मित्रवत कुत्ते की तरह जो दावत माँग रहा हो।

नेविया लेंक की टोपी के पीछे हल्के से उछली। "चलो, लेंक! विनम्र बनो!"

यह निश्चित नहीं था कि किसी विशाल, दैवीय मछली को संबोधित करने का कोई उचित तरीका है या नहीं, लेंक ने झुककर प्रणाम किया। "उम... महान दग-गादोल? मैं राजकुमारी लैपिस को ढूँढ़ रहा हूँ! क्या तुमने उसे देखा है?"

घाट की लकड़ी मछली के वजन के नीचे कराह उठी, जब उसने स्पष्ट रूप से जवाब देने के लिए अपना सिर ऊपर-नीचे हिलाया: हाँ!

लेंक एक ज़ोरदार "हूप!" के साथ हवा में उछला, इससे पहले कि उसे सम्मानपूर्वक झुकना याद आता। "उस स्थिति में, क्या मैं उसे देख सकता हूँ?"

एक धीमी, गड़गड़ाहट भरी कराह के साथ, दग-गादोल ने अपना सिर बाएँ-दाएँ हिलाया: नहीं!

चिढ़कर, लेंक ने अपना सिर झटका, आदरपूर्ण होना भूल गया, जवाब के लिए नेविया की ओर देखा। "अच्छा... तो फिर मुझे क्या करना चाहिए?"

"लेंक! सावधान!" परी ने चीख़ कहा।

जब लेंक दूसरी ओर देख रहा था, दग-गादोल ने अपना सिर आगे की ओर झपटा, उसके होंठ लेंक पर इतनी ताकत से गीली चपत लगाते हुए कि लड़का अपने पिछवाड़े पर सपाट गिर गया। एक भयानक गुर्राहट की आवाज़ पर, लेंक ने अपनी तलवार की मूठ पकड़ी, केवल दग-गादोल को पानी में वापस लौटते और अपनी करवट लेटते देखने के लिए। लेंक ने महसूस किया कि गड़गड़ाहट की आवाज़ कोई गरजती हुई युद्ध-घोष नहीं थी, बल्कि विशाल मछली के पेट से आ रही थी।

अपनी चोटिल टेलबोन को रगड़ते हुए, लेंक खड़ा हुआ और जीव की लार को अपने चेहरे से पोंछा। "तुम... भूखे हो?"

दग-गादोल ने फिर से व्हेल-गीत की तरह एक कराहती पुकार के साथ सिर हिलाया, लेकिन इस बार, लेंक ने विशाल मछली की पुकार में एक उदास, पीड़ादायक गुणवत्ता देखी। इसमें कोई आश्चर्य नहीं था कि मेरो इसकी पूजा करते थे।

लेंक ने अपनी आपूर्ति-थैली से लटकती एक सूखी, नमकीन एवलॉनियन बास पर नज़र डाली, जिसे उसने अपने रात के खाने के लिए रखा था। प्रभु दग-गादोल उसे भूखी नज़रों से देख रहे थे। लेंक ने बास को एक काँटे पर दग-गादोल के सामने लटकाते हुए हिलाया। दग-गादोल का पेट फिर से गुर्राया, लेकिन विशाल मछली ने कोई हरकत नहीं की।

"उह... आओ मछली, मछली, मछली?" लेंक ने गाया, हर गुज़रते पल खुद को अधिक मूर्ख महसूस कर रहा था।

लेंक के गायन की आवाज़ पर, दग-गादोल ने अपना सिर इतनी ताकत से घाट पर पटका कि लेंक को अपने खाली हाथ से खुद को संभालना पड़ा। उसने गर्म हवा का एक झोंका महसूस किया जिसमें सड़े अंडे की तरह बदबू आ रही थी, जब विशाल मछली ने अपना मुँह चौड़ा खोला, जो मेलोनी के रांच से एक पूरे घोड़े को एक घूँट में निगल सकता था। लेंक की मिचली आई, लेकिन दग-गादोल ने उसे अत्यावश्यक, बुद्धिमान आँखों से नीचे देखा।

नेविया ने अपने पंख फड़फड़ाए, उत्साहित होकर। "ओह! नोट याद है? 'मैं प्रभु दग-गादोल के उदर के अंदर फँसी हूँ!' लेकिन हम कैसे… रुको! लेंक? तुम क्या कर रहे हो?!?"

इससे पहले कि नेविया प्रतिक्रिया कर पाती, लेंक विशाल मछली के जबड़ों में कूद गया। नेविया उसके पीछे भागी, ठीक जब मुँह बंद हुआ, उसकी परी-रोशनी एकमात्र प्रकाश स्रोत प्रदान कर रही थी।

नेविया ने अपनी छोटी मुट्ठियाँ लेंक की टोपी पर बिल्ली के बच्चे से ज्यादा ताकत से नहीं पीटीं। "लेंक, वह पागलपन था! तुम क्या सोच रहे थे?"

"मैं तुम्हारी सुन रहा था!" लेंक ने पूरी ईमानदारी से जवाब दिया।

इससे पहले कि नेविया खुद को उचित उपदेश-मोड में ला पाती, बीमार पीली रोशनियाँ, प्रत्येक मानव सिर के आकार की, उनके चारों ओर चमकने लगीं, जो दग-गादोल के मुँह और जीभ के लाल-गुलाबी मांस के तीव्र विपरीत थीं।

लेंक ने अपनी आँखों को उस भयानक चमक से बचाया। "वे क्या हैं?"

"जारी-जिरी फोड़े! वे परजीवियों के कारण होते हैं। लेकिन… मैंने कभी इतने बड़े नहीं देखे या सुने हैं?"

"क्या वे खतरनाक हैं?"

"फोड़े स्वयं खतरनाक नहीं हैं, लेकिन वे या तो जारी या जिरी के उनके अंडे मांस में गाड़ने के संक्रमण से बचे हैं। एक सामान्य आकार का तुम्हें एक बिजली का झटका दे सकता है जो ततैया की तरह डंक मारेगा, लेकिन उस आकार के?" नेविया ने घृणा से चीख़कर लेंक की टोपी के नीचे छिपने के लिए उड़ गई। "उम, अगर तुम कुछ ऐसा देखो जो उड़ने वाली जेलीफ़िश जैसा दिखे, तो उसे मत छुओ! तुम बिजली से झुलस जाओगे!"

"धन्यवाद, नेविया!" लेंक मुस्कुराया, जब उसने अपनी तलवार म्यान में डाली और अपनी लकड़ी की चौपाई-लाठी के लिए पहुँचा। लेंक ने अपनी लाठी को आसानी से ले जाने के लिए अनुकूलित करने के लिए एक कोकोरिको लोहार को काम पर रखा था। एक एकल शाखा का उपयोग करने के बजाय, इसमें केंद्र में एक धातु का हैंडल था जिसमें खाँचे थे जो दो छोटी लाठियों के लिए पूरी तरह फिट थे, इसका वजन इस तरह संतुलित था कि इसे केंद्र से या किसी भी छोर से पारंपरिक चौपाई-लाठी की तरह चलाया जा सकता था।

लेंक ने अपनी बाँहों को गर्म करने के लिए कुछ अभ्यासिक वार किए। "चलो देखते हैं कि क्या कोई जिरी लकड़ी को बिजली का झटका दे सकता है!"

शैतान का नाम लो, और वह आ जाता है! दग-गादोल के गले के पीछे एक बड़ा फोड़ा फूलकर फट गया, और एक टपकती, जेली-मछली-जैसी जीव उभरा, जिसकी चमकती, नीली, पारभासी त्वचा थी, और लंबी स्पर्शिकाएँ थीं जो धागे की तरह लटक रही थीं।

उड़ने वाले राक्षस को अपना संतुलन बनाने का मौका न देना चाहते हुए, लेंक ने उसे लाठी से हवा में पटक दिया, और बिजली की एक चिंगारी को चटक के साथ चमकते देखा। घातक रूप से घायल, जिरी एक खतरनाक फुफकार के साथ जमीन पर गिरा, और दग-गादोल की काँपती जीभ पर गिरते ही बिजली का दूसरा झटका छोड़ा।

"गरीब प्रभु दग-गादोल! वह तो पीड़ा में होगा!" लेंक ने जोर से सोचा।

नेविया ने अपना सिर लेंक की टोपी के नीचे से बाहर निकाला। "हमारा क्या? हम यहाँ से कैसे निकलेंगे?"

लेंक ने पीछे मुड़कर देखते हुए कंधे उचकाए। "वापस जाना कोई विकल्प नहीं है। हमें गहरे अन्वेषण करना होगा और राजकुमारी लैपिस को ढूँढ़ना होगा। अगर वह अभी भी ज़िंदा है, तो शायद उसे पता हो कि दग-गादोल का मुँह कैसे खुलवाया जाए!"

नेविया ने दृश्य पर चेहरा बनाया। "गहरे अन्वेषण? तुम कितना गहरा जाने की योजना बना रहे हो—ओह!"

इससे पहले कि वह अपनी पूछताछ खत्म कर पाती, लेंक दग-गादोल के गले से नीचे कूद गया, और उसका आखिरी सवाल एक लंबी चीख में बुझ गया।

वे दग-गादोल के अन्नप्रणाली के आधार पर एक नरम धमाके के साथ उतरे, जो क्षैतिज रूप से एक बड़ी गुफा में खुलती थी, जिसकी दीवारें मोटी, लहरदार मांस से पंक्तिबद्ध थीं: उसका आमाशय-अस्तर। नीचे, पीला-हरा अम्ल धीरे-धीरे फुफकार रहा था। लेंक

हँसा, उसका दिल एड्रेनालाईन से धड़क रहा था। अपनी टोपी के नीचे नेविया को घबराते सुनकर, लेंक ने उसे धीरे से थपथपाया। "अरे, घबराओ मत, नेविया! हम ज़िंदा हैं! ... हैलो? क्या वहाँ कोई है?"

एक कोमल आवाज़ ने, मानो कहीं से नहीं, जवाब दिया। "अच्छा, आखिरकार कोई मुझे बचाने आया। तुम! तुम कौन हो?!?"

आवाज़ कितनी भी कमजोर क्यों न हो, लेंक ने देखा कि शब्दों में एक निश्चित व्यंग्यात्मक किनारा था। यह किसी भी मानवीय आवाज़ की तरह नहीं थी। इसमें उतनी ही पतली, हल्की ध्वनि थी जितनी लेंक से मिले मेरो मछुआरों की आवाज़ों में थी, लेकिन उनसे बहुत अधिक तीखी थी।

लेंक ने आवाज़ के स्रोत की खोज में अपनी खोपड़ी खुजलाई। "मैं लेंक हूँ, निबेलुंग वन का!"

आवाज़ ने एक शाही हवा के साथ जवाब दिया, मानो वह दग-गादोल के पेट की दीवारों से गूँज रही हो। "मैं लैपिस हूँ, मेरोओं की राजकुमारी।"

लेंक ने अन्नप्रणाली के किनारे से ध्यान से नीचे झाँका, और नीचे कई, प्राकृतिक रूप से गोल कगारें पाईं। इनमें से एक खतरनाक कगार पर अपनी पीठ दीवार के सहारे लगाए खड़ी थी, एक युवा मेरो लड़की जो लेंक की ही उम्र की थी। लेंक की पहली छाप यह थी कि उसका सिर शार्क की तरह दिखता था, लेकिन जब उसने उसे देखने के लिए मुड़ा, तो उसे एहसास हुआ कि यह एक ऑप्टिकल भ्रम था। सामने से, उसका सुंदर चेहरा एक कमजोर, हालाँकि काफी क्रोधित, युवती का था जिसके पंख-जैसे कान थे। लेकिन पीछे से, उसके "बाल" एक हैमरहेड शार्क की खोपड़ी के शिखर की तरह थे, जिसमें आँखों की एक दूसरी जोड़ी भी थी। उसके सिर के पीछे भी आँखें थीं!

लेंक मुस्कुराया और उसे ऊपर खींचने के लिए एक हाथ नीचे बढ़ाया। "आह! तुम यहाँ हो, राजकुमारी लैपिस! मुझे तुम्हारी चिट्ठी एक बोतल में मिली। तुम्हारे पिता तुम्हारे बारे में बहुत चिंतित हैं!"

राजकुमारी लैपिस की आँखें फैल गईं, इससे पहले कि उसने गुस्से में साँस छोड़ी और अपनी नाक हवा में तान दी। "क्या?! तुम कह रहे हो कि मेरे पिता ने तुम्हें मुझे बचाने के लिए भेजा? मैंने कभी किसी को ऐसा करने के लिए नहीं कहा! 'बोतल में चिट्ठी?' मुझे नहीं पता तुम किस बारे में बात कर रहे हो! मेरे पिता मेरे बारे में चिंतित हैं? मुझे परवाह नहीं! वैसे भी, मैं अभी घर नहीं जा सकती। और तुम..."

राजकुमारी लैपिस ने अपना जालीदार पैर पटका, और चिल्लाई, "यहाँ से निकल जाओ!! … समझे?"

जैसे ही उसने अपना पैर पटका, राजकुमारी का पैर फिसल गया और वह पेट की दीवार से कुछ फीट नीचे खिसक गई। "ओह, नहीं! ड्रूफ़!!!"

वह एक निचली कगार पर अपनी पूँछ के बल गिरी, पेट के आधार पर उबलते, बुलबुले वाले तरल से कुछ ही फीट ऊपर। राजकुमारी ने खुद को उठाया, अपनी दो स्कर्ट-जैसी पूँछ-पंखों के पीछे अपनी पूँछ को रगड़ते हुए।

"कितनी बदतमीज़ लड़की है!" नेविया ने चीख़ कहा, लेकिन लेंक ने एक उँगली उठाई, जो उनका पूर्ण मौन का हाथ-संकेत था। लेंक ने दीवार के साथ अधिक चमकते फोड़ों की तरफ इशारा किया, जिनमें चमकते परजीवी फूटने के इतने करीब थे कि वे भीतर हिल रहे थे।

लेंक ने सावधानी से खुद को पहली कगार पर नीचे उतारा, उम्मीद कर रहा था कि वह अभी भी मछली-लड़की तक पहुँच सकेगा।

राजकुमारी लैपिस ने उसे नीचे आते देखा, और जल्दी से अपना नितंब रगड़ना बंद कर दिया, एक आज्ञाकारी, ऊंची-नीची मुद्रा अपनाते हुए। "क्या तुम अभी भी यहाँ मँडरा रहे हो? मैंने तुमसे जाने को कहा था!"

जैसे ही उसकी आवाज़ कमरे में गूँजी, लेंक ने कुछ फोड़ों को काँपते देखा, मानो उनके भीतर के जीव जाग रहे हों। उसने राजकुमारी को चुप कराने के लिए बेताबी से हाथ हिलाया। "श्शश! मैं मदद करने आया हूँ! अगर तुम–"

किसान लड़कों द्वारा चुप कराए जाने की आदी नहीं, राजकुमारी लैपिस ने अपना तिरस्कार जारी रखा। "मैं ठीक हूँ! मैं छोटी उम्र से ही प्रभु दग-गादोल के पेट के अंदर जाती रही हूँ! उसे किसी का उसके दाँत साफ करना पसंद है, और वह वास्तव में मेरी सुनता है! लेकिन…"

काँपते फोड़ों से बेखबर, राजकुमारी लैपिस ने अपना सिर झुकाया, उसका गुस्सा कम हो गया। "प्रभु दग-गादोल हाल ही में बहुत अजीब रहे हैं… आमतौर पर अगर मैं बहुत गहरे नीचे गिर जाती हूँ तो वह मुझे तुरंत बाहर थूक देते हैं, लेकिन ऐसा लगता है जैसे उनका गला अटक गया है। चारों ओर बिजली वाली जेलीफ़िश और अजीब छेद हैं…"

जेलीफ़िश का उल्लेख होने पर, लेंक ने बेताबी से पास की दीवार के फोड़ों की तरफ इशारा किया।

राजकुमारी लैपिस ने आँखें घुमाईं। "ओह, बेशक मुझे उनके बारे में पता है! वे दिनों से दग-गादोल के गले में मेरा पीछा कर रहे हैं! उसके ऊपर मेरा बहुमूल्य पत्थर... लेकिन..."

अपने "बहुमूल्य पत्थर" का उल्लेख करते ही, राजकुमारी लैपिस ने अपना हाथ अपने मुँह पर थप्पड़ मारा, इससे पहले कि उसने लेंक पर एक ज़हरीली नज़र डाली। "यह तुम्हारा काम नहीं है! वैसे भी... तुम! अब घर जाओ! समझे?!"

नेविया ने लेंक के कान में फुसफुसाया। "एक बहुमूल्य पत्थर? वह मेरो नीलमणि ही होगा! तुम्हें उसे मनाना होगा कि वह हमें इसे राजकुमारी आइसोल्डे के पास ले जाने दे!"

लेंक ने चेहरा बनाया। अगर बहुमूल्य पत्थर मेरो नीलमणि था, और अगर राजकुमारी लैपिस चिंतित थी कि लेंक उससे उसका "बहुमूल्य पत्थर" चुराने की योजना बना रहा है, तो उसकी चिंताएँ उचित थीं। लेंक गुप्त रूप से उम्मीद कर रहा था कि राजा मेरो उसे अपनी बेटी को बचाने के उपहार के रूप में पत्थर देंगे, लेकिन अगर यह राजकुमारी का था, न कि राजा का, तो इसने उसकी योजनाओं को जटिल बना दिया।

लेंक ने राजकुमारी लैपिस को ऊपर खींचने के लिए एक हाथ नीचे किया। "कृपया, मेरे साथ अपने पिता के पास वापस चलो। अगर तुमने, उम, कुछ खोया है, तो मैं खुद वापस आकर तुम्हारे लिए ढूँढ़ सकता हूँ। मैं वादा करता हूँ कि मैं इसे तुम्हें वापस लाऊँगा!"

नेविया उसके कान के पीछे छिप गई, इतनी धीरे से फुसफुसाते हुए कि केवल लेंक ही सुन सके। "तुम क्या कर रहे हो? अगर तुम उसे यह वादा करते हो, तो हम पत्थर वापस नहीं ला पाएँगे!"

नेविया जानती थी कि लेंक की सम्मान की भावना का मतलब था कि उसकी बात उसकी प्रतिज्ञा थी। एक तरफ, वह चाहती थी कि लेंक झूठ बोले और राजकुमारी लैपिस को पत्थर देने के लिए मनाने के लिए जो भी कहना पड़े कहे, लेकिन दूसरी तरफ, लेंक की अंतरात्मा के रूप में कार्य करना उसकी जिम्मेदारी थी। वह अच्छे विवेक से उसे अपनी बात से मुकरने के लिए नहीं कह सकती थी।

लेंक ने नेविया की बीच-बचाव को चुप कराने के लिए अपना कान हिलाया।

लेंक के सह-साजिशकर्ता से अनजान, राजकुमारी लैपिस ने अपनी आँखें झपकाईं, लेंक के शूरवीर प्रस्ताव से प्रभावित होकर, और एक नाजुक हाथ उठाया, मानो उसे चूमने दे। "तुम मेरे बारे में इतने चिंतित हो? तो मैं तुम्हें मुझे उठाने का सम्मान दूँगी!"

जीत की मुस्कान के साथ, लेंक ने उसकी कलाई पकड़ी और उसे अपनी कगार पर खींचने की तैयारी की, केवल राजकुमारी लैपिस ने अपने पूरे वजन के साथ उसके बाजू को नीचे खींचा। चौंका, लेंक फिसलन भरी कगार से फिसल गया और पेट के फर्श पर गीली चपत के साथ गिरा। उसने अपना चेहरा जमीन से उठाते ही एक बदबूदार, चुभने वाला गू थूका, केवल राजकुमारी लैपिस को उसे एक आज्ञाकारी हवा के साथ नीचे देखते हुए पाया। "हालाँकि… मैं तब तक नहीं जाऊँगी जब तक मुझे वह नहीं मिल जाता जो मैं ढूँढ़ रही हूँ। तुम मुझ पर विश्वास करो!"

लेंक ने अपना मुँह पोंछा, स्वाद से मिचली आ रही थी। "ठीक है। तुमने आखिरी बार यह… महत्वपूर्ण चीज़ कहाँ देखी थी?"

राजकुमारी लैपिस ने लेंक को देखा, शायद उसे माप रही थी, इससे पहले कि वह मुस्कुराई। "मैंने इसे आखिरी बार एक हफ्ते पहले देखा था, जब–"

इस खबर पर, नेविया का धैर्य जवाब दे गया। वह लेंक की टोपी से बाहर निकली और राजकुमारी लैपिस की नाक के ठीक सामने मँडराने लगी। "तुमने इसे एक हफ्ते पहले यहाँ खोया? लेकिन मेरोओं ने कहा कि तुम केवल कुछ दिनों से लापता हो! तुमने अपने पिता या दूसरे मेरोओं को क्यों नहीं बताया?"

एक क्रोधित परी की उपस्थिति पर आश्चर्यचकित, राजकुमारी लैपिस पिछड़ गई। "अच्छा! मुझे लगा कि अगर मैं काफी देर तक इंतज़ार करूँ, तो प्रभु दग-गादोल इसे वापस खाँस सकते हैं… या… अच्छा, फिर उनकी बीमारी बढ़ गई, और उन्होंने दिनों से मुश्किल से कुछ खाया है! मुझे नहीं पता था कि और क्या करूँ!"

नेविया ने हवा में पैर पटका। "ओह! मतलब तुम यह स्वीकार नहीं करना चाहती थी कि तुमने इसे खो दिया! मुझे लगा कि यह चीज़ तुम्हारे लिए महत्वपूर्ण है!"

इस पर, राजकुमारी लैपिस का गुस्सा भड़क उठा। "रुको, यह सही नहीं है, तुम… जुगनू जैसी चीज़! यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है! यह मेरी माँ का पत्थर था–"

राजकुमारी लैपिस ने अपना होंठ काटा और जल्दी से कहा, "देखो, एक हफ्ते पहले, जब मैं उन्हें खाना खिला रही थी, उन्होंने अचानक मुझे निगल लिया! मैं इतनी हैरान थी कि मैंने उसे अंदर गिरा दिया। जब प्रभु दग-गादोल ने उसे निगल लिया तो मुझे बहुत दुख हुआ… लेकिन मैं दो दिन पहले तक दग-गादोल के मुँह में उनके अलिजिह्वा (यूवुला) से अधिक गहरे कभी नहीं गई! तब जेलीफ़िश आईं, और मुझे निचले गले तक खदेड़ दिया! मैंने गले को पूरी तरह से खोज लिया है, इसलिए मुझे पूरा यकीन है कि यह पेट से होकर दग-गादोल की छोटी आंतों में चला गया है।"

नेविया ने राजकुमारी लैपिस के सिर के चारों ओर क्रोधित चक्कर लगाए। "ओह, शानदार, और मुझे लगता है कि हमें अपनी साँस रोककर उनकी अंतड़ियों में तैरना है?"

लेंक को एहसास हुआ कि एक बार उसकी संरक्षक परी के क्रोध का सामना किसी और को करते देखना मज़ेदार था।

राजकुमारी लैपिस ने अपने सिर को परी के हानिरहित थप्पड़ों के हमले से बचाया। "आउच! मुझ पर हाथ डालने की हिम्मत मत करो! देखो, हमें ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है! क्या तुम नहीं देख सकते कि प्रभु दग-गादोल खतरनाक रूप से निर्जलित हैं? उनकी अंतड़ियाँ सूखी और खाली होंगी। लेंक को बस मुझे पेट के पार ले जाना है, और मैं अंदर-बाहर जाऊँगी!"

लेंक प्रभु दग-गादोल के पेट के आधार पर जमा बुलबुले, चटकते तरल को देखकर हिचकिचाया। "लेकिन राजकुमारी, अगर मैं तुम्हें पार ले जाने की कोशिश करूँगा तो पेट का अम्ल मुझे जला डालेगा।"

लैपिस ने उपहास किया। "बेवकूफी मत करो। यह इतना तेज़ नहीं है। यह केवल थोड़ा गुदगुदी करेगा।"

लेंक ने प्रश्नवाचक दृष्टि से नेविया की ओर देखा। परी ने झिझकते हुए उस भयावह तालाब की जाँच की। "अच्छा, अगर यह साधारण पेट का अम्ल है, तो थोड़ी देर का संपर्क तुम्हें नहीं जलाएगा। लेकिन क्या होगा अगर प्रभु दग-गादोल का पाचन तंत्र एक सामान्य व्यक्ति से अधिक मजबूत है?"

राजकुमारी लैपिस ने अपना हाथ लापरवाही से हिलाया। "बह! मैंने वर्षों से प्रभु दग-गादोल को खाना खिलाया है!" उसके हाथ के पिछले हिस्से ने नेविया के छोटे से पिछवाड़े पर इतनी ताकत से मारा कि परी कुछ इंच दूर उड़ गई।

"अरे!" लेंक और नेविया ने एक साथ चिल्लाया, जब लेंक ने अपनी परी-साथी को बचाया।

राजकुमारी लैपिस ने परी को पछतावे से देखा। उसका इशारा खिलंदड़ से अधिक नहीं था। "मुझे बहुत माफ़ी चाहिए! मेरा मतलब नहीं था… मेरा मतलब, हर कोई जानता है कि पेट का अम्ल तुम्हें पिघलाने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं होता। इसके बारे में सोचो! इसने प्रभु दग-गादोल के पेट में छेद क्यों नहीं कर दिया? और, वैसे भी, हम अपने बहुमूल्य पत्थर के बिना वापस नहीं जा सकते!"

लेंक ने घबराकर गला निगला, लेकिन नेविया की ओर देखा और चुपचाप सिर हिलाया। घबराते हुए, नेविया ने भी इशारे का जवाब दिया और लेंक की टोपी के नीचे अपनी जगह वापस आ गई। चुपचाप, दोनों दोस्तों ने अपनी सहमति व्यक्त कर दी। पत्थर पाने के लिए, लेंक को राजकुमारी लैपिस के अनुभव पर भरोसा करना होगा।

बैठकर, लेंक ने अपने चमड़े के जूते उतारे और उन्हें अपनी थैली में रख दिया।

राजकुमारी लैपिस ने एक आँख तिरछी की, मानो वह पागल हो। "तुम क्या कर रहे हो?"

"अगर मेरे जूते अम्ल में भीग गए, तो वे कुछ दिनों में बिखर जाएँगे, चाहे वह कितना भी कमजोर हो। और वे वैसे भी मेरे पैरों को ज्यादा सुरक्षा नहीं देंगे।" लेंक ने अपनी थैली को अपनी छाती के सामने लटकाया, फिर झुका, ताकि राजकुमारी लैपिस उसकी पीठ पर चढ़ सके और अपनी बाँहें उसके गले के चारों ओर डाल सके।

जैसे ही उसने उसे उठाया, अपनी बाँहें उसकी टाँगों के चारों ओर लपेटकर उसका वजन संभाला, राजकुमारी लैपिस ने एक प्यारी छोटी सी "ईप!" आवाज़ निकाली।

जैसे ही लेंक ने अपने पैर के अंगूठे को सतर्कता से अम्ल में डुबोया, उसे तेज दर्द महसूस नहीं हुआ। अपनी राहत के लिए, यह केवल थोड़ा गुदगुदी किया।

"देखा? मैंने तुमसे कहा था कि यह इतना बुरा नहीं होगा," राजकुमारी लैपिस ने शेखी से कहा।

लेंक ने आँखें घुमाईं, और तेज़ी से तालाब में उतर गया। उसने अनुमान लगाया कि सबसे गहरे बिंदु पर भी, यह केवल उसकी ऊपरी छाती तक पहुँचेगा। हालाँकि, जैसे ही वे आधे रास्ते पर पहुँचे, उसने देखा कि उसके पैरों में गुदगुदी का एहसास धीरे-धीरे हल्की जलन में बदल गया था।

एक उछाल के साथ, वह दूसरी तरफ भागा, राजकुमारी लैपिस के विरोधों को नज़रअंदाज़ करते हुए, जब उसने अपनी बाँहें उसके गले के चारों ओर कसकर लपेट लीं। "तुम क्या कर रहे हो? धीरे! धीरे, इससे पहले कि मैं गिर जाऊँ!"

लेंक ने साँस लेने के लिए संघर्ष किया, जलन को अपनी पिंडलियों और जाँघों तक फैलते महसूस किया। "इतना कसकर नहीं! मैंने तुम्हें पकड़ रखा है, बस मुझे—"

लेकिन राजकुमारी लैपिस सुन नहीं रही थी। उसने लेंक को गले से इतनी कसकर लपेटा कि उसने उसका वजन पीछे खींच लिया, जिससे उसका नितंब और पूँछ-पंख उनके

पीछे अम्ल में डूब गए। मामूली स्पर्श पर, राजकुमारी लैपिस की आँखें पूरी तरह फैल गईं। "ईक! यह जलता है! जल्दी करो! जल्दी करो!"

जैसे ही उसने संतुलन बनाए रखने के लिए संघर्ष किया, लेंक ने महसूस किया कि उसकी पकड़ लैपिस की दाहिनी टाँग पर फिसल रही है।

"कृपया, मुझे मत गिराओ!" लैपिस चिल्लाई, इससे पहले कि अम्ल लेंक की छाती से ऊपर पहुँचे, उसकी दोनों टाँगों को ढँक दिया। जैसे ही वह स्पर्श पर छटपटाई, उसकी टाँग लेंक की पकड़ से मुक्त हो गई और उसका निचला धड़ अम्ल में डूब गया।

प्रतिवर्ती रूप से, लेंक ने अपनी आँखें बंद कर लीं और अपना पूरा सिर अम्ल के नीचे डुबो दिया, अपनी पकड़ इस तरह समायोजित की कि लैपिस की टाँगें उसके कंधों पर टिकीं, और पेट के दूसरी तरफ किनारे की ओर ऊपर और आगे बढ़ा। अपनी आँखें कसकर बंद रखते हुए, लेंक ने अपने हाथों को राजकुमारी लैपिस के कूल्हों के नीचे, उसके निचले गालों के ठीक नीचे रखा, और उसे अपने सिर के ऊपर उठाकर सुरक्षित स्थान पर फेंक दिया। वह हवा में गुज़रते हुए चिल्लाई, दूसरी तरफ मुँह के बल गिरी, उसकी पूँछ हवा में थी, जो अम्ल के साथ उसके संक्षिप्त संपर्क से अभी भी तप रही थी।

लेंक ने अपने सिर के ऊपर एक चटकने की आवाज़ सुनी, जब वह अंधाधुंध किनारे की तरफ रेंगा, छपछपाता हुआ।

नेविया ने कार्रवाई की। "लेंक! जिरी जाग रहे हैं! वे तुम्हारे पीछे हैं!"

जैसे ही उसने अपनी आँखें झपकाने की कोशिश की, लेंक ने महसूस किया कि कुछ गीला और चिपचिपा उसके सिर पर थप्पड़ मारा, फिर एक बजती हुई बिजली का झटका उसके पूरे शरीर में महसूस किया। एक जिरी ने उसके चेहरे पर हमला कर दिया था! अपनी बुज़ुर्ग-लकड़ी की लाठी निकालकर, लेंक ने एकमात्र काम किया जो वह सोच सकता था। उसने अपना सिर आगे बढ़ाया ताकि राक्षस को उसके साथ अम्ल में डुबो दे, फिर लाठी के बट को सदमे में आए जानवर के शरीर में मारकर खुद को मुक्त किया।

अंधा लड़ते हुए, लेंक ने नेविया को चेतावनी चिल्लाते सुना, "और आ रहे हैं! पहला, तुम्हारे पीछे और दाईं ओर!"

अम्ल में चलते हुए अपनी लाठी को अपने पीछे घुमाते हुए, लेंक ने महसूस किया कि उसका वार एक और उड़ते जानवर से जुड़ा। यह उथला हो रहा था! वह लगभग वहाँ पहुँच गया था!
"और दो! पहला तुम्हारी बाईं ओर! दूसरा सीधे तुम्हारे ऊपर, तुम्हारी गर्दन पर आ रहा है!" लेंक पहले को एक चौड़े चाप वाले बाएँ वार से मारने में कामयाब रहा, फिर लाठी के

सिरे को अपनी गर्दन पर मारने और ऊपर की ओर झपटने के लिए एक त्वरित इशारा किया, ठीक इससे पहले कि आखिरी जिरी उसकी गर्दन को अपनी स्पर्शिकाओं में उलझा पाती।

जैसे ही उसने अपना पैर किनारे के दूसरी ओर रखा, किसी ने उसका बाजू पकड़ा और उसे आगे खींचा। लैपिस की धुंधली आवाज़ ने उसे पुकारा, "मैंने तुम्हें पकड़ लिया, आलसी! यहाँ से!"

उसने एक चूसने, सिकुड़ने की आवाज़ सुनी, महसूस किया कि कुछ गीला और मांसल उसकी बाहों और टाँगों पर रगड़ खाता है, इससे पहले कि वह एक स्पंजी फर्श पर आगे गिर पड़ा।

नेविया की आवाज़ एक देवदूत के गीत की तरह गूँजी। "वे पीछे हट रहे हैं! हम यहाँ पहुँच गए, लेंक! … ओह नहीं! तुम्हारी आँखें! मुझे तुम्हें ठीक करने दो! ओह, लेंक! तुम बेचारे!"

लेंक ने नेविया की परी-धूल को अपनी आँखों पर बिखरता महसूस किया, और आँखें खोलने का जोखिम उठाया। उसने अम्ल का दंश तुरंत अपनी आँखों के आसपास कम होता महसूस किया, और राहत की साँस ली। फिर उसे एहसास हुआ कि उसकी आँखें वस्तुतः उसके शरीर का एकमात्र हिस्सा थीं जो बुरी तरह नहीं जल रहा था। उसने एक त्वरित नज़र डालने की हिम्मत की। उसके पैर और टाँगें चुकंदर-लाल थीं, और उसके शरीर का बाकी हिस्सा चमकीला गुलाबी था, उसकी कमर और नितंब से लेकर उसकी छाती तक।

जैसे ही उसने जलन की दूसरी लहर महसूस की, लेंक ने महसूस किया कि उसके कपड़े अम्ल में भीग गए हैं। एक गर्जना के साथ, उसने अपना अंगरखा और निक्कर फाड़ दिए, लैपिस की चीखों को नज़रअंदाज़ करते हुए, जब उसने अपनी आँखें ढँक लीं, उसके गाल आसमानी नीले रंग में शरमा गए। "क्या तुम पागल हो? तुम क्या कर रहे हो?"

उसके पास चीखने की भी साँस नहीं थी। लेंक अपने हाथों और घुटनों के बल आराम कर रहा था, जलन की दूसरी लहर के गायब होने पर काँप रहा था, जिसकी जगह एक नई अनुभूति ने ले ली। निबेलुंग वन में, लेंक ने एक बार बहुत देर तक धूप में काम करने से अपनी पीठ पर एक गुस्से वाली धूप-जलन पैदा कर ली थी, और मेडो ने मज़ाक में उसे थप्पड़ मारा था। उसका पूरा निचला धड़, उसके पैरों की उँगलियों से लेकर ऊपरी छाती तक, साथ ही उसकी निचली बाहें, ठीक वैसा ही महसूस कर रही थीं। उसके कंधे और चेहरा भी जल रहे थे, बस उसी स्तर पर नहीं।

दर्द से लड़ते हुए, लेंक ने तर्कसंगत रूप से क्षति का आकलन करने की कोशिश की। उसकी टाँगें अभी भी काम कर रही थीं, लेकिन इससे चीखने की उसकी इच्छा कम नहीं हुई।

उसने नेविया को कहते सुना। "ईश्वर का शुक्र है। यह ज्यादातर सतही है। जलन अपने आप ठीक हो जाएगी… कुछ दिनों में।"

"… धन्यवाद, नेविया," लेंक ने विनम्रता से जवाब दिया, अपना गुस्सा किसी ऐसे व्यक्ति पर नहीं निकालना चाहता था जो इसके लायक न हो। इस पल, एक तीखी, तीखी मादा मेरो आवाज़ ने उसकी विचार प्रक्रिया को बीच में रोक दिया। "क्या तुम कृपया कुछ कपड़े पहन लोगे? तुम एक कन्या की उपस्थिति में हो!"

लेंक ने पलक झपकाई और राजकुमारी लैपिस को पाया, जो एक हाथ से अपनी टाँगों और नितंब को रगड़ रही थी, जबकि अपनी दूसरी आँख के पीछे दोनों आँखें ढँकने में विफल हो रही थी।

लेंक ने अपनी थैली की जाँच की, कपड़ों के लिए नहीं, बल्कि उम्मीद कर रहा था कि उसके पास कैसल टाउन से एक उपचार औषधि अभी भी हो। नेविया का जादू जानलेवा स्थितियों में उपयोगी था, लेकिन यह एक बहुमूल्य संसाधन था, और सामान्य जलन के लिए बहुत कम कर सकता था।

"नेविया? हम कहाँ हैं? क्या हम अभी भी पेट में हैं?"

"मुझे लगता है यह छोटी आंतों का प्रवेश द्वार है। उनकी राजकुमारी ने तुम्हें कुछ घिनौने दिखने वाले दरवाज़े के माध्यम से खींचा। उह! यह खुलता और बंद होता रहता है!"

लेंक ने पीछे मुड़कर देखा, और निश्चित रूप से, दरवाज़ा मांसपेशियों का एक गोल पिण्ड था जो पेट की ओर खुलता था। लेंक ने उसके माध्यम से पेट के अम्ल की झील की एक झलक पकड़ी, इससे पहले कि वह फिर से बंद हो जाए।

लैपिस ने सूँघा, नेविया पर गुस्से से नज़र डालते हुए। "यह दरवाज़ा नहीं है! यह प्रभु दग-गादोल का पाइलोरिक स्फिंक्टर है! क्या तुम्हें कुछ भी पता है?"

नेविया वापस हमले के मोड में आ गई, लैपिस के सिर के चारों ओर ततैया की तरह भिनभिनाती हुई। "ओह! बेशक! प्रभु दग-गादोल के पाइलोरिक स्फिंक्टर को 'दरवाज़ा' कहना कितना मूर्खतापूर्ण है! बेशक, जब तुम इसके बारे में सोचती हो, तो यह 'फर्श'

और 'छत' वास्तव में आंतों के अस्तर की तहें हैं, तो हम सभी छत पर क्यों नहीं चलते?!?"

लेंक ने शोरगुल वाली महिलाओं को नज़रअंदाज़ किया, जब उसने अपनी आपूर्ति में खोजबीन की। अपनी राहत के लिए, उसके पास दो लाल उपचार औषधियाँ थीं, और अम्ल ने उसका सामान नहीं भिगोया था। एक चिथड़ा निकालकर, लेंक ने अम्ल की आखिरी बूँदें पोंछीं, इससे पहले कि उसने लैपिस को चिथड़ा और उपचार औषधि की एक बोतल दोनों पेश की।

"कपड़े! पहन! लो!" वह चीखी, चिथड़ा छीनकर और उन्मत्त होकर अपने नितंब पर रगड़ने लगी, जिसका अम्ल के साथ सबसे लंबा संपर्क हुआ था।

काश उसके पास नहाने के लिए उपचार औषधि का एक पूरा स्नान होता, उसने अपनी औषधि को अपने पैरों और टाँगों पर केंद्रित किया, जिन्हें सबसे अधिक क्षति हुई थी। गुस्से वाला लाल गायब होकर चमकीले गुलाबी में बदल गया और फिर से जलन होने लगी।

शानदार! इसका मतलब था कि उपचार औषधि इतना काम कर रही थी कि उसे फिर से अपनी टाँगों में दर्द महसूस हो सके! इसके कुछ दिन, और वह पूरी तरह से ठीक हो जाएगा!

लेंक ने कपड़ों का एक अतिरिक्त सेट पाया और खुद को फिर से ठीक किया, इस बात के लिए आभारी था कि उसने अपने जूतों की एकमात्र जोड़ी को पहले बचाने के बारे में सोचा था।

अब जब वह आखिरकार सभ्य था, राजकुमारी लैपिस ने उसे एक गर्म नज़र से देखा, उसके गाल अभी भी चमकीले नीले (दोनों सेट) शरमा रहे थे। "कितना बेपरवाह! तुम मुझे ऐसे कैसे गिरा सकते थे?"

लेंक ने उसे ऊपर-नीचे देखा, उम्मीद कर रहा था कि वह उतनी बुरी तरह घायल नहीं हुई जितना वह था। उसकी टाँगों और नितंब पर चमकीले नीले जलने के निशान देखकर, उसने सोचा कि क्या मेरो की त्वचा उसके जैसे निबेलुंग की तुलना में पतली हो सकती है। "तुम मेरी पकड़ से फिसल गई।"

लैपिस की आँखें उसकी आँखों से मिलीं, और एक चेहरा बनाकर, वह दूर मुड़ गई और अपने नितंब को और जाँच से छिपाने के लिए चिढ़ गई। "अगर तुम आदमी हो, तो आदमी की तरह काम करो! ज़िम्मेदारी लो!"

लेंक ने सिर झुकाया। "मुझे माफ़ कर दो कि मैंने तुम्हें गिरा दिया। मुझे खुशी है कि तुम सुरक्षित हो!"

इतनी ईमानदार माफ़ी पर, लैपिस ने आराम किया, फिर अपने पहले के ताने-बाने वाले लहजे में वापस आती लगी। "और मुझे कमर से पकड़ने का वह क्या मामला था – मुझे किनारे पर ऐसे फेंकना जैसे मैं बाज़ार के लिए मछली पकड़ी गई हो? तुम क्या सोच रहे थे?"

लेंक ने तब तक आँख मिलाए रखी जब तक लैपिस ने उसकी नज़र का जवाब नहीं दिया। "मेरे पास सोचने का समय नहीं था। मैंने काम किया। मुझे तुम्हें अम्ल से बाहर निकालना था।"

आगे कोई तर्क सोचने में असमर्थ, लैपिस ने अपनी नज़दीकी बचाव के विचार पर अपनी टाँगें काँपती महसूस कीं। वह लेंक की नज़र का सामना नहीं कर सकी, और अपनी झुलसी हुई पूँछ की ओर देखा, अचानक जीवित होने के लिए आभारी महसूस कर रही थी, चाहे जली हुई पूँछ-पंख हों या नहीं। "अच्छा, यह और बुरा हो सकता था! यह अविश्वसनीय था! मुझे विश्वास नहीं होता कि हम उस पार आ गए! मुझे नहीं पता था कि प्रभु दग-गादोल का पेट का अम्ल इतना तेज़ था!"

जैसे ही लैपिस ने मुस्कुराने के लिए अपना चेहरा वापस घुमाया, नेविया उसके सामने पतली हवा से प्रकट हुई। "नहीं पता था? यह साधारण पेट का अम्ल नहीं था! तुमने दावा किया था कि तुम्हें प्रभु दग-गादोल के बारे में सब कुछ पता है!"

लेंक ने सिर हिलाया। "यह उसकी गलती नहीं है। मुझे पता था कि जब मैंने यह किया तो यह एक जोखिम था। इसके अलावा, शायद यह सामान्य से भी बदतर है क्योंकि वह इतने निर्जलित हैं।" इस पर, नेविया शांत हुई और वापस लेंक की ओर उड़ गई।

लैपिस ने अपनी भौंहें उठाईं (या बल्कि, नाजुक मछली शल्कों को उठाया जो उसके पास भौंहों की जगह थीं)। "हाँ, यह समझ में आता है। मुझे पता था कि जाबू-जाबू का पाचन तंत्र मजबूत था, लेकिन यह मेरी उम्मीद से कहीं अधिक बुरा था।"

नेविया ठीक वापस उड़कर लैपिस के नाक के सामने खड़ी हो गई। "तुम्हारी उम्मीद से भी अधिक मजबूत? तुम्हें पता था कि जाबू-जाबू का पाचन तंत्र मजबूत है? इसका क्या मतलब है?"

राजकुमारी लैपिस ने अपनी पलकें झपकाईं और अपना सिर हिलाया, शेखी बघारते हुए। "अच्छा, दग-गादोल उल्टी कर रहे हैं, इसलिए मैंने उनकी स्थिति का आकलन

करने के लिए पित्त की अम्लीय सामग्री की जाँच करने की कोशिश की है। मुझे पता था कि कुछ उन्हें अल्सर दे रहा है, मुझे बस इसकी सीमा का अंदाजा नहीं था।"

आखिरकार, लेंक के स्थिर संकल्प में एक बाल-सी दरार पैदा हुई। "रुको, तो, तुम्हें पता था कि यह सामान्य से भी बदतर था? और मुझे बताने की जहमत नहीं उठाई? तुमने कहा था कि सामान्य पेट का अम्ल खतरनाक नहीं होना चाहिए!"

लैपिस ने मुँह फुलाया, और एक बुद्धिमान शिक्षक के स्वर में जवाब दिया जो किसी विशेष रूप से मंद-बुद्धि छात्र को स्पष्ट बात समझा रहा हो। "जो पूरी तरह सच है! मुझे पता था कि हम एक जोखिम ले रहे हैं, मैंने बस... यह मान लिया कि यह इतना बुरा नहीं होगा!"

नेविया वापस जवाब देने ही वाली थी, लेकिन लेंक ने पहले जवाब दिया। "तुमने सच्चाई जाने बिना मेरी जान जोखिम में डाली? तुम्हें मुझे बताना चाहिए था!"

लेंक ने इतनी जल्दी जवाब दिया कि परी हैरान रह गई, जो लेंक को अपनी बात कहने में धीमा होने की आदी थी। उसने तुरंत लेंक की आवाज़ के लहजे को पहचान लिया। कोमल, नियंत्रित, लेकिन खतरनाक, जैसे जब वह किसी लड़ाई में शामिल होने वाला हो।

दुर्भाग्य से राजकुमारी लैपिस के लिए, वह लेंक को नेविया की तरह अच्छी तरह से नहीं जानती थी। क्योंकि लेंक ने अपनी आवाज़ नहीं उठाई, लैपिस ने उसके पीछे दबे गुस्से का पता नहीं लगाया।

वह अपने झूठ में पकड़ी जाने पर शर्मिंदा थी, और यह स्वीकार करने के लिए बहुत जिद्दी थी कि उसने कुछ गलत किया है। उसने बाज़ू बाँध लिए, "अच्छा, अगर तुम इतने परेशान हो, तो तुम मेरे पिता, मेरो के राजा के पास क्यों नहीं जाकर खबर लगाते?"

उसने अपने पिछवाड़े पर ताना मारते हुए थप्पड़ मारा। "शायद वह झूठ बोलने के लिए मुझे थपेड़ा भी मारेंगे!"

लैपिस तड़पी, जब उसे उस मज़ाकिया थप्पड़ से जलन की एक झुनझुनी महसूस हुई। उसकी त्वचा इतनी पतली क्यों थी?

लेकिन जैसे ही उसने लेंक की आँखों में देखा, उसे एक बहुत अलग तरह की झुनझुनी महसूस हुई।

उसे अचानक एहसास हुआ कि वह अपनी बात पर अड़ा हुआ था।

लेंक ने अपनी बाँहें फैलाईं, अपनी जलन से एक और गुस्से वाली प्रतिक्रिया महसूस की। "नहीं, मैं तुम्हारी खबर नहीं लगाने वाला, राजकुमारी लैपिस।"

नेविया को लेंक से पहले एहसास हो गया कि क्या होने वाला है। बीच में नहीं आना चाहते हुए, नेविया उड़ गई, शो देखने के लिए एक अच्छी सीट ढूँढ़ने।

लैपिस ने राहत की साँस छोड़ी, जब तक उसने लेंक को अपने बाएँ हाथ से उसकी कलाई को मजबूती से पकड़ते हुए महसूस नहीं किया। लेंक उसे अम्ल-झील (उर्फ पाइलोरिक स्फिंक्टर) के दरवाज़े से दूर ले गया, ताकि वे एक कगार पर सुरक्षित रूप से आराम कर सकें। लैपिस यह बताने वाली थी कि इस कगार को "ड्यूओडेनम" कहा जाता है, और माँग करती कि लेंक उसे तुरंत छोड़े, इससे पहले कि लेंक उसके सामने एक ऐसे चेहरे के साथ मुड़ता जिसने उसका मुँह बंद कर दिया। "तुम्हारे पिता को पहले से ही तुम्हारे भागने के बारे में पता है। उन्होंने ही मुझे तुम्हें ढूँढ़ने के लिए भेजा है। मुझे लगता है कि उन्हें दग-गादोल के मुँह में तुम्हारे खेलने के बारे में भी पता है, लेकिन यह बताना मुश्किल था। लेकिन अब मुझे अच्छी तरह से अंदाज़ा हो गया है कि तुमने मुझसे अपने पिता को इसके बारे में न बताने की भीख क्यों माँगी थी।"

लैपिस की आँखें बाएँ-दाएँ दौड़ीं, जैसे भागने का रास्ता ढूँढ़ रही हों। "उन्हें... पता है? तुमने उन्हें मेरा—" उसने अपना गला साफ़ किया, शांत दिखने की कोशिश कर रही थी। "... मेरा मतलब, कौन सी चिट्ठी?"

लेंक ने अपनी थैली को फर्श पर रखा ताकि वह एक कुशन की तरह काम करे, फिर खुद को उसके ऊपर आराम से बैठा लिया, एक पल के लिए भी लैपिस की कलाई पर अपनी पकड़ नहीं छोड़ी। "एक बोतल में एक चिट्ठी जिसमें लिखा था, 'मेरी सहायता करो। मैं प्रभु दग-गादोल के उदर के अंदर फँसी हूँ। हस्ताक्षर: लैपिस। पुनश्च: मेरे पिता को मत बताना!' हाँ, उन्हें पता है, और वे खुश नहीं हैं। शायद कहीं किसी विशाल, दैवीय मछली के पेट में कोई और लैपिस फँसी हो, जो भी नहीं चाहती कि उसके पिता को इसके बारे में पता चले। मुझे बस इतना पता है कि तुम्हारे पिता ने मुझसे तुम्हें ढूँढ़ने, तुम्हें सुरक्षित घर ले जाने, और अवज्ञा के लिए तुम्हें अच्छी थपेड़ा मारने के लिए कहा... अगर मुझे करना पड़े।"

"लेंक, तुम गंभीर नहीं हो सकते," उसने कहा, उसकी आवाज़ काँप रही थी, उसका खाली हाथ अपने जले हुए, नीले नितंब को ढँकने के लिए उड़ गया।

एक कोमल खिंचाव के साथ, लेंक ने लैपिस को आगे और नीचे अपनी गोद पर निर्देशित किया, उसे अपने दाहिने हाथ से उसकी जगह पर दबा दिया ताकि उसका बायाँ हाथ

खाली हो। उसने अपनी हथेली पर साँस लेने का जानबूझकर किया जैसे कि उसे गर्म कर रहा हो, ताकि लैपिस देख सके।

लेंक के दाहिने बाजू के खिलाफ कमजोर रूप से झिझकते हुए, और यह महसूस करते हुए कि वह इस भयंकर लड़के की दया पर थी, लैपिस का मन भागने का कोई रास्ता खोजने के लिए दौड़ा। "रुको! तुम मुझे सुरक्षित घर ले जाने वाले हो, है ना? क्या हम तब तक इंतज़ार नहीं कर सकते? मुझे यकीन है कि पापा का यही मतलब था!"

यह वह सबसे अच्छी चाल थी जो वह सोच सकती थी, लेकिन शायद, बस शायद, एक बार लेंक उसे घर पहुँचा दे, तो उसके पिता पिघल जाएँगे और उसे सिर्फ डाँट-फटकार के साथ छोड़ देंगे। उसकी माँ के निधन के बाद से यही तरीका था।

लेंक ने अपना बायाँ हाथ ऊपर उठाया। "चिंता मत करो, मैं तुम्हें तुम्हारी उचित थपेड़ा ज़रूर दूँगा, जब मैं तुम्हें सुरक्षित घर पहुँचा दूँगा।"

लैपिस राहत से काँपी, और खुद को लेंक की गोद से उठाने की कोशिश की, केवल उसके दाहिने हाथ को आसानी से उसे अपनी जगह पर दबाए हुए महसूस किया।

लैपिस को पहली थपकी ठीक से महसूस नहीं हुई। उसने प्रभाव महसूस किया, लेकिन दंश ने पंजीकृत नहीं किया। लेकिन उसने इसे अपने पीछे गुफानुमा दीवारों के माध्यम से बिजली की गड़गड़ाहट की तरह गूँजते सुना, और जैसे ही उसे एहसास हुआ कि यह क्या था, इसने उसे चुप करा दिया। फिर उसे दंश महसूस हुआ, जैसे उसके नितंब पर गुस्से वाली जलन विरोध में भड़क उठी।

लेंक ने रुककर लैपिस को इस बात पर विचार करने के लिए एक पल दिया कि वह कितनी मुसीबत में है, और इस ज्ञान को पूरी तरह से अंदर उतारने दिया: यही एक अच्छी थपकी जैसा लगता था। लैपिस को पहले से ही अपनी आँखों में आँसू छलकते महसूस हुए।

"लेकिन मैं तुम्हें अपनी पहली थपेड़ा देने के लिए घर पहुँचने तक इंतज़ार नहीं करने वाला, राजकुमारी। तुम्हारे पिता का निर्देश था कि तुम्हें थपेड़ा मारो, अगर मुझे करना पड़े। तुम्हें अभी एक सबक सीखने की ज़रूरत है!"

"लेंक, कृपया! तुम ऐसा नहीं कर सकते!" वह रोई, अपने कंधे के ऊपर देखते हुए, लेंक को अपने होठों को काँपते देखने दिया। जब वह घर पर मुसीबत में होती थी तो उदास, पिल्ला-जैसी आँखें पापा पर हमेशा काम करती थीं!

जैसे ही उसने लेंक को दूसरी थपकी देने के लिए हाथ उठाते देखा, वह चिल्लाई, "नहीं! मैं एक राजकुमारी हूँ—" लेकिन बहुत देर हो चुकी थी।

इससे पहले कि वह लेंक को याद दिला पाती कि वह वास्तव में एक राजकुमारी थी, दूसरी थपकी गिरी, और मेरो की राजकुमारी ने आखिरकार अपनी स्थिति को समझ लिया। उसका उच्च-और-शक्तिशाली रवैया, जो अन्य मेरोओं के बीच इतनी अच्छी तरह काम करता था, यहाँ कोई सुरक्षा नहीं थी। इसने उसे दग-गादोल के पेट के खतरों से नहीं बचाया था, और यह अब उसकी रक्षा नहीं कर रहा था, जब वह घुटने के ऊपर तानी गई थी।

हल्की सी थपकी भी उसके झुलसे हुए पिछवाड़े में दर्द की एक लहर भेजने के लिए पर्याप्त होती, लेकिन लेंक की मांसपेशियाँ दैनिक व्यायाम से मजबूत थीं। इस बार, लैपिस थप्पड़ के दंश से पूरी तरह अवगत थी, जो संवेदनशील अम्ल-जलन के धड़कते बाद-के-झटके पर निर्मित थी।

जैसे ही लेंक का हाथ उसके नितंब पर तीसरी बार पड़ा, लैपिस का शरीर भीषण प्रभाव पर तन गया, और उसका चेहरा विकृत हो गया, जब उसने अपने पूरे नितंब, पूँछ-पंखों और टाँगों में फैली दर्द की पहली और दूसरी लहर को सहने की कोशिश की।

लेंक ने देखा कि उसके बाएँ हाथ ने उसके गालों पर एक चमकीला, सफेद निशान छोड़ा, इससे पहले कि यह जल्दी से महासागर-नीले रंग के गहरे शेड में बदल गया। पहली नज़र में, लेंक ने उम्मीद की थी कि एक मेरो का मांस पतला और मछली-जैसा लगेगा। इसके बजाय, उसने पाया कि लैपिस का नितंब वास्तव में ठंडा और ओस-भरा था, लेकिन छूने में चिकना भी था।

अपनी ओर से, लैपिस को लेंक का हाथ आश्चर्यजनक रूप से गर्म और खुरदरा लगा, उसकी माँ की हथेली की तुलना में। अंत में, लैपिस को समझ आ गया कि वह मुसीबत में है। लेकिन उसकी शाही प्रवृत्ति ने उसे वह स्वीकार करने से इनकार कर दिया जो वह पहले से ही अंदर-अंदर जानती थी।

अपने दिल में, लैपिस जानती थी कि वह थपेड़ा मारने के लायक है, और वह इसे स्वीकार करने के लिए तैयार थी, शायद प्रार्थना करती थी कि अगर वह पश्चाताप दिखाती है तो लेंक उस पर दया करेगा।

लेकिन राजकुमारी लैपिस ने सोचा कि वह बेहतर जानती है: इससे निकलने का कोई रास्ता होना चाहिए!

"यह निष्पक्ष नहीं है! तो क्या हुआ अगर तुम्हें कुछ जलन हुई? मुझे भी जलन हुई, पता है!"

लेंक रुका, लैपिस को उत्सुकता से नीचे देखा। "निष्पक्ष नहीं? तुम सही कहती हो! मैं तुम्हारे साथ अन्याय नहीं करना चाहता!"

उसने अपने नीचे अपनी यात्रा-थैली में कुछ टटोला।

लैपिस ने उत्साह की झुनझुनी महसूस की। जब बड़ी उदास आँखों ने काम नहीं किया, तो उसकी बॉसी आवाज़ हमेशा काम कर जाती थी! "हाँ… तुम मुझे थपेड़ा मारने की स्थिति में नहीं हो, एवलॉनियन!"

"और तुम बहस करने की स्थिति में नहीं हो, राजकुमारी," लेंक ने सख्ती से जवाब दिया, अपनी थैली से एक मोटा लकड़ी का कंघी-ब्रश निकाला। उसके पीछे, यह बुद्धिमान वृद्ध वृक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाला निबेलुंग चिह्न था, जो हाथ से नक्काशीदार और लाल रंग से रंगा हुआ था।

लैपिस की आँखें डर से फैल गईं, जब उसे एहसास हुआ कि यह किस लिए है। मेरोओं में से किसी के बाल नहीं थे, लेकिन फिर भी, रानी मेरो के पास एक मोती-माँ का कंघी-ब्रश था, जो एवलॉन के शाही परिवार से एक उपहार था। और जब उसकी माँ जीवित थी, तब राजकुमारी लैपिस के लगातार दुर्व्यवहार के कारण उसका पिछवाड़ा एक मजबूत कंघी-ब्रश के पिछले हिस्से से अच्छी तरह परिचित हो गया था।

एक अपमान उसके होठों पर मर गया, और उसने एक चीख निकाली, जब लेंक ने उसे तेज गति से कंघी-ब्रश से पीटा। कंघी-ब्रश की प्रत्येक धमक पहले के उसके हथेली के थप्पड़ों से कहीं अधिक तीव्र थी, और वह उसके नीले नितंब के माध्यम से महासागरीय लहरों की तरह लहरें फैलती हुई महसूस कर सकती थी।

लेंक ने उसे उपदेश देने के लिए थपेड़ा रोका, "तुमने क्या गलत किया, राजकुमारी?"

लैपिस का दिमाग दौड़ा। उदास, मृग-जैसी आँखों ने काम नहीं किया। अपमान ने काम नहीं किया। अपने अधिकार का दावा करने ने काम नहीं किया। सोचो, लैपिस, सोचो!

उसे आखिरी बार याद आया जब वह अपनी माँ के घुटने पर झुकी हुई थी, कैसे उसने बहुत माफ़ी माँगी थी, वादा किया था कि उसने अपना सबक सीख लिया है, और माँ ने आखिरकार ढील दी थी।

अपनी काँपती आवाज़ में दर्द और डर के मिश्रण को छिपाने की कोशिश करते हुए, लैपिस ने उस आशा के साथ जवाब दिया जो उसे विनम्र शिष्टता थी। "मुझे माफ़ कर दो, लेंक। मुझे भागना नहीं चाहिए था और खुद को खतरे में नहीं डालना चाहिए था। मुझे पता था कि मैं दग-गादोल के मुँह में खेलकर अपने पिता की अवज्ञा कर रही थी! और मुझे पता था कि मुझे किसी को बताना चाहिए था जब मैंने… अपनी माँ का उपहार खो दिया!"

लेंक ने उसकी माफ़ी पर विचार किया, उसका हाथ अभी भी कंघी-ब्रश को धमकी से पकड़े हुए था। लैपिस जानती थी कि उसके नितंब का भाग्य अधर में लटक गया था, उम्मीद कर रही थी कि उसकी माफ़ी उस दर्दनाक सबक को खत्म करने के लिए पर्याप्त होगी जो वह सीख रही थी। उसने प्रत्येक गाल पर कुछ कोमल चेतावनी वाली थपकियाँ महसूस कीं। ये भी लगातार जलन को जगाने के लिए पर्याप्त थीं।

आग और गर्मी मेरोओं के लिए अपेक्षाकृत अजीब घटनाएँ थीं। जब एक मेरो माँ किसी शरारती बच्चे को सख्त चेतावनी देना चाहती थी, तो वह "तेरी पूँछ को आग लगा दूँगी!" की धमकी देती थी।

जब वह बहुत छोटी थी, लैपिस ने एक बार एवलॉन के दरबार में जाते समय जलती हुई मोमबत्तियों को न छूने की अपनी माँ की चेतावनी को नज़रअंदाज़ कर दिया था। अपनी उँगली जलाकर, छोटी राजकुमारी ने "आग" शब्द का अर्थ खोजा, और जब वह जली हुई उँगली के साथ रोती हुई अपनी माँ के पास गई, तो उसने अपनी माँ के घुटने के ऊपर इस शब्द का अर्थ फिर से सीखा।

उस मोमबत्ती की लौ की याद लैपिस के दिमाग में तेज़ थी, जब उसने कंघी-ब्रश की प्रत्येक कोमल थपकी महसूस की।

"राजकुमारी लैपिस। मुझे सच बताओ। क्या तुम्हें लगता है कि तुम्हारे पिता उस थपेड़े से संतुष्ट होंगे जो मैंने अभी तुम्हें उनकी अवज्ञा करने की सज़ा के रूप में दिया है?"

जैसे ही दो ताज़े आँसू उसके गालों पर चमके, राजकुमारी लैपिस ने धूर्तता से मुस्कुराया। यह उसके संकट को समाप्त करने का उसका मौका था!

"हाँ, मुझे यकीन है कि वह मुझे सज़ा देने के तुम्हारे काम से बहुत खुश होंगे। मैंने भागने के बारे में अपना सबक सीख लिया है।"

यह सच था! पिता को अपनी राजकुमारी को थपेड़ा मारते देखना कभी पसंद नहीं था। बेशक, रानी लेंक की स्थिति में काफी देर तक जारी रख सकती थीं, लेकिन राजकुमारी लैपिस झूठ नहीं बोल रही थी!

लेंक मुस्कुराया। "बहुत अच्छा।"

जैसे ही लैपिस ने राहत की साँस छोड़ी, उसने उसे कंघी-ब्रश से फिर से थपेड़ा मारकर चौंका दिया, इस बार उसके दोनों निचले गालों पर, जहाँ अम्ल-जलन सबसे तीव्र थी।

"मैंने तुम्हें भागने के लिए पर्याप्त सज़ा दे दी है, ठीक वैसे ही जैसे तुम्हारे पिता ने मुझसे कहा था। लेकिन अब मैं तुम्हें असभ्य होने और अम्ल के बारे में झूठ बोलने के लिए फिर से थपेड़ा मारूँगा, जब तक तुम वास्तव में, सचमुच पश्चाताप न करो।"

लेंक ने उसे बाएँ और दाएँ गाल पर तेजी से थपेड़ा मारा। जैसे ही लेंक के शब्दों का अर्थ उसे समझ में आना शुरू हुआ, लैपिस ने कंघी-ब्रश को अपने मांस में धँसते महसूस किया। वह वास्तव में पीछे की नक्काशी की छाप को पहचान सकती थी। और फिर जलन भड़क उठी।

बस यही काफी था। अचानक, लैपिस को फिर से याद आया कि अपनी माँ के घुटने पर बच्चा होना कैसा लगता था। राजकुमारी के रूप में उसकी स्थिति के सभी विचार धीरे-धीरे जल गए। लेंक की गोद पर, लैपिस एक शरारती छोटी लड़की से अधिक कुछ नहीं थी।

जैसे ही लेंक ने अगली दस थपकियाँ दीं, वह रोई, चिल्लाई, बिनती की, लेकिन जवाब में लेंक ने कंघी-ब्रश के साथ गति धीमी कर दी, जिससे उसे केवल यह महसूस करने का समय मिला कि प्रत्येक थपकी एक लंबी जलन छोड़ती है।

वह शुरू से ही आँसू रोक नहीं पाई थी, लेकिन लैपिस ने पूरी तरह से टूटने के आवेग का विरोध करने में कामयाबी हासिल कर ली थी। जैसे ही उसने अपना संकल्प बिखरते महसूस किया, लैपिस को आखिरकार वह एक चीज़ याद आई जो उसने आज़माई नहीं थी: ईमानदारी से माफ़ी माँगना।

"लेकिन… मुझे पछतावा है! सच में, मुझे है!"

लेंक ने अपने अगले कंघी-ब्रश के वार को बीच में ही रोक दिया, ताकि ब्रश अपने लक्ष्य पर धीरे से फूटे (जो अभी भी जलन जगाने के लिए काफी था)। "ओह? यह एक अच्छी शुरुआत है, लैपिस। उस स्थिति में, इसे मेरे लिए पकड़ो, और इसे मत गिराना।"

लैपिस ने उत्सुकता से कंघी-ब्रश को देखा, जब लेंक ने इसे उसके चेहरे के सामने नीचे किया और उसे इसके हैंडल के चारों ओर उंगलियाँ बंद करने में मदद की। "हुह? तुम मुझे यह क्यों दे रहे हो?"

"अगर मुझे बाद में इसकी ज़रूरत पड़ी तो। अगर तुम सच में पश्चाताप करती हो, तो तुम इसे मुझे तब वापस सौंपोगी जब मैं इसके लिए पूछूँगा।"

लैपिस ने गला घोंटा, और कंघी-ब्रश को दोनों हाथों से कसकर पकड़ लिया, डर था कि अगर यह गिर गया तो क्या होगा।

लेंक ने अपनी स्थिति समायोजित की, ताकि लैपिस का निचला धड़ उसकी दाहिनी टाँग पर आराम कर रहा था, उसकी कमर उसके दाहिने बाजू के नीचे थी। उसने लगभग स्नेहपूर्वक अपने बाएँ हाथ से उसके नितंब पर थपथपाकर नए कोण की जाँच की। "बताओ, क्या तुम्हें कभी इन पूँछ-पंखों पर थपेड़ा मिला है?"

लैपिस ने अपने कंधे के ऊपर पीछे देखा। इस कोण से, उसका चेहरा लेंक की आपूर्ति-थैली के नरम कपड़े पर टिका था, और वह मुश्किल से लेंक की बाईं हथेली को उसके पूँछ-पंखों पर उत्सुकता से थपथपाते हुए देख सकती थी। लैपिस इसी दृश्य को रानी मेरो के घुटने पर याद करके काँपी। "अच्छा, जब मैं वास्तव में शरारती होती थी, तो माँ मुझे अपने हाथ से मेरे पंखों, टाँगों और नितंब पर थपेड़ा मारती थी, फिर वह मेरे पंखों को मेरी पीठ पर उठाकर कंघी-ब्रश से केवल मेरे नितंब पर खत्म करती थी।"

"वह करती थी? अच्छा, लगता है वह बहुत अच्छा काम करती हैं! मैं उनसे मिलना चाहूँगा। शायद वह मुझे कुछ सुझाव दे सकें!"

लैपिस की आँखों में ताजे आँसू भर आए, उसके नितंब का दर्द भूल गया। "तुम… तुम उनसे नहीं मिल सकते… वह… वह अब नहीं रहीं!"

लेंक ने अपनी सुनहरी खोपड़ी खुजलाई। "क्या वह भी लापता हैं?"

नेविया ने अपना चेहरा अपनी हथेलियों में छिपा लिया। हर बार जब लेंक अपना मुँह खोलता, वह कोई न कोई गलती कर ही बैठता।

अपनी चिढ़ में, लैपिस के आँसू वाष्पित हो गए, जब वह चिल्लाई, "वह मर चुकी है, मूर्ख!"

लेंक अपनी गलती पर शरमा गया। "ओह! मुझे बहुत माफ़ी चाहिए, राजकुमारी लैपिस! मुझे नहीं पता था!"

एक अजीब खामोशी छा गई।

लैपिस को अचानक अपनी अजीब स्थिति का एहसास हुआ। यहाँ वह प्रभु दग-गादोल की अंतड़ियों की गहराई में, बाहरी दुनिया के एक जिद्दी किसान लड़के के घुटने के ऊपर झुकी हुई थी, जो उसे मूर्खतापूर्ण, मीठी ईमानदारी से माफ़ी माँग रहा था, मानो वह मुसीबत में हो। "आह… मैं तुम्हें माफ़ करती हूँ, लेंक।"

लेंक ने अपने आस-पास का निरीक्षण किया। "तुम्हें पता है, दोबारा सोचने पर, शायद इसे तब तक रोक देना चाहिए जब तक हम तुम्हें घर न पहुँचा दें।"

लैपिस ने लेंक के दाहिने घुटने पर अपनी स्थिति से हिलने से इनकार कर दिया। "ओह, नहीं, तुम नहीं कर सकते! तुम बेकार हो! तुमने कहा था कि तुम्हें अपने पिता की ओर से ऐसा करना है? अच्छा, मेरी माँ हमेशा मुझे पिता की ओर से थपेड़ा मारती थीं, और वह कभी भी बीच में कुछ नहीं छोड़ती थीं! अगर तुम आदमी हो, तो जो शुरू किया है उसे खत्म करो!"

लेंक खोया हुआ महसूस कर रहा था। "लेकिन… तुम्हारी माँ आदमी नहीं थीं, है न?"

उनके ऊपर, नेविया दबी हँसी के दौरे में झुकी हुई थी। लैपिस आखिरकार उसे पसंद आने लगी थी!

लैपिस ने अपने होंठ बंद किए, आधी-अम्यूज़्ड, आधी-चिढ़। "बेशक नहीं! लेकिन अगर वह यहाँ होतीं, तो वही बताती जो तुमसे कहतीं!"

लेंक ने सिर हिलाया। "ओह! उस स्थिति में, राजकुमारी लैपिस, क्या तुम कहोगी कि तुम्हारी माँ तुम्हें आज के तुम्हारे व्यवहार के लिए अपने हाथ और कंघी-ब्रश से थपेड़ा मारतीं?"

मछली-लड़की स्थिर हो गई, उसे समझ में आने का एक क्षण आया, जब उसे एहसास हुआ कि यह किस ओर जा रहा है। एक पल पहले, वह लेंक से कहीं अधिक बुद्धिमान महसूस कर रही थी। फिर भी, यहाँ कंघी-ब्रश था, उसके हाथों में। उसे उसके शब्द याद आए कि जब उससे पूछा जाए तो उसे वापस सौंपकर वह साबित करेगी कि वह सच में पश्चाताप करती है। "ह-हाँ?"

लेंक ने फिर से उसके पूँछ-पंखों पर थपथपाया, अपनी खोई हुई लय को खोजने की कोशिश कर रहा था। "उस स्थिति में, मैं अपनी पूरी कोशिश करूँगा जैसे कि रानी मेरो यहाँ मुझे देख रही हों। क्या तुम तैयार हो, राजकुमारी लैपिस?"

लैपिस ने सिसकी ली। "हाँ… महाराज!" उसने इस स्थिति में रहते हुए हमेशा विनम्रता से जवाब देने के लिए अपनी माँ के निर्देशों को याद करते हुए, आदर-सूचक शब्द जोड़ा।

एक मुस्कान के साथ, लेंक ने फिर से शुरू किया, अपनी थपकियों को लैपिस के पूँछ-पंखों पर केंद्रित करते हुए। अगर उसका बहुत-से-मानव-जैसा नितंब एक तकिए की तरह था, तो पूँछ-पंख दो लचीले कंबलों की तरह थे। उसने प्रत्येक को धीरे-धीरे थप्पड़ मारा, जब तक कि वे सफेद से नीलमणि-नीले रंग में शरमा नहीं गए, फिर उन्हें धीरे से बगल में मोड़ दिया, जैसे कि एक चमकते, पीले-नीले चाँद को प्रकट करने के लिए पर्दे वापस खींच रहे हों।

जैसे ही उसने लैपिस के पूँछ-पंखों को बगल में हटाते महसूस किया, लैपिस ने धीरे से अपना नितंब उठाया ताकि वह उन्हें उसकी कमर के नीचे टिका सके, इससे पहले कि वह फिर से बैठ जाए।

लेंक लैपिस के संकल्प से प्रभावित हुआ। उसकी पहली छाप थी कि वह एक रोने-धोने वाली और बदतमीज़ लड़की है, लेकिन अब वह उसे अपना एक नया पहलू दिखा रही थी, जो अजीब तरह से विनम्र और बहादुर दोनों था।

हालाँकि, लेंक यह भी निर्धारित कर रहा था कि जब तक लैपिस के पश्चाताप के ताजे आँसू नहीं बह जाते, तब तक वह उसे नहीं उठने देगा। वह खुद को इतने मूर्खतापूर्ण प्रश्न पूछने के लिए कोस रहा था, और लैपिस की माँ द्वारा निर्धारित उच्च मानक को पार करने की चुनौती से उत्साहित था।

लेंक ने अपने लक्ष्य का निरीक्षण किया। निश्चित रूप से, अम्ल द्वारा छोड़े गए नीले जलने के निशान दर्दनाक लग रहे थे, लेकिन उसने देखा कि उसके गालों के किनारे पीले थे, अम्ल और लेंक की हथेली दोनों के खिलाफ उसके पूँछ-पंखों द्वारा प्रदान की गई सुरक्षा के कारण। लेंक ने रंग को बराबर करने का फैसला किया, जब तक कि लैपिस के पिछवाड़े का हर इंच उसके जलने के नीलमणि-नीले रंग से मेल नहीं खाता, और शुरू करने के लिए लैपिस के बाएँ गाल के दूर की ओर एक नीचे की ओर थपकी दी।

लैपिस ने अपने विरोधों को रोकने के लिए दाँत भींचे, जब उसके आँसू वापस आ गए। वह लेंक से कम मूर्ख महसूस नहीं कर रही थी, और अपना संकल्प साबित करने के लिए कम उत्सुक नहीं थी, लेकिन उसे एक अतिरिक्त बोझ महसूस हुआ: शर्म। थपेड़े की धीमी, स्थिर गति ने उसे सब कुछ सोचने के लिए समय दिया था, और उसके गालों और जाँघों के किनारों पर पड़ने वाली थपकियों की ताजा अनुभूति ऐसी लग रही थी जैसे उसकी सज़ा फिर से शुरू से शुरू हो रही हो।

उसके नितंब का केंद्र, जिसे जलने और वारों दोनों से सबसे अधिक क्षति हुई थी, अब लगातार दर्द कर रहा था… धड़क रहा था! उसने अपना गुस्सा फिर से बढ़ते महसूस किया, गालियाँ और कटु टिप्पणियाँ चिल्लाने की इच्छा महसूस की। उसका एक और

हिस्सा मगरमच्छ के आँसू बहाकर और उसकी दया की अपील करने के लिए ललचा रहा था।

वह बस चाहती थी कि यह थपेड़ा पहले ही खत्म हो जाए!

लेकिन, अपनी मानसिक आँखों में, लैपिस ने एक दृश्य देखा। विभिन्न रास्तों पर उसकी तीन प्रतियाँ थीं, और वह अपना रास्ता चुन सकती थी। वह चुन सकती थी कि बदतमीज़ की तरह काम न करे। वह चुन सकती थी कि राजकुमारी की तरह काम न करे। वह चुन सकती थी कि अपने दिल से बोले। वह स्वतंत्र रूप से रोई, जब वह चिल्लाई, "कृपया! मुझे माफ़ कर दो, लेंक! मैं… मैं एक अच्छी लड़की बनूँगी!"

लेंक ने रुकने से पहले उसके नितंब के केंद्र पर एक अंतिम थपकी दी। "मैं तुम्हें माफ़ करता हूँ, लैपिस। अब, मुझे कंघी-ब्रश दो।"

लैपिस की आँखें फड़ककर खुल गईं, और उसके हाथों में कंघी-ब्रश अपने ही आँसुओं के एक धुँधले झरने के पीछे छिपा हुआ दिखाई दिया। सिसकते हुए, उसने कंघी-ब्रश को अपने सिर के ऊपर उठाया, आज्ञाकारी ढंग से इसे अपने अनुशासक को अर्पित किया। उसके सिर के पीछे द्विनेत्री हैमरहेड शार्क की आँखों ने उसे उत्कृष्ट परिधीय दृष्टि प्रदान की। जैसे ही वह स्वतंत्र रूप से रोने लगी, अपना चेहरा अपने हाथों में छिपा लिया, उसने वह देखा जो कोई भी बच्चा एक मेरो को छोड़कर कभी नहीं देख सकता था: अपने स्वयं के नितंब का एक क्रिस्टल-क्लियर दृश्य, जब लेंक ने कंघी-ब्रश को ऊँचा उठाया और बार-बार नीचे लाया, नील बैंगनी फूलों के खेत की तरह निशान छोड़ते हुए।

उभयचरों की तरह, मेरो पानी से बाहर खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए अपनी त्वचा में अतिरिक्त पानी जमा करते थे। बहुत बाद में जब एक सामान्य बच्चा अपने सभी आँसू रो चुका होता, लैपिस के आँसू दो झरनों की तरह स्वतंत्र रूप से बहते थे। वह छटपटाई, मरोड़ी, काँपी, पैर पटके, लेकिन उसने अपना नितंब नहीं ढँका और न ही भागी। उसने लेंक द्वारा दी गई दस अंतिम थपकियों में से प्रत्येक को देखा, सुना और महसूस किया।

लेंक ने चुपचाप कंघी-ब्रश के साथ दसवीं थपकी गिनने के बाद, लैपिस पर दया की। उसकी माफ़ी ईमानदार थी, और चाहे रानी मेरो लेंक से सहमत होतीं या नहीं, उसने फैसला किया कि लैपिस को पर्याप्त से अधिक थपेड़ा मारा जा चुका है। "ठीक है। मैं तुम्हारी आवाज़ से बता सकता हूँ कि तुम सच में पश्चाताप करती हो। अब, एक और चीज़ है जो मुझे तुम्हें देनी है।"

लैपिस ने घबराकर ऊपर देखा, और फुसफुसाई, "क्या यह… एक और थपेड़ा है?"

लेंक ने उसे उठाया और धीरे से घुमाकर बिठाया ताकि वह उसकी गोद पर बैठे, और उसे एक गर्म आलिंगन दिया, फिर पीछे हटकर उसकी पीठ थपथपाई। "थप-थप, राजकुमारी लैपिस। सब खत्म हो गया।"

जैसे ही उसने अपने बैठने के स्थानों को लेंक की गोद पर नीचे उतरते महसूस किया, लैपिस चीखी और अपनी जगह पर थोड़ा उछली, इससे पहले कि उसने अपना वजन सहारने के लिए अपनी बाँहें लेंक के कंधों के चारों ओर लपेटीं और अपने झुलसे हुए नितंब को उसकी गोद के किनारे से थोड़ा ऊपर लटका लिया। "मुझे… मुझे लगता है कि माँ उस से संतुष्ट होतीं!"

अचानक यह महसूस करते हुए कि वह कितनी बचकानी महसूस कर रही थी, लैपिस शरमा गई और खड़ी हो गई, लेंक के आलिंगन से मुक्त होकर। "अच्छा! अब तुम क्या करने वाले हो?"

अपना शो पूरी तरह से आनंद लेने के बाद, नेविया लेंक की तरफ लौटी। "क्या हम अब राजकुमारी लैपिस को घर ले जा रहे हैं?"

लेंक ने अपने आस-पास का निरीक्षण किया। "हम इतनी दूर आ गए हैं, हमें ज़ोर–उह, लैपिस के बहुमूल्य पत्थर को खोजने की कोशिश करनी चाहिए। शायद हम समझ सकें कि प्रभु दग-गादोल की बीमारी का कारण क्या है।"

लैपिस ने एक आँसू छिपाने के लिए सूँघा, फिर पूरी तरह से अपनी कोमल, झुनझुनाती पूँछ से अप्रभावित होने का नाटक किया। "आखिरकार, तुम कुछ समझदारी की बात करते हो! और तुम इसे मुझसे छीनने की कोई योजना मत बनाना! तुम मेरी माँ के पत्थर में बहुत रुचि लेते दिख रहे हो!"

लेंक ने अपने दिल पर हाथ रखा। "तुम्हारा वचन है। मैं इसे तुमसे कभी नहीं चुराऊँगा।"

नेविया कराही। उसका लड़का इतना ईमानदार मूर्ख था कि वह उसकी परी होने पर गर्व महसूस करती थी।

कार्रवाई करने के लिए उत्सुक, लेंक ने लैपिस का हाथ पकड़ा और तेज गति से आगे बढ़ा, उसे अपने पीछे खींचता हुआ। "चलो, राजकुमारी!"

लैपिस की आँखें फैल गईं, लेकिन जैसे ही उसने अपने खाली हाथ से अपना नितंब रगड़ा, उसके होंठ एक मूर्खतापूर्ण मुस्कान में मुड़ गए। "ओह! क्या तुम कृपया मुझे

उठाओगे? … मेरा मतलब, बस मुझे इधर-उधर मत घसीटो! मैं एक तार पर खिलौना नहीं हूँ!"

नेविया ने अपनी आवाज़ ऊँची की। "क्या तुम एक और थपेड़ा चाहती हो? चलती रहने की कोशिश करो!"

लेकिन इससे पहले कि नेविया खत्म करती, लेंक रुका, और लैपिस को हल्के से अपनी बाँहों में उठा लिया।

नेविया के पंख फड़के। "लेंक, तुम्हें उसे अपनी कमान नहीं चलाने देना चाहिए!"

लेंक ने कंधे उचकाए, पूरी तरह से अनजान कि लैपिस कैसे शर्मिंदगी से उससे दूर देख रही थी, बुरी तरह शरमा रही थी। "उसने अच्छी तरह पूछा। साथ ही, मैं इस तरह तेजी से आगे बढ़ सकता हूँ!"

आखिरकार, लैपिस लेंक की आँखों का सामना करने में सक्षम हुई। "लेंक… क्या तुम मुझे सुरक्षित घर पहुँचाने के बाद भी मुझे थपेड़ा मारोगे?"

लेंक ने अपनी भौंहें चढ़ाईं, मानो जवाब स्पष्ट होना चाहिए था। "हाँ, राजकुमारी।"

लैपिस ने उत्तेजना की एक झुनझुनी महसूस की, जो उसकी टाँगों और पूँछ के साथ-साथ झुनझुनी से मेल खाती थी। "… ओह! बेशक!"

उसने सहारे के लिए फिर से अपनी बाँहें लेंक के कंधों के चारों ओर लपेटीं, इससे पहले कि उसने कर्कशता से कहा, "वादा करो तुम नहीं भूलोगे? मुझे उम्मीद है कि तुम अपनी बात रखोगे!"

लेंक ने अपनी भौंहें उठाईं। "अच्छा, अगर मैं भूल गया, तो क्या तुम मुझे याद दिलाओगी?"

"हम्फ! इतनी महत्वपूर्ण बात भूलने की कल्पना! क्या तुम अपनी बात के पक्के हो या नहीं?"

लेंक मुस्कुराया। "मैं अपनी बात का सम्मान करूँगा। मैं वादा करता हूँ कि मैं नहीं भूलूँगा!"

लैपिस ने अपना सिर लेंक की छाती में लगाया, उसे वे शब्द याद आए जो उसकी माँ ने उसे बहुत पहले कहे थे, जब उन्होंने मेरो नीलमणि उसे सौंपी थी। "यह पत्थर हमारे

लोगों के दिल का प्रतिनिधित्व करता है। तुम्हारे पिता ने इसे मुझे सगाई के उपहार के रूप में दिया था। इसे किसी आदमी को कभी मत देना, जब तक कि वह एक ऐसा आदमी न हो जिसका तुम सम्मान कर सको, एक ऐसा आदमी जो अपनी बात रखे... और कृपया इसे खोना मत, वरना मैं तुम्हें थपेड़ा मारूँगी!"

लैपिस ने साँस ली, उस जंगली, एवलॉनियन लड़के की अजीब, नमकीन गंध को ग्रहण किया। आखिरकार, यहाँ एक आदमी था जो अपनी बात का पक्का था!

[अध्याय I का अंत]

सौंदर्य दैत्य के उदर में

अध्याय II: एक पवित्र प्रतिज्ञा

राजकुमारी लैपिस के बहुमूल्य पत्थर को खोजने के अपने साझा अभियान पर, लेंक और लैपिस ने एक रोमांचक और हृदय-स्पर्शी साहसिक कारनामों की श्रृंखला का अनुभव किया। जब दोनों दोस्तों पर प्रभु दग-गादोल की आंतों के अंदर उत्पात मचाते एक राक्षसी बिगॉक्टो ने घात लगाकर हमला किया और उन्हें अलग कर दिया, तो लेंक को संदेह होने लगा कि कहीं काला जादू हाथ तो नहीं लगा रहा है। लेंक ने गरीब प्रभु दग-गादोल की छोटी आंत का चक्कर लगाया, जब तक उसे स्रोत नहीं मिला: एक घिनौना, स्पर्शिकाओं वाला जिलेटिनस राक्षस, जिसे नेविया ने जारिनेड के रूप में पहचाना – जो संक्रमण का स्रोत था।

यह देखकर कि राक्षस ने राजकुमारी लैपिस को अपने पंजों में पकड़ रखा है, लेंक ने वीरतापूर्वक कार्रवाई की। दुर्भाग्य से, वह बिना बिजली के झटके के उसे अपनी तलवार से नहीं छू सका। लेंक ने सोचा कि उसका अंत आ गया है, जब तक लैपिस ने खुलासा किया कि उसके पास भी कुछ है – एक बुमेरांग?

"सच में! यहाँ नीचे क्या-क्या चीज़ें मिल जाती हैं। अच्छा हुआ कि प्रभु दग-गादोल इतने पेटू हैं," लैपिस ने गरजा, जब लेंक ने बेसहारा राक्षस के हमलों से बचते हुए, बुमेरांग का उपयोग उस पर दूर से हमला करने के लिए किया।

उस विभत्स जीव को हराने के बाद, उन्होंने लैपिस का बहुमूल्य पत्थर बरामद कर लिया, जो वास्तव में रहस्यमयी मेरो नीलमणि था। ("आश्चर्य, आश्चर्य!" नेविया ने व्यंग्यात्मक रूप से कहा।)

सौभाग्य से, जादुई पत्थर की शक्ति ने उन्हें दैवीय मछली के पाचन तंत्र के दौरे को खत्म किए बिना, प्रभु दग-गादोल की अंतड़ियों से बाहर टेलीपोर्ट कर दिया, और उन दोनों को झील के पानी में छपाक से गिरा दिया।

उनका साहसिक अभियान समाप्त होने पर, राजकुमारी लैपिस ने जम्हाई ली, मानो उन्होंने किसी पहली डेट पर पार्क में सामान्य सैर पूरी कर ली हो, फिर लेंक की तरफ तैरकर आई और सीधे उसकी आँखों में देखा, अपने हाथ पीठ के पीछे बाँधे हुए लहराती हुई। "तुम! तुम अच्छे लग रहे थे… जितना मैंने सोचा था उससे बेहतर… बस थोड़ा! अच्छा, वैसे भी, तुमने मुझे बचाया, तो मुझे लगता है कि मैं तुम्हें पुरस्कार दूँगी। तुम्हारी क्या इच्छा है? बस मुझे बताओ…"

लेंक ने चमकते रत्न की तरफ इशारा किया – तीन नीलमणि सोने के फ्रेम में जड़े हुए। "मुझे वह आत्मा-पत्थर चाहिए।"

लैपिस को अपना पेट कलाबाज़ी खाता हुआ महसूस हुआ। "तुम्हारा मतलब जल-पत्थर है, है न? मेरी माँ ने इसे मुझे दिया था और कहा था कि मुझे इसे केवल उस व्यक्ति को देना चाहिए जो मेरा पति होगा। तुम इसे मेरो की सगाई की अंगूठी कह सकते हो! ठीक है! मैं तुम्हें अपनी सबसे कीमती चीज़ दूँगी… मेरो का नीलमणि!"

"… सगाई की अंगूठी?" नेविया ने पूछा, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। लेंक ने उत्सुकता से रत्न स्वीकार किया और उसे विजयी होकर ऊपर उठा लिया।

लैपिस ने आँख मारी और पानी से बाहर निकली। "मेरे पिता को मत बताना…" फिर, वह लेंक से आगे उछलती हुई चली, अपने आप में एक मीठी धुन गुनगुनाती हुई।

नेविया तब तक इंतज़ार करती रही जब तक लैपिस सुनने की दूरी से बाहर नहीं चली गई, फिर लेंक की तरफ मुड़ी। "लेंक… क्या तुम जानते हो कि सगाई की अंगूठी क्या होती है?"

लेंक ने पत्थर रख दिया, उसकी मूर्खतापूर्ण मुस्कान गायब हो गई। "हुह? मुझे वास्तव में समझ नहीं आया कि वह किस बारे में बात कर रही थी, लेकिन मैंने आखिरकार तीनों आध्यात्मिक पत्थर इकट्ठे कर लिए हैं! राजकुमारी आइसोल्डे को मैडॉक को हराने में मदद करने का मेरा अभियान लगभग खत्म हो गया है!"

नेविया ने आह भरी।

लेंक ने एक भौंह उठाई। "चिंता मत करो, नेविया! मुझे पता है कि यह राजकुमारी लैपिस की सबसे कीमती चीज़ है। एक बार जब आइसोल्डे इसका उपयोग समाप्त कर लेगी, तो मैं लैपिस की 'सगाई की अंगूठी' सुरक्षित-सलामत वापस कर दूँगा!"

नेविया ने कोई जवाब नहीं दिया। लेंक ने अचानक सोचा कि क्या वह कुछ भूल रहा है।

"उह… नेविया? क्या मुझे पता होना चाहिए कि सगाई की अंगूठी क्या होती है?"

नेविया ने एक बार खिलंदड़ अंदाज़ में उसकी टोपी से उछलकर उसके आगे उड़ना शुरू कर दिया। "उसके लिए बाद में काफी समय होगा।" उम्मीद है जब तुम कुछ साल बड़े हो जाओगे, नेविया ने सोचा।

***

लेंक और नेविया गलियारे से वापस राजा मेरो के महल की ओर दौड़े, तो उन्होंने राजा मेरो का विशाल पिछवाड़ा बाहर निकलने का रास्ता बंद किए पाया। वे मेहराब के पीछे से उनकी दबी हुई आवाज़ सुन सकते थे। "मैं समझ गया। तो तुमने आखिरकार अवज्ञा की। मैं बहुत निराश हूँ, राजकुमारी लैपिस! तुम्हारी माँ क्या कहतीं?"

लेंक ने अपना सिर खुजलाया। "उह, महाराज? क्या आप हमें गुज़रने देंगे, कृपया?"

"हम्म? ओह! हमारा नायक आ गया! एक क्षण, मेरे लड़के! एक क्षण! म्यूप! म्यूहवीप!!!"

नेविया ने चुपचाप गुस्सा किया, जब उसने राजा मेरो को घुरघुराहट करते और अपने भार को बाहर निकलने से हटाना शुरू करते सुना – उसे यकीन नहीं था कि वह वास्तुकार से अधिक नाराज़ है या मोटे राजा से। "बताओ, इस महल को किसने डिज़ाइन किया?"

"म्यूप! ओह? मैंने इसका अधिकांश भाग स्वयं डिज़ाइन किया! अधिकांश मेरो कागज़ को ज्यादा महत्व नहीं देते, लेकिन जब मैं पानी से बाहर होता हूँ तो मैं एक शानदार ड्राफ्ट्समैन हूँ! क्या जाली का काम अद्भुत नहीं है?"

नेविया ने राजा के पिछवाड़े को मेहराब की सुंदर जाली पर कुछ इंच घिसटते देखा। "शानदार! बिल्कुल! आप तो पानी से बाहर एक नियमित मछली हैं!"

"धन्यवाद!" राजा मेरो ने दिल खोलकर कहा, जब दरवाज़े में रोशनी की एक किरण दिखाई दी, जिससे इतनी रोशनी आई कि उसके दो शानदार नितंबों के बीच की दरार प्रकाशित हो गई, जो अभी भी मेहराब का नौ-दसवाँ हिस्सा अवरुद्ध कर रहे थे। लेंक ने अपनी साँस रोकी और राजा के कूल्हों के बीच से मुश्किल से खिसका, आखिरकार वापस मेरो क्षेत्र में आ गया।

मेहराब के दूसरी तरफ एक कहीं अधिक सुखद दृश्य ने उसका स्वागत किया। राजकुमारी लैपिस अपने पिता के सिंहासन से पहले ऊँचे पत्थर के चबूतरे पर खड़ी थी, उसके हाथ विनम्रतापूर्वक सामने जुड़े हुए थे, उसने एक छोटी, सफेद वस्तु पकड़ रखी थी जिसे लेंक पहचान नहीं पा रहा था। चबूतरे के आसपास, ऐसा लगता था जैसे मेरोओं की पूरी आबादी इकट्ठी हो गई थी। शायद वे लैपिस के बचाव की खबर सुनने आए थे, और उसकी पूरी स्वीकारोक्ति सुनने के लिए रुक गए थे।

लेंक को अपने पिता के पीछे से आते देखकर, लैपिस अकड़ गई, इससे पहले कि उसने अपना सिर झुकाया। "लेंक? तुम यहाँ हो! मैं अभी पापा को सब कुछ बता रही थी जो हुआ… और मेरा मतलब सब कुछ है!"

अपने पिता को एक नाजुक जालीदार उंगली उठाते देख, लैपिस ने आह भरी और चबूतरे पर घूमकर अपने लोगों का सामना किया। "सब लोग, मुझे उन सभी परेशानियों और चिंताओं के लिए खेद है जो मैंने तुम्हें दी हैं। मैंने जल-आत्मा पत्थर की उचित ज़िम्मेदारी नहीं ली। मैंने तुम सब से सच्चाई छिपाई। मैं भाग गई। मैंने जानबूझकर अपने पिता की अवज्ञा की, और… प्रभु दग-गादोल के मुँह के अंदर फिर से खेला!"

वयस्क मेरो ने अपनी जीभ से चटक की आवाज़ निकाली और अपना सिर हिलाया, और कुछ बच्चों ने प्रभु दग-गादोल के मुँह के अंदर खेलने का उल्लेख सुनकर हाँफा।

लैपिस के कंधे काँपे, जब उसने अपनी औपचारिक माफ़ी जारी रखी। "और अगर इस बहादुर एवलॉनियन के लिए नहीं होता, तो मैं निश्चित रूप से मर जाती। मैंने उसे उचित शिष्टाचार भी नहीं दिखाया।"

लेंक बीच में रोककर यह समझाने वाला था कि वह एक निबेलुंग है, एवलॉनियन नहीं, इससे पहले कि नेविया उसके सिर पर ऊपर-नीचे उछलती और उसे चुप रहने का इशारा करती।

अपनी शालीन शांति को भूलकर, राजकुमारी ने अपनी पूँछ पर चमकते, नीले-बैंगनी निशानों पर नज़र डाली – जो उसकी अशिष्टता के लिए चुकाई गई सज़ा का एक सार्वजनिक प्रमाण था।

राजा मेरो ने अपनी पश्चातापी, दंडित बेटी के दृश्य पर विचार किया। "अच्छा, ऐसा लगता है कि लेंक ने मेरा अनुरोध पूरा किया, और पूरी तरह से! बहुत अच्छा, राजकुमारी लैपिस… अपने कमरे में जाओ!"

लैपिस फिर से अपने पिता का सामना करने के लिए मुड़ी। "नहीं, पापा!"

श्रोतागण बड़बड़ाए, और राजा मेरो बेचैन हो गए। "उम… कृपया आज्ञा मानो?" वह अपनी दिवंगत रानी मेरो, अपनी बेहतर आधी के बिना इन स्थितियों में कभी नहीं जानता था कि क्या करना है।

लैपिस ने लेंक की तरफ देखा, चुपचाप उसे चबूतरे पर उसके पास आने के लिए प्रेरित करते हुए, इससे पहले कि वह फिर से शर्म से अपनी आँखें नीचे कर ले। "मैं तुम्हारी आज्ञा मानूँगी, पापा, लेकिन पहले मुझे प्रायश्चित करना होगा। लेंक ने मुझे प्रभु

दग-गादोल के पेट में जो सज़ा दी, वह मेरी अपनी जिद के कारण हुई थी। उसने वादा किया था कि वह मुझे सुरक्षित घर पहुँचने पर सज़ा देगा, और मैंने अपने भाग्य को स्वीकार करने का वादा किया था। मेरोओं की ओर से, मुझे उस वादे का सम्मान करना चाहिए।"

उसने चोरी-छिपे पीछे पत्थर की सीढ़ियों के तल पर इकट्ठे माता-पिता और बच्चों – अपनी सभी प्रजा – की तरफ देखा। "और मेरो क्षेत्र के लोगों को, बड़े और छोटे, यह देखना चाहिए कि उनकी राजकुमारी कानून से ऊपर नहीं है।"

राजा मेरो ने राहत की साँस ली, फिर आराम से वापस बैठ गए। "आह! बेशक! आगे बढ़ो, लेंक, मेरे लड़के!"

जैसे ही लेंक चबूतरे के शीर्ष पर लैपिस से मिलने के लिए पत्थर की सीढ़ियाँ चढ़ा, वह फिर से उसका सामना करने के लिए मुड़ी, और अपने हाथ में छोटी, सफेद वस्तु आगे बढ़ाई: एक सुसज्जित मोती-माँ का कंघी-ब्रश। "यह मेरी माँ का था। मुझे लगता है कि तुम अंदाज़ा लगा सकते हो कि वह इसका उपयोग किस लिए करती थीं। मैं चाहती हूँ कि तुम अब इसका उपयोग करो।"

नेविया ने अपना सिर लेंक की टोपी के नीचे से बाहर निकालकर फुसफुसाया, "लेंक, क्या तुम सच में–"

लेकिन लेंक ने नेविया को चुप रहने का संकेत देने के लिए एक उंगली उठाई, अपनी टोपी को बेपरवाही से वापस अपनी जगह पर रखते हुए जब उसने लैपिस से ब्रश स्वीकार किया। लेंक का गला अटक गया। इस स्थिति में उसे क्या कहना चाहिए था? उसने लगभग लैपिस को फिर से थपेड़ा मारने का वादा भूल दिया था, और उसे बख्शने पर विचार कर रहा था। अपने सबसे क्रोधित क्षणों में भी, उसने इस दृश्य को किसी एकांत जगह पर घटित होते कल्पना किया था, कभी गवाहों की भीड़ की कल्पना नहीं की थी।

राजकुमारी लैपिस ने इंतज़ार नहीं किया, और विनम्रतापूर्वक अपनी जालीदार हथेलियाँ अपने घुटनों पर रखकर स्थिति ग्रहण कर ली। लेंक ने कुछ बच्चों को लैपिस के पिछवाड़े का बेहतर दृश्य पाने के लिए जानबूझकर चबूतरे के चारों ओर भागते देखा। लेंक ने लैपिस की आँखों को नम और उसके गालों को शरमाते देखा, जब उसने अपने सामने का दृश्य निहारा: एक पूरी भीड़, उसके लोग, उसकी सार्वजनिक पिटाई देखने के लिए वहाँ उपस्थित थे।

लेंक ने महसूस किया कि वही निगाहें उसका पीछा कर रही थीं, जब उसने अपने दाहिने बाज़ू को लैपिस की कमर के चारों ओर लपेटा ताकि उसका वजन संभाल सके। वह काँप

रही थी। उसने उसे यथासंभव धीरे से पकड़ने की पूरी कोशिश की, उम्मीद कर रहा था कि वह उसके स्पर्श से महसूस कर सके कि वह उससे नाराज़ नहीं था।

जैसे ही उसने ब्रश को ऊँचा उठाया, लेंक ने महसूस किया कि उसे लैपिस का सामना करने में मदद करने के लिए कुछ कहना होगा। चुप रहने की उसकी आदत बस काम नहीं करेगी। "सब लोग? मैं चाहता हूँ कि तुम जानो कि राजकुमारी लैपिस भी बहुत बहादुर थी। उसके बिना, मैं शायद मर गया होता। मुझे पता है कि आज से पहले उसने जो किया वह गलत था, लेकिन तुममें से किसी को भी अपनी राजकुमारी ने आज जैसा व्यवहार किया, उस पर शर्म नहीं करनी चाहिए।"

इस पर, बच्चे बड़बड़ाए, और कुछ कठोर-चेहरे वाले वयस्कों ने मुस्कान फोड़ी, अपने पंख लहराते हुए – जो लेंक को उम्मीद थी कि एक मित्रवत इशारा था। लेंक ने नीचे भीड़ की बड़बड़ाहटों को नज़रअंदाज़ किया और लैपिस से फुसफुसाया, ताकि केवल वह सुन सके। "इसमें तुम भी शामिल हो, राजकुमारी।"

लेंक ने महसूस किया कि उसका काँपना शांत हो गया, और एक मुस्कान उसके चेहरे पर चमकी, इससे पहले कि उसने उसे नकली चिढ़ के पीछे छिपा लिया। "अच्छा, क्या तुम मुझे पूरे दिन अधर में लटकाए रखोगे? संपूर्ण मेरो क्षेत्र तुम्हारा इंतज़ार कर रहा है! इसे खत्म करो!"

लेंक ने सिर हिलाया, और मोती के कंघी-ब्रश के सपाट सिरे से लैपिस के पहले से ही झुलसे हुए पिछवाड़े पर थपथपाया। उसने महसूस किया कि यद्यपि यह उसके स्वयं के हाथ से नक्काशीदार लकड़ी के ब्रश से छोटा था, इसकी सामग्री ठोस और भारी थी। प्रत्येक वार एक छोटे, अधिक केंद्रित क्षेत्र को कवर करेगा, और उसने सोचा कि क्या यह नील के निशान छोड़ेगा।

लेंक ने गला निगला। एक ओर, इतनी सारी औपचारिक रस्म के बाद, वह नहीं चाहता था कि कोई भी मेरो यह सोचे कि वह लैपिस को हल्के से छोड़ रहा है। दूसरी ओर, उसे पहले से ही उस पर दया आ रही थी। उसे कैसे पता चलेगा कि वह बहुत जोर से मार रहा है? एक मेरो का नीला पिछवाड़ा किसी एवलॉनियन या निबेलुंग के आड़ू-गुलाबी पिछवाड़े से तुलना करना मुश्किल था।

पहली थपकी बजी, भीड़ के सिरों के ऊपर गूँजती हुई। लेंक ने देखा कि ब्रश लैपिस के बाएँ बैठने-स्थान पर पड़ा, वहाँ एक चितकबरा, बैंगनी निशान उभर आया। लेंक केवल उम्मीद कर सकता था कि मेरो मनुष्यों की तुलना में अधिक आसानी से नील नहीं पड़ते।

लेंक ने एक समझौता किया। वह अपनी पूरी ताकत नहीं लगाएगा, लेकिन एक लंबी सज़ा देगा, भीड़ और लैपिस दोनों के संकेतों को सुनकर यह तय करेगा कि उसे कब पर्याप्त सज़ा मिल चुकी है। उसने वारों की ताकत हल्की कर दी, लेकिन लैपिस के पिछवाड़े और ऊपरी जाँघों के हर इंच को ढँकना सुनिश्चित किया। इस समय तक, लैपिस के शाही पिछवाड़े का रंग एक जीवंत शाही नीले रंग में गहरा हो चुका था। लेंक ने महसूस किया कि वह स्थिर रहने के लिए संघर्ष कर रही थी, और उसके पेट का वजन सहारे के लिए उसके दाहिने हाथ की उंगलियों पर दब रहा था। वह वीरतापूर्वक संघर्ष कर रही थी, लेकिन जलन के स्थायी प्रभाव कष्टदायक रहे होंगे।

लेंक रुका, उम्मीद कर रहा था कि इसके लिए इसे उसके अपराधों के लिए एक उचित सज़ा माना जाएगा, या कम से कम उसे साँस लेने का मौका दे। "राजकुमारी लैपिस, खड़ी हो जाओ और अपने पिता का सामना करो।"

लैपिस ने आज्ञा मानी, ताजे आँसू स्वतंत्र रूप से बहने लगे, ठंडी रोशनी पड़ने पर चमक रहे थे। उनके पीछे, लेंक ने वयस्क आवाज़ों की एक भीड़ को बड़बड़ाते सुना – जो उसे उम्मीद थी कि अनुमोदन था – यहाँ तक कि कुछ बच्चों की आवाज़ें प्रशंसा से गूँज रही थीं। राजा मेरो ने अपनी आँखों से हाथ नीचे किया, जाहिर तौर पर अपनी बिगड़ैल छोटी बेटी को संकट में देखने के दृश्य को सहन करने में संघर्ष कर रहे थे। "बहुत अच्छा! अच्छा, मैं कभी बहुत अनुशासक नहीं रहा, लेकिन मुझे वास्तव में लगता है कि उसकी माँ आपके काम से बहुत प्रसन्न होतीं, नौजवान! और आपसे बहुत प्रसन्न होतीं! यह मेरोओं के लिए एक खुशहाल दिन है!"

आखिरकार, उम्मीद से भरी मेरोओं की भीड़ ने एक काँपती हुई युद्ध-चीख में अपनी आवाज़ें उठाईं, उनकी संगीतमय आवाज़ें पानी के अंदर बोलने की अधिक आदी थीं। राहत की एक लहर के साथ, लेंक ने कंघी-ब्रश वापस लैपिस को सौंपा, केवल उसने उसकी उंगलियों को हैंडल के चारों ओर बंद कर दिया। "नहीं, मूर्ख। बेशक तुम इसे रख लो। भविष्य में तुम्हें निश्चित रूप से इसकी आवश्यकता होगी!"

नेविया ने कामना की कि लेंक अपने चेहरे पर उलझन भरी अभिव्यक्ति देख सकता। "लेकिन मेरे पास पहले से ही एक कंघी-ब्रश है?"

लैपिस ने आँखें घुमाईं, फिर उसे हल्के से गाल पर चूमा, अपना दाहिना हाथ उसके बाएँ बाजू पर हल्के से रखते हुए, जब वे पत्थर की सीढ़ियाँ उतर रहे थे। "अच्छा, तो इसे मेरी कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में रख लो। अगली बार जब तुम्हें मुझे थपेड़ा मारना पड़े, तो मैं पसंद करूँगी कि तुम माँ के ब्रश का उपयोग करो, हालाँकि अगर मैं बहुत शरारती हो रही हूँ तो मुझे लगता है कि तुम वह बेढंगा गदा निकाल सकते हो जिसे तुम कंघी-ब्रश कहते हो।"

लेंक मुस्कुराया, जब वयस्क मेरो ने उसकी पीठ थपथपाई, और सोचा कि क्यों कुछ किशोर मेरो लड़कियाँ इतनी हास्यास्पद रूप से खिलखिला रही थीं। "तुम्हें थपेड़ा मारूँ? मुझे फिर कब तुम्हें थपेड़ा मारना पड़ेगा?"

लैपिस खिलखिलाई और धीरे से लेंक का बाजू दबाया। "यह कहना बहुत प्यारा है, लेकिन मुझे लगता है कि हम दोनों जानते हैं कि मैं जिद्दी प्रकार की हूँ! लेकिन तुम्हारी खातिर, मैं अपने सबसे अच्छे व्यवहार पर रहने का वादा करती हूँ... कुछ देर के लिए!"

लेंक ने अनमने ढंग से सिर हिलाया, भीड़ भरे मेरोओं के अजीब प्रोत्साहन के शब्दों और फुसफुसाई टिप्पणियों के बीच लैपिस को सुनने के लिए संघर्ष कर रहा था:

"अच्छा काम किया, लड़के। हमारी राजकुमारी को आखिरकार एक आदमी मिल गया, इतना आदमी कि उसे काबू कर सके!"

"वाह, वह कितना सुंदर है। कल्पना करो! हमारा अपना छोटा एवलॉनियन राजकुमार!"

एक प्यारी छोटी मेरो लड़की उनके सामने उछल-कूद कर रही थी। "मुझे उम्मीद है कि मुझे एक दिन तुम्हारे जैसा बहादुर मेरो-साथी मिलेगा, एवलॉनियन! क्या तुम्हारी शादी होने पर बहुत सारे बच्चे होंगे?"

लेंक शर्माते हुए हँसा। "अच्छा, मैं वास्तव में एक निबेलुंग हूँ। मुझे लगता है कि मैंने उन दूसरी चीज़ों के बारे में ज्यादा नहीं सोचा है। मुझे लगता है कि बड़ा होकर एक दिन बच्चे पैदा करना अच्छा होगा। लेकिन मुझे पहले राजकुमारी आइसोल्डे का अभियान पूरा करना होगा!"

तुरंत, भीड़ पर एक सन्नाटा छा गया। लेंक ने महसूस किया कि लैपिस की पकड़ उसके बाजू पर फिर से कस गई, लेकिन इस बार उसने इतनी जोर से चिकोटी काटी कि उसका बाजू सुन्न हो गया। वह धीरे-धीरे उसका सामना करने के लिए मुड़ी। "राजकुमारी आइसोल्डे? तुम उसे जानते हो, क्या? तुम्हारा उससे क्या रिश्ता है?"

वह इतनी मीठी मुस्कान के साथ मुस्कुराई कि लेंक घबरा गया। क्या दोनों राज्यों के बीच कोई तनाव था जिसके बारे में वह अनजान था? लेंक ने कामना की कि वह एवलॉन और मेरो रीति-रिवाजों के बारे में इतना अज्ञानी न होता। "उसने मुझे तीनों आध्यात्मिक पत्थर इकट्ठे करने के एक महत्वपूर्ण अभियान पर भेजा है। यही कारण है कि मैंने पहली जगह मेरो क्षेत्र की खोज की। पूरे एवलॉन का भाग्य मेरे कंधों पर टिका है!"

"और क्या यही एकमात्र कारण है कि तुमने मेरी माँ का पत्थर स्वीकार किया? क्या तुम इसे मुझसे उपहार के रूप में नहीं चाहते थे?"

नेविया ने हाँफा और लेंक के कान तक उड़ने की कोशिश की, लेकिन बहुत देर!

लेंक ने लैपिस को दोनों कंधों से पकड़ा, तुरंत जवाब देते हुए। "ओह नहीं, यह एक अद्भुत उपहार था! तुम्हारा मेरे प्रति शाश्वत आभार है। और जैसे ही मैं राजकुमारी आइसोल्डे को मैडॉक ड्रैकोमियर को... जो भी वह करने की योजना बना रहा है, उससे रोकने में मदद कर दूँगा, मैं तुम्हारे पास वापस आ जाऊँगा!"

इस पर, भीड़ ने अनुमोदन में सिर हिलाया और अपने उत्सवों में वापस लौट आई। उन्होंने उसके और लैपिस के सामने सजावट लटकानी और फूल बिखेरने शुरू कर दिए थे। लेंक ने सोचा कि क्या ये विचित्र मेरो रीति-रिवाज केवल लैपिस के बचाव का जश्न मनाने के लिए थे? यह लगभग ऐसा लग रहा था जैसे वे किसी अजीब छुट्टी की तैयारी कर रहे हों।

राजकुमारी लैपिस ने राहत पाकर सिर हिलाया, इससे पहले कि उसने लेंक के गाल पर एक चुम्बन लगाया। "अच्छा, मैं राजकुमारी आइसोल्डे को अच्छी तरह जानती हूँ। वह एक अच्छी दोस्त है, और बुद्धि की प्रतिमूर्ति है। मुझे संदेह है कि वह मेरे लिए इतनी कीमती चीज़ चुराने की कोशिश करेगी! ... मुझे उम्मीद है कि मेरी माँ का पत्थर तुम्हारे अभियान में तुम्हारी मदद करेगा... टी ही!"

लेंक मुस्कुराया, और लैपिस को कसकर गले लगाया, इतना अच्छा दोस्त बनाकर खुश था। लैपिस बुरी तरह शरमा गई, इससे पहले कि उसने लेंक को खिलंदड़ अंदाज़ में खुद से दूर धकेला और बाज़ू बाँध लिए। "सबके सामने नहीं, ओ मूर्ख!"

लेंक ने इतना जोर-जोर से सिर हिलाया कि नेविया उसकी टोपी के अंदर आगे-पीछे उछलती रही, उसका ध्यान खींचने में असमर्थ। उसने लैपिस को हाथ हिलाया, जब वह उस झरने की तरफ भागा जो मेरो क्षेत्र के प्रवेश द्वार को छिपाता था। "ठीक है। अलविदा, लैपिस!"

यह विदाई लैपिस की उम्मीद से कहीं जल्दी थी। उसका नकली गुस्सा गायब हो गया। उसने एक नाज़ुक विदाई में हाथ उठाया, इससे पहले कि उसने सभी बहाने छोड़ दिए और लेंक के पीछे झरने पर विदा करने के लिए दौड़ी। "मुझे बहुत देर तक इंतज़ार मत करवाना! अगली पूर्णिमा पर हमारी शादी की रस्म होगी!"

लेंक झरने पर रुका। "एक रस्म? हुह। यह लंबी और उबाऊ तो नहीं होगी?"

लेंक की टोपी के अंदर इधर-उधर टकराने के बाद, नेविया ने व्यावहारिक रूप से उसके कान की ओर छलांग लगाई। सब कुछ इतनी जल्दी हो रहा था! "रुको, लेंक! अरे! सुनो!"

लैपिस ने सिर हिलाया। "नहीं। यह छोटी और मीठी होगी… और सुंदर!"

नेविया रुकी। उसने लैपिस को धीरे से लेंक के गाल पर हाथ रखते, फिर उसे एक अजीब आधा-आलिंगन, आधा-गला-घोंटू पकड़ में खींचते देखा। नेविया को तुरंत पता चल गया कि लैपिस लेंक के पहले के आलिंगन को ठुकराने की भरपाई करने की कोशिश कर रही थी। एक स्मृति बनाने की कोशिश कर रही थी जो टिकेगी।

अनजान, लेंक ने ईमानदारी से आलिंगन का जवाब दिया। उस पर लैपिस की कठोर पकड़ उसकी बाँहों में घुल गई।

नेविया ने महसूस किया कि तत्काल चेतावनी उसके होठों पर मर गई। अपनी खामियों के बावजूद, लैपिस इस पल की हकदार थी। नेविया को दूसरी बार लेंक को यह खबर तोड़नी होगी।

लेंक मुस्कुराया। "मैं जितनी जल्दी हो सके तुम्हारे पास वापस आऊँगा, राजकुमारी लैपिस!"

[समाप्त]

निशा को आखिरकार उसकी सज़ा मिलती है

अध्याय I: इम्प और भेड़िया

लेंक अब हफ्तों से भेड़िये के रूप में फँसा हुआ था, उसकी आवाज़ केवल भीषण गुर्राहटों तक सिमट गई थी। जैसे ही वह चारों पैरों पर जंगल में दौड़ता था, उसकी बढ़ी हुई सूँघने और सुनने की इंद्रियाँ उससे कहीं अधिक ग्रहण कर रही थीं जितनी उसने कभी कल्पना की थी, उसे याद आया जब वह पहली बार जादूगर वैन सैंड्ट की कैद में उठा था, अपने भाग्य की प्रतीक्षा कर रहा था, जब अचानक उसे निशा नामक एक छोटी, शरारती इम्प ने मुक्त कर दिया। वह काला जादू चलाती थी और लेंक को उसके अभिशाप के बारे में चिढ़ाने में आनंद लेती हुई प्रतीत होती थी।

उसे उसके चिढ़ाने वाले शब्द याद आए, जैसे वे भाग निकले थे, "तुम अब काफी जानवर हो गए हो, है न? हा! चिंता मत करो, मैं तुम्हें उस तरह नहीं छोड़ूंगी जैसे तुम्हारे तथाकथित मानव मित्रों ने किया है।" लेंक जवाब में एक शब्द भी नहीं बोल सकता था, लेकिन वह अपने अंदर शर्म और निराशा को उबलते हुए महसूस कर सकता था।

दुनिया में कोई दूसरा सहयोगी न होने के कारण, लेंक ने उस दिन से निशा के मार्गदर्शन का अनुसरण किया। निशा उसे देश-भर में बिना किसी उद्देश्य के इधर-उधर घुमाने और हर समय उसे चिढ़ाने में आनंद लेती दिखती थी। "चलो, कुत्ते! हिद्दियाप!" वह हँसती, उसकी पीठ पर बैठकर उसके नितंब पर थप्पड़ मारती मानो वह उसका घोड़ा हो। एक बार, उसने गुर्राया और इतनी भारी गति से आगे बढ़ा कि निशा उसकी पीठ से उठ गई। जैसे ही उसने उसके नितंब को एक सुनाई देने वाली धमक के साथ अपने ऊपर बैठते महसूस किया, निशा ने केवल एक कोमल "ओह!" आश्चर्य की आवाज़ निकाली। पीछे मुड़कर देखने पर, लेंक ने उसे पकड़े रहने के लिए उसके फर को कसकर चिपटे हुए देखा, उसके चेहरे पर आहत अभिमान का भाव था। यह हफ्तों में लेंक की एकमात्र छोटी सी जीत थी। उसने उसके नितंब पर थप्पड़ मारा, उसने उसके नितंब पर थप्पड़ मारने का एक रास्ता ढूँढ़ ही लिया, भले ही उसके हाथ न हों।

एक भेड़िये के रूप में उसकी वृत्तियाँ तीक्ष्ण थीं, लेकिन वह मनुष्यों के साथ संवाद करने में अपनी असमर्थता पर हानि की भावना महसूस किए बिना नहीं रह सकता था। देश में भोजन की तलाश और कैसल डाउन के किनारों पर चक्कर लगाने के लंबे दिन आखिरकार रंग लाए थे। निशा को एक जादुई ब्लेड की अफवाहों का पता चल गया था जो वैन सैंड्ट के काले जादू को तोड़ सकता था।

शैडोफेल – वैन सैंड्ट के काले जादू से गुलाम बनी गरीब आत्माओं द्वारा निर्मित राक्षसों – का पता लगाने के लिए हवा सूँघते हुए, वह निशा के काले जादू की हल्की गंध

सूँघ सकता था और उसके लंबे बालों की कोमल सरसराहट सुन सकता था, जो एक जादुई आंतरिक प्रकाश से चमकते थे। वह सोचे बिना नहीं रह सकता था कि क्या निशा उसे मुक्त करने का रास्ता खोजने के बारे में गंभीर थी, या क्या वह अपने मनोरंजन के लिए उससे खेल रही थी।

जैसे ही वे आखिरकार अपने गंतव्य – कोहरे में ढका एक खंडहर, पत्थर का मंदिर – पर पहुँचे, निशा ने आखिरकार लेंक के अभिशाप को संबोधित किया। "तो, अब तुम भेड़िये के रूप में नाखुश हो? हम्म, शायद मैं तुम्हारी मदद कर सकती हूँ… लेकिन इसमें मेरे लिए क्या है, मुझे आश्चर्य है?" लेंक का दिल उस विचार पर डूब गया कि वह किसी ऐसे व्यक्ति की दया पर है जो उसके दुर्भाग्य का आनंद लेता प्रतीत होता था।

अपने चारों ओर की छायाओं में गायब होती और प्रकट होती हुई, उसने अपना सिर सीधे उसके सामने जमीन से बाहर निकाला। अच्छा, स्वयं जमीन से नहीं, बल्कि उस छाया से जो उसने जमीन पर डाली थी। "क्या कहते हो, कुत्ते? मैं तुम्हें एक जादुई छोटी चीज़ ढूँढ़ने में मदद करूँ, तुम्हें फिर से दो पैरों पर चलने में मदद करूँ, और फिर तुम मुझे एक और जादुई छोटी चीज़ ढूँढ़ने में मदद करो जिसकी मैं तलाश कर रही हूँ?"

सिर झुकाकर, लेंक केवल भौंक सकता था, और एक खामोश सहमति में सिर हिला सकता था। "मैं वादा करता हूँ," उसने सोचा।

उड़ान की जादुई शक्ति और छायाओं के माध्यम से चलने की उसकी क्षमता के साथ, निशा उसकी गति के साथ बने रहने में पूरी तरह सक्षम थी। फिर भी, वह उसकी पीठ पर बैठ गई, उसके पार्श्वों पर एक तेज़ लात मारी। "चलो, आलसी! तुम तो नायक होने वाले हो!" उसने चिढ़ाया, लेकिन उसके क्रूर शब्दों के बावजूद, लेंक ने महसूस किया कि वह उसे वहाँ ले जा रही थी जहाँ उसे जाना था।

आखिरकार, वे मंदिर की दीवारों के भीतर पहुँचे, एक प्राचीन सभ्यता के खंडहर जो बहुत पहले भुला दिए गए थे। निशा उतरी और लेंक को एक नए सम्मान के साथ देखा। "तुम्हें पता है, एक गंदे, पिस्सू-भरे जानवर के लिए, तुम बिल्कुल बुरे नहीं हो," उसने कहा, फिर भी चिढ़ाते हुए लेकिन उसकी आवाज़ में वास्तविक प्रशंसा का संकेत था।

उन्होंने मंदिर की खोज की, निशा ने जब भी उसे कोई जाल या बाधा मिली, उस पर भौंकती रही, लेंक को खंडहरों को पार करने के लिए दाँत, पंजा और कच्ची ताकत का उपयोग करने के लिए मजबूर किया गया, जब तक कि उन्हें आखिरकार वह पवित्र उपवन नहीं मिल गया जिसकी वे तलाश कर रहे थे: आंतरिक पवित्रस्थान। एक पत्थर के चबूतरे पर विराजमान एक प्राचीन तलवार लग रही थी, जो बेलों से भर गई थी, लेकिन लेंक उसमें से एक धुंधली रोशनी निकलती हुई महसूस कर सकता था।

उस पर अपनी नाक लगाते ही, लेंक ने अभिशाप को उठते हुए महसूस किया। वह खुद को वापस अपने मानव रूप में बदलते हुए महसूस कर सकता था। निशा ने उसे गौर से देखा, उसकी अभिव्यक्ति अपठनीय थी।

तलवार की मूठ पकड़कर और उसे पत्थर से हल्के से खींचकर, लेंक उसकी तरफ मुड़ा, राहत और कृतज्ञता का मिश्रण महसूस कर रहा था। "धन्यवाद, निशा," उसने कहा। "मैं तुम्हारे बिना यह नहीं कर सकता था।"

उसकी कृतज्ञता को नज़रअंदाज़ करते हुए, निशा ने चमकते ब्लेड को गौर से देखा। "तलवार ने तुम्हें अपने स्वामी के रूप में स्वीकार कर लिया..."

थोड़ा मूर्ख महसूस करते हुए, लेंक ने हथियार की तरफ नज़र डाली। उसने इसे इतनी आसानी से निकाला था कि उसे इस बात का एहसास नहीं हुआ था कि यह एक शक्तिशाली अवशेष होना चाहिए था।

जब उसने ऊपर देखा, तो निशा उसके चेहरे पर एक काला, सुसज्जित क्रिस्टल पकड़े हुए थी। "यह चीज़ उस बुरे जादू का अवतार है जो वैन सैंड्ट ने तुम पर डाला था। यह निश्चित रूप से हमारे कबीले की छाया-जादू से अलग है।"

सहज रूप से, लेंक ने क्रिस्टल लेने और उसकी जाँच करने के लिए अपना खाली हाथ बढ़ाया। तो यह उसकी परेशानियों का स्रोत था?

"सावधान!" निशा ने झपटकर कहा, उसकी कलाई के पिछले हिस्से पर थप्पड़ मारते हुए जैसे उसने उसे एक जार से मिठाइयाँ चुराते पकड़ा हो। "अगर तुम इसे छुओगे, तो फिर से जानवर बन जाओगे!"

शानदार ब्लेड को म्यान में रखकर, लेंक ने अपनी दाहिनी कलाई से दंश रगड़ा। "हमें इसके साथ क्या करना चाहिए?"

"यह चीज़ बहुत खतरनाक है। शायद बेहतर होगा कि हम इसे यहीं छोड़ दें, है न? लेकिन दूसरी ओर... अगर हम इसे रखते, तो तुम जब चाहो एक जानवर में बदल सकते थे।"

लेंक के कान खड़े हो गए। "मैं फिर कभी भेड़िया नहीं बनना चाहता!"

निशा ने अपनी नारंगी आँखें सिकोड़ लीं, अफसोस के साथ। "ओह, इतने संकीर्ण मन के मत बनो। तुम मुझे नहीं बता सकते कि तुमने उस उत्साह का आनंद नहीं लिया? तुम

ताकत, गति को याद नहीं करोगे? तुम्हें देखना ही होगा कि यह कितना उपयोगी हो सकता है!"

लेंक ने कोई तर्क खोजने के लिए संघर्ष किया, यहाँ तक कि जवाब में एक शब्द भी। इसमें असफल होकर, वह चुप रहा। अगर उसके पास कहने के लिए कुछ मूल्यवान नहीं था तो उसे बात करने की कोशिश करना पसंद नहीं था।

यह महसूस करते हुए कि वह जीत गई है, निशा ने क्रिस्टल को एक बच्चे के खिलौने की तरह अपनी उंगली पर संतुलित किया। "हाँ, चूँकि वैन सैंड्ट इतना दयालु था कि हमें यह दे गया, हमें आभारी होना चाहिए और इसका जितना हो सके उपयोग करना चाहिए! अगर तुम्हें इसकी आवश्यकता हो, तो बस मुझे बुलाना। मैं कम प्रोफ़ाइल रखना चाहती हूँ, इसलिए जब तुम इंसान हो तो मैं तुम्हारी छाया में छिप जाऊँगी, लेकिन जब चाहूँ तुम्हें बदल सकती हूँ।"

"तुम्हारा मतलब जब मैं चाहूँ," लेंक ने आखिरकार ठंडेपन से जवाब दिया।

"बिल्कुल वैसा ही जैसा मैंने कहा!" निशा खिलखिलाई, एक बिना शब्दों के कंधे उचकाने के साथ जो कहता लग रहा था, "मैं कितनी मूर्ख हूँ!" लेकिन लेंक ने देखा कि उसकी अभिव्यंजक आँखें केंद्रित थीं। उसने ठीक वही कहा था जो वह कहना चाहती थी।

यह निशा का तरीका था। उसके शब्द, उसके विचार, उसकी नज़रें। मानो वह किसी भी क्षण तीन अलग-अलग बातें कह रही हो, और यदि तुम नहीं जानते कि उसका क्या मतलब है तो तुम मूर्ख हो। "तुम जब चाहो भेड़िया बन सकते हो! साथ ही, इस चीज़ की बदौलत, तुम भेड़िया रूप में बदलकर जब चाहो मेरी छाया-विकृत जादू का उपयोग कर सकते हो।"

वह छायाओं में समा गई, और फिर से उसके कंधे के पीछे प्रकट हुई। "अरे, लेकिन सुनो, लेंक… मुझे एक एहसान माँगना है।"

क्रिस्टल को अपने हाथ के पास हवा में घुमाते हुए, ताकि उसकी रोशनी उन दोनों की आँखों में प्रतिबिंबित हो, उसने ऐसे उसकी तरफ देखा जैसे अपने पिता से एक विशेष खिलौना खरीदने के लिए कह रही हो। "क्या तुम मेरे साथ ग्लोमिंग ग्लास नामक चीज़ को खोजने में चलोगे? यह एक जादुई काला दर्पण है, जो एवलॉन में कहीं छिपा है। हाँ, ग्लोमिंग ग्लास… वैन सैंड्ट के लिए हमारा आखिरी संभावित लेंक।"

लेंक ने उसकी नज़र का सामना किया, लेकिन क्रिस्टल को अपनी परिधीय दृष्टि में रखा। यह इतना करीब था कि उसे इस पर ध्यान देना पड़ रहा था, लेकिन इतना करीब

नहीं कि उसे छूने का खतरा हो। "यही तुम पहले बात कर रही थी? तुम्हारी जादुई छोटी चीज़?"

उसने आँख मारी। "चतुर लड़का! तुम्हें याद है! और मुझे लगा कि भेड़िये के रूप में तुमने अपनी मानवीय स्मृति बरकरार नहीं रखी थी। तुम कभी-कभी इतने सुस्त लगते थे, मुझे लगा कि तुम्हारा दिमाग सुस्त हो रहा है। या क्या यह तुम्हारे लिए सामान्य है? लेकिन हाँ, तुम मेरी छोटी चीज़ इकट्ठा करने में मेरी मदद करोगे, अगर तुम फिर कभी भेड़िया बनने की चिंता नहीं करना चाहते!"

लेंक ने गुस्से की एक तेज़ लपट महसूस की, ठीक उसी अनुभूति की तरह जब वह शैडोफेल द्वारा शिकार किए जाने पर भेड़िये के रूप में महसूस करता था। "मुझे धमकी देने की कोई ज़रूरत नहीं है, निशा। मैंने तुम्हारी मदद करने का वादा किया था, और मैं करूँगा। मैं अपनी बात का पक्का हूँ।"

निशा उससे दूर भागी, उसकी शैतानी मुस्कान एक डरी हुई छोटी लड़की के रूप में बदल गई। उसने पलक झपकी, और अपने बालों को हिलाकर, अपना संयम वापस पाने और गुर्राने की कोशिश की, "मैं धमकी नहीं देती, भेड़िया-लड़के। यह एक वादा था। मैंने सहानुभूति के कारण तुम्हारी मदद नहीं की। मुझे तुम्हारी ज़रूरत है, और तुम मुझ पर अपना ऋण चुकाने वाले हो। बस इतना ही।"

लेंक ने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। "क्या तुम्हारे लिए बस इतना ही था? बस एक साधन?"

निशा की मुस्कान फीकी पड़ गई, और उसकी आँखों में अपराधबोध का संकेत चमक आया। "अच्छा, शायद बस इतना ही नहीं। तुम... चिढ़ाने में मज़ा आता था, मुझे लगता है।" उसने ज़मीन पर देखा। लेंक ने सोचा कि क्या वह उस पर बहुत सख्त हो गया था। उसने उसके सिर पर हाथ रखने के लिए एक हाथ बढ़ाया। जैसे ही वह उसे उस मदद के लिए धन्यवाद देने वाला था जो उसने उसे दी थी, निशा फिर से उसकी छाया में समा गई। "फिर से, भेड़िये के रूप में तुम्हें चिढ़ाना कहीं अधिक मजेदार था। मुझे लगता है कि अब मुझे टट्टू की सवारी चाहिए!"

उसकी गर्दन के पीछे के बाल खड़े हो गए। अपना बायाँ हाथ उठाकर, उसने तलवार की मूठ पकड़ी और उसे खींचना शुरू किया। निशा उसकी परिधीय दृष्टि में दिखाई दी, क्रिस्टल उसकी आँख पर निशाना साधे हुए, जब—

उसके सिर के पीछे से सूर्य-प्रकाश भड़का। उसे उसके खिलाफ अपनी आँखें कसकर बंद करनी पड़ीं, और फिर भी दुनिया एक दर्दनाक लाल चमक थी। जब उसने अपनी आँखें खोलीं, तो उसने पाया कि यह सूर्य नहीं था। यह उसकी पीठ पर बँधी तलवार थी। पवित्र

प्रकाश मंद पड़ गया, और जब उसने नीचे देखा, तो उसने अपने हमलावर को अपने पैरों पर लेटा पाया।

लेंक का चेहरा काला पड़ गया। लेकिन जैसे ही उसने निशा को देखा, उसने देखा कि कुछ अलग था। उसकी त्वचा धुंधली चमक रही थी, और उसका रंग अलग था। लेंक को यह समझने में एक सेकंड लगा कि वास्तव में इसमें क्या अलग था। यह पहले काला और सफेद था, और अब सफेद और काला था। यह वही था, है न? नहीं, बेशक! यह उलटा हो गया था।

"विशिष्ट!" उसने थूका। "एक सुरक्षा मंत्र। तुम एवलॉन के पुरुष सब एक जैसे हो। जादू-टोना और छाया-जादू के बीच सूक्ष्म अंतर की कोई कद्र नहीं! बस पवित्र प्रकाश से सब कुछ उड़ा दो!"

"क्या तुम्हें चोट लगी?" लेंक ने चिंता के साथ पूछा।

उसने घूरकर देखा। "अगर मुझे लगी, तो यह तुम्हारी गलती होगी, एवलॉनियन!" उसने अपने चमकते शरीर की जाँच की, जो धीरे-धीरे अपने मूल रंग पैटर्न में वापस लौट रहा था। "देवी का शुक्र है। यह एक साधारण निवारण मंत्र होगा। मैं पहले से ही सामान्य हो रही हूँ। इसके बारे में बात करते हुए..." वह गिरे हुए क्रिस्टल को खोजने के लिए उछली। उसे घास से उठाकर, वह बिल्ली की गति के साथ वापस लेंक की तरफ मुड़ी। "चलो देखते हैं कि हम तुम्हें वापस तुम्हारे सच्चे रूप में बदलने के बारे में क्या कर सकते हैं, भेड़िया-लड़के!" निशा हल्के से हवा में उछली, अपनी छाया-जादू से उड़ान भरने की तैयारी कर रही थी। लेंक के सोचने से पहले, उसने पहले ही अपनी तलवार खींच ली थी और एक युद्ध मुद्रा में वापस कूद गया।

लेकिन फिर, सबसे अजीब बात हुई। वह लगभग एक फुट हवा में उठी, उसके चेहरे पर बुरी विजय की नज़र थी, जो भ्रम में बदल गई। एक सेकंड के एक अंश के लिए जो एक युग की तरह लगा, वह हवा में लटकी रही, फिर आगे की ओर गिरी, मुँह के बल, ओस-ढकी घास और उस काई पर जो मंदिर के खंडहरों के पत्थर के फर्श पर जमी थी।

थप्पड़!

प्रभाव से हवा में धूल का एक वास्तविक बादल उठा। जैसे ही वह छँटा, निशा ने एक ऐसी भाषा में गालियाँ दीं जो लेंक नहीं जानता था, लेकिन उसकी मूल भाषा के रूप में पहचान लिया। "मूडोरा! मेरी उड़ान? कोई बात नहीं, मैं बस..." उसने अपने हाथ जमीन पर दबाए, फिर उन्माद में पत्थर और काई को पीटना शुरू कर दिया। "नहीं! नहीं, नहीं, नहीं!!!"

लेंक ने तुरंत समझ लिया। उसकी छाया-जादू, जो एक बार उसे अंधकार में किसी का ध्यान न आते हुए चलने देती थी, अब जा चुकी थी। वह पत्थर नहीं पीट रही थी। वह अंधकार में समाने की कोशिश कर रही थी।

वह खड़ी हुई और अपना सिर हिलाया, उसकी नारंगी पोनीटेल उसके चेहरे पर पड़ी। "मेरे बाल! मैं उनमें हेरफेर नहीं कर सकती! अवा पर अभिशाप! एश, अहवाह और चव्वाह सभी एक सुनहरे त्रिकोण पर बैठें!"

"क्या तुम्हें लगता है कि यह स्थायी है?" लेंक ने सतर्कता से पूछा। यह सौभाग्य का एक झोंका लग रहा था, लेकिन फिर से, निशा इस तरह उसकी बहुत मदद नहीं करने वाली थी।

उसने पैर पटके और अपने बाल खींचे, लेकिन वे अभी भी बेजान लहरा रहे थे, उनकी आंतरिक चमक के बिना। "मुझे कैसे पता होगा, बेवकूफ! यह मेरा जादू नहीं है!"

जैसे ही लेंक उसके पास पहुँचा, वह उन सभी समयों को याद किए बिना नहीं रह सका जब उसने भेड़िये के रूप में फँसे होने पर उसे चिढ़ाया और लात मारी थी। वह उसके सामने खड़ा था, उसकी आँखें उसकी आँखों पर टिकी थीं, और उसने पूछा, "अच्छा, अब तुम जानती हो कि शक्तिहीन होना कैसा लगता है। क्या तुम्हें वे सभी समय याद हैं जब तुमने मुझे कुत्ते की तरह व्यवहार किया था?"

निशा ने सूँघा और आँखें घुमाईं। "ओह, कृपया, तुम सच में इसे फिर से नहीं उठाने वाले हो, क्या? मैं तो बस थोड़ा मज़ा कर रही थी।"

लेंक की आँखें सिकुड़ गईं, जब उसने एक कदम और करीब किया। "मज़ा? तुम्हें लगता है कि मुझे एक जानवर की तरह व्यवहार करना मज़ा था? मुझ पर लात मारना और चिढ़ाना जब मैं अपना बचाव भी नहीं कर सकता था?"

निशा ने बाज़ू बाँध लिए और उसे घूरा। "तुम बेवकूफी कर रहे हो। यह तो बस एक खेल था। और इसके अलावा, तुम तो बस एक बेवकूफ भेड़िया थे। तुम मुझसे क्या उम्मीद करते थे? दरबारी शिष्टाचार?"

लेंक ने अपना गुस्सा बढ़ता महसूस किया, लेकिन उसने गहरी साँस ली और शांत रहने की कोशिश की। "मुझे उम्मीद थी कि तुम मुझे कुछ सम्मान दोगी। कि तुम समझोगी कि मैं अभी भी वही हूँ, भले ही मैं उस रूप में फँसा था। लेकिन इसके बजाय, तुमने मुझे एक खिलौने की तरह व्यवहार किया। और अब जब मैं मुक्त हूँ, मैं देख सकता हूँ कि तुमने कुछ खो दिया है जो तुम्हारे लिए महत्वपूर्ण था। शायद यह एक संकेत है कि तुम्हें दूसरों के साथ व्यवहार करने के अपने तरीके के बारे में सोचना चाहिए।"

निशा ने गुस्से में साँस छोड़ी और दूर देखा। "मुझे तुम्हारे उपदेशों की ज़रूरत नहीं है, नायक। और मुझे तुम्हारी माफ़ी की बिल्कुल ज़रूरत नहीं है। मैंने वही किया जो मुझे जीवित रहने के लिए करना था, और मुझे इसका कोई पछतावा नहीं है।"

लेंक ने सिर हिलाया और जाने के लिए मुड़ा। जैसे ही वह दूर जा रहा था, वह दुख की एक झलक महसूस किए बिना नहीं रह सका। उसे उम्मीद थी कि निशा समझेगी कि उसके कार्यों ने उसे कितना आहत किया है, लेकिन ऐसा लगता था कि वह अभी भी उतनी ही जिद्दी और स्वार्थी थी जितनी पहले थी। जैसे ही वह दूर जा रहा था, उसने सोचा कि क्या वह कुछ कर सकता है ताकि उसे अपनी गलतियों का एहसास हो सके। लेकिन अभी, वह केवल आशा कर सकता था कि वह अंततः समझदार हो जाएगी।

***

लेंक का दिल भारी था, जब वह निशा से आगे चल रहा था, फिर भी उनकी बातचीत के बारे में सोच में खोया हुआ था। वह इस बात पर दुख महसूस किए बिना नहीं रह सका कि उसके व्यवहार ने उनकी दोस्ती को तनावपूर्ण बना दिया था। अच्छा, शायद "दोस्ती" सही शब्द नहीं था। "संबंध?" "साझेदारी?" शायद एवलॉनियन भाषा में इसका कोई शब्द नहीं था जो इसका वर्णन कर सके, जो कुछ भी यह था, लेंक ने सोचा।

जैसे ही वह चल रहा था, यादें उस पर उमड़ पड़ीं – ओधरान गाँव में उसका बचपन, जहाँ उसका पालन-पोषण उसके दत्तक पिता रसेल ने किया था। लेंक को याद आया कि कैसे रसेल ने उसे सज़ा दी थी जब उसने दूसरे बच्चों को प्रभावित करने के लिए एक शरारत के रूप में कई बर्तन तोड़ दिए थे। सज़ा सख्त थी, लेकिन लेंक वह सबक कभी नहीं भूला था। "अजीब," लेंक ने सोचा। "मुझे वह क्यों याद आया?"

जैसे ही वह चला, उसने निशा को उसके साथ चलने के लिए संघर्ष करने की आवाज़ सुनी। वह अभी भी अपनी छाया-जादू के बिना थी, और यह स्पष्ट था कि उसे उसके साथ गति बनाए रखने में कठिनाई हो रही थी। "मुझे विश्वास नहीं होता कि मैं अपनी किसी भी शक्ति के बिना यहाँ एक नश्वर की तरह फँसी हुई हूँ," उसने कड़वाहट से शिकायत की।

लेंक साँस लेने के लिए एक पल रुका, और निशा ने तुरंत एक गुर्राहट के साथ उस पर चिल्लाया, "मैं माँग करती हूँ कि तुम मुझे इसी क्षण उठाओ!"

"तुम्हें बाकी सभी की तरह अपने दो पैरों पर चलना सीखना होगा।"

निशा ने उसे घूरा। "मैं तुम्हें बता दूँ, मैं किसी से आदेश नहीं लेती, खासकर तुम जैसे सामान्य मानव से।"

लेंक ने उसे देखकर आँखें घुमाईं। "अच्छा, जैसी तुम्हारी मर्जी। लेकिन मैं तुम्हें और नहीं उठाने वाला। तुम्हें साथ चलना होगा।"

निशा ने बाज़ू बाँध लिए, मुँह बनाकर, हिलने से इनकार करते हुए। "मैं चलने से इनकार करती हूँ। यह मेरी शान के खिलाफ है।"

"मैं तुम्हारा कुत्ता नहीं हूँ," उसने दृढ़ता से कहा। "तुम्हें मुझे कुछ सम्मान दिखाना शुरू करना होगा।"

निशा ने उपहास किया। "सम्मान? ओह, और तुम इसके बारे में क्या करने वाले हो, नायक? मुझे एक शरारती बच्चे की तरह थपेड़ा मारोगे? तुम बस एक बेवकूफ छोटा लड़का हो जिसके पास तलवार है। तुम भाग्यशाली हो कि मैं तुम्हें अपने साथ रखने की जहमत उठाती हूँ।"

लेंक ने अपना खून उबलता महसूस किया। वह इतनी अनादर कैसे हो सकती थी, जब वे एक साथ इतना कुछ गुज़र चुके थे? वह जानता था कि उसे क्या करना है।

लेंक का चेहरा सख्त हो गया। "निशा," उसने सख्ती से कहा, "मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि मैं तुम्हें एक सबक सिखाऊँ।"

निशा हँसी। "तुम मुझे एक सबक सिखाने वाले हो? तुम मेरी मदद के बिना एक मछली भी नहीं पकड़ सकते थे।"

लेंक ने उसकी अनदेखी की और पास के एक ठूँठ पर बैठ गया। "यहाँ आओ," उसने कहा, उसे पास आने के लिए इशारा किया।

निशा झिझकी, लेकिन अंततः उसके पास आई। "यह बेवकूफ बैठकर बातें करना चाहता है। अच्छा। मैं साथ चलती हूँ और जब वह बड़बड़ा रहा होगा, मैं अपने बालों से क्रिस्टल निकालूँगी और—"

बिना किसी हिचकिचाहट के, उसने निशा को बाजू से पकड़ा और अपनी गोद पर खींच लिया।

निशा की आँखें सदमे से फैल गईं, जब उसने अपना बायाँ हाथ उठाया और उसे उसके पिछवाड़े पर जोर से मारा।

थप्पड़!

निशा ने अपना पूरा शरीर पूर्ण सदमे की स्थिति में तन लिया। वास्तव में, इतना भी दर्द नहीं हुआ। अच्छा, उसे यकीन नहीं था कि दर्द हुआ या नहीं। वह बस विश्वास नहीं कर सकती थी कि अभी-अभी क्या हुआ था। "नहीं। उसने मुझे अभी थपेड़ा नहीं मारा। यह असंभव है!"

जैसे ही निशा इस दार्शनिक प्रश्न पर विचार कर रही थी, लेंक ने अपना हाथ धीरे से उसके पिछवाड़े पर फेरा, जो आश्चर्यजनक रूप से छूने में नरम था। रसेल की पत्नी उलरिके ने उसे सिखाया था कि गंभीरता से थपेड़ा शुरू करने से पहले यह "यह सुनिश्चित करने" का एक अच्छा तरीका है कि "वे जाग रहे हैं और ध्यान दे रहे हैं"। यह निर्णय लेते हुए कि निशा निश्चित रूप से जाग रही थी, लेंक ने अपना हाथ वापस खींचा और एक दूसरा तेज़ थप्पड़ मारा, जिसकी आवाज़ मंदिर में गूँजी।

निशा ने लेंक के हाथ के दंश पर आश्चर्य से हाँफा। उसने लेंक को घूरने के लिए अपना सिर घुमाया, लेकिन वह उसे दृढ़ता से देख रहा था, उसके पूरी तरह समझने का इंतज़ार कर रहा था।

"त-तुम्हारी कितनी हिम्मत!" निशा ने आक्रोश से कहा, उठने के लिए संघर्ष करते हुए।

लेंक ने उसकी पीठ पर दबाव डाला, उसके मजबूत हाथों ने उसे उसकी जगह पर रोके रखा। निशा उसकी मांसपेशियों को तनते हुए महसूस कर सकती थी, जैसे वह सज़ा देने की तैयारी कर रहा था।

उसने उसे दो बार थपेड़ा मारा, अपने बाजू के दो बड़े, चौड़े गोलाकार इशारों के साथ, उसके बाएँ और दाएँ गालों के बीच बारी-बारी से थपकियाँ दीं।

जैसे ही लेंक का हाथ उसके नितंब पर पड़ा, निशा ने हाँफा। प्रभाव ने उसके शरीर में एक कंपकंपी भेजी, और उसने उसके पूरे हाथ और पाँच फैली उंगलियों का दंश महसूस किया। वह क्षति नहीं देख सकती थी, लेकिन अपने बाएँ नितंब पर उसके बड़े बाएँ हाथ की लगभग पूर्ण छाप की कल्पना कर सकती थी। उसने दाँत पीस लिए और कोई आवाज़ नहीं निकालने की कोशिश की।

लेंक का हाथ फिर से उसके नितंब पर पड़ा, पहले जितनी ताकत से नहीं, लेकिन दंश अभी भी तीव्र हो गया। निशा छटपटाई और अपनी टाँगें मारी, भागने की कोशिश कर रही थी, लेकिन लेंक की पकड़ बहुत मजबूत थी।

"तुम इसके लायक हो," लेंक ने दृढ़ता से कहा, उसकी आवाज़ धीमी और सख्त थी। "तुम्हें मुझे सम्मान के साथ व्यवहार करना सीखना होगा। यह मेरी गलती नहीं थी कि तलवार में किसी प्रकार का सुरक्षात्मक जादू था। तुम ही थी जिसने शायद इसे सक्रिय किया जब तुमने मुझे धोखे से मारने की कोशिश की।"

निशा ने अपना होंठ काटा, एक जवाब देने की सख्त कोशिश कर रही थी। उसके शब्दों ने उसके अभिमान को ठेस पहुँचाई, क्योंकि उसने खुद का एक हिस्सा उससे सहमत पाया। वह पिछले एक घंटे से खुद पर गुस्सा कर रही थी। लेकिन लेंक पर गुस्सा करना आसान था। "तुम इसे थपेड़ा कहते हो? तुम तो दादी-माँ की तरह थपेड़ा मारते हो।"

"धन्यवाद," लेंक ने चार और स्पष्ट, स्थिर वारों के साथ जवाब दिया। "मैं ओधरान गाँव में कुछ दादी-माँ को जानता हूँ और यह एक बड़ी तारीफ है।"

इस मज़ाक पर निशा ने सूँघा। उसे आश्चर्य हुआ कि उसके जैसा मजबूत, खामोश प्रकार का व्यक्ति अपने पैरों पर जितना तेज था, उतना ही तेज अपने शब्दों में भी हो सकता था। वह खिलखिलाई, जब उसने अपने नितंबों को पिछली कुछ थपकियों के नीचे उछलते और हिलते महसूस किया। यह इतना बुरा नहीं था, उसने सोचा। वह इसे सह सकती थी। लेकिन फिर एक और विचार ने उसे झकझोरा। लेंक इस तरह जोर से नहीं मार सकता था। वह यह पहली चार काँपती हुई थपकियों की पूरी ताकत से अच्छी तरह जानती थी। तो वह अब उस पर हल्का क्यों मार रहा था? ताकि वह उसके उपदेश सुन सके? लेकिन इसका मतलब था…

निशा की हँसी उसके गले में मर गई। उसने अपनी गर्दन घुमाई और लेंक को एक नई रोशनी में देख सकी। वह उस पर कमज़ोरी के कारण हल्का नहीं मार रहा था। यह… अभ्यास था। "मेरा पहला नितंब नहीं है जिसे इस आदमी ने थपेड़ा मारा है?" निशा ने सोचा, आतंक की एक झलक के साथ।

अपनी स्थिर लय बनाए रखते हुए, लेंक ने रसेल के बुद्धिमान शब्दों को याद किया। "एक डंडा उठाना और अपना बाजू लहराना तुम्हें तलवारबाज नहीं बनाता, बच्चे। इन चीज़ों में एक कला है। तलवार के साथ, तुम्हें समय, परिशुद्धता… अनुग्रह सीखना होगा। यह एक नृत्य की तरह है।"

"मुझे लगता है कि तलवारबाजी थपेड़ा मारने की तरह ही है," उलरिके ने उन्हें तंग किया था, जब वे उन्हें अभ्यास करते देखते थे। लेंक ने उन शब्दों की बुद्धिमत्ता को थपेड़ा पाने और थपेड़ा देने दोनों पक्षों पर सीखा था। तुम सिर्फ अपना बाजू पागलों की तरह ऊपर-नीचे नहीं लहरा सकते थे, और अच्छे परिणाम की उम्मीद नहीं कर सकते थे।

अपने बाएँ बाज़ू को नीचे झुकाते हुए, लेंक ने निशा के बाएँ गाल के निचले हिस्से पर, ठीक वहाँ जहाँ वह उसकी ऊपरी जाँघ से जुड़ता था, एक सख्त थपकी निशाना बनाई। इसे "बैठने-स्थान" कहा जाता था। बस वहाँ कुछ थपकियाँ। वह उस क्षेत्र को अंत के लिए बचाना पसंद करता था, एक प्रकार के कूप-दे-ग्रेस के रूप में। जैसा कि नाम से पता चलता है, यह निशा के नितंब का वह हिस्सा था जिस पर वह बैठेगी, या बल्कि बैठने से बचेगी, काफी देर के लिए। लेकिन अभी नहीं, लेंक ने सोचा। बस आने वाली चीज़ों की एक चेतावनी।

जैसे ही लेंक का हाथ उसके बैठने-स्थान पर पड़ा, निशा ने अपने धड़ को थोड़ा आगे और ऊपर उठता महसूस किया, एक सेंटीमीटर से भी कम। बल को नीचे की ओर लाने के विपरीत, लेंक ने इस आखिरी थपकी के निचले कोण का उपयोग गति बदलने के लिए किया था। इसमें वही गूँजती हुई ताकत नहीं थी, लेकिन इसने अधिक सतह क्षेत्र को कवर किया। निशा ने वास्तव में हथेली और नितंब के बीच घर्षण को महसूस किया, खुजली के बाद कुछ पल के लिए चुभने वाली खुजली की तरह। और इससे पहले कि निशा को यह महसूस करने का समय मिलता कि दंश तुरंत दूर नहीं हुआ है, लेंक ने उसके दाएँ बैठने-स्थान पर एक दूसरी समान थपकी दी।

बिना किसी जल्दबाजी के, लेंक पुरानी, नरम लय में वापस आ गया, निशा को अपनी स्थिति पर विचार करने के लिए छोड़ दिया। जैसे ही उसके विचार अंदर की ओर मुड़े, उसने उन सभी समयों के बारे में सोचा जब उसने लेंक को भेड़िया होने पर चिढ़ाया और नीचा दिखाया था। उसने कभी नहीं सोचा था कि उसके कार्यों ने उसे कैसे आहत किया होगा। अब, जैसे ही उसने अपने नितंब पर उसके हाथ का दंश महसूस किया, उसने सोचा कि कैसे उसने उसे रफ्तार बढ़ाने के लिए उसके नितंब पर थप्पड़ मारा था।

दो थपकियों के साथ, लेंक ने स्थिर लय बनाए रखी लेकिन बल बढ़ा दिया, किसी तरह एक सेकंड के एक अंश के लिए अपने हाथ को उसके नितंब पर टिकाए रखने में कामयाब रहा, बिना लय खोए।

निशा प्रभाव पर झिझकी, लेकिन केवल एक छोटी सी गुनगुनाहट निकाली, जब उसने गुस्से की गर्जना को रोके रखा जो वह निकालना चाहती थी। कुछ ही थपकियों के बाद उसका नितंब हल्का गुलाबी रंग का था, लेकिन लेंक जानता था कि उसे सबक सिखाने के लिए यह पर्याप्त नहीं था।

"आउच! लेंक, दर्द होता है!" निशा ने विरोध किया, उसकी गोद पर मरोड़ते हुए।

"अच्छा, होना भी चाहिए," लेंक ने सख्ती से जवाब दिया, थपेड़ा जारी रखते हुए।

निशा छटपटाती और विरोध करती रही, लेकिन उसके प्रतिरोध ने केवल लेंक को ठीक से सज़ा देने के उसके संकल्प को बढ़ाया। उसका हाथ उसके नितंब पर तेज गति से पड़ा, प्रत्येक थपकी उसकी त्वचा को एक शेड लाल बना रही थी।

निशा ने अपने कठोर बाहरी आवरण को बनाए रखने के लिए संघर्ष किया। वह उसे तनते हुए महसूस कर सकता था, जैसे उसने उसे अधिक ताकत से थपेड़ा मारना शुरू किया, लेकिन उसने जल्दी से अपनी परेशानी को व्यंग्य से छिपाने की कोशिश की।

"अच्छा-अच्छा-अच्छा। देखो अब कौन बड़ा सख्त नायक बन रहा है, मुझे थपेड़ा मार रहा है," निशा ने ताना मारा।

लेंक ने दाँत पीस लिए और "निचले कोण वाले वारों" में से एक को उसके पिछवाड़े के बिल्कुल केंद्र पर निशाना बनाया, जो लगभग दोनों गालों को कवर कर रहा था। फिर वह एक कम पूर्वानुमानित पैटर्न में बदल गया। तेज़ थपकियाँ, सख्त थपकियाँ, इधर-उधर छोटे बदलाव। लेंक ने एक जीवंत नृत्य के कदमों के बारे में सोचा जो उसने एक बार इर्या के साथ साझा किया था, कैसल टाउन के आगंतुकों द्वारा पसंद किए जाने वाले धीमे, पूर्वानुमानित वाल्ट्ज के विपरीत। अब, निशा उसकी नृत्य-साथी थी। उसका हाथ और उसका नितंब अपनी ही ढोल की थाप पर नृत्य करते लग रहे थे।

जैसे ही उसने प्रत्येक दृढ़ थपकी दी, निशा के ताने और अधिक क्रोधित होते गए।

"तुम्हें लगता है कि तुम बहुत बड़े और ताकतवर हो, है न?" उसने थूका। "अगर मैं न होती तो तुम यहाँ भी न होते। तुम मेरे ऋणी हो, और तुम बस अपनी निराशा मुझ पर निकाल रहे हो!"

लेंक ने सज़ा रोकी और निशा को सख्ती से देखा। "मैं तुम्हारा कोई ऋणी नहीं हूँ, निशा। मैंने तुम्हारी मदद इसलिए नहीं करना चाहा क्योंकि मैं सोचता था कि मैं तुम्हारा गुलाम हूँ। मैंने तुम्हारी मदद करना चाहा क्योंकि मैं सोचता था कि तुम मेरी दोस्त हो। लेकिन फिर तुम ऐसा व्यवहार करती हो जैसे तुम मेरी दुश्मन हो। बेशक, तुमने मुझे अभिशाप तोड़ने में मदद की होगी, लेकिन इससे तुम्हें मुझे कुत्ते की तरह व्यवहार करने का अधिकार नहीं मिलता।"

निशा ने गुस्से में साँस छोड़ी और बाज़ू बाँध लिए। "अच्छा। बस इस बेवकूफी भरी सज़ा को खत्म करो ताकि हम आगे बढ़ सकें।"

लेंक ने सिर हिलाया और थपेड़ा फिर से शुरू किया, इस बात पर विचार करते हुए कि क्या वह बहुत दूर चला गया था। निशा ने खुद के बारे में ज्यादा बात नहीं की, लेकिन उसने लंबे हफ्तों के दौरान उसके द्वारा कहे गए प्रत्येक शब्द को सुना था, और उसका

अभिमान निर्विवाद था। हो सकता है कि वह उसे एक शरारती छोटी बदतमीज़ की तरह थपेड़ा मारने के लिए बाद में उससे बदला लेने की कोशिश करे। लेकिन फिर उसे उन सभी समयों की याद आई जब निशा ने भेड़िये के रूप में फँसे होने पर उसे चिढ़ाया और लात मारी थी, और वह जानता था कि उसे एक सबक सीखने की ज़रूरत है।

निशा ने आखिरकार प्रत्येक थपकी पर एक चीख निकालना शुरू कर दिया, इस आवाज़ ने वास्तव में पास के कुछ पक्षियों को पेड़ों की सरसराती शाखाओं के माध्यम से घबराकर उड़ने पर मजबूर कर दिया। उसने फिर से खुद को ऊपर उठाने की कोशिश की, लेकिन लेंक ने उसे मजबूती से अपनी जगह पर रोके रखा, उसके हाथ का प्रत्येक प्रहार पिछले से अधिक जोर से पड़ रहा था।

जैसे-जैसे सज़ा जारी रही, निशा का पिछवाड़ा चमकीले लाल रंग में बदलने लगा, और वह तड़पती और फुफकारती रही।

"रुको, लेंक!" निशा ने गरजा, उसकी आवाज़ फट रही थी।

लेंक एक पल के लिए रुका, उसका हाथ अभी भी उसके गर्म, चेरी-लाल पिछवाड़े पर टिका था।

"क्या तुम समझती हो कि मैं ऐसा क्यों कर रहा हूँ?" लेंक ने सख्ती से पूछा।

निशा ने गुस्से में साँस छोड़ी और सिर हिलाया। "क्योंकि मैं गधी रही हूँ," उसने गुर्राया।

लेंक ने संतोष से सिर हिलाया और निशा को उठने में मदद की। उसने अपने दुखते पिछवाड़े को रगड़ा, दर्द पर तड़पते हुए।

"अब, मैं चाहता हूँ कि तुम जाकर एक छड़ी ढूँढ़ो," लेंक ने पास के एक पेड़ की तरफ इशारा करते हुए कहा। "हमने अभी खत्म नहीं किया है।"

निशा स्थिर हो गई। वह गंभीर नहीं हो सकता था! "लेंक, कृपया रुको, तुम मेरे साथ ऐसा नहीं कर सकते! मैं एक हूँ..." उसने बहुत अधिक स्वीकार करने से पहले खुद को रोक लिया। "मेरा मतलब है। मुझे माफ़ी चाहिए?" निशा ने विनती की, जानबूझकर अपनी आवाज़ को भावना से फटने की कोशिश की। थोड़ा सा घायल पिल्ला-कुत्ता वाला रुटिन नुकसान नहीं पहुँचा सकता, है न?

लेंक रुका और उसे सख्ती से देखा। "तुम्हें अभी पछतावा नहीं है," उसने कहा। "अब जाओ और अपनी छड़ी लाओ। सुनिश्चित करो कि वह मजबूत हो।"

निशा ने लेंक को घूरा, लेकिन बहस करने से बेहतर जानती थी। अनिच्छा से, वह पास के उपवन की ओर बढ़ी, अभी भी अपने चमकते लाल पिछवाड़े को उन्मत्तता से रगड़ रही थी। उसने उस पर एक गर्म नज़र डाली, लेकिन जैसे ही उसने उसकी नज़र का सामना किया, उसने देखा कि उसका गुस्सा पिघलता हुआ लग रहा था।

एक आँसू को पलक झपकाते हुए, उसने लगभग शरारत से उसकी तरफ देखा? यह वही नज़र थी जो वह उसे भेड़िये के रूप में फँसे होने पर चिढ़ाते समय दिया करती थी। एक झटके के साथ, निशा ने अपना चेहरा दूसरी तरफ घुमा लिया, स्पष्ट रूप से अपने आँसू से अपने पिछवाड़े से अधिक शर्मिंदा थी। लेंक ने इस इशारे को अजीब तरह से प्यारा पाया, इस विचार की अजीबता पर आश्चर्यचकित था।

जैसे ही निशा पेड़ों में गायब हो गई, एक आज्ञाकारी सैनिक की तरह चलते हुए, लेंक स्थिति पर विचार किए बिना नहीं रह सका। उसे यकीन नहीं था कि वह निशा को उसके साथ व्यवहार के तरीके के लिए माफ़ करना चाहता था, लेकिन वह यह भी जानता था कि वह उसे पीछे नहीं छोड़ सकता था। वह अब उसकी यात्रा का हिस्सा थी, और वह इसे अंत तक देखने के लिए दृढ़ था। साथ ही, उसने पाया कि उसके लिए उसके मन में एक अजीब सम्मान था। एक तरह से, यह आसान होता अगर वह पूरी तरह से भयानक होती। उसकी ताकत और चतुराई ने उसके भयानक शब्दों को और भी कटु बना दिया था।

उसे याद आया कि कैसे रसेल और दूसरे माता-पिता ने उसे कभी-कभी ओधरान गाँव के बच्चों को सज़ा देने में मदद करने के लिए कहा था। तूरो, मूरो, बेस, यहाँ तक कि कॉनर। वे सभी कम से कम एक बार "बड़े भाई लेंक" की गोद पर खुद को पा चुके थे। एक विशेष रूप से यादगार घटना थी, जब तूरो ने उन्हें सदावन-वन में ले गया था। जब उनके माता-पिता को उनकी अनुपस्थिति का पता चला और पूरा गाँव खोजी दल में शामिल हो गया, तो लेंक ही था जिसने जंगल में रोते हुए खोए हुए बच्चों को पाया। बाद में, सुरक्षित घर लौटने के बाद, वे एक अलग कारण से रो रहे थे, जब लेंक ने प्रत्येक को बारी-बारी से थपेड़ा मारा, इससे पहले कि उन्हें अपने माता-पिता की वापसी का इंतज़ार करने के लिए घर भेजा। जिस दिन लेंक ने ओधरान गाँव छोड़ा, तब तक ओधरान के माता-पिता ने पाया कि एक शरारती बच्चे को सज़ा के लिए लेंक के पास भेजने की धमकी पूर्ण व्यवहार को प्रोत्साहित करती थी।

रसेल ने उसे सिखाया था कि थपेड़ा मारने का उद्देश्य एक बच्चे को एक अच्छा इंसान बनने में मदद करना था। एक उचित थपेड़े के लिए माफ़ी की आवश्यकता थी। लेंक ने अंधेरे से सोचा कि उसे निशा के लिए माफ़ी वाले हिस्से पर काम करना होगा।

[अध्याय I का अंत]

निशा को आखिरकार उसकी सज़ा मिलती है

अध्याय II: राजकुमारी और शूरवीर

अपने कोमल नितंब में दंश को नज़रअंदाज़ करने की कोशिश करते हुए, निशा एक मजबूत दिखने वाली शाखा तक पहुँचने के लिए कूदी। अपने जादुई बालों की एक फटक के साथ, उसने उसे एक तेज़ चटक के साथ तोड़ दिया। "उस निवारण मंत्र के प्रभाव आखिरकार कम हो रहे होंगे," उसने सोचा। यह परीक्षण करने के लिए कि क्या वह छायाओं में छिप सकती है, उसने पाया कि वह नहीं कर सकती। "इसका मेरे अधिक जटिल छाया-जादू पर अधिक लंबा प्रभाव होना चाहिए," निशा ने महसूस किया। लेकिन अपने बालों के साथ, क्या यह एक आश्चर्यजनक हमले के लिए पर्याप्त होगा? निशा ने छड़ी को अपने हाथ में पकड़ा, उसके वजन और मजबूत छाल को महसूस करते हुए। वह लेंक से डरती नहीं थी कि वह उसे चोट पहुँचाएगा, लेकिन वह निश्चित रूप से सक्षम था। उसे भेड़िये में बदलना स्थिति पर नियंत्रण हासिल करने का उसका सबसे अच्छा मौका था। "क्या होगा अगर वह इस छोटे अनुशासनात्मक सत्र को समाप्त करता है और मुझे यहाँ छोड़ने का फैसला करता है?" उसने सोचा। लेकिन नहीं, लेंक सरल, अच्छे-दिल वाला था। वह किसी ऐसे व्यक्ति के खिलाफ साजिशें रच रही थी जो शायद उसके साथ अपने वादे को तोड़ने से मरना पसंद करेगा।

निशा के मन में एक विचार आया। उसने खुद को बताया कि वह लेंक से डरती नहीं है, लेकिन क्या यह पूरी तरह सच था? क्या वह खुद से झूठ बोल रही थी, जिस तरह उसने पिछले कुछ हफ्तों में लेंक से अपनी सावधानी से चुनी गई संकेतों और चिढ़ाने के साथ सच्चाई छिपाई थी? एक तरह से, वह इतनी दयालु आत्मा से डर नहीं सकती थी। लेकिन क्या वह वास्तव में उससे यह डरती नहीं थी कि वह उसे चोट पहुँचाएगा? एक ठंडी हवा उसके नितंब पर लाल, हाथ के आकार के निशान की जलती गर्मी से टकराई। क्या होगा अगर उसने बिना रोक-टोक के उस पर हमला किया? क्या वह उसे मात दे सकती थी? क्या होगा अगर उसने उसे एक कोने में धकेल दिया? क्या वह उस पर अपनी तलवार खींचेगा? उसे मार डालेगा? क्या वह सिर्फ एक छोटे से थपेड़े और अपने अभिमान को एक आघात से बचने के लिए उस जोखिम को उठाने को तैयार थी? इतना कुछ दाँव पर लगा था, उससे कहीं अधिक जितना लेंक कल्पना कर सकता था।

अंततः, यह वास्तव में सिर्फ इस सवाल पर आकर टिका था कि क्या वह वापस जाना चाहती थी, अपने थपेड़े का सामना करना चाहती थी, और एक स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में उसकी मदद करने के लिए उस पर भरोसा करना चाहती थी, या बिना किसी कारण के उसे अपनी सेवा में मजबूर करने की कोशिश करना चाहती थी, सिवाय इसके कि यह उसे सुविधाजनक लगा।

"मैं कायर नहीं हूँ," उसने जोर से कहा, और अपने जादू की एक फटक के साथ छड़ी से अनचाही टहनियाँ काट दीं।

निशा जंगल से एक पतली बर्च की छड़ी लेकर निकली, जिसे उसने अनिच्छा से लेंक को सौंपा। लेंक ने ध्यान से उसकी जाँच की, यह सुनिश्चित करते हुए कि वह उस सज़ा के लिए सही आकार और आकृति की थी जो उसके मन में थी। थोड़ी छोटी, उसने सोचा, लेकिन मजबूत और लचीली। "तुमने एक अच्छी छड़ी ढूँढ़ी, निशा। यह बिल्कुल ठीक काम करेगी।"

उसने उसे हवा में घुमाकर अपने हाथ में उसके एहसास की जाँच की। निशा उस आवाज़ पर अकड़ गई, बस यह कल्पना करते हुए कि वह उसी "स्विश" को कितनी बार सुनने वाली थी, उसके बाद एक तेज़ "चटक!" लेकिन लेंक ने सज़ा तुरंत शुरू नहीं की, पल को लटकाए रखा।

"निशा," उसने कहा, उसकी आवाज़ गंभीर थी। "तुमने मेरे साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया? क्या यह सिर्फ इसलिए था क्योंकि मैं अभिशप्त था और खुद के लिए बोल नहीं सकता था?"

निशा ने नीचे देखा, उसका चेहरा शर्म और गुस्से का मिश्रण था। "तुम नहीं समझते, लेंक। तुम मेरे लिए बस एक उपकरण थे, एक साधन। मैंने तुम्हें एक व्यक्ति के रूप में नहीं सोचा, बस मेरे लोगों पर अभिशाप तोड़ने में मेरी मदद करने के एक तरीके के रूप में।"

लेंक की अभिव्यक्ति काली पड़ गई। "यह कोई बहाना नहीं है, निशा। तुम मुझे कुछ सम्मान दे सकती थी, भले ही तुम मेरी परवाह नहीं करती थी। मुझे कुत्ते की तरह लात मारने और चिढ़ाने की कोई ज़रूरत नहीं थी।"

निशा ने गुस्से से जवाब दिया। "अच्छा, तुम तकनीकी रूप से एक कुत्ते थे!" उसने विरोध किया। "और वैसे भी, ऐसा नहीं है कि जब तुम अपने अभिशप्त रूप में फँसे थे तो मैं तुम्हारे लिए उपयोगी नहीं थी।"

लेंक ने सिर हिलाया। "इससे यह ठीक नहीं हो जाता, निशा। तुमने मुझे चोट पहुँचाई, और तुम्हें इसकी ज़िम्मेदारी लेनी होगी। तुम इसे नज़रअंदाज़ नहीं कर सकती और यह दिखावा नहीं कर सकती कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।"

निशा ने दूर देखा, लेंक की नज़र का सामना करने में असमर्थ। वह जानती थी कि वह सही था, लेकिन वह इसे स्वीकार नहीं करना चाहती थी। उसने हमेशा खुद को सख्त

और स्वतंत्र समझा था। माफ़ी माँगने और गलती स्वीकार करने का विचार उसके अभिमान पर एक आघात की तरह लगा।

लेकिन जैसे ही वह वहाँ खड़ी थी, लेंक को बर्च की छड़ी पकड़े देखकर, उसने कुछ और महसूस करना शुरू किया। पछतावा। दोनों उसके नितंब पर जो होने वाला था, उसके लिए, लेकिन उसने जो किया था, उसके लिए भी। उसे एहसास हुआ कि जो दर्द वह महसूस कर रही थी, वह उसी तरह का दर्द था जो लेंक ने उसकी लातों से महसूस किया होगा।

आखिरकार, उसने वापस लेंक की ओर देखा। "मुझे माफ़ कर दो, लेंक," उसने बड़बड़ाया, उसकी आवाज़ धीमी थी। "तुम्हारे साथ उस तरह का व्यवहार करना गलत था। यह क्रूर और अनुचित था, और मुझे इसका पछतावा है।"

लेंक ने सिर हिलाया, लेकिन उसने छड़ी नीचे नहीं की। "मैं तुम्हारी माफ़ी स्वीकार करता हूँ, निशा। लेकिन मुझे लगता है कि हमारा अभी भी कुछ काम बाकी है।"

निशा की आँखें आश्चर्य से फैल गईं, जब लेंक ने उसे मुड़ने का इशारा किया। "वह गिरा हुआ लट्ठा दिख रहा है?" उसने उसे स्पष्ट रूप से पूछा। "उसके ऊपर झुक जाओ। मुझे इस छड़ी का ठीक से उपयोग करने के लिए अपनी पूरी बाजू की ज़रूरत है।"

"क्या हमें यह करना ही है? क्या यह पर्याप्त नहीं है कि मैंने माफ़ी माँगी?" उसने माँग की, उसकी अस्थायी पछतावे की भावनाएँ अचानक उसकी पुरानी अवज्ञा से बदल गईं।

लेंक की अभिव्यक्ति सख्त थी। "माफ़ी माँगना और सच में पछतावा होना एक बात नहीं है। तुम अपनी सज़ा लेने वाली हो, निशा। यही एकमात्र तरीका है जिससे हम इसे पीछे छोड़ सकते हैं।"

निशा झिझकी, लेकिन वह जानती थी कि वह सही था। फिर भी, उसने अपना सिर घुमाकर अवज्ञापूर्वक मुँह बनाने की आवश्यकता महसूस की, जब वह अपने भाग्य की ओर बढ़ी। वह अपने भाग्य को स्वीकार करेगी, लेकिन उसे यह पसंद नहीं था।

उसने धीरे-धीरे लट्ठे के ऊपर झुकते हुए दाँत पीस लिए, जब लेंक ने प्रयोगात्मक रूप से बर्च की छड़ी को उसके पिछवाड़े पर थपथपाया। निशा को दर्दनाक रूप से एहसास था कि उसके नितंब उसके सिर की तुलना में हवा में कितने ऊँचे थे। एक बच्चे की तरह लेंक की गोद पर झुकना अपने आप में शर्मनाक था। लेकिन उसका पिछवाड़ा अभी भी जल रहा था, जंगल की खुली हवा में देवियों को एक भेंट की तरह बाहर निकला हुआ था, निशा ने एक अलग अनुभूति महसूस की। शर्म। निशा ने तब से इतनी शर्मिंदा महसूस नहीं किया था… तब से जब उसने अपना घर छोड़ा था।

लेंक ने आखिरकार बर्च की छड़ी की पहली चाबुक उसके नितंब पर मारी, एक तेज़, चटकती आवाज़ के साथ।

निशा को यह जानकर अप्रसन्नता हुई कि एक छड़ी केवल हाथ की तुलना में अधिक दर्दनाक और स्थायी दंश दे सकती है। जैसे ही छड़ी उसके नितंब पर फिर से पड़ी, निशा ने दर्द से चीख निकाली। ऐसा लगभग लगा जैसे यह प्रत्येक पतली रेखा के साथ उसके नितंब को काट रही हो, और वह स्थिर रहने के लिए संघर्ष कर रही थी, जब लेंक सज़ा देता रहा।

निशा ने दाँत पीस लिए और खुद को न रोने के लिए कहा। वह आँसुओं से लड़ने पर इतनी केंद्रित थी कि तीसरी चाबुक ने उसे चौंका दिया। एक चीख के साथ, उसने अपने नितंब को बचाने के लिए अपने हाथ पीछे फेंके। उसके सिर के लिए कोई सहारा न होने पर, वह मुँह के बल गिरे हुए लट्ठे पर गिरी, उसके पैर हवा में लटक रहे थे।

लेंक ने अपने अगले वार को आखिरी क्षण पर रोक लिया। "स्थिर रहो, निशा।"

"मैं हूँ, मैं हूँ!" निशा चिल्लाई, उसकी आवाज़ में निराशा थी, जब उसे एहसास हुआ कि वह बिल्कुल भी स्थिर नहीं थी। शांति की क्या ही सुंदर तस्वीर! वह अपनी सज़ा को बहादुरी से, एक वयस्क की तरह लेना चाहती थी। वह चाहती थी कि लेंक उसे देखे और एक मजबूत महिला देखे, न कि एक काँपता बच्चा। छड़ी की चौथी कटीली चाबुक के साथ, वह आशा गायब हो गई, जब उसने वास्तव में महसूस किया कि उसकी त्वचा पर एक निशान उठता है, जैसे शाखा उसकी त्वचा से धीमी गति में छील रही थी। पाँचवीं ताज़ा चाबुक के बाद, उसने अपनी टाँगों को अनियंत्रित रूप से लात मारते हुए महसूस किया।

"अपने पैर नीचे रखो," लेंक ने आदेश दिया। निशा ने नहीं सुना, अपने दाहिने पैर को लात मारकर और अपने हाथों को पीछे फेंककर अपने नितंब और उस भयानक बर्च की छड़ी के बीच कुछ भी रखने की कोशिश की। उसने उसके हाथ को धीरे से उसके पैर को उसके नितंब से दूर खींचते महसूस किया। फिर, उसने छड़ी नीचे लाई, जैसा उसने उम्मीद की थी, उसके नितंब पर नहीं, बल्कि उसके दाहिने पैर के तलवे पर। उसने इस घटनाक्रम पर हाँफा। उसके दाहिने पैर के तलवे पर दो और चुभने वाली चाबुकों के बाद, उसने उसे जमीन पर रख दिया, और अच्छे उपाय के लिए, उसका बायाँ पैर उठाया ताकि वह अलग-थलग महसूस न करे।

उसके बाएँ पैर पर पहली चाबुक मारने के बाद, वह रुका। "देखो, अगर तुम अपने पैर लात मारती हो, तो वे छड़ी की चोट को पकड़ सकते हैं। अगर तुमने फिर से अवज्ञा की, तो मैं तुम्हें जंगल में छड़ियों का एक पूरा गट्ठर लाने के लिए भेजूँगा, और हम शुरू से

शुरू कर सकते हैं।" उसने उसके बाएँ पैर पर अंतिम दो चाबुकें मारीं और उसे मजबूती से जमीन पर रख दिया। "तुम्हारे हाथों के लिए भी यही," उसने कहा, और उसके दाहिने हाथ की कलाई पकड़कर, उसकी हथेली पर 3 चाबुकें मारीं।

किसी कारण से, निशा ने खुद को इस नई स्थिति में ताज़ी ताकत के साथ चिल्लाते हुए पाया। उसका इतना ध्यान हाल ही में अपने नितंब पर केंद्रित था कि ऐसा लगा जैसे उसके शरीर का बाकी हिस्सा किसी तरह अस्तित्व में नहीं था। जैसे ही लेंक ने उसका दाहिना हाथ छोड़ा, उसने उसे खींच लिया और उस पर फूँक मारी, उन 3 गुस्से वाले लाल निशानों को ठंडा करने की कोशिश कर रही थी जो उस पर क्रॉस-क्रॉस थे। ठंडी हवा ने कुछ नहीं किया, बस उसकी हथेली को झुनझुना दिया।

जैसा कि उम्मीद थी, उसने लेंक को उसकी बाईं हथेली पकड़ते हुए महसूस किया और खुद को तैयार किया, उससे बेहतर बहादुरी दिखाना चाहती थी। "मैं एक छोटे से थपेड़े से नहीं डरती," उसने जोरदार सोचा, इससे पहले कि लेंक उसकी बाईं हथेली पर तीन धारियाँ लगाता।

जब उसका बायाँ हाथ छोड़ा गया, तो उसने आज्ञाकारी ढंग से उसे अपने सामने रख लिया, उसे छड़ी की पहुँच से दूर कर दिया। वह थोड़ा आगे-पीछे नाची, अपने पैरों के तलवों और हाथों से खुद को सहारा देने की कोशिश कर रही थी, और पाया कि प्रत्येक अपने वजन को सहन करने के लिए बहुत अधिक दर्द कर रहा था। लेकिन अब उसे अपने नितंब के सामने रखने की कोई भी लालसा बिल्कुल नहीं थी। "माफ़ करना, नितंब, तुम्हें अभी कुछ देर के लिए अपना ख्याल रखना होगा!" निशा ने गुस्से से सोचा।

लेंक ने निशा को अपने हाथों और पैरों पर बेचैनी से हिलने-डुलने दिया, जब उसने अपने विचार इकट्ठा करने की कोशिश की। यह अच्छा नहीं चल रहा था। क्या वह कुछ भूल गया था? उसने ओधरान गाँव में अपने अनुभवों को याद करने की कोशिश की। मूरो अच्छा व्यवहार करता था, लेकिन दुर्लभ अवसरों पर जब लेंक ने उसे सज़ा दी, तो छोटा मूरो एक सख्त पेशेवर की तरह व्यवहार करता था। थपेड़ा मारना एक अप्रिय काम हो सकता है, लेकिन मूरो ने इसे पूरी गंभीरता से लिया। कॉनर भी ऐसा ही था, इतना अच्छा व्यवहार करने वाला बच्चा, और इतना संवेदनशील, कि लेंक पहली थपकी देने के बाद दोषी महसूस करता था। उन दोनों के साथ उसकी कोई भी याद इस समय उपयोगी नहीं लग रही थी।

दूसरी ओर, तूरो एक शरारती बच्चा था और उसके माता-पिता अक्सर लेंक को "काम पर रखे हाथ" के रूप में काम देते थे। निशा की तरह, तूरो में सख्त दिखने और एक इंच भी न झुकने की प्रवृत्ति थी, लेकिन कम से कम वह जानता था कि स्थिर कैसे रहना है। बेस ने भी निशा की याद दिलाई, लेकिन एक अलग तरीके से। हमेशा दिल की एक

नाटकीय रानी, बेस थपेड़ा शुरू होने से पहले ही रोने और चिल्लाने लगती थी, उम्मीद कर रही थी कि लेंक उस पर हल्का हाथ रखे। लेंक ने अंततः बेस के मगरमच्छ के आँसुओं को तब तक नज़रअंदाज़ करना सीख लिया जब तक उसने असली नहीं सुने। निशा में भी वही नाटकीय कलाप्रवीणता थी, लेकिन वह बेस से कहीं अधिक सख्त भी थी। उसने निशा को ओधरान के किसी भी बच्चे की तुलना में अधिक कठोर सज़ा दी थी। खैर, इर्या को छोड़कर। लेंक ने उस याद पर अपने गले की गाँठ निगली।

"एक अच्छे थपेड़े का अंत आँसुओं में होना चाहिए," उलरिके ने एक बार उसे तथ्यात्मक रूप से बताया था, जब वह प्राप्त करने वाले पक्ष पर था। एक बेबीसिटर और "काम पर रखे हाथ" के रूप में, लेंक ने उलरिके के शब्दों में बुद्धिमत्ता पाई थी। असली आँसू इस बात का संकेत थे कि बात पहुँच गई है। उन्हें नकली नहीं किया जा सकता था, यहाँ तक कि बेस भी नहीं, अपने थपेड़ा खाने के विधि-अभिनय दृष्टिकोण के साथ। उसने निशा के कुछ आँसुओं की एक झलक पकड़ी थी, लेकिन अपने आँसुओं को छिपाने के मामले में उसकी इच्छाशक्ति अविश्वसनीय थी। लेंक ने उस तरह का धैर्य केवल… इर्या में देखा था।

हाँ, यहाँ तक कि प्यारी, दयालु इर्या को भी वर्षों में अनुशासन की आवश्यकता पड़ी थी। वास्तव में, यह इर्या के पिता बो ही थे जिन्होंने लेंक को ओधरान में बाल अनुशासन के लिए "काम पर रखा हाथ" बनाने की परंपरा शुरू की थी। जब इर्या ओधरान की बकरियों से मिलने गई थी और अपने पीछे फाटक बंद करना भूल गई थी, तो पूरा झुंड भाग गया। हताश इकट्ठा करने के अभियान के पूरा होने के बाद, इर्या ने अपने पिता से बात करने से पहले ही लेंक के सामने अपना अपराध स्वीकार किया। जब उसने उसे बो को सच बताने के लिए प्रोत्साहित किया, तो इर्या ने वादा किया कि अगर लेंक उसके साथ आएगा तो वह ऐसा करेगी। भविष्यवाणी के अनुसार, बो निराश हुआ।

लेकिन लेंक के सदमे के लिए, बो ने उसके सामने इर्या को थपेड़ा मारने में समय बर्बाद नहीं किया, फिर प्रस्ताव दिया कि लेंक को इर्या का थपेड़ा खत्म करने का सम्मान करना चाहिए, क्योंकि यह उसकी कड़ी मेहनत थी जिसे इर्या ने नष्ट कर दिया था। लेंक ने शुरू में मना कर दिया, इर्या जैसे दोस्त को कभी चोट पहुँचाने के विचार से भयभीत होकर। लेकिन इर्या ने तर्क दिया कि अगर उसे किसी भी स्थिति में एक और पिटाई मिलने वाली थी, तो अगर लेंक ऐसा करेगा तो वह कम दोषी महसूस करेगी। वह इतनी ईमानदारी से पश्चातापी लग रही थी, लेंक अकेले एक दूसरे थपेड़े का सामना करने के लिए उसे छोड़ने का विचार सहन नहीं कर सकता था। बो ने उसे बकरी चराने की कला सिखाने के लिए उपयोग की जाने वाली उसी पैतृक चिंता के साथ इर्या को थपेड़ा मारने की प्रक्रिया के माध्यम से मार्गदर्शन किया। और जैसे उलरिके ने उसे सिखाया था, लेंक ने इर्या को आँसुओं तक थपेड़ा मारा। अगले पखवाड़े के लिए, इर्या को हर सुबह, सबसे पहले, संदेश को मजबूत करने के लिए एक अतिरिक्त थपेड़ा के लिए लेंक के पास भेजा गया। परंपरा स्थापित हो गई थी। बो ने शहर भर में "काम पर रखे हाथ" के रूप में लेंक

के कौशल की प्रशंसा की। लेंक कभी समझ नहीं पाया क्यों, जब तक इर्या ने गर्व से स्वीकार नहीं किया कि वह अपने पिता के थपेड़ों के दौरान कभी नहीं रोई थी। लेंक पहला था जिसने यह किया था।

लेंक ने वर्षों में इर्या को थपेड़ा मारने की यादों पर गला निगला। इर्या और निशा निश्चित रूप से थपेड़ा खाने के भाग्य को स्वीकार करने के तरीके में समान नहीं थीं। इर्या विनम्र, पश्चातापी, आज्ञाकारी, एक अजीब तरीके से लगभग सहायक थी। लेकिन इन सबके साथ, इर्या कभी आसानी से नहीं रोती थी। काश कोई तरीका होता निशा को इर्या की "झुको और अपने भाग्य को गरिमा के साथ स्वीकार करो" की मानसिकता अपनाने के लिए मनाने का।

निशा के विचार पर, लेंक के विचार वर्तमान क्षण में लौट आए। उसने निशा की नारंगी आँख को उसे पीछे देखते हुए देखा। वह काफी देर से रुका था। उसे अपना संयम वापस पाने और अपने हाथों और पैरों पर ताजे निशानों के बारे में सोचने के लिए कुछ पल देना एक अच्छा विचार था, लेकिन एक अच्छा थपेड़ा कभी उबाऊ नहीं होना चाहिए। लेंक ने निशा की उत्सुक नज़र का एक जानकार मुस्कान के साथ जवाब दिया। घूरते पकड़े जाने पर शर्मिंदा, उसने उदास होकर अपना सिर आगे की ओर झटका। लेंक को ऐसा लगा जैसे उसने एक विशेष रूप से पेचीदा पहेली को हल कर दिया हो। उसने उम्मीद की थी कि निशा बस अपना थपेड़ा स्वीकार करेगी और उससे सीखेगी, लेकिन उसे पहले जो सीखने की ज़रूरत थी, वह यह थी कि थपेड़े से कैसे सीखा जाए।

"ठीक है, निशा, यह दूसरी बार था जब तुमने एक आदेश की अवज्ञा की और संघर्ष किया। तुम्हारे हाथ और पैर कैसा महसूस कर रहे हैं?"

निशा ने गुस्से से अपने चेहरे से नारंगी बालों की एक बिखरी लट उड़ाई और आँखें घुमाईं। "उनमें दर्द होता है। मेरे हाथों में दर्द होता है, मेरे पैरों में दर्द होता है, मेरे नितंब में दर्द होता है। तुम्हें क्या उम्मी—"

ट्विप!

निशा उतनी ही शान से चिल्लाई जितनी वह भेड़िये के रूप में कभी करता था, उसकी चीख अंत में एक कराह में बदल गई। अपने हाथ का उपयोग करते समय की तरह, लेंक ने पाया कि बेंत या बर्च का उपयोग करने के लिए कलाई का एक सटीक फटकना आवश्यक था। थोड़ी विविधता से नुकसान नहीं होता था, लेकिन इस तरह निशाना लगाकर कि बेंत का बिल्कुल सिरा लक्ष्य पर लगे, वह अधिक ताकत जुटा सकता था और एक मोटा निशान उठा सकता था। एक तलवार पर नीचे की ओर पकड़ की तरह, लेंक ने प्रभावों की प्रशंसा करते हुए सोचा।

"यह एक और बात है, तुम्हारा रवैया। अवज्ञा और अशिष्टता इस स्थिति में तुम्हारी बिल्कुल भी मदद नहीं करेंगे, निशा। तुम सोचती हो कि यह साहस है, लेकिन यह साधारण जिद है। कभी खच्चर देखा है?"

निशा ने अपनी दुष्ट मुस्कान दिखाई और पीछे देखा। "मुझे लगता है कि मैंने हाल ही में एक की सवारी की है!" निशा की शैतानी अभिव्यक्ति समझ की एक नज़र के साथ गायब हो गई। लेंक उसके बाईं ओर बढ़ गया था, एक सीटी बजाती हुई बैकहैंड चाबुक इस तरह निशाना बनाते हुए कि बेंत का सिरा सीधे उसके दाहिने गाल पर लगे, बिल्कुल उसके बाएँ गाल पर बने निशान से मेल खाता एक निशान छोड़ता हुआ।

पता चला कि निशा की चुटीली बात का एकमात्र जवाब बर्च की छड़ी का आधी में टूटना था।

लेंक ने इसे एक पल के लिए देखा, फिर कंधे उचकाकर इसे एक तरफ फेंक दिया। "अफसोस, मैं अभी खत्म नहीं हुआ था। कोई बात नहीं, तुम एक नई छड़ी लाओगी, और तुम रियानोन के कंघी-ब्रश के साथ एक अतिरिक्त थपेड़े की उम्मीद कर सकती हो। आज के लिए बात पहुँचाने के लिए यह पर्याप्त होना चाहिए।"

घबराकर, निशा ने लट्ठे से उठने के लिए संघर्ष किया और लेंक का सामना करने के लिए मुड़ी, अपने नितंब को नज़रों से छिपाते हुए। "यह उचित नहीं है! तुमने कहा था कि तुम मुझे केवल तभी एक और छड़ी लाने के लिए भेजोगे अगर मैं लात मारूँ और आखिरी वाली तोड़ दूँ!"

"वास्तव में, मैंने कहा था कि अगर तुमने फिर से अवज्ञा की, तो मैं तुम्हें छड़ियों का एक पूरा गट्ठर लाने के लिए भेजूँगा। मुझे याद दिलाने के लिए धन्यवाद।"

"लेकिन मैंने अवज्ञा नहीं की! यह मेरी गलती नहीं है कि छड़ी टूट गई!"

लेंक ने अपनी उंगली को जोर से हिलाया, एक बलशाली नज़र के साथ जिसने निशा को चुप करा दिया। "पहला, यह इसलिए टूटी क्योंकि मैंने तुम्हें इससे पीटा। मैंने तुम्हें इससे पीटा क्योंकि तुमने मुँह फेरकर जवाब दिया, तुरंत बाद मैंने तुम्हें तुम्हारे रवैये के बारे में चेतावनी दी थी। जानबूझकर अवज्ञा अवज्ञा है। दूसरा, मैंने नहीं कहा कि अगर तुम आज्ञा मानोगी तो तुम्हें एक और थपेड़ा नहीं मिलेगा, मैंने कहा था कि अगर तुमने अवज्ञा की तो तुम वह छड़ियों का गट्ठर लाओगी। मैंने पहले ही शुरू से, भले ही तुमने छड़ी-पिटाई के दौरान कैसा व्यवहार किया, तुम्हें कंघी-ब्रश से परिचित कराने का फैसला कर लिया था। तीसरा, थपेड़ा बच्चों के लिए एक सज़ा है। यह तब समाप्त होता है जब शरारती बच्चे ने अपना सबक सीख लिया है। वह तुम हो, निशा, और तुमने अभी तक कुछ भी नहीं सीखा है। मैं कुछ बच्चों को जानता हूँ जो बदतमीज़ हो सकते हैं,

लेकिन वे कम से कम इतने समझदार थे कि जब उन्होंने खुद को किसी की गोद पर झुका पाया, चाहे मेरी हो या उनके माता-पिता की, तो सुधर जाते थे। मैंने कभी किसी को थपेड़ा इतनी बुरी तरह लेते नहीं देखा जितनी बुरी तरह तुमने लिया। क्या तुम इतनी डरी हुई हो?"

निशा ने अपने नुकीले दाँत दिखाए। "मैं किसी चीज़ से नहीं डरती, एक थपेड़े जैसी बचकानी चीज़ से तो बिल्कुल नहीं।"

"तो वे छड़ियाँ लाना कोई समस्या नहीं होनी चाहिए, है न?"

निशा को ऐसा लगा जैसे उसके गले में कुछ अटक गया हो। उसने अपना मुँह खोला और मुँह फुलाकर फिर से बंद कर लिया। धिक्कार है! वह उसका जवाब क्यों नहीं दे पाई? उसे इस पिछड़े गाँववाले को नाक पर चलाना चाहिए था।

"बहुत अच्छा, स्वामी, मैं तुम्हारा छड़ियों का गट्ठर लाऊँगी, और अगर तुम्हें खुशी हो तो तुम उन सब को मेरे पिछवाड़े पर खराब कर सकते हो। लेकिन मैं तुम्हें मुझे रोता देखने की संतुष्टि नहीं दूँगी।"

"मैं तुम्हारा स्वामी नहीं हूँ, निशा, मैं तुम्हारा सहयोगी हूँ। या कम से कम, मैं बनना चाहता हूँ। और मुझे इन सब से कोई संतुष्टि नहीं मिलती। मैं कभी किसी को चोट नहीं पहुँचाना चाहता, कभी नहीं। तुमने मेरे साथ दुर्व्यवहार किया। तुमने मुझ पर हमला किया, खुद पर अभिशाप लाया। और फिर तुमने अपनी निराशा मुझ पर निकाली। अगर हम दोस्त बनने वाले हैं—आह, सहयोगी—तो हमारे बीच एक समझ होनी चाहिए।"

"तो समझ यह है कि अगर मैं तुम्हें पसंद आने वाली कोई चीज़ नहीं करती, तो मुझे मेरे नितंब पर थपेड़ा मिलता है? कैसी साझेदारी है!"

"तुम्हारे पास जादू है, है न? तुम्हारे पास एक क्रिस्टल है जिससे तुम मुझे धमका सकती हो। अच्छा, बहुत अच्छा। अगर मैं तुम पर भरोसा कर सकता हूँ कि तुम उस क्रिस्टल का दुरुपयोग नहीं करोगी, तो तुम मुझ पर भरोसा कर सकती हो कि मैं तुम्हें फिर कभी थपेड़ा नहीं मारूँगा। लेकिन यह तथ्य कि मैं तुम्हें थपेड़ा मार सकता हूँ, अच्छा, यह मेरा जादुई स्पर्श है, निशा।"

अपने जादू का उल्लेख होने पर, निशा ने अपने बालों के बारे में सोचा। उसने फिर से जमीन पर अपना पैर रगड़ा, यह परीक्षण करने के लिए कि क्या वह एक छाया में समा सकती है। कोई किस्मत नहीं। उसने लेंक के चेहरे की एक झलक पकड़ी, जब उसने उसके पैर पर ध्यान केंद्रित किया। "धिक्कार है! क्या वह जानता है?"

आखिरकार लेंक की बारी थी उसे एक जानकार मुस्कान देने की। "अभी भी छायाओं में नहीं समा सकती? अच्छा, कम से कम तुम्हारे बालों का जादू तो बहाल हो गया है। जब तुम छड़ी लेकर लौटी थी तो उसकी आंतरिक चमक वापस आ गई थी।"

"अच्छा, जो कोई जाल ढूँढ़ने के लिए बेकार है, वह एक प्रतिद्वंद्वी के मामले में कुछ भी नहीं भूलता! लगता है कि एक तलवारबाज के रूप में काम आता है… और एक भेड़िये के रूप में!"

"धन्यवाद, आता है। और यह तथ्य कि तुम बिल्कुल वापस आई, यह जानते हुए कि क्या होगा, इसका मतलब है कि तुम कायर नहीं हो। तुम किसी भी समय अपने उन बालों का उपयोग रोकने के लिए कर सकती थी। क्यों नहीं किया?"

निशा ने अपना निचला होंठ काटा। "मैं… मैंने तुमसे कहा था कि मैं थपेड़े से नहीं डरती। और… मुझे तुम्हारी ज़रूरत है।"

लेंक ने उसके जवाब को हवा में लटकने दिया। निशा ने इसकी असुविधा महसूस की। "मजबूत, खामोश प्रकार का अभिनय।"

निशा ने आह भरी। "मैं जाकर हमारे लिए कुछ और छड़ियाँ काटूँगी। क्या… दस पर्याप्त होंगी?" लेंक ने केवल सिर हिलाकर जवाब दिया।

कम से कम एक छोटी सी जीत हासिल करने के लिए बेताब, निशा ने अपने बालों के जादू का उपयोग करके पास के पेड़ों से दस मजबूत शाखाओं को झटक लिया, उन्हें साफ किया और पलक झपकते ही प्रस्तुत किया। उसने केवल कामना की कि उसके पास एक रिबन होता ताकि उन्हें एक धनुष के साथ बाँध सके।

लेंक ने प्रत्येक की बारी-बारी से जाँच की और अनुमोदन में सिर हिलाया। फिर उसने, सबसे अजीब बात, अपने सामान से एक महिला के बालों का रिबन निकाला और उन्हें एक साफ गट्ठर में बाँध दिया। "शायद एक देशी लड़की के सुंदर फूल से एक उपहार," निशा ने गुस्सा किया।

लेंक ने आखिरकार अपनी पत्थर जैसी खामोशी तोड़ी। "अब हम कहीं पहुँच रहे हैं। बस इतना बाकी है कि तुम्हें अपनी पिटाई लेने का अभ्यास दिया जाए।" निशा स्थिति ग्रहण करने के लिए लट्ठे के पास पहुँची, अपने अभी भी दुखते हाथों और पैरों पर अपना वजन संतुलित करने की याद पर धीरे-धीरे कदम बढ़ाती हुई।

लेकिन इससे पहले कि वह उसके ऊपर लेटती, लेंक ने उसे रोका। "बस उसके ऊपर मत लेटो। मैंने गलती की थी कि तुम्हें पिछली बार ऐसा करने दिया। तुम एक लट्ठे पर गाँठ नहीं हो। अपने पैरों को मजबूती से उसके सामने खड़ा करो, झुको, और अपने हाथों को लट्ठे के ऊपर दबाकर सहारा लो।" निशा ने आज्ञा मानने का आभास दिया, अपने पैरों को बेचैनी से हिलाया और अपने हाथों को छाल की खुरदरी सतह के ठीक ऊपर तैराया। निशान विरोध में चिल्ला रहे थे।

लेंक के बर्च के गट्ठर की एक कोमल थपकी उसके नितंब पर ताजे निशानों पर लगी, जिसने निशा का ध्यान वापस लेंक की ओर खींचा।

"यह नहीं चलेगा। तुम्हें ठोस होना होगा। इसे एक युद्ध मुद्रा लेने के रूप में सोचो।"

"निशान... बहुत दर्द होता है..."

"केवल इसलिए क्योंकि तुम सोचती हो कि बहुत दर्द होता है। निशान तुम जो भी करो, दर्द करेंगे। उन पर नाचना शायद इसे और बदतर बना रहा है। अपनी मुद्रा पर ध्यान केंद्रित करो। अपने पूरे शरीर पर, उस छोटे से हिस्से पर नहीं जिसमें दर्द होता है।"

निशा ने आज्ञा मानी, और निशानों से दर्द की एक चमक के बाद, उसने पाया कि वह वास्तव में इसके माध्यम से आगे बढ़ सकती है। ऐसा लगा जैसे लेंक उसे एक पल के लिए तलवारबाजी सिखा रहा हो। लगभग... गरिमापूर्ण।

"अब अपना सिर ऊपर उठाओ, और अपने नितंब बाहर निकालो।"

निशा ने चेहरा बनाया। "और... यह चला गया!"

"आँखें आगे। ध्यान केंद्रित करने के लिए एक बिंदु खोजो और अपना ध्यान उस पर रखो।"

निशा ने एक पक्षी का घोंसला पाया और उस पर उग्रता से अपनी आँखें गड़ा दीं। "मूर्ख पक्षी!" उसने सोचा।

"अपनी पीठ को थोड़ा झुकाओ। अपने आप को एक सैनिक के रूप में सोचो: 'हथियार प्रस्तुत करो!'"

"उह! इससे मुझे कैसे मदद मिलने वाली है?"

जवाब में, लेंक ने बर्च की छड़ियों को उसके खिलाफ थपथपाया, इतना नहीं कि चोट लगे (अच्छा, सिवाय इसके कि निशान हल्के स्पर्श पर दर्द करते थे!) लेकिन इतना जोर से कि निशा ने अपने शरीर को थोड़ा आगे हिलते महसूस किया।

"उस गति को महसूस करो? अब जब तुम्हारा पेट उस लट्ठे के खिलाफ नहीं दबा है, तो बर्च की छड़ी का प्रभाव तुम्हारे माध्यम से जाना है। तुम्हारा लक्ष्य इसे स्वीकार करना है, लेकिन इसका विरोध भी करना है।"

"क्या तुम्हें यकीन है कि तुम्हें बचपन में सिर पर थपेड़ा नहीं मिला था?" निशा ने ताना मारा, इससे पहले कि फिर से मुँह फेरने के लिए खुद को कोसती।

लेंक ने दिल खोलकर हँसा। "अच्छा कहा। चूँकि तुमने मुझे हँसाया, मैं तुम्हें मुँह फेरने के लिए कोई अतिरिक्त थपेड़ा नहीं दूँगा।" लेकिन उसने खिलंदड़ अंदाज में उसके नितंब पर बर्च की छड़ियाँ थपथपाईं, पिछले परीक्षण वार की तुलना में थोड़ा अधिक दृढ़ता के साथ।

"अपनी किस्मत मत आज़माओ, निशा," उन दोनों ने सोचा।

"तलवारबाजी में, एक मुद्रा मजबूत होनी चाहिए, लेकिन लचीली भी। तुम्हें चट्टान और नदी दोनों की तरह होना चाहिए। जब तुम बर्च की छड़ी महसूस करो, तो यह तुम्हें आगे ले जाने वाली है, इसलिए तुम्हें इसका विरोध करना होगा ताकि मैं तुम्हें फिर से लट्ठे के ऊपर गिरने से रोक सकूँ।"

निशा ने आँखें घुमाईं, इससे पहले कि उसने एक तीसरी चाबुक महसूस की, जो दूसरी से थोड़ी सख्त थी। इस बार, उसने लुढ़कने की गति को महसूस किया और खुद को संभाला। जैसे ही उसने ऐसा किया, उसने खुद को बर्च की छड़ियों में अपना वजन दबाते हुए महसूस किया। "ऐसा लगता है जैसे मुझे तुम्हें मुझे थपेड़ा मारने में मदद करनी है," उसने बड़बड़ाया।

लेंक ने एक चौथी चाबुक मारी, इस बार इतनी जोर से कि उसमें कुछ दंश हो। "बिल्कुल!"

"तो, उसने सुन लिया। धिक्कार है उसके उन नुकीले कानों को!" निशा ने सोचा, इस बार चुप रहकर।

अधिक!

पाँचवीं चाबुक शायद उसकी पूरी ताकत की लगभग आधी थी। निशा ने साँस अंदर खींची, जैसे दोनों गालों पर निशान झुनझुनाए।

"आराम करना मत भूलना, निशा। तुम एक मांसपेशी को ज़्यादा देर तक तनाकर नहीं रख सकती। साँस अंदर लो। साँस बाहर छोड़ो।"

निशा ने अपना चेहरा सिकोड़ा, फिर अपनी साँस बाहर छोड़ी। उसने आराम महसूस किया।

और छठी चाबुक के साथ, उसे पता चल गया कि यह शुरू हो गया है। अब और न रोकते हुए, लेंक ने एक तलवारबाज की ताकत से वार किया। लेकिन निशा तैयार थी। उसने पाया कि उसका शरीर सुंदर ढंग से प्रत्येक वार को स्वीकार करता है, और अजीब तरह से, उसने पाया कि वह मानसिक रूप से प्रत्येक को उसके पड़ने से पहले स्वीकार कर सकती है। लेकिन 12वीं चाबुक ने उसे चौंका दिया और उसे आगे भेज दिया, खुद को अपनी कोहनियों पर लट्ठे पर संभालते हुए। उसने डरकर पीछे देखा, डर थी कि इससे उसे एक और थपेड़ा मिलेगा। वह कितनी गिनती तक पहुँच चुकी थी? लेकिन लेंक ने दयापूर्वक रोक लिया था।

"बेहतर है, निशा। लेकिन तुम लय की भविष्यवाणी करने पर निर्भर हो रही हो। तुम्हें प्रतिद्वंद्वी के साथ चलना होगा।"

"क्या तुम मुझे आगे तलवारबाजी सिखाने वाले हो? उम्मीद है कि तुम मुझे मेरे नितंब पर नहीं गिराओगे!"

"इससे कोई नुकसान नहीं होगा। या यों कहें, तलवार का उपयोग करना सीखने वाला हिस्सा नुकसान नहीं पहुँचाएगा। किसी प्रतिद्वंद्वी की लय की भविष्यवाणी करने की कोशिश करना एक हारने वाला खेल है। जब तक तुम खुद से बहस खत्म करती हो—"

अधिक!

एक आश्चर्यजनक थपेड़ा!

"—वे तुम्हें पकड़ लेते हैं! कोशिश करो कि तुम्हारा शरीर क्या कर रहा है, इसके बारे में मत सोचो। इसे अपने आप चलने दो। मैं चाहता हूँ कि तुम अब किसी और चीज़ पर ध्यान केंद्रित करो।"

"क्या, उस पेड़ पर वह पक्षी का घोंसला? मैंने अपना ध्यान केंद्रित करने के लिए वही चुना था।"

"अच्छा। अब मैं चाहता हूँ कि तुम अपनी आँखें बंद करो। उसी पक्षी के घोंसले की कल्पना करो।"

निशा ने अपनी आँखें बंद कर लीं और घोंसले के बारे में सोचा, पक्षियों के साथ, लेकिन बर्च की छड़ी की एक त्वरित चाबुक ने उसे इससे बाहर कर दिया। "अरे! मैं तैयार नहीं थी!"

"क्या तुम किसी दुश्मन से शिकायत करोगी जो तुम पर वार कर रहा है? स्वीकार करो, और ध्यान केंद्रित करो।"

धड़ाम!

निशा के मन में एक जवाब आया, कुछ इस तरह कि जब उसकी पीठ फिरे तो उसे नितंब पर छुरा घोंपा जाए, लेकिन उसने अपनी जीभ रोक ली।

अधिक!

उसने आखिरकार फिर से पक्षी के घोंसले की मानसिक छवि उठाई। लेंक अपना मीठा समय ले रहा लग रहा था। शायद वह खत्म हो गया था?

वीआईपी!

पक्षी! पक्षियों के बारे में कुछ! मूर्ख छोटे चुगलखोर!

ट्विप! वूप!

दो एक के बाद एक। लेंक वापस अपनी मुक्त-रूप शैली में था।

थ्वैप!

धिक्कार! निशा के लिए इसकी भविष्यवाणी करने का कोई तरीका नहीं था।

थैक!

पक्षी! एक घोंसले में चूजे!

ट्विक!

निशा ने चूज़ों को अपने दिमाग में स्पष्ट रूप से देखा।

थ्वप!

छवि के ऊपर, उसने अपना शरीर देखा, बर्च की छड़ियों का प्रभाव उसके माध्यम से लहराते हुए सुंदर ढंग से आगे बढ़ रहा था।

स्मैक!

उसे हमेशा रात्रिचर को उड़ते देखना पसंद था, उनके पंखों की लुढ़कती गति।

क्रैक!

निशा की आँखें फटकर खुल गईं, आखिरी चाबुक के साथ कुछ बर्च की छड़ियों को अपने ऊपर टूटते हुए महसूस कर रही थी। जैसे ही उसने पक्षी के घोंसले को देखा, उसने एक माँ पक्षी को उस पर लौटते देखा।

लगभग खत्म हो चुके छड़ियों के गट्ठर को देखकर, लेंक ने सीटी बजाई। वह इस बात से प्रभावित था कि निशा थपेड़ा लेने की कला में इतनी जल्दी सीख गई थी। वह अपनी सज़ा को खूबसूरती से स्वीकार कर रही थी।

"बहुत अच्छा, निशा। तुम्हारी दस छड़ियों में से केवल चार बची हैं। अब उनका उपयोग करने का कोई मतलब नहीं है, और वे बाद में काम आ सकती हैं। जैसा कि वादा किया गया था, हम तुम्हें रियानोन के कंघी-ब्रश से परिचित कराकर समाप्त करेंगे।"

एक त्वरित इशारे के साथ, उसने अपनी थैली से एक मजबूत लकड़ी का कंघी-ब्रश निकाला। निशा ने देखने के लिए मुड़ा, जब लेंक ने उसे अपने बाएँ हाथ में पकड़ा, और उसे अपनी दाहिनी हथेली पर थपथपाया। उसने देखा कि यह पीछे एक घोड़े की नक्काशीदार छवि के साथ सुसज्जित था। किसी तरह, उसे यह उपयुक्त लगा। यह सुंदर था, फिर भी सरल। यह भी उपयुक्त लगा कि उसकी सज़ा खत्म नहीं हुई थी। अब जब उसने आखिरकार अपनी स्थिति स्वीकार कर ली थी, उसे ऐसा लगा जैसे पहले जो कुछ भी हुआ, वह किसी तरह मायने नहीं रखता। निशा चाहती थी कि उसे ठीक से सज़ा मिले, और वह दिखाना चाहती थी कि वह इसे ठीक से ले सकती है।

"लेंक, क्या तुम... कृपया मुझे फिर से अपनी गोद पर झुका दो। मुझे डर है कि मैं तुम्हारी मदद के बिना अब और स्थिर नहीं रह सकती।" उसने लट्ठे से खुद को उठाने की कोशिश की, और निशानों को एक झटके के साथ फैलते हुए महसूस किया। बिना

देखे, वह जानती थी कि उसके निचले गालों के अधिकांश हिस्से पर आड़ी-तिरछी धारियाँ होनी चाहिए।

"तुमने इसे बहादुरी से लिया, निशा। तुम थोड़ी छटपटाई, लेकिन अपनी जगह पर रही। लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं इस बार तुम्हें अपनी गोद पर झुकाऊँगा। मैं तुम्हें अपने घुटने पर लेने वाला हूँ।"

निशा ने अपना चेहरा सिकोड़ा। "क्या यह वही बात नहीं है?"

"बिल्कुल नहीं। मुझे यह विशेष स्थिति कंघी-ब्रश को निशाना बनाने के लिए बेहतर लगती है। लेकिन समझाने की तुलना में दिखाना तेज़ है," लेंक ने कहा, इस क्षेत्र में अपने अनुभव को प्रदर्शित करने के अवसर पर काफी प्रसन्न था। वह उसी लट्ठे पर बैठ गया और उसके दाईं ओर लट्ठे पर यात्रा के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक नरम कंबल बिछाया। फिर उसने निशा को धीरे से उठाया और उसे अपने दाहिने घुटने पर उसका सामना करते हुए बिठाया, उसे आगे की ओर निर्देशित किया ताकि उसका ऊपरी धड़ कंबल पर टिका रहे।

निशा शरमा गई, जब उसने अपनी टाँगें फैली हुई महसूस कीं, लेंक का घुटना उसके शरीर के निचले आधे हिस्से को सहारा प्रदान कर रहा था। निशा को अचानक लट्ठे पर झुकने की तुलना में और भी अधिक असुरक्षित महसूस हुआ, और देवियों को धन्यवाद दिया कि कम से कम उसका नितंब लेंक से दूर था। नाजुक संतुलन ने उसे पूरी तरह से उस पर निर्भर बना दिया कि वह उसे अपनी जगह पर रोके। लेकिन यह अजीब तरह से आरामदायक भी था, नरम कंबल और लेंक की पतलून की मोटी ऊन के खिलाफ दबा हुआ।

जैसे ही लेंक ने रियानोन के कंघी-ब्रश को अपने बाएँ हाथ में एक अभ्यस्त ठाठ के साथ घुमाया, उसने चतुराई से उसे पकड़ा और निशा के दोनों झुनझुनाते गालों पर कुछ बार थपथपाया। यहाँ तक कि उन कोमल प्यार-भरी थपकियाँ भी निशानों के माध्यम से एक गुस्से भरी जलन पैदा करने के लिए पर्याप्त थीं, जैसे धूप-जलन के बाद के प्रभाव।

बस एक पल पहले, निशा सोच रही थी कि वह इसके लायक है। वह चाहती थी कि जो उसके सामने आ रहा था, वह आए। उसे ऐसा लगा कि उसे कुछ कहना है, आंशिक रूप से हमले को कुछ कीमती सेकंड के लिए रोकने के लिए, और आंशिक रूप से अपने अभिमान को बहाल करने के लिए कुछ करने के लिए।

"हिम्मत मत करना कि मुझे आसानी से छोड़ दो," उसने अपनी चिढ़ाने वाली आवाज़ के संकेत के साथ झपटा। "तुमने मुझे लगभग एक बच्चे की तरह रुला दिया था, इससे पहले कि तुमने वह छड़ी तोड़ी। क्या तुम नहीं बता सकते थे कि इस तरह पिटाई करना

अच्छा विचार नहीं था? तुम्हारे पास स्पष्ट रूप से अनुशासक के रूप में अधिक अनुभव नहीं है।"

निशा ने महसूस किया कि उसकी वीरता उसकी आवाज़ से फीकी पड़ रही है, जब उसने इसे आज़माया। उसे एहसास हुआ कि, इस स्थिति में, लेंक अपने सिर के ऊपर से ऊँचाई पर लंबवत वार कर सकता था। उसे अचानक एक दृश्य दिखाई दिया, जिसमें वह अपनी तलवार के साथ इसी तरह के वार से एक मोब्लिन की खोपड़ी को फोड़ रहा था। साथ ही, उसकी टाँगें उसकी जाँघ के दोनों ओर लटकी होने के कारण, वह अपने नितंब को पहले की तरह तनाकर नहीं रख सकती थी। विश्राम की वह अजीब भावना फिर से उस पर छा गई।

"तुम एक सेकंड के लिए भी डर नहीं दिखाती, मैं तुम्हें यह तो देना ही पड़ेगा," लेंक ने प्रभावित होकर जवाब दिया।

अब और समय बर्बाद न करते हुए, उसने कंघी-ब्रश को एक तेज़ "पॉप" के साथ उसके दाहिने गाल पर, ठीक वहाँ जहाँ यह उसकी ऊपरी जाँघ से जुड़ता था, नीचे लाया। निशा को नहीं पता था कि "बैठने-स्थान" क्या होता है, लेकिन लेंक ने भव्य समापन के लिए उस क्षेत्र पर अपना ध्यान वापस लाने का फैसला किया था। "पिछवाड़े पर कुछ औपचारिक पैडल-सज़ा देने के लिए एक उत्तम स्थान," रसेल ने एक बार मज़ाक किया था।

दूसरी चाबुक निशा के बाएँ बैठने-स्थान पर लगी। दंश पहले से कहीं अधिक तीव्र था, और निशा ने और जोर से चीख मारी, अब यह दिखावा करने में सक्षम नहीं थी कि उसे अजेय नितंब का वरदान प्राप्त है। तीसरी धमकता हुआ वार उसके मांस में गहराई तक धँस गया, उसके निचले गाल के अधिकांश सतह क्षेत्र को कवर किया, और बर्च की छड़ी के कुछ निशानों पर भी पड़ा। यह विचार कि यह एक छड़ी से कितना अलग लग रहा था, निशानों से दर्द की दूसरी लहर से बाधित हुआ, एक गुस्से भरे विरोध की तरह।

निशा अपने नितंब के माध्यम से सारा प्रभाव लहराते हुए महसूस कर रही थी, साथ में तेज़ दंश भी जो आमतौर पर केवल एक छड़ी ही दे सकती थी। लेंक वास्तव में तलवार से अधिक में भी एक स्वामी था।

निशा बर्च-पिटाई के दौरान पूरी तरह से टूटने के बहुत करीब आ गई थी, इसलिए कंघी-ब्रश की समापन दलील को अपना वांछित प्रभाव दिखाने में देर नहीं लगी। आँसू वापस आ गए थे, और सहज रूप से, निशा अभी भी उनसे लड़ना चाहती थी।

लेकिन क्यों? वह आँसुओं से क्यों लड़ना चाहती थी? यह साबित करने के लिए कि वह मजबूत थी? वह पहले से ही जानती थी कि वह मजबूत है। लेकिन क्या वह सच में थी?

उसने लेंक का उपयोग किया था। उसकी ताकत को अपने औजार के रूप में इस्तेमाल किया, क्योंकि गहरे में, वह जानती थी कि उसका बहादुरी भरा बाहरी आवरण पर्याप्त नहीं था।

उसकी सारी शर्म और पछतावा उसके दिल में उमड़ पड़ा, लहरों में उसके आँसुओं के रूप में बह निकला, उसके गालों पर लुढ़क गया। तीसरे चुभने वाले वार पर, उसने अपनी आँखें कसकर बंद कर लीं, दुनिया अंधकार में गायब हो गई।

हर समय, वह सिर्फ दिखावा कर रही थी। उसकी "ताकत" एक झूठ थी, जो उसके डर को छिपा रही थी। लेंक की ताकत के पीछे छिपी हुई थी। लेकिन अब, उसके पास लेंक से छिपाने के लिए कुछ नहीं बचा था। सब कुछ उसके सामने खुला था। और ताज़े दर्द की प्रत्येक लहर के साथ, उसने इस आदमी की ताकत महसूस की।

अपने जीवन में पहली बार, उसने ऐसा महसूस किया जैसे उसे किसी और के लिए मजबूत होने का नाटक नहीं करना पड़ता। और जैसे ही निशा ने अपनी कमज़ोरी को स्वीकार किया, दर्द को स्वीकार किया, ऐसा लगा जैसे उसके मांस में आग उस कमज़ोरी को जला रही थी।

चौथे धीमे, सोच-समझकर किए गए वार के बाद, लेंक ने धीरे-धीरे गति बढ़ाई, बिल्कुल रियानोन की सवारी करने की तरह – पैदल से, चाल, फिर तेज चाल, फिर सरपट। दसवें थपेड़े तक, लेंक "सरपट गति" पर पहुँच गया था और अपने लक्ष्य को लाल-बैंगनी रंग की एक अच्छी, समान परत से रंगने पर ध्यान केंद्रित किया।

इस बिंदु तक, निशा के लिए और गिनती करना असंभव हो गया। प्रत्येक अच्छी तरह से कमाए गए वार का दंश अगले में विलीन हो गया। उसके मन में, सब कुछ एक काले शून्य में फीका पड़ गया, जो चमकते सितारों से बिंदित था। उसका नितंब। उसका गरीब, गरीब नितंब! पूरी दुनिया का अस्तित्व समाप्त हो गया था। यह गोधूलि के अनन्त अंधकार की तरह था।

इच्छाशक्ति के साथ, उसने अपनी आँखें खोलीं, और पूरी दुनिया उसके चारों ओर सितारों से चमकती हुई लग रही थी, वही सितारे जो उसने अंधकार में देखे थे।

जैसे ही निशा ने अपने आँसुओं को उसके चेहरे के नीचे घास पर चमकते हुए देखा, उसने अपने दिल में एक अजीब नई अनुभूति भरते हुए महसूस की। राहत। यह जानने की राहत थी कि वह एक शरारती छोटी लड़की थी, और लेंक उसे उसके व्यवहार के लिए ठीक वैसे ही सज़ा दे रहा था जैसे वह इसकी हकदार थी। वह जानती थी कि वह उसकी परवाह करता है, और वह चाहता है कि वह एक बेहतर इंसान बने।

निशा ने अपनी आँखें बंद कर लीं, जब आँसू वापस आए, लेकिन इस बार उसने उनसे लड़ाई नहीं की। उसने उनका स्वागत किया। और एक लंबी, काँपती हुई चीख के साथ, वह तब तक रोती रही जब तक कि उसके सभी आँसू नहीं बह गए।

"मुझे माफ़ कर दो, लेंक," निशा सिसकी, उसकी आवाज़ बमुश्किल एक फुसफुसाहट थी। फिर उसने एक साँस ली और एक रानी की आज्ञाकारी आवाज़ के साथ बोली। "मुझे बहुत, बहुत माफ़ कर दो! मुझे तुम्हें ऐसे नहीं चिढ़ाना चाहिए था। मेरा मतलब तुम्हारे साथ इतना क्रूर होना नहीं था। मैं बस... मुझे कभी-कभी पता नहीं होता कि कैसे व्यवहार करना है..."

ब्रश रुका, जब लेंक ने इसे अपने सिर के ऊपर ऊँचा उठाया, उसकी आँखें निशा से मिलीं। वह अपने ही शब्दों को सुनकर तड़पी, जब उसे एहसास हुआ कि वह अभी भी बहाने बना रही है।

"नहीं, यह वह नहीं है। हर समय मुझे पता था कि मैं तुम्हारे साथ क्रूर हो रही थी। मैंने... इसका आनंद लिया। मैं बस एक बिगड़ैल, शरारती छोटी लड़की हूँ! क्या तुम मुझे माफ़ कर सकते हो? तुम मुझे जितना चाहो थपेड़ा मार सकते हो! कृपया, कृपया मुझे माफ़ कर दो!"

लेंक ने सज़ा रोकी और निशा को उठने में मदद की, जब वह रो रही थी, उसे पकड़े हुए। "ठीक है, निशा," उसने फुसफुसाया। "तुमने अपना सबक सीख लिया।" उसने झिझकते हुए अंत में वे शब्द जोड़े जिन्हें वह जानता था कि आवश्यक थे। "मैं तुम्हें माफ़ करता हूँ।"

निशा लेंक की माफ़ी से हैरान थी, लेकिन आभारी भी। उसे उम्मीद थी कि वह द्वेष रखेगा, उसके साथ उसी अवमानना के साथ व्यवहार करता रहेगा जो वह उसे दिखाने में कभी असफल नहीं होती थी। वह जानती थी कि उसे बेहतर करना होगा, लेंक की एक बेहतर दोस्त बनना होगा। और उस एहसास के साथ, उसने अपने तरीके बदलने की प्रतिज्ञा की।

"धन्यवाद, लेंक," उसने कहा, अपने आँसू पोंछते हुए। "मैं यह नहीं भूलूंगी, और मैं वादा करती हूँ कि भविष्य में मैं तुम्हारे साथ बेहतर व्यवहार करूँगी।"

लेंक ने सिर हिलाया, उसकी अभिव्यक्ति नरम हो गई। "मुझे पता है कि तुम अपना वादा निभाओगी, निशा। मुझे तुम पर भरोसा है। मैं कभी नहीं चाहता कि मुझे फिर से ऐसा करना पड़े।"

निशा ने आखिरी शब्दों पर एक रोमांच महसूस किया। उसने उनमें ईमानदारी महसूस की, लेकिन उसने निहित अर्थ भी समझ लिया। "बेवकूफ," निशा ने सोचा, लेकिन जोर से कहने की हिम्मत नहीं की।

इस फिसलन के लिए निशा को थोड़ा चिढ़ाने के लिए, उसने खुद को उसके आलिंगन से दूर धकेला और अवज्ञापूर्वक उसकी आँखों में देखा। "इसका मतलब है कि अगर तुम्हें करना पड़ा तो तुम इसे फिर से करने को तैयार हो। मुझे आश्चर्य है कि क्या तुमने उस संभावना के बारे में भी सोचा था। अब मुझे हर बार जब मैं लाइन से बाहर काम करूँगी तो मुझे थपेड़ा मारोगे?"

"मैं, अच्छा, मैं वास्तव में ऐसा नहीं चाहता। मुझे इससे कोई आनंद नहीं मिलता," लेंक ने हकलाते हुए कहा, अचानक शरमाते हुए एहसास हुआ कि उसने कुछ ऐसा कहा था जो उसके कहने के अर्थ के विपरीत था।

"तुम सच में नहीं चाहते, है न? आनंद का एक संकेत भी नहीं? उस छड़ी और कंघी-ब्रश वाले सारे काम का क्या? तुम वास्तव में इसमें अच्छे हो। एक दिन, तुम किसी खेत-लड़की को खुश पति बनाओगे, और शायद उस पूरी व्यवस्था के साथ कम से कम दस बच्चों को काबू में रखोगे… और शायद अपनी पत्नी को भी," उसने आनंद के साथ फुसफुसाया, अपने नुकीले दाँत एक दुष्ट मुस्कान में दिखाते हुए।

"क्या? नहीं, मेरी पत्नी नहीं। मैं कभी नहीं… मेरा मतलब, यह बच्चों के लिए एक सज़ा है।"

"क्या मैं वही हूँ? क्या तुम जब मुझे देखते हो तो यही देखते हो? एक बच्चा? वह सज़ा एक बच्चे के लिए काफी सख्त थी, भेड़िया-लड़के। मुझे लगता है कि वह एक पूर्ण विकसित महिला के लिए उपयुक्त सज़ा थी। क्या तुम्हें यकीन है कि तुम एक सुंदर खेत-पत्नी को थपेड़ा मारने का आनंद नहीं लोगे, बस थोड़ा सा? शायद अगर वह इसके लिए पूछे?"

लेंक ने गला निगला। वह इसे स्वीकार नहीं करना चाहता था, लेकिन यह विचार कि निशा एक बच्ची नहीं थी, उसके मन में पहले भी आया था। उसकी बुद्धि, उसके शब्दों का तरीका। किसी स्तर पर, उसने हमेशा महसूस किया था कि वह दिखने में जितनी दिखती है, उससे कहीं अधिक बड़ी होगी। क्या वह वास्तव में बस उसके मन से निकल गया था? और, क्या उसने इसका आनंद लिया था? "मैं… मैं किसी को चोट नहीं पहुँचाना चाहता। कभी नहीं। न तुम्हें, न उन जीवों को जिनसे मैं लड़ता हूँ, न किसी को, नहीं जब तक…"

"नहीं जब तक यह आवश्यक न हो, है न?" निशा ने समाप्त किया।

"हाँ," लेंक ने बेबसी से जवाब दिया। उसे अचानक एहसास हुआ कि निशा के बिना, वह इस अभियान पर कितनी दूर नहीं आ पाता।

निशा ने अपना सिर झुकाया, सकारात्मक रूप से चमक रही थी। "अच्छा, अगर तुम फिर कभी ऐसा नहीं करना चाहते, तो मैं सावधान रहूँगी कि ऐसा व्यवहार करूँ कि तुम्हें कभी न करना पड़े!"

एक खाँसी के साथ, लेंक सख्ती से सीधा हुआ। "हाँ! अगर तुम फिर कभी मेरे साथ कुत्ते की तरह व्यवहार करती हो, तो तुम खुद को वापस मेरे घुटने पर पाओगी! लेकिन यह वास्तव में कोई समस्या नहीं होगी—" निशा ने अपने हाथ की एक आज्ञाकारी लहर के साथ उसे चुप करा दिया।

"फिर से, यह वास्तव में उचित नहीं है कि केवल तुम्हें ही यह तय करने का अधिकार हो कि थपेड़ा कब आवश्यक है, है न?"

"तुम क्या सुझाव दे रही हो? कि तुम मुझे थपेड़ा मार सकती हो?"

"ओह, बिल्कुल नहीं। तुम इतने मासूम खेत-लड़के हो, तुम कभी भी मेरे जितने शरारती होने में सक्षम नहीं हो।"

"अच्छा, भविष्य में, अगर तुम थपेड़ा स्वीकार करने को तैयार नहीं हो, तो मैं वादा करता हूँ कि मैं तुम्हें फिर कभी थपेड़ा नहीं मारूँगा।"

"तुम बहुत धीरे हो! मेरा यह भी मतलब नहीं था। क्या होगा अगर मुझे लगे कि मुझे थपेड़े की ज़रूरत है और तुम इतने सज्जन हो कि यह न देख सको कि मैं इसके लायक हूँ?"

"अच्छा, अगर ऐसा होता है तो मुझे क्या करना चाहिए?"

"चिंता मत करो, अगर मुझे कभी लगे कि मुझे थपेड़े की ज़रूरत है, तो मैं वादा करती हूँ कि मैं तुमसे इसके लिए पूछूँगी। इसके बारे में सोचो। महीनों तक इसे बढ़ने देने की तुलना में एक त्वरित थपेड़ा खत्म करना बहुत बेहतर होगा, जैसे हमने इसके लिए किया, है न?"

"मैं… मुझे लगता है। रुको, क्या तुम मुझसे फिर से थपेड़ा माँग रही हो?"

"क्या तुम मज़ाक कर रहे हो? तुमने अभी मुझे जो कड़ी ताड़ना दी है, उसके बाद मैं एक हफ्ते तक तुम्हारी पीठ पर नहीं बैठ पाऊँगी। लेकिन अगर मैं तुमसे भविष्य में किसी भी समय थपेड़ा माँगती हूँ, तो यह केवल उचित है कि तुम मुझे एक दो, है न? शायद इससे थोड़ा कम सख्त, लेकिन तुम्हें ऐसा लगता है कि तुम्हें अपराध के अनुसार सज़ा चुनने की क्षमता प्राप्त है।"

"ठीक है, निशा। मैं वास्तव में समझ नहीं पाता, लेकिन यह समझ में आता है। अगर तुम मुझसे थपेड़ा माँगती हो, मेरा मतलब है, सच में ईमानदारी से माँगती हो, तो मुझे लगता है कि अगर यह तुम्हें काबू में रखने में मदद करेगा तो मैं तुम्हें एक दे सकता हूँ।"

"ओह, भगवान का शुक्र है। मुझे एक सेकंड के लिए डर था कि मुझे फिर कभी थपेड़ा नहीं मिलेगा। अच्छा, मैं तुम्हें उस वादे पर कायम रखूँगी, मास्टर थपेड़ा-दाता।"

लेंक ने निशा के अनुरोध पर विचार किया। किसी तरह, ऐसा लगा जैसे पूरी स्थिति में कुछ गड़बड़ थी। ऐसा लगा जैसे निशा एक रानी थी, तथ्यात्मक रूप से एक सेवक को आदेश दे रही हो, लेकिन आदेश उसे ज्यादा समझ नहीं आया।

"ओह, और वैसे, तुम्हें मुझे उठाना होगा। उस जंगली पिटाई के बाद मैं मुश्किल से चल सकती हूँ।"

"ओह! बेशक, मुझे तुम्हारी मदद करने दो।" लेंक ने माफ़ी माँगते हुए झुककर निशा को उठाने के लिए हाथ बढ़ाया।

"ओह, रुको, आदेश लेने के लिए इतने उत्सुक मत बनो। तुम पिल्ले की तरह हो! मुझे वह ठीक से करने दो! अहम!" निशा ने अपना गला साफ किया और एक कदम पीछे हटी। फिर उसने नम्रता से झुककर प्रणाम किया। "मेरे महान शूरवीर, क्या तुम कृपया अपनी महिला को उठाकर उसका सम्मान करोगे? तुम्हारा सबसे उदार निर्देशक मार्गदर्शक हाथ, तुम्हारी सुधार-छड़ी, और कंघी-ब्रश के साथ तुम्हारी मास्टरली कुशलता ने तुम्हारी महिला को सबसे दंडित और दुखते पिछवाड़े से छोड़ दिया है।"

एक पैर पर सुंदर घुमाव के साथ, निशा घूमी और एक ठाठ के साथ झुकी। अपने हाथों को अपने घुटनों पर रखकर, उसने अपनी पीठ को, बहुत हल्के से, इस तरह झुकाया कि उसका अच्छी तरह से पिटा हुआ पिछवाड़ा लेंक को एक हृदय-पात्र की तरह प्रस्तुत था।

पहली बार, लेंक को अचानक एहसास हुआ कि यह प्रतीत-बचकानी इम्प वास्तव में कितनी वयस्क थी। "बहुत अच्छा, मेरी महिला, मुझे तुम्हारी मदद करने दो।"

अपने बाएँ बाजू को उसके कूल्हे के नीचे लपेटकर, उसने उसे धीरे से उठाया ताकि वह उसके कंधों पर बाँहें डालकर बैठ सके, उसके निचले शरीर का वजन उसके बाजू से सहारा मिल रहा था।

निशा तड़पी, जब उसने अपने अंगरखे के कपड़े को अपने बैठने-स्थानों पर दबते हुए महसूस किया, लेकिन इससे पहले कि लेंक माफ़ी माँग पाता, उसने धीरे से अपनी एक उंगली उसके होठों पर रखी। "अब, अब। मेरे लिए अपनी सज़ा याद रखना अच्छा है, है न? अतीत को बदलना नहीं है, केवल उससे सीखना है।"

लेंक कुछ कहने के बारे में सोच नहीं पाया, इसलिए उसने केवल सिर हिलाया, उस जिद्दी ताकत के साथ जो निशा को मूर्खतापूर्ण मीठी लगने लगी थी। उन दोनों ने अपनी यात्रा जारी रखी, उनके बीच एक नए सम्मान और समझ के साथ।

निशा की छाया-शक्तियाँ उस रात वापस आ गईं। "सुरक्षात्मक मंत्र के प्रभाव उस मंदिर द्वारा मजबूत किए गए होंगे। या शायद तुम्हारी वह तलवार जानती है कि मुझे पछतावा है और उसने मेरी माफ़ी स्वीकार कर ली है," उसने जोर से सोचा। उसने लेंक के आलिंगन से खुद को उठाया और छायाओं में उड़ गई।

लेंक ने पाया कि वह निशा के लिए एक नए सम्मान का अनुभव कर रहा था। उसने बिना किसी शिकायत के अपनी सज़ा ली थी।

अच्छा, बिल्कुल शिकायत के बिना नहीं, लेकिन उसने निश्चित रूप से इसे वीरतापूर्वक लिया था, और यहाँ तक कि अपने व्यवहार के लिए माफ़ी भी माँगी थी। उसे एहसास हुआ कि उसने पहले उसे गलत समझा था, और वह केवल एक चिढ़ाने वाली इम्प से कहीं अधिक थी।

जैसे ही उन्होंने रात के लिए शिविर स्थापित किया, निशा लेंक के बगल में बैठ गई और सितारों को देखा।
"मैं तुम्हारी बातों के बारे में सोच रही हूँ," उसने कहा। "कि हमें एवलॉन को बचाने के लिए एक साथ काम करने की ज़रूरत है। तुम सही हो। मुझे इतना स्वार्थी नहीं होना चाहिए।"

लेंक उस पर मुस्कुराया। "ठीक है। हम सब गलतियाँ करते हैं।"

निशा ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, और लेंक ने देखा कि जब वह मुँह नहीं बना रही थी तो वह कितनी सुंदर दिखती थी। वह उसे एक नई रोशनी में देखने लगा था।

"मैं तुम्हारी मदद करने के लिए जो भी करना पड़े, करूँगी," निशा ने कहा। "मैं वादा करती हूँ।"

लेंक ने सिर हिलाया, राहत महसूस कर रहा था। उसे डर था कि सज़ा के बाद उनके बीच बातें अजीब हो जाएंगी, लेकिन ऐसा लगा कि वे फिर से दोस्त बन गए हैं।

जैसे ही वे रात के लिए बस गए, लेंक ऊँची घास पर पीठ के बल लेटा हुआ था और निशा का सिर उसकी छाती पर तकिये के रूप में टिका था, निशा उस सज़ा के बारे में सोचे बिना नहीं रह सकती थी जो उसे मिली थी। यह शर्मनाक और दर्दनाक थी, लेकिन यह एक जाग्रति-संकेत भी थी। जैसे ही उसने लेंक की छाती को अपने सिर के नीचे ऊपर-नीचे होते महसूस किया, निशा ने महसूस किया कि वह लेंक को हल्के में ले रही थी, और वह बेहतर का हकदार था।

उसने भविष्य में उसके साथ अधिक सम्मान के साथ व्यवहार करने और अपने पिछले व्यवहार की भरपाई करने का संकल्प लिया। अचानक, उसे एक झटका महसूस हुआ, जब लेंक का हाथ उसके दुखते नितंब पर टिका। निशा चौंककर उठी, उसे एक गुस्से भरी नज़र दिखाई, केवल लेंक को खर्राटे लेते, गहरी नींद में सोते हुए पाया। जैसे ही दर्द की शुरुआती झुनझुनी कम हुई, निशा ने गुनगुनाती गर्मी को अजीब तरह से सुखद पाया। "बेवकूफ, उसे पता भी नहीं उसके हाथ क्या पकड़ रहे हैं।"

उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और एक ऐसी शांति और संतोष की भावना के साथ सो गई जो उसने काफी समय में महसूस नहीं की थी।

[समाप्त]

लेंक की लैकेसिस से मुलाक़ात

यू मे और गोजिरा द्वारा

जैसे ही लेंक ने अपनी पात्र-बांसुरी पर अनंत का संगीत के अंतिम स्वर बजाए, वह प्रकाश की एक कुण्डली से बाहर निकलकर दूसरी दुनिया के उस अजीब मंदिर में आ गया। यही वह जगह थी। मूल धुन की प्राचीन भिन्नता की खोज के बाद, लेंक ने न केवल अपनी दुनिया में समय के गलियारों से गुजरना सीखा था, बल्कि दुनियाओं के बीच भी।

भाग्य का मंदिर एक भव्य संरचना थी, जो ठोस संगमरमर के स्तंभों द्वारा समर्थित थी जो पुरुषों और महिलाओं की मूर्तियों की तरह उकेरी गई थीं। ऐसा लग रहा था मानो वे निराशा में हों, जैसे वे उस विशाल संरचना को ऊपर उठाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हों। लेंक ने अपनी रीढ़ में एक कंपकंपी महसूस की। यह शैली उसने एवलॉन में कभी नहीं देखी थी। यह प्राचीन, सुंदर थी, लेकिन अजीब तरह से ठंडी भी। मूर्तियों पर निराश चेहरे ऐसे लग रहे थे जैसे सीधे उसे देख रहे हों, उसे मंदिर में प्रवेश न करने की चेतावनी देने के लिए चीख रहे हों।

लेंक ने अपनी पुरानी छोटी तलवार और बुजुर्ग-लकड़ी की ढाल खींची, और मंदिर में अपना रास्ता बनाया। जैसे ही वह विशाल, खाली गलियारों में भटकता रहा, उसने हर कोने पर राक्षसों और जालों की तलाश की, लेकिन भाग्य का मंदिर भयानक रूप से खाली था। अंततः, लेंक एक केंद्रीय कक्ष में पहुँच गया। एकमात्र फर्श एक विशाल गोलाकार मंच था, जो एक स्तंभ पर टिका था जो बादलदार, भूरे पानी से ऊपर उठता था। मंच के बगल में एक भारी तोड़-मशीन थी, जो जंजीरों से लटकी हुई थी, जो कक्ष के विपरीत दिशा में एक बड़ी घंटी की ओर इशारा कर रही थी। कमरे के केंद्र में, एक विशाल मूर्ति जो एक सुंदर महिला के चेहरे को दर्शाती थी, फर्श से छत तक फैली हुई थी।

कमरे के हर कोने की जाँच करने के बाद, लेंक को एक लीवर मिला, और उसने उसे खींचा। तुरंत, स्तंभ आगे की ओर झूला, और एक जबरदस्त, गूँजती हुई झनकार के साथ घंटी से टकराया। लेंक स्थिर हो गया, और उसने चारों ओर की हवा को स्थिर होते महसूस किया। फिर, घंटी की आवाज़ धीमी होने लगी, लेकिन शांत नहीं हुई, और लेंक ने देखा कि वह भी असंभव रूप से जम गई थी। लेंक ने अपनी पात्र-बांसुरी से एक गर्म चमक महसूस की, वही जो उसे एवलॉन की राजकुमारी द्वारा दी गई थी, और तुरंत समझ गया। यह स्थान अनंत के मंदिर के समान एक जादू से स्पर्शित था।

जैसे ही लेंक पात्र-बांसुरी के लिए पहुँचा, समय फिर से बहने लगा, और घंटी फिर से हिली और बजी। कुछ मिनटों के बाद, लेंक ने वास्तुकार के इरादे को समझ लिया था। कमरे में दो घंटियाँ थीं, लेकिन केवल एक स्तंभ। यह कक्ष एक पहेली थी, ताकत और बुद्धि की एक परीक्षा जिसका उद्देश्य मूर्ख चोरों और अतिचारियों को रोकना था। अगर दो घंटियाँ थीं, तो दूसरी घंटी बजाने का कोई रास्ता होना चाहिए, है न?

पानी के नीचे गोता लगाते हुए, लेंक को केंद्रीय मंच के नीचे एक जंग लगा हुआ घूमने वाला चक्र मिला। उसने उसे खींचा, लेकिन वह हिला नहीं, इससे पहले कि उसे साँस लेने के लिए ऊपर आने के लिए मजबूर होना पड़ा।

जल्दी से, लेंक किनारे तक तैरा, अपनी थैली पकड़ी, और अपने पिछले साहसिक कारनामों से अपने उपकरण बाहर निकाले।

एक चेहरा बनाकर, लेंक ने सुनहरे बाज़ूबंद पहने, और उनकी अप्राकृतिक ताकत को अपने शरीर में उमड़ते महसूस किया। उसने कामना की कि वह अपने बचकाने शरीर में न फँसा होता, इससे पहले कि राजकुमारी आइसोल्डे ने उसे समय में वापस भेजा और उसकी खोई हुई युवावस्था को बहाल किया।

लेंक को पानी के तल तक पहुँचने के लिए भारी लोहे के जूतों की एक जोड़ी पहननी पड़ी, और उस प्राचीन तंत्र को हिलाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। जब वह पानी से बाहर निकला, तो उसने देखा कि उसने मंच को घुमा दिया था, और तोड़-मशीन अब दूसरी घंटी पर निशाना साधे हुए थी। लीवर खींचने के बाद, दूसरी घंटी एक झाँझ की तरह बजी, और लेंक ने फिर से अपनी रीढ़ में एक अजीब कंपकंपी महसूस की, जब उसके चारों ओर समय जम गया। लेकिन फिर से, यह फीका पड़ गया, और घंटी ने अपना गहरा, भयावह स्वर बजाना समाप्त कर दिया।

लेंक ने अपनी मुट्ठी अपनी जाँघ पर मारी। जैसे ही उसने सुंदर, भावहीन महिला की मूर्ति को देखा, वह किसी तरह उसका मज़ाक उड़ाती हुई लग रही थी। उसका चेहरा उसे राजकुमारी आइसोल्डे की याद दिलाता था, लेकिन मूर्ति की खाली, सफेद आँखों में आइसोल्डे की कोई दया नहीं थी।

लेंक और राजकुमारी आइसोल्डे ने मैडॉक ड्रैकोमियर के साथ अपनी लड़ाई में बमुश्किल जीवित बचे थे, इससे पहले कि बुराई का पागल राजा दानवी जानवर मागोग द्वारा पूरी तरह से वश में हो जाता। आइसोल्डे ने उसे पात्र-बांसुरी की शक्तियों का फिर से उपयोग न करने की चेतावनी दी थी, सिवाय अत्यंत आवश्यकता के। लेकिन लेंक को मागोग की अंतिम चेतावनी याद थी, उसका वादा कि वह बदला लेकर वापस आएगा। लेंक के पास कोई विकल्प नहीं था। उसे मागोग को एक बार और हमेशा के लिए मारना था।

अचानक, लेंक के मन में प्रेरणा की एक चमक आई। दूसरी घंटी तक चढ़कर, लेंक ने अपनी पूरी ताकत से उसे बजाया। जिस क्षण उसने हवा को स्थिर होते महसूस किया, लेंक ने पात्र-बांसुरी पकड़ी, और पहला स्वर बजाया, जो विशाल घंटी के स्वर से मेल खाता था। फिर, उसने प्राचीन अनंत का संगीत बजाया। जैसे ही उसने गीत समाप्त किया, घंटी की आवाज़ गायब हो गई। यह स्वाभाविक रूप से फीका नहीं हुआ। कमरे की सारी आवाज़ चली गई थी।

लेंक खुशी से जयकार करना चाहता था, केवल यह पाने के लिए कि वह साँस नहीं ले सकता था। ऐसा लगा जैसे उसके चारों ओर की हवा मोटी और भारी थी। घुटते हुए, लेंक ने उस लीवर तक पहुँचने की कोशिश की जो तोड़-मशीन को नियंत्रित करता था, लेकिन उसे ऐसा लगा जैसे वह हवा के बीच में तैर रहा हो। पात्र-बांसुरी उसके पास गर्म हो गई, लेकिन लेंक ने उसे नज़रअंदाज़ कर दिया। जैसे ही उसके फेफड़े हवा के लिए चीखने लगे, लेंक लीवर तक पहुँचा, और उसे खींचा। फिर, उसने फिर से पात्र-बांसुरी बजाई, और दुनिया जीवंत हो उठी। तोड़-मशीन दूसरी घंटी से टकराई, और जैसे ही दोनों घंटियाँ सामंजस्य में बजीं, लेंक ने अपने कान ढँक लिए। कमरे के केंद्र में, महिला की मूर्ति फटने लगी।

लेंक ने हवा के लिए हाँफा, और अपने काम के परिणामों की जाँच की। सुंदर महिला का चेहरा अब खराब हो गया था। जैसे ही उसने पहेली की कुंजी को समझा, लेंक मुस्कुराया।

***

तोड़-मशीन के महिला के पत्थर के चेहरे को तोड़ने के बाद, लेंक मलबे के माध्यम से रेंगता हुआ गया और मूर्ति के पीछे छिपे रास्ते से नीचे दौड़ा। लंबा गलियारा एक खाली, ऊँची-छत वाले कमरे तक ले गया, जिसमें तीन विशाल दर्पण दरवाजों की तरह थे, प्रत्येक मैले सोने और चाँदी से सुसज्जित था। लेंक ने इसे उस प्राचीन पुस्तक में एक चित्र से पहचाना, जहाँ उसे अनंत के संगीत के लिए वैकल्पिक धुन मिली थी, जो देवी-देवताओं के बारे में बात करती थी जो एवलॉन की देवियों की तरह शक्तिशाली थीं, लेकिन अपने लोगों के लिए बिना प्रेम या दया के। यह लैकेसिस का सिंहासन था।

जैसे ही लेंक केंद्रीय दर्पण के पास पहुँचा, उसने अपना प्रतिबिंब देखा, लेकिन यह अजीब तरह से धुंधला था, और छाया में लिपटा हुआ था। फिर, लेंक ने फड़फड़ाने की आवाज़ सुनी, और ऊपर देखा। उसके ऊपर, बर्फ-सफेद बालों वाली एक लंबी, काली-चमड़ी वाली महिला नीचे झपटी, एक बाज़ की तरह चलती हुई जो हत्या के लिए आ रही हो, लेकिन बहुत धीरे।

लेंक झिझक गया, जब वह उसके सामने हल्के से उतरी। वह एक टोगा पहने हुए थी, जो एक पतली कमर-बंदी से सजी थी, और उसने चील के पंखों का एक लंबा, लहराता हुआ लबादा पहना हुआ था। उसका शिरस्त्राण फैले हुए पंखों वाली चील की तरह सजा हुआ था। महिला एक रेशमी आवाज़ में बोली जो ऐसी लग रही थी जैसे वह उसके गले से नहीं बल्कि दूर से आ रही हो। "हम तुम्हारी उम्मीद कर रहे थे, दूसरी दुनिया के बच्चे। मैं लैकेसिस हूँ, भाग्य की बहनों में से वर्तमान की देवी।"

जैसे ही लैकेसिस उसकी ओर बढ़ी, लेंक ने देखा कि उसका एक स्तन पूरी तरह से खुला था, और उसने अजीब तरह से सिर झुका लिया। महिला ने नाजुकता से हँसा। "तुम एक अतिचारी के लिए विनम्र हो।"

लेंक ने थोड़ा सिर उठाया, माथा सिकोड़ते हुए, लेकिन इससे पहले कि वह माफ़ी माँग पाता, महिला ने एक हाथ उठाया। "नहीं, मत बोलो। मुझे पहले से ही तुम्हारे आने का कारण पता है। हाँ... मुझे हमेशा से पता था। यह तुम्हारे भाग्य के ताने-बाने में बुना गया है। तुम एक घृणित शत्रु के अंत की तलाश में हो।"

महिला ने एक हाथ हिलाया, और आग और छाया की एक डिस्क हवा में प्रकट हो गई। उसकी गहराइयों में, लेंक एक आदमी का चेहरा देख सकता था, जो पीड़ा और घृणा में विकृत था, शून्य में चुपचाप चीख रहा था। उबलती हुई काली आग के पीछे, आदमी का चेहरा पिघलकर एक महान जानवर, सूअर की तरह, के रूप में ढलता हुआ लग रहा था।

लैकेसिस ने नारकीय ज्वालाओं की चमक में आनंद लिया। "यह आदमी, मैडॉक ड्रैकोमियर... अब बुराई की आत्मा, दानव मागोग, से वशीभूत है। तुमने उसके शरीर को एक कारागृह में बंद कर दिया है, लेकिन तुमने उसकी आत्मा को नष्ट नहीं किया है। तुम उसकी वापसी से, और अपनी दुनिया के विनाश से डरते हो... इसलिए तुमने समय और स्थान के माध्यम से यात्रा की है, उस शक्ति की तलाश में जो केवल मेरे पास है, और मेरी बहनों के पास: भाग्य के धागों को बुनने की शक्ति। मैंने तुम्हारे दिल पर लिखी सच्चाई देखी है, है न?"

लेंक ने सीधा खड़ा होकर खुद को सख्त दिखने के लिए मजबूर किया। "हाँ।"

कांच पर मुट्ठी पटकने की आवाज़ आई। लेंक तन गया, और अपनी तलवार खींचने लगा, स्रोत की तलाश में। अपनी बाईं ओर, उसने एक दूसरा दर्पण देखा, लेकिन अपने स्वयं के प्रतिबिंब के पीछे, एक और महिला का भयानक चेहरा था, जो लैकेसिस की तरह सुंदर थी, लेकिन आबनूस की तरह काली थी। पागल महिला चीख रही थी, दर्पण की सतह के पीछे फँसी हुई, अपने लंबे-नाखून वाले पंजों को उसके खिलाफ पीट रही थी। दूसरी महिला चीखी, उसकी आवाज़ धीमी और कर्कश थी। "बहन... छोटी बहन... मुझे

प्यास लगी है! तुम मेरी बात क्यों नहीं सुनती? हमारा पवित्र मंदिर… हमारी प्रतिमा… अपवित्र! जो जिम्मेदार है, वह अभी तुम्हारे सामने खड़ा है! उसे मुझे दे दो!"

लैकेसिस ने एक हाथ उठाया, और दूसरे दर्पण की सतह धुंधली हो गई। "चुप रहो, एट्रोपोस! मेरी बड़ी बहन को माफ़ कर दो। वह काफी पुराने ज़माने की है। तुम कह सकते हो कि वह अतीत में रहती है। वही है जो प्रत्येक मनुष्य के जीवन का धागा मापती है, चाहे वह देवता हो या नश्वर, और उसे काट देती है।"

लेंक ने पलक झपकी। "तो… वह मुझे मागोग को वापस लौटने से रोकने में मदद कर सकती है?"

लैकेसिस ने सिर हिलाया, और चीखते हुए आदमी की खामोश छवि पर नज़र डाली, इससे पहले कि ज्वालाएँ उसे निगलती हुई लगीं, और उसका आकार फिर से सूअर में बदल गया। "मैं देखती हूँ कि तुम इस प्राणी की मृत्यु प्रतिशोध की क्षुद्र इच्छा से नहीं चाहते। बल्कि, वही है जो तुमसे, तुम्हारे लोगों से, तुम्हारी दुनिया से बदला लेना चाहता है। तुम्हारा लक्ष्य उदात्त है। हालाँकि…"

लैकेसिस झुकी, जैसे लेंक के कान में फुसफुसाने के लिए, फिर उसे कलाई से झपटा। "... यहाँ तक कि अगर मैं तुम्हारी दुनिया को विनाश से बचा सकती, तो भी मैं ऐसा नहीं करूँगी, क्योंकि तुम्हारा भाग्य ऐसा ही है। तुम देखते हो, भाग्य का ताना-बाना नहीं बदला जा सकता। और मैं तुम्हारी अहंकार को माफ़ नहीं कर सकती, छोटे लड़के…"

लेंक ने अपना हाथ महिला की लोहे की पकड़ से छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन वह उससे ऊँची थी। अपने खाली हाथ से, लैकेसिस ने अपनी उंगलियाँ फैलाईं, और चमकते, पतले धागे हवा में बुन गए, आपस में जुड़कर शुद्ध प्रकाश से बनी एक आकृति बनाई। एक अंतिम चमक के साथ, एक ऊँचा सिंहासन कमरे के केंद्र में प्रकट हुआ। लड़के को अपने पीछे घसीटते हुए, लैकेसिस सिंहासन की ओर बढ़ी और बैठ गई। "... इसलिए, मेरी मूर्ति को नष्ट करने के लिए, मुझे तुम्हें कड़ी सज़ा देनी होगी…"

इतना कहकर, उसने लेंक को उठाया, और उसे अपनी गोद पर, नितंब ऊपर, लिटा दिया। फिर उसने उसके अंगरखे का घेरा ऊपर उठाया, और उसके सफेद निक्कर को कठोरता से नीचे खींचा, जिससे उसका पीला, नंगा नितंब उजागर हो गया। लेंक ने हाँफा, जब उसने पीछे से ठंडी हवा को गुदगुदाते हुए महसूस किया। उसने अपने कंधे के ऊपर मुड़कर देखा, और लैकेसिस की भावहीन अभिव्यक्ति देखी, जब उसने अपना बाजू ऊँचा उठाया। "... एक अच्छे, नंगे नितंब पर थपेड़े के साथ, जैसा कि एक मूर्ख छोटे लड़के के लिए उचित है!"

लैकेसिस ने अपना हाथ नीचे लाया, एक गूँजती हुई चपत पैदा की, जब उसकी हथेली लेंक के निचले नितंबों पर जा लगी, जो उसके दोनों गालों के एक अच्छे हिस्से को कवर कर रही थी। लेंक गरजा, और उस अमेज़न महिला की पकड़ से मुक्त होने के लिए बेताबी से छटपटाया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

लैकेसिस ने एक स्थिर गति से थपेड़ा मारना शुरू किया, जैसे प्रत्येक गुज़रते पल को गिन रही हो: एक, दो, तीन, चार, पाँच, छह, सात…

जैसे ही उसे एहसास हुआ कि थपेड़ा अभी शुरू हुआ था, लेंक की आश्चर्य की चीखें धीरे-धीरे निराशा की चीखों में बदल गईं। उसने लात मारने की कोशिश की, लेकिन उसके अंडरगारमेंट्स उसके घुटनों में अटक गए।

बिना थपेड़ा रोके, लैकेसिस ने एक मातृ लहजे में उपदेश देना शुरू किया। "एट्रोपोस के अतीत के ज्ञान के कारण, मुझे तुम्हारी दुनिया में तुम्हारे कारनामों के बारे में सब पता है। बर्तन तोड़ना, लोगों के घरों में घुसना, मेले के खेलों में धोखा देना…"

लैकेसिस ने धीरे-धीरे, धीरे से मुस्कुराया, अपनी सामान्य अडिगता को तोड़ते हुए, और मधुरता से हँसी। "... और मुर्गियों को चिढ़ाना? अरे-अरे, तुम तो काफी शरारती छोटे लड़के हो, है न?"

लेंक की तनावपूर्ण चीखों की आवाज़ एक भयानक चीख से दब गई। अपने दर्पण के पीछे, एट्रोपोस ने अपने पंजे कांच की सतह पर रगड़े। "नहीं, मूर्ख! उसे मुझे दे दो! मुझे उसका खून चाहिए!"

लैकेसिस ने आह भरी, थोड़ा सिर हिलाते हुए। "बड़ी बहन, तुम अनावश्यक रूप से क्रूर हो। वह आखिरकार केवल एक छोटा लड़का है!"

एट्रोपोस ने अपना सिर दर्पण की सतह पर पटका। "छोटे लड़के सब बड़े होकर आदमी बनते हैं! और कोई भी आदमी मेरे मंदिर को अपवित्र नहीं कर सकता! उसका जीवन ज़ब्त है!"

अंततः, लैकेसिस की मुस्कान गायब हो गई, जब वह अपनी बड़ी बहन पर झपटी। "बहुत देर हो चुकी है, बड़ी बहन! अतीत में उसे दावा करने का तुम्हारा मौका था। लेकिन मैं वर्तमान की देवी हूँ। यह लड़का अब मेरा है! और मैं कहती हूँ कि उसके अपराध के लिए एक थपेड़ा काफी होगा—"

प्रयास के साथ, लेंक ने खुद को लैकेसिस की गोद से उठाया, और फर्श पर लुढ़क गया। आश्चर्यचकित, लैकेसिस ने लगभग लड़कियों-सी चीख निकाली। लेंक ने बाहर

निकलने के लिए दौड़ने की कोशिश की, लेकिन उसके पैर उसके नीचे झुक गए। वापस पैरों पर खड़े होने के लिए संघर्ष करते हुए, लेंक ने अपने पिछवाड़े को पकड़ते हुए दरवाज़े की ओर लंगड़ाता हुआ चला। वह मुश्किल से चल सकता था, दौड़ने तो दूर की बात थी।

गुस्से से मुँह बनाकर, लैकेसिस खड़ी हुई, और लेंक के पीछे बढ़ी। "ओह, नहीं, तुम नहीं। तुम अपनी आने वाली थपेड़े से भाग नहीं सकते।"

लैकेसिस ने लेंक को उसके कॉलर के पीछे से पकड़ा, और उसे उसका सामना करने के लिए घुमाया, उसकी आँखों में देखने के लिए नीचे झुकी। "अपने ही पैरों पर ठोकर खाते हुए देखो, एक शराबी की तरह। क्या तुम कायर हो?"

जैसे ही आँसू उसके चेहरे पर बह रहे थे, लेंक ने सिर हिलाया, और मुक्त होने के लिए संघर्ष किया। "न-नहीं… मैं इससे नहीं डरता—"

लैकेसिस ने उसके नितंब पर एक तेज़ चपत मारने के लिए चारों ओर हाथ बढ़ाया। "झूठा! बेशक तुम डरते हो। तुम्हें डरना चाहिए। बस अपने आप को देखो, एक मूर्ख, नंगे-नितंब बदतमीज़, अपने भाग्य से भागने की कोशिश कर रहा है…"

लेंक ने नीचे देखा, और अपने अंडरगारमेंट्स को अपने जूतों में उलझा हुआ देखा। उसने उन्हें ऊपर खींचने के लिए नीचे झुकने की कोशिश की, लेकिन लैकेसिस ने जल्दी से उसके पिछवाड़े पर थप्पड़ मारा, उसके हाथों को पकड़ा, और उन्हें उसके सिर के पीछे कठोरता से खींचकर उसे आत्मसमर्पण की मुद्रा में मजबूर कर दिया। "... और कोई लड़ाई नहीं! तुम एक शरारती, जिद्दी छोटे लड़के रहे हो, एक नायक बनने का खेल खेल रहे हो। लेकिन अब सब खत्म हो गया। अब से, तुम्हें उसी तरह व्यवहार किया जाएगा जैसे सभी बुरे लड़कों को किया जाना चाहिए…"

धीरे-धीरे, लैकेसिस ने लेंक की बाहों पर अपनी पकड़ छोड़ी, और उसे उसकी कमर से पकड़ लिया। "एक लंबे, सख्त थपेड़े के साथ, ठीक वैसे ही जैसे तुम इसके लायक हो।"

जोर देने के लिए, उसने उसके अंगरखे के निचले हिस्से पर कुछ खिलंदड़ थपकियाँ लगाईं। तुरंत, लेंक ने अपने हाथ नीचे कर लिए, और उसकी पकड़ तोड़ने की कोशिश की, लेकिन यद्यपि उसने अपने सुनहरे बाज़ूबंद के जादू को जीवंत होते महसूस किया, उसकी पकड़ अटूट थी।

सिर हिलाते हुए, लैकेसिस ने लेंक को कमर से उठा लिया। "तुम पर शर्म आनी चाहिए। बस इसके लिए, मुझे यह थपेड़ा तुम्हारे लिए और कठिन बनाना होगा, जब तक तुम व्यवहार करना और अपने भाग्य के सामने समर्पण करना नहीं सीख जाते।"

लेंक ने हवा में अपने पैर पटके, जैसे भागने की कोशिश कर रहा हो। "नहीं..."

लड़के पर अपनी पकड़ समायोजित करते हुए, लैकेसिस ने उसे अपने बाज़ू के नीचे दबा लिया, और उसका घेरा ऊपर उठाकर उसका नंगा नितंब दिखाया, जो पहले से ही चितकबरे, लाल हाथों के निशानों से ढका हुआ था। "ओह, हाँ, बच्चे। मैं देखती हूँ कि तुम्हारे पास कई जादुई खज़ाने हैं। संगीत जो तुम्हें समय की नदी में तैरने देता है। कंगन जो तुम्हें दस आदमियों की ताकत देते हैं। लेकिन इनमें से कोई भी तुम्हें सच में आदमी नहीं बनाता।"

लैकेसिस ने फिर से थपेड़ा शुरू किया, लेकिन इस बार, उसने प्रत्येक थपकी के साथ अपनी पूरी ताकत का उपयोग किया। जिस क्षण पहली थपकी पड़ी, लेंक ने महसूस किया कि उसके चारों ओर की दुनिया में समय एक रेंगती हुई गति में धीमा हो गया। ऐसा लगा जैसे उसका शरीर बर्फ में जम गया था, जो उस भयानक दंश के तीव्र विपरीत था, जहाँ लैकेसिस की हथेली उसके उजागर, असुरक्षित पिछवाड़े पर अंकित हो रही थी। धुंधला-सा, लेंक ने कुछ भी सोचने की कोशिश की जो उसके बेसहारा पिछवाड़े को बचा सके, इससे पहले कि सभी विचार फीके पड़ गए।

प्रत्येक नई थपकी के साथ, जमा हुआ समय का क्षण ठीक प्रभाव के क्षण पर दोगुना होता हुआ लग रहा था। दसवीं थपकी के बाद, लेंक ने जमे हुए क्षण को लगभग दस पूरे सेकंड तक खिंचते महसूस किया, इससे पहले कि समय फिर से चलने लगा। थककर, लेंक बेजान लटक गया, हवा के लिए हाँफता हुआ।

लैकेसिस ने लेंक के नंगे पिछवाड़े पर कुछ बहुत-कोमल-नहीं प्यार-भरी थपकियाँ लगाईं, जो चुभने वाली जलन को भड़काने के लिए काफी से अधिक थीं। "अब, क्या तुम एक अच्छे लड़के बनोगे, और स्थिर रहोगे, या तुम इस बेकार संघर्ष को जारी रखोगे?"

लेंक ने अपने पैर पीछे मारे। "नहीं!"

लैकेसिस ने पूरी ताकत से एक और थपकी दी। लेंक ने चीखने की कोशिश की, केवल यह महसूस करने के लिए कि उसके फेफड़ों में हवा पत्थर हो गई। इस बार, जमा हुआ समय का क्षण कई मिनटों तक रहा होगा। लेंक ने अपने नितंब पर एक चुभने वाली झुनझुनी महसूस की, जैसे एक हजार सुइयाँ एक-एक करके उसमें चुभ रही हों, फिर खींचकर उसके नितंब पर एक नई जगह चुभो रही हों, बार-बार। अंततः, यह समाप्त हो गया।

कुछ पल इंतज़ार करने के बाद, लैकेसिस ने लेंक के एक चमड़े के जूते को पकड़ा, और उसे खींचकर उतार दिया। "एक बार फिर, क्या तुम बहादुर बनने के लिए तैयार हो?"

लेंक ने कराहते हुए आँसू और नाक-बहनी नीचे टपकाई। "कृ-पया..."

"कृपया, क्या?"

लेंक ने हवा के लिए गला निगला, उसकी आवाज़ काँपने लगी। "कृपया... मैं अच्छा बनूँगा।"

लैकेसिस ने उसके नितंब को धीरे से सहलाया, और उसका घेरा नीचे कर दिया। "यह बात। अब, अपने पैरों पर खड़े हो जाओ, छोटे आदमी।"

लेंक ने सिसकते हुए, जब उसे वापस पैरों पर खड़ा किया गया, और असमान रूप से अपनी जगह पर लड़खड़ाया, जब उसने देखा कि उसका एक जूता गायब था। उसने अपने अंडरगारमेंट्स को अपने नंगे पैर से लटकते देखा। लैकेसिस ने उसके पैरों पर दृढ़ता से इशारा किया। "अपना दूसरा जूता उतारो।"

लेंक ने अपने पैर से उसे खींचने की कोशिश करते हुए अपनी जगह पर उछला। अंततः, उसे शर्मिंदगी से मुड़ने और बैठने के लिए मजबूर होना पड़ा। वह तड़पा, जब उसने अपने नंगे नितंब को सख्त, ठंडे पत्थर पर दबते महसूस किया, लेकिन वह अंततः दूसरा जूता उतारने में कामयाब रहा। अपने अंडरगारमेंट्स को देखकर, वह उनके लिए पहुँचा, और उन्हें ऊपर खींचना शुरू किया, इससे पहले कि उसने अपने पीछे लैकेसिस को तीखी जीभ से चटक की आवाज़ सुनी। "चट-चट। उस अजीब कमर-लंगोट की कोई ज़रूरत नहीं है। उन्हें बड़े करीने से मोड़ो, और मुझे दे दो।"

बुरी तरह शरमाते हुए, लेंक खड़ा हुआ, और विनम्रता से अपने सफेद निक्कर को आगे बढ़ाया। लैकेसिस ने उन्हें स्वीकार किया, और अंडरगारमेंट्स को अपनी बेल्ट से बाँध लिया। "अब, अपने सभी हथियार बाहर निकालो, एक-एक करके, और उन्हें मेरे सामने फर्श पर एक सीधी लाइन में रखो।"

सूँघते हुए, लेंक ने अपनी नाक अपने बाजू के पिछले हिस्से पर रगड़ी, और अपनी थैली खोली। ध्यान से, उसने अपने सभी हथियार बाहर निकाले। उसकी पुरानी गुलेल। एक बुमेरांग। एक वयस्क-आकार का धनुष और तीरों का तरकश।

लैकेसिस ने ध्यान से देखा, जब तक लेंक ने अपनी थैली खाली नहीं कर दी। "कंगन भी... और तुम्हारी तलवार और ढाल, बेशक।"

आँसुओं से लड़ते हुए, लेंक ने आज्ञा मानी।

लैकेसिस ने अपनी बाहें फैलाईं, हथियारों के संग्रह की ओर इशारा करते हुए। "ये... खिलौने। इनमें से कुछ तुम्हारी उम्र के लड़के के लिए बहुत बड़े हैं... हाँ, मुझे लगता है कि मैं समझने लगी हूँ। तुम अपने अतीत के विचार अपने साथ रखते हो। एक बार पहले, तुम समय के गलियारों से नीचे उतरे, और दुनिया में एक आदमी के रूप में चले, जो अब तुमसे सात साल बड़ा था।"

लेंक ने केवल सिर हिलाया। लैकेसिस ने लेंक की तलवार उठाई, और अपनी कलाई की एक फटक के साथ, वह धुएँ के एक बादल में गायब हो गई, लेंक के बाकी उपकरणों के साथ। केवल उसके जूते बचे रहे। "फिर, तुम्हें अपने ही समय में वापस भेजा गया, तुम्हारी खोई हुई युवावस्था वापस पाकर... लेकिन तुम्हें वह सब कुछ याद है जो तुम्हें समय की नदी के दूसरे रास्ते पर हुआ था। तुम्हारे सभी संघर्ष, तुम्हारा दर्द, एक योद्धा के रूप में तुम्हारा जीवन... तुम अभी भी वह सब अपने साथ रखते हो, आज तक।"

लेंक ने अपना सिर झुका लिया। लैकेसिस ने एक हाथ बढ़ाया, और उसे उसकी टोपी के ऊपर सिर पर थपथपाया। "गरीब, दयनीय बच्चा। लेकिन उनमें से कोई भी नहीं बदलता जो होना चाहिए। एक बार तुम एक आदमी थे, एक वीर नायक, लेकिन अब तुम्हें एक बच्चे के जीवन में लौटना होगा... कितना अपमानजनक।"

लेंक की दृष्टि धुंधली हो गई, और वह धीरे से रोया, लेकिन चाहे उसने कितनी भी उग्रता से अपनी आँखें पोंछी हों, ताज़ा आँसू उसके गालों पर स्वतंत्र रूप से बहते रहे। लैकेसिस ने घुटने टेक दिए, और उसके हाथों को उसके चेहरे से हटा दिया, उसे उसकी कलाई के पीछे धीरे से थपथपाया। "थप-थप। अब आँसुओं का समय नहीं है। जल्द ही रोने के लिए काफी समय होगा, जब तक तुम्हारे सभी आँसू नहीं बह जाते। लेकिन पहले... तुम्हें अभी भी एक थपेड़ा आना बाकी है।"

लेंक ने फुसफुसाते हुए आवाज़ निकाली, लेकिन लैकेसिस ने उसकी नाक के नीचे अपनी उंगली हिलाई। "नहीं-आह! वह रोना नहीं, नौजवान। अब, उन गंदे जूतों को उठाओ, और उन्हें सिंहासन कक्ष के सामने के प्रवेश द्वार पर, नज़रों से दूर रखो। फिर, अपने शरारती छोटे नितंब को सीधे वापस यहाँ ले आओ, ताकि मैं तुम्हें फिर से थपेड़ा मार सकूँ।"

एक गहरी साँस लेते हुए, लेंक ने अपने जूते उठाने के लिए झुका। लैकेसिस ने अपनी ठुड्डी सहलाई। "वास्तव में, अब से उस नितंब को अच्छा और नंगा ही रखते हैं। इससे तुम्हें अपनी जगह याद रखने में मदद मिलनी चाहिए, लड़के।"

लैकेसिस ने अपनी उंगली लहराई, और लेंक ने महसूस किया कि उसका घेरा उसके पीछे जादुई रूप से हवा में उठ रहा है, जिससे उसके चमकीले लाल नितंब उजागर हो रहे हैं। लेंक ने अपनी झुलसी, दुखती सीट को देखा, और पानी भरी आँखों से महिला की

ओर देखा, उसका होंठ काँप रहा था। लेकिन लैकेसिस खामोश और शांत रही। अंततः, लेंक ने सिर झुकाया और बाहर निकलने की ओर बढ़ा। जैसे ही वह गलियारे में पहुँचा, उसने सुरंग के अंत में प्रकाश की एक झलक पकड़ी। वहाँ स्वतंत्रता थी, बस एक छोटी सी दौड़ दूर।

लेंक बहादुर बनना चाहता था। लेकिन अब इसका क्या मतलब था? धीरे-धीरे, उसने अपने जूते गलियारे में नीचे रखे, और सिंहासन कक्ष में फिर से प्रकट हुआ। लैकेसिस मुस्कुराई, और अपने सिंहासन पर बैठ गई, उसे अपनी ओर बुलाते हुए। "अच्छा लड़का। बहादुर लड़का। मामा के पास आओ!"

अपनी साँस को मजबूत करते हुए, लेंक ने अपना सिर ऊँचा रखने की कोशिश की, लेकिन वह देवी के पास पहुँचते ही काँपना बंद नहीं कर सका। वह उसके सामने रुका, उसके उसे पकड़ने और उसे उसकी भयानक गोद पर वापस मजबूर करने की प्रतीक्षा कर रहा था। लैकेसिस ने अपनी नंगी जाँघ को थपथपाया। "ऊपर चढ़ो। नितंब ऊपर।"

लेंक कुर्सी के दाहिनी ओर चढ़ा और उसकी जाँघों पर रेंगकर लेट गया। तुरंत, उसने अपना बायाँ हाथ उसकी पीठ के निचले हिस्से पर रखा और अपना दाहिना हाथ ऊँचा उठाया।

उसने धीमी, स्थिर गति से, हर कुछ सेकंड पर एक बार, हर बार एक नई जगह पर निशाना साधते हुए, लेंक के उजागर नितंबों और जाँघों के हर इंच को गुस्से वाले लाल निशानों से ढकने के लिए थपेड़ा मारना शुरू किया। लेंक ने प्रत्येक थपकी के ताज़ा दंश को महसूस किया, और दाँत भींचे, बिना रोए सहने की कोशिश कर रहा था। कम से कम, वह एक योद्धा के रूप में अपना अभिमान बनाए रख सकता था। लैकेसिस रहस्यमयी मुस्कान के साथ मुस्कुराई, और थपेड़ा रोक दिया। "मुझे बताओ, क्या तुमने कभी सोचा कि मेरा मंदिर तुम्हारे लिए पार करना इतना आसान क्यों था? तुम्हें क्या लगता है कि वहाँ कोई गार्ड क्यों नहीं थे? कोई सशस्त्र जाल क्यों नहीं थे?"

जैसे ही लेंक ने हवा के लिए हाँफा, उसकी आँखें फड़ककर खुल गईं, और उसने अपनी पलकों पर ताज़े आँसू उभरते महसूस किए। "तुम चाहती थी कि मैं यहाँ आऊँ?"

लैकेसिस हँसी, उसकी आवाज़ लगभग संगीतमय थी। फिर उसने फिर से थपेड़ा मारना शुरू किया, पहले से भी सख्त, और तेज़, लेंक के नितंब के रंग को एक सुसंगत, गुस्से वाले रक्त-लाल रंग में समान करते हुए। "तुमने सच कहा। मैंने देखा था कि तुम यहाँ आओगे, और तुम्हारा इंतज़ार करने वाला भयानक भाग्य। तुम देखते हो, हमारा एक साझा भाग्य है। मेरा कर्तव्य है कि मैं तुम्हें तुम्हारे शरारती व्यवहार की सज़ा के रूप में अनंत काल तक थपेड़ा मारूँ।"

लेंक ने एक लंबी, लम्बी युद्ध-चीख निकाली। "ओह, नहीं!"

"ओह, हाँ, हाँ, हाँ!" प्रयास के साथ, लैकेसिस ने अपनी पूरी ताकत अपनी अगली तीन थपकियों में लगा दी, प्रत्येक दर्दनाक शब्द पर जोर देते हुए। "डरो मत, बच्चे, क्योंकि तुम मरोगे नहीं। तुम देखते हो, इस मंदिर में समय का अस्तित्व नहीं है। न ही पोषण की कोई आवश्यकता है। इसलिए मैं तुम्हें हमेशा-हमेशा के लिए थपेड़ा मारने के लिए स्वतंत्र हूँ, और यही मेरा इरादा है।"

फिर वह तेज़, अथक लय में लौट आई, प्रत्येक गुज़रते सेकंड पर एक बार थपेड़ा मारती हुई।

लेंक ने अपने पैर मारे, लेकिन अगली थपकी इतनी ताकत से पड़ी कि वह आश्चर्य से उछल पड़ा, और एक लंबी, लहराती चीख निकाली।

अपने दर्पण के पीछे से, एट्रोपोस ने इस कार्यवाही को निर्विवाद खतरे के साथ देखा। "अच्छा, मैं कहती हूँ कि तुम उस मूर्ख के साथ बहुत अधिक नरमी बरत रही हो।"

लैकेसिस ने सूँघा। "चलो, बहन। जीवितों पर दया दिखाना मेरा अधिकार है। और आखिरकार... वह केवल एक छोटा लड़का है।"

दर्द और अपमान से अभिभूत, लेंक ने स्वतंत्र रूप से रोना शुरू कर दिया, ठीक उसी बच्चे की तरह जो वह था। लेकिन उसकी चीखें जल्द ही प्रत्येक गूँजती थपकी की स्थिर आवाज़ और लैकेसिस की सुंदर हँसी से दब गईं।

[समाप्त]

लेंक का हीलफॉल में साहसिक अभियान

अध्याय I: निषेध

यू मे और गोजिरा द्वारा

रियानोन ने अपना सिर झुका लिया, जब वह लेंक को टॉर्मिना के धुंधले जंगलों से होकर ले जा रही थी। अपनी खोई हुई दोस्त नेविया को खोजने के लिए लेंक की लंबी यात्रा उन्हें एक अजीब दायरे में ले आई थी, जहाँ समय और वास्तविकता के नियम रहस्यमय तरीकों से काम करते थे। लेकिन टॉर्मिना के लोगों को बचाने के बाद भी, लेंक को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के कोई करीब महसूस नहीं हुआ। जब से आइसोल्डे ने उसे उसके खोए हुए बचपन के शरीर में वापस भेजा था, लेंक ने अजगरहित होने की एक अजीब भावना महसूस की थी। नहीं, अजगरहित नहीं। समय से बाहर।

धुंध अलग हो गई और लेंक और रियानोन एक खुले परिदृश्य में उभरे, लहरदार पहाड़ियाँ और खेत, बस्तियों से बिखरे हुए, धुआँ उठती चिमनियों वाली कुछ झोपड़ियाँ। बहुत अधिक धुआँ। फिर, लेंक ने पुरुषों के एक समूह को देखा, जो साधारण किसान वेशभूषा में थे, एक कवचधारी सवार से भाग रहे थे, जो निहत्थे पुरुषों पर झपट रहा था।

लेंक ने रियानोन को तेज चाल में दौड़ाया, और अपनी बुजुर्ग-लकड़ी की ढाल पकड़ी, जब वह रहस्यमय शूरवीर के आवेश के रास्ते को रोकने के लिए मुड़ा।

शूरवीर ने संकोच नहीं किया, लेकिन लेंक ने अपनी ढाल आगे बढ़ाकर आने वाले भाले को एक तिरछी चोट से हटा दिया। शूरवीर का युद्ध-घोड़ा हिनहिनाया, और भ्रमित होकर एक तरफ मुड़ गया। शूरवीर ने लगाम खींची, फिर लेंक पर हमला किया। "सेरफ! तुम रानी के एक शूरवीर को चुनौती देने की हिम्मत करते हो—"

लेंक ने अपनी बेल्ट से गुलेल खींची और शूरवीर पर एक चिंगारी-बीज दागा। जिस क्षण बीज शूरवीर के मुख-कवच से टकराया, वह प्रकाश के एक विस्फोट में फट गया। शूरवीर चीखा और घबराए युद्ध-घोड़े से पीछे की ओर गिर गया।

एक किसान हंगामे पर रुका। "वह लड़का… वह एक रानी के शूरवीर से लड़ रहा है?"

लेंक ने घोड़े से उतरकर अपनी तलवार खींची। "तुम्हारे लड़ाकू पुरुष कहाँ हैं?"

किसान ने पलक झपकी, और कुछ और भागते हुए सेरफों ने लेंक को उत्सुकता से देखने के लिए रुक गए। "लड़ाकू… पुरुष? लेकिन, कोई लड़ाकू पुरुष नहीं हैं? केवल महिलाएँ ही शूरवीर हो सकती हैं।"

पुरुषों के कपड़े लेंक की आँखों के लिए अजीब थे, सस्ते बोरे-कपड़े की पतली शॉल।

शूरवीर कराहा, और अपना मुख-कवच पीछे खींचा, जिससे एक नाजुक चेहरा और लंबे बाल उजागर हो गए। लेंक ने अपनी आँखें सिकोड़ लीं, और तलवार महिला के गले पर रख दी। जब लेंक गरुडन जनजाति की योद्धा महिलाओं द्वारा फँसाया गया था, उसने महिलाओं को तलवारें ले जाते और कवच पहने देखा था। एक ने तो भारी लोहे के ड्रेडनॉट कवच भी पहना था। लेकिन गरुडन रेगिस्तान की कठोर, धूप-तपी महिलाओं के विपरीत, यह महिला अजीब तरह से पीली थी।

एक किसान कराहा। "ओह नहीं, उस लड़के ने एक महिला पर प्रहार किया? अब हम सब निश्चित रूप से बर्बाद हैं!"

***

लेंक ने शूरवीर को निहत्था कर दिया, फिर उससे पूछताछ की। लेंक ने हीलफॉल के दायरे में प्रवेश किया था। अनाम गाँव, और उसके सभी निवासी, राजकुमारी शार्लोट की शाही संपत्ति थे। विद्रोह की अफवाहें अकेले शूरवीर को गाँव में ले आई थीं, जहाँ उसने एक घिनौने आदमी को तथाकथित "पुरुषों के अधिकारों" पर भाषण देते पाया था। बेशक, हीलफॉल में पुरुषों का कोई अधिकार नहीं था, क्योंकि सभी पुरुष अपनी माताओं और पत्नियों के प्राकृतिक, दैवीय अधिकार के अधीन थे। इसलिए, शूरवीर ने कुछ पुरुष किसानों को कुचलकर इस विधर्म को दबाने की योजना बनाई थी, इससे पहले कि वह घर लौटती।

अंततः, लेंक ने सुझाव दिया कि महिला शूरवीर को उसके रास्ते भेज दिया जाए। उसे उम्मीद थी कि गाँव के पुरुष आपत्ति करेंगे, शायद महिला का सिर नोंक पर माँगेंगे, लेकिन पुरुष महिला को जाने देने के लिए बहुत उत्सुक लग रहे थे। उनमें से कुछ ने अपने चेहरे जमीन पर रखकर महिला से उन्हें बख्शने की भीख माँगी, लेकिन वह केवल हँसी, जब वह अपने घोड़े पर चढ़ी। "कुत्तों! तुम मूर्ख पुरुष इस जिद के लिए बहुत कीमत चुकाओगे!"

अधिकांश पुरुष निराशा में चीखने लगे, लेकिन जो किसान लेंक की मदद करने के लिए रुका था, उसने उसे अलग ले जाया। "मैंने कभी तुम्हारी उम्र के किसी लड़के को इतना साहस दिखाते नहीं देखा… इसके लिए, मैंने कभी किसी पुरुष को रानी के शूरवीर को हराते नहीं देखा, चाहे वह किसी भी उम्र का हो।"

किसानों ने लेंक का परिचय उस व्यक्ति से कराया जिसने पुरुषों के अधिकारों पर सार्वजनिक भाषण दिया था जिसने रानी के शूरवीर को इतना नाराज किया था: लॉर्ड चैपमैन।

कुलीनता के पदानुक्रम के सबसे निचले पायदान पर एक छोटे बैरन के रूप में, लॉर्ड चैपमैन मेन्स फ्रंट के एक मुखर समर्थक थे, जो अहिंसक साधनों के माध्यम से पुरुषों को मातृसत्तात्मक उत्पीड़न से मुक्त कराने के लिए समर्पित एक शांतिवादी समूह था।

लेंक को लॉर्ड चैपमैन के गढ़ की यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया गया, जो पहाड़ी के शीर्ष पर एक छोटी पत्थर की संरचना थी, जो आसपास के बैली को देखती थी। लेंक ने रुचि के साथ लॉर्ड चैपमैन की कहानी सुनी, इससे पहले कि उसने अंततः एक प्रश्न पूछने के लिए अपना हाथ उठाया। "लेकिन, तुम कभी स्वतंत्र कैसे होगे, अगर तुम इस रानी को उखाड़ नहीं फेंकोगे?"

लॉर्ड चैपमैन ने कुछ घबराकर खिड़की की ओर देखा। "अपने जैसे कमजोर पुरुष? महिलाओं के खिलाफ लड़ना? हर कोई जानता है कि महिलाएं शारीरिक ताकत के मामले में पुरुषों से कहीं बेहतर होती हैं।"

लेंक ने उत्सुकता से देखा। अंततः, लॉर्ड चैपमैन ने अपने माथे को एक रूमाल से पोंछा, और जारी रखा। "इसके अलावा, हम सभी अभी भी रानी के प्रति वफादार हैं। एक बार जब हमारी प्यारी रानी को पुरुषों के रूप में हमारी वैध शिकायतों के बारे में पता चलेगा, तो वह निश्चित रूप से मुझे पुरुषों के अधिकारों के लिए अपना मामला पेश करने के लिए एक साक्षात्कार देगी। लेकिन हम सख्ती से आत्मरक्षा के लिए आवश्यक से परे किसी भी प्रकार की हत्या को अस्वीकार करते हैं। लेकिन जैसा कि तुमने देखा होगा… मेरे देश के पुरुष हिंसा के लिए उपयुक्त नहीं हैं।"

लेंक ने अपनी ठुड्डी सहलाई। "तो शायद तुम्हें सीखना चाहिए।"

***

हफ्ते बीत गए। लेंक ने किसान पुरुषों को एक पुआल के पुतले के साथ तलवारबाजी की कला सिखाने की कोशिश की, लेकिन वे सभी एक महिला की तरह दिखने वाली किसी भी चीज़ पर तलवार का उपयोग करने के विचार से पूरी तरह भयभीत लग रहे थे। अंत में, लेंक ने उन्हें स्काउटिंग और तीरंदाजी की कला सिखाने का फैसला किया। हालाँकि सभी पुरुष अभी भी युद्ध में एक महिला का सामना करने के विचार से भयभीत थे, लॉर्ड चैपमैन ने रानी के किले के रास्ते में आपूर्ति वैगनों पर छापा मारने के लेंक के सुझाव को स्वीकार कर लिया। सौभाग्य से, इन वैगनों का नेतृत्व करने वाले पुरुष तुरंत आत्मसमर्पण करने और वे जो कुछ भी पहुँचा रहे थे, उसे सौंपने के लिए बहुत उत्सुक

लग रहे थे। भोजन, हथियार, कवच, वस्त्र, ये सभी आसपास के गाँवों से कर और जजिया का प्रतिनिधित्व करते थे। जल्द ही, लॉर्ड चैपमैन का गाँव उस सब से अच्छी तरह सुसज्जित था जो एक उचित सेना कभी माँग सकती थी।

एक महीना बीत जाने के बाद, लेंक जागा और लकड़ी के किले की दीवारों पर टहला, बैली में काम करते पुरुषों को देख रहा था। लोहार के हथौड़े की घंटी बज रही थी, बढ़ता हुआ स्वयंसेवी मिलिशिया-पुरुषों का समूह सुबह की तीरंदाजी के अभ्यास के लिए इकट्ठा हो गया था। लेंक मुस्कुराया। ऐसा लगता था, आखिरकार, इस भूमि के शांतिपूर्ण पुरुषों ने युद्ध की कला सीख ली थी।

एक युद्ध-तुरही की गड़गड़ाहट की आवाज़ आई। लेंक ने लकड़ी के प्राचीर पर नज़र डाली, और सैनिकों की एक टुकड़ी को बैली की दीवारों के पास आते देखा। तीन शूरवीर टुकड़ी के सामने सवार थे। समूह के केंद्र में शूरवीर ने काले कवच पहने थे, और एक शानदार सफेद घोड़ी की सवारी कर रहा था। बाकी सैनिकों से ऊँचा, काले शूरवीर ने एक युद्ध-ध्वज पकड़ रखा था जिसमें एक लंबा, लहराता झंडा था। शूरवीरों के नेता ने अपना मुख-कवच हटाया, जिससे चमकीले, रक्त-लाल बालों का एक झरना प्रकट हुआ। "कायर पुरुष! क्या तुमने सोचा था कि तुम्हारी डाकूगी पर ध्यान नहीं जाएगा?"

लॉर्ड चैपमैन का चेहरा पीला पड़ गया। "मेरी देवी! वह जनरल एलेक्जेंड्रा है!"

लंबी महिला ने अपना झंडा गाड़ा, और एक भारी भाला ऊपर उठाया। "लॉर्ड चैपमैन! तुम्हारी ज़मीनें और उपाधि ज़ब्त है। द्वार खोलो, और राजकुमारी शार्लोट की दया के सामने समर्पण करो। शायद, अगर तुम उसके पैर चूमो, तो हमारी गौरवशाली राजकुमारी तुम्हारी जान बख्श सकती है!"

एक किसान ने टुकड़ी को घूरा, काँपते हुए। "क्या वे तीनों महिलाएं सभी शूरवीर हैं?"

लेंक ने सैनिकों की गिनती करते हुए मुस्कुराया, फिर वह मिलिशिया पुरुषों को पुकारने के लिए मुड़ा। "यह सही है… अरे, सब लोग! उनमें से केवल पंद्रह हैं। और उनमें से केवल तीन शूरवीर हैं! यह कुछ भी नहीं है!"

मिलिशिया पुरुष सभी स्थिर हो गए, डरपोक हिरणों के झुंड की तरह लेंक को ऊपर देख रहे थे। "राजकुमारी शार्लोट ने पंद्रह महिलाएं भेजीं? और तीन शूरवीर?" फिर, सभी एक साथ, उन्होंने अपने हथियार गिरा दिए और इधर-उधर भागने लगे, छोटी लड़कियों की तरह चीखते हुए, एक-दूसरे से टकराते और कीचड़ में फिसलते हुए। "आह! उनके पास तीन शूरवीर महिलाएं हैं! हम सब मरने वाले हैं!"

"या इससे भी बदतर! अगर वे हमें जिंदा पकड़ लें, तो हमें राजकुमारी शार्लोट के कालकोठरी में बंद कर दिया जाएगा, और गुलामी और अपमान की जीवन-यात्रा की सजा दी जाएगी!"

"मम्मी! मुझे माफ़ कर दो, मम्मी!"

एक किसान द्वारों की ओर दौड़ा। "उन्हें अंदर आने दो! अगर हम अब आत्मसमर्पण कर दें, तो वे हमें एक अच्छी पिटाई के साथ छोड़ सकती हैं! ओह, कृपया, जनरल एलेक्जेंड्रा! दया करो! मैंने इस विद्रोह से कोई लेना-देना नहीं चाहता था।"

लॉर्ड चैपमैन ने लेंक के कंधों को पकड़ लिया। "लेंक, कोई उम्मीद नहीं है! हम कमजोर, दयनीय, कायर पुरुष इस तरह की भारी बाधाओं के सामने कुछ नहीं कर सकते। तुम जानते हो कि महिलाएं कैसी होती हैं, जब भी कोई पुरुष उनसे बहस शुरू करता है, वे पागल हो जाती हैं!"

पागल किसान ने द्वार खोल दिए, और लकड़ी के ड्रॉब्रिज को नियंत्रित करने वाले पहिये को पकड़ लिया। धीरे-धीरे, रस्सियाँ पुल को खाई के पार विपरीत किनारे की ओर नीचे करने लगीं।

जनरल एलेक्जेंड्रा ने अपने घोड़े को नाटकीय रूप से पीछे खड़ा किया, फिर उसे खुले द्वार की ओर टहलते हुए ले गई, ड्रॉब्रिज के ठीक नीचे। "लॉर्ड चैपमैन? नीचे आओ, छोटे राजकुमार। मुझे तुमसे बात करनी है।"

लेंक ने लॉर्ड चैपमैन को झटक दिया। "ये पुरुष बेकार हैं! लेकिन तुम उनकी एकमात्र उम्मीद हो। तुम्हें भागना होगा, लॉर्ड चैपमैन, और अपने कारण के लिए और पुरुषों को इकट्ठा करना होगा।"

"लेकिन… अठारह महिलाएं! वे बहुत अधिक हैं!"

उनके नीचे, किसान पुल को नीचे करने के लिए पहिया घुमाते हुए रो रहा था। "मुझे बख्श दो, मालकिन! मैं अच्छा बनूँगा!"

लेंक ने अपना धनुष खींचा और एक तीर चढ़ाया। "तो भागो, लॉर्ड चैपमैन, और दूसरे दिन लड़ने के लिए जीवित रहो!"

लेंक ने एक तीर ड्रॉब्रिज को पकड़ने वाली रस्सी की सस्पेंशन में से एक पर दागा। जैसे ही रस्सी दो टुकड़ों में टूटी, ड्रॉब्रिज हवा में घूम गया, और दूसरी रस्सी के तन जाने पर खड़खड़ाता हुआ रुक गया। उनके नीचे, कायर किसान पहिया के झटके से पीछे की ओर

गिर गया। जनरल एलेक्जेंड्रा का घोड़ा हिनहिनाया, इससे पहले कि उसने जानवर को शांत करने के लिए लगाम खींची। लेकिन फिर लेंक ने एक और तीर चलाया, आखिरी बची हुई रस्सी को काट दिया, और जब ड्रॉब्रिज पटककर नीचे गिरा, तो घोड़ा घबरा गया। जनरल एलेक्जेंड्रा अपनी काठी से चिपटी रही, जब उसका घोड़ा उछलने लगा। "वूआह!"

लेंक ने दूसरे शूरवीरों में से एक को एक आदेश चिल्लाते सुना, और एक महिला पैदल सैनिक को अपनी क्रॉसबो उठाते देखा। अभ्यस्त परिशुद्धता के साथ, लेंक ने तीर खींचकर दागा, क्रॉसबो पर ही निशाना साधा। महिला चीखी, पीछे की ओर लड़खड़ाती हुई, जब लेंक का तीर उसके हथियार में गहराई तक धँस गया, और जब उसने ट्रिगर खींचा, तो बोल्ट एक धात्विक चटकने की आवाज़ के साथ जाम हो गया।

जनरल एलेक्जेंड्रा ने अपने घोड़े की लगाम पर अपनी पकड़ मजबूत की, और लेंक को लकड़ी की दीवार के ऊपर इंगित करने के लिए घूमी। "उस लड़के को पकड़ो!"

लेंक दीवार के साथ उत्तर की ओर दौड़ा, पत्थर के मोट की ओर बढ़ा, और अपने पिछवाड़े पर थप्पड़ मारा। "न्या-न्या!"

लेंक झुका, जब एक क्रॉसबो बोल्ट उसकी खोपड़ी के पास से गुज़रा, उसकी टोपी को निक किया।

नीचे, जनरल एलेक्जेंड्रा एक सैन्य कमान की आवाज़ के साथ गरजी। "नहीं! गोली मत चलाओ!"

लेंक अंधाधुंध दौड़ा, फिर अपने पीछे देखा। दीवार के बाहर, आधे पैदल सैनिक उसका पीछा कर रहे थे, लेकिन तीनों शूरवीर बाकी समूह से अलग हो गए थे, अपने घोड़ों को शहर के अंदर दौड़ाते हुए। किसान पुरुष आतंक से चीख रहे थे, जब घोड़े उनके भोजन की गाड़ियों और टोकरियों पर तेज़ी से दौड़ रहे थे।

टुकड़ी के बाकी सैनिक घुड़सवार शूरवीरों के पीछे पैदल चले, तलवारें और क्रॉसबो तैयार।

जनरल एलेक्जेंड्रा समूह से आगे निकल गई। "नौजवान, तुम वहाँ से नीचे आओ, इसी क्षण!"

लेंक रुका, जब रास्ता मोट के शीर्ष पर पत्थर के टॉवर के आधार पर अचानक समाप्त हो गया, गाँव की अंतिम रक्षा पंक्ति। लेंक मुड़ा, और लॉर्ड चैपमैन का कोई निशान नहीं मिला। वह केवल आशा कर सकता था कि उसके पास भागने की समझ थी, उसके

किसी भी वफादार अनुयायी के साथ, जबकि भयंकर, भयानक महिलाएं अभी भी हैरान थीं।

जनरल एलेक्जेंड्रा लेंक के नीचे रुकी, और अपनी महिलाओं को दीवार से लटकी रस्सी की सीढ़ी पर चढ़ने का आदेश देने के लिए इशारा किया। "यह बेकार है, लड़के। तुम्हारे पास जाने के लिए कोई जगह नहीं बची है।"

लेंक ने बिजली की गति से अपनी छोटी तलवार खींची और अपने पैरों पर एक रस्सी काट दी, फिर बेपरवाही से अपनी तलवार घुमाकर अपनी पीठ के पीछे म्यान में डाल दी। उसके नीचे, एक पैदल सैनिक चीखी और एकमात्र बची हुई रस्सी को पकड़ लिया। लेंक ने पत्थर की दीवार के किनारे उगी कुछ आइवी देखी, और उस पर चढ़ने लगा।

एक गर्जना के साथ, दूसरे घुड़सवार शूरवीरों में से एक ने अपना भाला जमाया, उसे पत्थर के किले के आधार पर लकड़ी के दरवाजे में गहराई तक धकेला। फिर उसने उसे खींचकर मुक्त किया और अपने पीछे के पैदल सैनिकों पर चिल्लाई। "उसके पीछे! तुम चार, कुछ ढूँढ़ो जो मेढ़े के रूप में काम कर सके!"

लेंक तड़पा, जब उसने दो क्रॉसबो बोल्टों को पत्थर के टॉवर पर, उसके ऊपर और नीचे, छिलते सुना, इससे पहले कि वह टॉवर के शीर्ष पर पहुँचा। लेंक प्राचीर के पीछे लुढ़का, हवा के लिए हाँफता हुआ, फिर पत्थर के ऊपर एक झलक देखने का जोखिम उठाया। अपने नीचे, उसने देखा कि जनरल एलेक्जेंड्रा के सैनिकों को एक सुअर-गर्त मिला था, और उसे लकड़ी के दरवाजे पर थोड़ी सफलता के साथ पटक रहे थे। वे तन गए, जब जनरल एलेक्जेंड्रा अपने घोड़े से उतरी, उसके भारी लोहे के जूते धूल उड़ा रहे थे, जब उसने अपना पैर पटका। यहाँ तक कि दूसरे घुड़सवार शूरवीर भी घबराए हुए लग रहे थे, जब विशाल महिला ने उन सभी को घूरा। "मूर्खों! लकड़ी इसके लिए बहुत ठोस है। एक क्राउबार ढूँढ़ो। एक लोहे की छड़। कुछ भी जो उसे कब्जों पर खोल सके।"

लेंक ने अपनी चिंगारी-बीजों की थैली पकड़ी, और उन्हें दीवार पर गिरा दिया। वे दीवार से उछले और लुढ़के, और जब वे नीचे सड़क पर गिरे, तो प्रत्येक बीज प्रकाश की एक चकाचौंध चमक के साथ फट गया। दो घुड़सवार शूरवीरों के घोड़े, उनके गुस्से में सवारों के साथ, भाग गए, जबकि पैदल सैनिक आश्रय के लिए झुक गए। अराजकता के बीच, जनरल एलेक्जेंड्रा दृढ़ खड़ी रही, उसका मुँह एक पतली रेखा में सिकुड़ गया। अंततः, उसने अपना जूता उठाया, और ठोस ओक के दरवाजे को लात मारकर गिरा दिया।
"बहुत हो गया।"

***

लॉर्ड चैपमैन के शस्त्रागार में, लेंक ने अपने आस-पास की जाँच की। टॉवर में केवल एक सर्पिल सीढ़ी थी, और जनरल एलेक्जेंड्रा की टुकड़ी निश्चित रूप से अब उस पर चढ़ रही थी। लेंक ने चुराई हुई शराब का एक बैरल देखा (अर्थात, राजकुमारी शार्लोट के कर-संग्रहकर्ताओं द्वारा चुराई गई, इससे पहले कि बहादुर कायर पुरुषों के समूह ने इसे उसके सही मालिकों को वापस करने के लिए चुराया)। बैरल को उसके किनारे पर लुढ़काते हुए, लेंक ने इसे सीढ़ियों के किनारे तक धकेला, और इसे नीचे गिरने दिया।

***

जैसे ही महिला पैदल सैनिक सीढ़ियाँ चढ़ रही थीं, उन्होंने एक धमक की आवाज़ सुनी, और स्थिर हो गईं। फिर, पहली पैदल सैनिक चीखी, जब एक शराब का बैरल उछलता हुआ उसकी ओर आया, उसे उसकी पीठ के बल सपाट गिरा दिया, इससे पहले कि वह आसानी से अगली दो महिलाओं के ऊपर लुढ़क गया। एक को दीवार के सहारे दबने की सूझ-बूझ आई, केवल बैरल उसके पैर पर पटकने के लिए। वह एक पैर पर उछली, दर्द से चीखती हुई, इससे पहले कि उसका पैर फिसला और वह अपने नितंब पर गिरी।

जनरल एलेक्जेंड्रा पत्थर की सीढ़ियों पर चढ़ी, फिर आगे से आ रहे हंगामे को सुनने के लिए रुकी। खुद को मजबूत करते हुए, उसने अपना भाला पकड़ा, एक सशस्त्र योद्धा को देखने की उम्मीद में। फिर, एक बैरल तीन पैदल सैनिकों के साथ दृश्य में लुढ़कता हुआ आया। जल्दी से, एलेक्जेंड्रा ने अपने भाले के बट को एक तीव्र कोण पर पत्थर की सीढ़ियों में जमा दिया। बैरल लोहे के खंभे पर इतनी ताकत से पटका कि धातु के माध्यम से एक लहर दौड़ गई, इससे पहले कि सभी सैनिक उसके खिलाफ धमाके के साथ रुक गए, लेकिन एलेक्जेंड्रा ने भाले को मजबूती से पकड़ रखा था, उसकी बाहें काँप रही थीं। फिर, उसने अपनी मुट्ठी बैरल पर मारी, शराब को उसके पैरों पर लाल खून की तरह बहने दिया।

***

लेंक ने दरवाजा पटककर बंद किया, और उसे बैरिकेड कर दिया। जैसे ही उसने अपने आस-पास की जाँच की, लेंक ने प्लेट कवच के पूरे सेट, तलवारें, भाले, क्रॉसबो, पुरुषों की एक सेना के लिए उपयुक्त सभी प्रकार के हथियार देखे। लेकिन वे सभी उसके लिए बहुत बड़े थे। वह फँस गया था। खिड़की पर नज़र डालते हुए, लेंक ने सोचा कि क्या वह दीवार से वापस नीचे चढ़ सकता है, केवल एक पैदल सैनिक को टॉवर के आधार से सीधे उस पर क्रॉसबो निशाना साधे हुए देखने के लिए।

एक क्रॉसबो बोल्ट के खुली खिड़की से गुज़रने से ठीक पहले लेंक वापस झुक गया।

फिर, उसने दरवाजे पर एक कोमल दस्तक सुनी, और बाहर से एक महिला की गहरी, गुंजायमान आवाज़। "ठीक है, छोटे सैनिक। तुम फँस गए हो। इस दरवाजे को तुरंत खोलो।"

लेंक ने अपनी तलवार खींची, और खुद को तैयार किया, दरवाजे के फटकर खुलने की प्रतीक्षा कर रहा था।

कुछ क्षण बीत गए। महिला की आवाज़ अजीब तरह से शांत थी। "मैं बातचीत करने आई हूँ।"

लेंक का बाज़ू काँपा, जब उसने दरवाजे पर अपनी तलवार तान दी। "तुम झूठ बोल रही हो!"

"एक शूरवीर के रूप में मेरा वचन है कि तुम्हें कोई नुकसान नहीं होगा।"

महिला की आवाज़ में किसी बात ने लेंक को प्रभावित किया। धीरे-धीरे, उसने अपनी तलवार म्यान में डाली, और दरवाजे का कुंडा खोला। उसने कुछ और सेकंड इंतज़ार किया, फिर अंततः, उसने उसके लिए दरवाजा खोल दिया। एलेक्जेंड्रा दरवाजे के पीछे लगभग छत तक ऊँची थी, इससे पहले कि उसने कमरे में प्रवेश करने के लिए अपना सिर नीचे किया। "मैं तुम्हारे वीरतापूर्ण प्रयास की सराहना करती हूँ। तुम आसानी से मेरे सैनिकों को मार सकते थे। तुमने ऐसा क्यों नहीं किया?"

लेंक ने लंबी महिला की नज़र का सामना करने के लिए अपना सिर ऊँचा रखा। "लॉर्ड चैपमैन और उसके पुरुषों की तुम्हारी राजकुमारी पर युद्ध छेड़ने की कोई इच्छा नहीं है। वे केवल उस दायरे के पुरुषों के रूप में उनके कारण बनने वाले अधिकारों और गरिमा के साथ व्यवहार किए जाना चाहते हैं।"

एलेक्जेंड्रा ने एक भौंह उठाई। "पुरुष? युद्ध छेड़ना? बेतुका। युद्ध महिलाओं का काम है। और प्रत्येक पुरुष का अधिकार है कि वह अपनी रानी के सामने समर्पण करे। मैं बता सकती हूँ कि तुम इस भूमि में अजनबी हो। यह तुम्हारी पोशाक, तुम्हारी बोली से स्पष्ट है। इस मामले में खुद को क्यों शामिल कर रहे हो? हम अपने मवेशियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं, यह तुम्हारी चिंता नहीं है।"

लेंक ने बाज़ू बाँध लिए। "मैं एवलॉन का एक शाही शूरवीर हूँ। हम कमजोरों की रक्षा और निर्दोषों की सुरक्षा की शपथ लेते हैं।"

"एक पुरुष शूरवीर? कितना अजीब। मैं तुम्हारे साहस की प्रशंसा करती हूँ। हालाँकि…"

एलेक्जेंड्रा ने खुद को एक रक्षात्मक मुद्रा में झुकाया, अपना भाला ऊपर उठाते हुए। "... तुम अभी भी एक विद्रोही हो, और वह भी एक लड़का, और इसलिए अनुशासित होना चाहिए।"

लेंक झिझका, फिर एक आगे के वार के साथ महिला पर झपटा। उसने इतनी ताकत से उसके वार को मोड़ दिया कि लेंक ने प्रभाव को अपने बाजू में दौड़ते हुए महसूस किया, और मुश्किल से अपनी छोटी तलवार पर अपनी पकड़ बनाए रखी। लेंक पीछे की ओर उछला, भाले की पहुँच से दूर रहने की कोशिश कर रहा था। वह रुका, उम्मीद कर रहा था कि महिला एक त्वरित जवाबी हमले के साथ आगे बढ़ेगी। लेकिन वह केवल एक पत्थर की मूर्ति की तरह खड़ी रही, उसका भाला तैयार। "यहाँ के पुरुष अपनी जगह जानते हैं। वे कभी भी किसी महिला पर, एक शूरवीर पर तो बिल्कुल नहीं, प्रहार करने की हिम्मत नहीं करेंगे। लेकिन मैं तुम्हारी आँखों में एक अजीब चमक देखती हूँ। तुम्हारी आँखें एक योद्धा की हैं। इस भूमि के कमजोर पुरुषों की तरह नहीं। तुमने पहले खून का रंग देखा है, है न, लड़के?"

अचानक, लेंक को वह क्षण याद आया, जब उसने मैडॉक ड्रैकोमियर पर अंतिम वार किया था, इससे पहले कि बुराई का राजा सूअर-दानव मागोग के राक्षसी रूप में बदल गया था। लेंक ने बुराई के विनाश की तलवार को उस जानवर के गले में, मूठ तक गाड़ दिया था। फिर, उसने महिला को मुस्कुराते देखा, और लेंक ने हमला किया। उसका भाला उसकी ढाल को साफ-साफ चीरता हुआ गुज़रा, जिससे उसकी दाहिनी बाजू झनझना उठी। लेंक मुड़ा और नीचे झुका, घातक भाले के नोक से बचते हुए। वह पहुँच के भीतर था। उसने उछलकर महिला के चेहरे पर एक क्षैतिज वार किया। एलेक्जेंड्रा की आँखें फैल गईं, जब उसने आने वाली तलवार-चोट को देखा। फिर, उसने अपना भाला गिरा दिया, और लेंक को उसकी कमर से पकड़कर हवा में रोक लिया। लेंक का वार हवा में एक पतली रेखा काटता हुआ गुज़रा, ब्लेड का नोक महिला के रक्त-लाल बालों का एक गुच्छा पकड़कर उसकी नाक के सामने लटक गया। फिर, एलेक्जेंड्रा ने लेंक को हल्के से हवा में उछाला, उसकी तलवार वाली बाजू को कलाई से पकड़ा, और उसकी बाजू इस तरह घुमाई कि वह ब्लेड गिराने के लिए मजबूर हो गया। वह एक तरफ खड़खड़ाया। जैसे ही एलेक्जेंड्रा ने उसे देखा, उसकी अभिव्यक्ति शरारती मासूमियत की पैरोडी थी। "लगभग।"

घुरघुराते हुए, लेंक ने अपने पैर मारे, लेकिन महिला ने उसे बाजू की दूरी पर पकड़ लिया, जैसे वह एक शिशु से अधिक नहीं था।

एलेक्जेंड्रा ने सिर हिलाया। "आह, आह! तुम यह द्वंद्व हार गए। शर्मिंदा मत हो। वह एक सुंदर हमला था। अगर तुम थोड़े और लंबे होते, तो तुम मुझे मार देते। हालाँकि, तुम अभी भी केवल एक छोटे लड़के हो, और इसलिए..."

लेंक ने नीचे देखा, और एलेक्जेंड्रा को अपने जूते से कमरे के केंद्र में एक लकड़ी का स्टूल टहलाते हुए देखा। फिर वह बैठ गई, और उसे अपनी गोद पर गिरा दिया। जैसे ही लेंक उसकी मोटी जाँघों पर पटककर गिरा, उसे एहसास हुआ कि वह उतनी ही मजबूत थी जितनी कोई भी गोरगन योद्धा जो उसने कभी देखा था। उसने एक ठंडक महसूस की, और स्रोत खोजने के लिए मुड़ा। फिर, उसके आतंक के लिए, उसने देखा कि महिला ने उसके अंगरखे का घेरा ऊपर उठा दिया था, और अपने विशाल, बड़े हाथ से उसके सफेद निक्कर को कठोरता से नीचे खींच रही थी। "... मैंने तुम्हारी जान बख्शने का फैसला किया है। लेकिन मैं तुम्हें एक अच्छा थपेड़ा दे रही हूँ, ठीक तुम्हारे नंगे नितंब पर।"

एलेक्जेंड्रा ने अपनी भारी हथेली लेंक के पिछवाड़े पर पटक दी, जो आसानी से उसके दोनों नितंबों को ढँक लेती थी।

लेंक आश्चर्य से चीखा, केवल महिला ने उसे फिर से मारा। इस बार, लेंक ने एक युद्ध-घोष गरजा, और उसकी पकड़ से मुक्त होने के लिए जोर लगाया।

एलेक्जेंड्रा ने केवल सिर हिलाया, जब उसने धीरे-धीरे अपना बाजू ऊँचा उठाया। "इन सब से कुछ नहीं होगा, छोटे सैनिक। हालाँकि तुम एक लड़के के रूप में पैदा हुए हो, तुम्हारे पास एक महिला का बहादुर दिल है। अब, अपनी सज़ा को एक योद्धा के अनुरूप अनुग्रह और दृढ़ता के साथ सहन करने की कोशिश करो।"

लेकिन जैसे ही एलेक्जेंड्रा ने तीसरी थपकी दी, लेंक ने हाँफा, और अपने नितंब को बचाने के लिए अपनी बाहें और पैर लहराए। "औच! दर्द होता है!"

जैसे ही उसने लेंक की कलाई पकड़ी और उसे उसकी पीठ के निचले हिस्से पर मजबूत पकड़ में घुमाया, एलेक्जेंड्रा कराही। "फिर, मुझे लगता है कि तुम आखिरकार अभी भी केवल एक मूर्ख लड़के हो। और हर कोई जानता है कि छोटे लड़के एक छोटे से थपेड़े को भी, एक नवजात शिशु की तरह रोए बिना, नहीं सह सकते। यह तुम्हारे स्वभाव में है। देवियों ने केवल हम महिलाओं को बच्चे के जन्म के भयानक दर्द को सहन करने की क्षमता दी है। मुझे यकीन है कि तुम्हारे संवेदनशील, लड़कों वाले नितंब के लिए, एक हल्का थपेड़ा एक मजबूत महिला के लिए अधिकांश यातनाओं से भी बदतर महसूस करना चाहिए।"

लेंक ने अपने पैर मारे। "नहीं!"

एलेक्जेंड्रा ने अपना पैर उठाया, और लेंक के पैरों को अपनी जाँघों के बीच दबा लिया, और एक और भीषण थप्पड़ मारा। "फिर भी, मैं ऐसी जिद बर्दाश्त नहीं करूँगी। अगर मेरे किसी पैदल सैनिक ने इतनी गुस्ताखी दिखाई, तो मैं उसके नितंब को लाल और

कच्चा थपेड़ा मारती। इसलिए, मैं तुम्हें वही सम्मान दिखाऊँगी जो मैं एक उचित महिला योद्धा को दिखाऊँगी।"

इतना कहकर, एलेक्जेंड्रा ने तेज, अथक गति से थपेड़ा मारना शुरू किया, एक स्थिर लय बनाए रखते हुए। लेंक एक बार चीखा, इससे पहले कि थपेड़े की गति ने उसे साँस लेने के लिए मजबूर किया। पैरों के फेरबदल की आवाज़ आई, और पैदल सैनिकों का एक समूह दरवाजे पर दिखाई दिया, जिसका नेतृत्व कवचधारी शूरवीरों में से एक कर रही थी। "जनरल? हमें माफ़ कर दें कि हम आपके पीछे आ गए, लेकिन हमने संकट की चीखें सुनीं, और यह जानने आए कि... क्या हो रहा है?"

एलेक्जेंड्रा ने महिलाओं पर अपनी आँखें सिकोड़ लीं। "मैंने तुम सभी को सख्त आदेश दिए थे कि टॉवर के आधार पर मेरा इंतज़ार करो, जबकि मैं हमारे बागी विद्रोही से निपटती हूँ। सीधे हमारे शिविर की ओर मार्च करो, और मेरे फैसले का इंतज़ार करो। जैसे ही मैं इस शरारती लड़के को थपेड़ा मारना समाप्त करूँ, मैं तुमसे फिर मिलूँगी। जब मैं पहुँचूँ, तो मैं उम्मीद करती हूँ कि तुम्हारे सभी नितंब नंगे और बर्च-पिटाई के लिए तैयार हों।"

शूरवीर की आँखें उसके मुख-कवच के पीछे फैल गईं। "लेकिन, जनरल, मैंने केवल सोचा कि तुम चाहोगी कि मैं—"

अब तक, लेंक दाँत पीस रहा था, प्रत्येक थपकी के बाद हवा के लिए फुफकार रहा था।

एलेक्जेंड्रा ने एक क्षण भी गंवाए बिना लड़के को थपेड़ा मारना जारी रखा। "जब मैं आदेश देती हूँ, तो मुझे उम्मीद होती है कि उसका पालन होगा। इस मामले में, एक साधारण थपेड़ा तुम्हारी बदतमीज़ी की सज़ा के रूप में पर्याप्त होगा। या क्या तुम अवज्ञा के लिए कोर्ट-मार्शल पसंद करोगी, लेफ्टिनेंट?"

शूरवीर ने सलामी दी। "नहीं, महोदया! कृपया मुझे मेरी मूर्खता के लिए सज़ा दें, जैसा आप उचित समझें, महोदया!"

"हम्फ। और मैं तुम्हें और कैसे सज़ा दूँ, लेफ्टिनेंट? कोई बात नहीं। जाओ छड़ियों का एक अच्छा गट्ठर इकट्ठा करो। और अगर कोई स्थानीय सेरफ पूछे कि तुम क्या कर रही हो, तो मुझे उम्मीद है कि तुम उन्हें ठीक-ठीक समझाओगी कि उनका उपयोग कैसे किया जाएगा।"

शूरवीर काँपी, लेकिन अपनी सलामी बनाए रखी। "हाँ, महोदया! मेरे नंगे पिछवाड़े पर मुझे बेंत से पिटाई करने के लिए, महोदया!"

"सही है। वास्तव में, अब उन नितंबों को नंगा कर ही लो। तुम, पैदल सैनिकों, लेफ्टिनेंट का कवच उतारने में मदद करो, फिर स्वयं कपड़े उतारो।"

इस बिंदु तक, लेंक ने अपनी दृष्टि को आँसुओं से भरा महसूस किया, और अपनी आँखें कसकर बंद कर लीं, एक साँस लेने की कोशिश कर रहा था। उसे ऐसा लगा जैसे वह जल मंदिर के नीचे फँसा हुआ था।

एलेक्जेंड्रा ने थपेड़े को आधा सेकंड के लिए रोका, फिर एक भीषण थप्पड़ मारा जिसने लेंक के तने हुए नितंबों के माध्यम से गहरी लहरें भेजीं। अंततः, लड़का रोया, और दो आँसू उसके गालों पर बह गए। एलेक्जेंड्रा मुस्कुराई। "बाकी टुकड़ी को इकट्ठा करो। मैं कुछ ही मिनटों में तुमसे मिलूँगी।"

मिनट खिंचते गए, सेकंड दर दर्दनाक सेकंड। एलेक्जेंड्रा ने अपना उपदेश रोक दिया, अथक थपेड़े को अपने लिए बोलने दिया। लेंक स्वतंत्र रूप से रोया, लेकिन जैसे-जैसे थपेड़ा खिंचता गया, उसकी आवाज़ फट गई, और उसकी सिसकियाँ और अधिक बेताब हो गईं। फिर, अंततः, थपेड़ा रुका, और उसने अपने नितंब पर कुछ ठंडा दबते महसूस किया। आँसुओं को पलक झपकाते हुए, लेंक ने अपने कंधे के ऊपर देखा, और एलेक्जेंड्रा को अपनी तर्जनी से उसके नितंबों पर वृत्त बनाते देखा।

एलेक्जेंड्रा ने अपने काम के परिणामों की जाँच करते हुए मुस्कुराई। फिर उसने लेंक पर अपना पैर-ताला छोड़ा, और उसकी कमर पर अपनी पकड़ समायोजित की, उसके ऊपर की ओर उठे नितंब को धीरे से सहलाते हुए, मानो उसे सांत्वना दे रही हो। "तुम्हारे कितने प्यारे, छोटे नितंब हैं। और वे पहले से ही काफी लाल हैं, हालाँकि रंग थोड़ा असमान है। अगर तुम एक साधारण, कमजोर, शरारती छोटे लड़के होते, तो मैं और अधिक संतुष्ट होती। हालाँकि, मैंने तुमसे यह भी वादा किया था कि मैं तुम्हारे साथ वैसा ही व्यवहार करूँगी जैसा एक वयस्क महिला के साथ करती।"

लेंक तन गया, और सिर हिलाया। इस बार, उसका चेहरा एलेक्जेंड्रा की भारी जाँघ के खिलाफ टिका हुआ था, लेकिन उसके पास लड़ने के लिए कोई ऊर्जा नहीं बची थी। उसने कुछ कहने की कोशिश की, लेकिन उसकी नाक से स्राव की एक बूंद टपकी, और वह हकलाया। "न-नह…"

एलेक्जेंड्रा ने लेंक के दाहिने नितंब पर एक दृढ़ थपकी दी, फिर उसके बाएँ पर, ताज़ा थपकियों के साथ उसके पिछवाड़े के हर वर्ग इंच को कवर करने के लिए प्रत्येक के बीच बारी-बारी से। धीरे-धीरे, चितकबरे लाल निशान एक अधिक सुसंगत लाल रंग में बदल गए, जो गोरगन माणिक्य के चमकीले रंग से पूरी तरह मेल खाते थे।

लेंक को नहीं पता था कि थपेड़ा कितने देर तक चला। समय बीतने की उसकी सारी समझ खो गई थी। लेकिन जब तक यह अंततः समाप्त हुआ, वह थकान से मुश्किल से हिल पाता था।

एलेक्जेंड्रा ने लेंक के प्रत्येक नितंब को हल्के से चिकोटी काटा, दीप्तिमान गर्मी को महसूस करते हुए सीटी बजाई। "यह काम करेगा। बेशक, अगर तुम राजद्रोह के दोषी होते, तो मुझे तुम्हें फाँसी देनी पड़ती… या कालकोठरी में डाल देना पड़ता…"

लेंक ने फुसफुसाते हुए आवाज़ निकाली। यह अंत था। वह असफल हो गया था। फिर, एलेक्जेंड्रा ने उसे अपनी गोद से उठाया, और उसे अपनी छाती से लगा लिया। "… लेकिन मुझे लगता है कि मेरे पास तुम्हारे जैसे बहादुर लड़के के लिए एक बहुत बेहतर विचार है।"

***

पत्थर के किले के बाहर आंगन में, लेफ्टिनेंट और उसके पैदल सैनिकों ने ताज़ी बर्च की छड़ियाँ इकट्ठा कीं। लेफ्टिनेंट केवल अपनी चेनमेल शर्ट पहने हुए थी, जिसे पीछे की ओर ऊपर उठाया गया था ताकि उसके नंगे नितंब उजागर हो सकें। पैदल सैनिकों को बिना पतलून के जाने के लिए मजबूर किया गया था, उनके पैंटालून उनके कंधों पर बँधे हुए थे। उनके कुछ साथी उन्हें सच्ची सहानुभूति और निर्विवाद राहत के मिश्रण के साथ देख रहे थे।

फिर, जनरल एलेक्जेंड्रा टॉवर से बाहर निकली, एक सिसकते लड़के को अपनी बाँहों में उठाए हुए। "लॉर्ड चैपमैन कहाँ है, और उसके बाकी देशद्रोही विद्रोही?"

टुकड़ी के बाकी लोगों ने घबराकर एक-दूसरे को देखा। एक शूरवीर ने अपने पैर रगड़े, फिर आगे बढ़ी। "उम… मुझे डर है कि वह सारे हंगामे में भाग गया?"

"मूर्खों! यह लड़का इन कायरों में एकमात्र सच्चा योद्धा था! हमें इस विद्रोह को दबाने का आदेश दिया गया था!"

"शायद… हम बचे हुए ग्रामीणों को मार डालें, और उनके पुरुषों को अपनी रखैल बना लें?"

एलेक्जेंड्रा ने उपहास किया। "नहीं। सेरफों का बेहतर उपयोग फसल के मौसम में होगा। कमजोरों की कोई बात नहीं। मेरे साथ आओ। हमें इन कायर पुरुषों को विश्वासघात की कीमत याद दिलानी चाहिए।"

एलेक्जेंड्रा पहाड़ी से नीचे बैली के केंद्र में बाज़ार चौक की ओर टहली, और मचान पर खड़े होने के लिए सीढ़ियाँ चढ़ीं, जिस पर पशु-बाड़े और फाँसी थी। लेंक तन गया, जब विशाल महिला ने उसे अपनी छाती के खिलाफ कसकर पकड़ा, इससे पहले कि उसकी आवाज़ गरजती, बड़बड़ाती भीड़ की आवाज़ों के ऊपर स्पष्ट रूप से गूँजती। "सुनो, सुनो, हीलफॉल की रानी-राज्य की वफादार प्रजाओ। खुश हो जाओ, क्योंकि तुम विद्रोह के खतरे से मुक्त हो। राजकुमारी शार्लोट दयालु है। वह जानती है कि तुम आम लोगों का लॉर्ड चैपमैन के विद्रोह की विश्वासघात में कोई हिस्सा नहीं था। सभी जो घुटने टेकते हैं, और शाही ध्वज को चूमते हैं, उन्हें उदारतापूर्वक क्षमा किया जाएगा।"

एलेक्जेंड्रा ने लेंक को दोनों हाथों से ऊँचा उठाया, फिर उसे घुमाकर उसके पिछवाड़े को इकट्ठी भीड़ के सामने उजागर किया। लेंक तन गया, जब उसने पहली बार देखा कि एलेक्जेंड्रा ने उसका घेरा ऊपर उठाकर उसकी बेल्ट में टिका दिया था, जिससे उसके चमकते, लाल, नंगे नितंब सभी को दिखाई दे रहे थे। एलेक्जेंड्रा ने लेंक की विनती भरी आँखों को नज़रअंदाज़ किया, उसकी आवाज़ स्थिर थी, उसका चेहरा शांत था। "विद्रोही नेता भाग गए होंगे, लेकिन हमने उनके सबसे अच्छे हथियारों में से एक उनसे छीन लिया है... और मुझे एक बेटा मिल गया है।"

सैनिकों ने जोरदार नारे लगाए, और इकट्ठे किसानों ने बिना किसी उत्साह के उनका साथ दिया। एलेक्जेंड्रा ने लेंक का सिर अपने कंधे पर रखा, उसे एक हाथ से पालते हुए, जब उसने अपने खाली हाथ से उसके नितंब पर थपथपाया। कोमल प्यार-भरी थपकियाँ उसके हाल के थपेड़े के गुस्से वाले दंश को जगाने के लिए काफी से अधिक थीं। "वह अनुशासन और आज्ञाकारिता का सच्चा अर्थ सीखेगा। और एक दिन, हालाँकि वह केवल एक युवा पुरुष है, वह फिर भी एक सच्चा शूरवीर बन सकता है। एक शूरवीर जो क्राउन प्रिंसेस शार्लोट और हमारी गौरवशाली रानी-राज्य की सेवा करने के योग्य है!"

जैसे ही एलेक्जेंड्रा ने भीड़ की ओर हाथ हिलाया, वह लेंक के कान के पास झुकी, और एक नरम, धीमी आवाज़ में फुसफुसाई। "बेशक, अगर तुम दुर्व्यवहार करते हो, तो मुझे तुम्हें फिर से थपेड़ा मारना होगा। लेकिन मुझे पता है कि तुम एक दिन एक उचित सज्जन बनोगे!"

लेंक का होंठ काँपा। वह मुक्त होना चाहता था, और सैनिकों की पूरी टुकड़ी से लड़ना चाहता था। काश उसके पास अपना वयस्क शरीर होता, वह जानता था कि वह उन सभी को हरा सकता था। अभी भी लेंक को उठाए हुए, एलेक्जेंड्रा अपने सफेद घोड़े पर चढ़ी, और उसे बैली के द्वारों की ओर ले गई।

फिर, लेंक ने एक परिचित घोड़े की पुकार सुनी। एक पैदल सैनिक शहर के अस्तबल से बाहर आई, एक युवा क्लाइडेस्डेल घोड़ी को उसकी लगाम से ले जाती हुई। "जनरल

एलेक्जेंड्रा! हमें एक अजीब युद्ध-घोड़ा मिला। इन किसानों के लिए बहुत अच्छी नस्ल का। हमें लगता है कि यह विद्रोही नेताओं में से एक का है!"

लेंक की आँखें फैल गईं, जब उसने रियानोन को पहचाना। वह इस अजीब भूमि में उसकी एकमात्र बची हुई दोस्त थी। एलेक्जेंड्रा ने उत्सुक नज़र से लेंक की ओर देखा। "हम्म... बहुत अच्छा, सैनिक। मुझे लगता है कि वह घोड़ा वास्तव में एक विद्रोही नेता का था। लेकिन अब नहीं। लेंक, मेरे बच्चे, क्या तुम उस सुंदर घोड़े के मालिक बनना चाहोगे?"

लेंक ने अपनी आँखों में आँसू छलकते महसूस किए। "कृपया, उसे चोट मत पहुँचाओ!"

एलेक्जेंड्रा ने धीरे से मुस्कुराया। "उसे चोट पहुँचाऊँ? बेशक नहीं। वह एक वफादार घोड़ा है। बेशक, मैं उम्मीद करती हूँ कि तुम उसकी अच्छी देखभाल करोगे। क्योंकि अगर तुम नहीं करोगे... तो माँ को तुम्हें थपेड़ा मारना होगा। समझे?"

लेंक ने गुस्से की एक लहर महसूस की। लेकिन फिर उसे याद आया कि वह फिर से केवल एक लड़का था। उसे अपनी माँ का चेहरा याद नहीं था। आखिरी बार जब वह किसी के इतने करीब था जो माँ जैसा महसूस करता था, तब था जब उसने निबेलुंग वन के किनारे पर सारिया को अलविदा कहा था। लेंक ने अपना चेहरा एलेक्जेंड्रा की विशाल छाती के खिलाफ छिपा लिया। "हाँ, मम्मी..."

***

लेंक के शयनकक्ष में वह सब कुछ था जो एक उत्साही, साहसी युवा लड़का कभी सपना देख सकता था। दीवार पर एक तलवार और ढाल लगी हुई थी। साहसिक कार्यों और महान योद्धाओं की शानदार कहानियों से भरी एक किताबों की अलमारी। एक प्रशिक्षण पुतला, जो वर्षों के दैनिक उपयोग को सहन करने के लिए बनाया गया था।

लेकिन इस समय, सबसे उल्लेखनीय चीज़ कमरे के केंद्र में बिस्तर था। उसके सभी कंबल और चादरें उतार दी गई थीं, जिन्हें एक अस्थायी रस्सी में बाँध दिया गया था जो खुली खिड़की से बाहर जाती थी।

अपने पाजामे में, जनरल एलेक्जेंड्रा नंगे बिस्तर के किनारे पर बैठी थी, एक भारी लकड़ी के कंघी-ब्रश से लेंक के नंगे नितंब पर थपेड़ा मार रही थी। उसका अंगरखा बड़े करीने से उसके बिस्तर के नीचे मुड़ा हुआ था, उसके भरोसेमंद चमड़े के जूतों के साथ। इस समय, लेंक एक नवजात शिशु की तरह नग्न था, और उसकी तरह म्याऊँ-म्याऊँ और सिसक रहा था। "कृपया, मम्मी! कंघी-ब्रश नहीं! दर्द होता है!"

एलेक्जेंड्रा ने गुस्से में साँस छोड़ी, लेकिन एक पल के लिए भी थपेड़ा नहीं रोका। कंघी-ब्रश की प्रत्येक चटक ने लेंक के नितंब के माध्यम से लहरें भेजीं। "दर्द होता है? और क्या होता अगर तुम्हारी पकड़ फिसल गई होती, और तुम अपनी गर्दन तोड़ बैठते? तुम्हें क्या लगता है कि उसमें कितना दर्द होता?"

लेंक ने चिल्लाया, जैसे थपेड़े का बल धीरे-धीरे एक चरम पर पहुँच गया। "ईप! मुझे माफ़ कर दो, मम्मी! मुझे बहुत माफ़ चाहिए!"

एलेक्जेंड्रा मुस्कुराई। उसका गोद लिया हुआ बेटा इतना प्यारा था, वह उस पर नाराज़ नहीं रह सकती थी। लेकिन उसका एक मातृ कर्तव्य था जिसे उसे पूरा करना था, और उसने एक अच्छा काम करने का इरादा किया। "तुम्हें अब पछतावा है, लेकिन उतना नहीं जितना तुम्हें होने वाला है, छोटे सैनिक!"

एलेक्जेंड्रा ने थपेड़े की गति बढ़ा दी, बिना अथक बल को कम किए। लेंक चीखा, उसका संकल्प पूरी तरह टूट गया। "आउ! बाहव! वाह—ओह!"

एलेक्जेंड्रा ने कंघी-ब्रश को वृत्तों में निशाना बनाया, लेंक के नितंब के किनारों और निचली वक्रताओं को कवर करते हुए, जहाँ उसके निचले नितंब उसकी ऊपरी जाँघों से जुड़ते थे। फिर उसने अब तक के छह सबसे भीषण वारों को और अधिक, सीधे प्रत्येक नितंब के केंद्र पर निशाना बनाया। एलेक्जेंड्रा ने अपना बाजू फैलाया, लेंक की दयनीय चीखों को नज़रअंदाज़ करते हुए। "यह आज रात के लिए काम करना चाहिए। लेकिन तुम घर से भागने की कोशिश करने का नियम जानते हो। तुम कल सुबह एक और थपेड़े की उम्मीद कर सकते हो। भोर होते ही, मैं तुम्हें सीधे उपवन में भेज रही हूँ ताकि तुम अपने अगले थपेड़े के लिए उचित आकार की एक छड़ी तराश सको। तुम्हें आंगन में एक अच्छी बेंत-पिटाई मिलेगी, ताकि सभी नौकर-पुरुष देख सकें कि शरारती छोटे लड़कों के साथ क्या होता है जो अंधेरे के बाद अपने कमरों से बाहर निकलने की कोशिश करते हैं।"

लेंक ने सिसकी ली। "कृ-पया! मैं फिर कभी नहीं भागूँगा!"

एलेक्जेंड्रा ने नग्न लड़के को उठाया, और उसे पाला। "हम्म। मैं तुम पर विश्वास करना चाहूँगी। लेकिन मुझे आज रात तुम पर नज़र रखनी होगी।"

लेंक ने साँस पकड़ने की कोशिश करते हुए हिचकी ली, अपने आगे के हिस्से को दोनों हाथों से ढँक लिया।

एलेक्जेंड्रा लड़के को अपने सादे, साधारण शयनकक्ष में ले गई, और उसे उसके पैरों पर खड़ा कर दिया। फिर उसने एक रात का कुरता निकाला, और उसे लड़के के सिर के ऊपर

खींच दिया। लेंक ने अपने हाथ बाहर निकाले ताकि एलेक्जेंड्रा उसे कपड़े पहना सके, फिर अपने नितंब को पकड़कर सूँघा।

एलेक्जेंड्रा ने उसे ध्यान से देखा। "क्या तुम नाखुश हो, लेंक? क्या तुम इसलिए भागना चाहते हो क्योंकि तुम अब यहाँ नहीं रहना चाहते?"

लेंक ने सिर झुकाया। "नहीं... ऐसा नहीं है। मैं हमेशा के लिए भागने वाला नहीं था। बस थोड़ी देर के लिए।"

एलेक्जेंड्रा ने एक भौंह उठाई। "ओह? और तुम ठीक-ठीक क्या करने की योजना बना रहे थे?"

लेंक ने अपने पैर रगड़े। "बस... रियानोन को महल के आसपास घुमाना। हम अकेले ही तरह-तरह की जगहों पर जाया करते थे। तुम्हें मेरी चिंता करने की ज़रूरत नहीं है।"

एलेक्जेंड्रा ने लेंक का गाल सहलाया। "अच्छा, मेरा काम है तुम्हारी चिंता करना, क्योंकि अब तुम मेरे छोटे सैनिक हो। अगर तुम थोड़ा अन्वेषण करने के लिए घर छोड़ना चाहते थे, तो तुम्हें बस पूछना था। लेकिन मैं उम्मीद करती हूँ कि तुम जाने की अनुमति माँगोगे, और अंधेरे से पहले मुख्यालय में वापस रिपोर्ट करोगे, जैसा एक अच्छे सैनिक को करना चाहिए।"

लेंक ने पानी भरी आँखों से एलेक्जेंड्रा की ओर देखा। "तुम्हारा मतलब... तुम मुझसे नाराज़ नहीं हो?"

एलेक्जेंड्रा ने लेंक को उसके सिर के ऊपर चूमा। "बेशक नहीं। कभी-कभी, तुम एक मूर्ख, शरारती छोटे लड़के हो सकते हो। लेकिन तुम मेरे मूर्ख, शरारती छोटे लड़के हो। समझे?"

लेंक ने अपनी नाक अपनी बाज़ू के पिछले हिस्से पर पोंछी, और मुस्कुराया। "हाँ, महोदया।"

एलेक्जेंड्रा ने लेंक को उठाया और उसे अपनी गोद पर बिठाया, उसके आखिरी आँसू पोंछते हुए। "और तुम समझते हो कि तुम्हें अभी भी एक और थपेड़ा आना बाकी है, कल सुबह, है न, बेटा?"

लेंक ने सिर हिलाया, और उसके गाल पर चूमा। "हाँ, मम्मी।"

एलेक्जेंड्रा ने प्यार से आवाज़ निकाली, और अपने बिस्तर पर लेट गई, लेंक को अपनी छाती पर टिकने दिया। "अच्छा लड़का।"

[अध्याय I का अंत]

लेंक का हीलफॉल में साहसिक अभियान

अध्याय II: प्रशिक्षण

यू मे और गोजी द्वारा

लेंक के हाथ काँप रहे थे, जब उसने अपनी नई गोद ली हुई माँ, जनरल एलेक्जेंड्रा को, वह बर्च शाखा सौंपी जिसे उसने खुद काटा और तराशा था। एलेक्जेंड्रा ने गुनगुनाते हुए भारी छड़ी की सावधानीपूर्वक जाँच की। अनुरोध के अनुसार, यह लेंक के अंगूठे की चौड़ाई से अधिक मोटी थी। इस छड़ी का प्रत्येक वार एक मोटा, गुस्से वाला, लाल निशान उठाएगा; कम से कम, सही हाथों में, और सही नितंब पर।

अपने पीछे, एलेक्जेंड्रा ने सैनिकों की खिलखिलाहट सुनी, और महल के कुछ पहरेदारों को अपने हाथों के पीछे फुसफुसाते देखा। एलेक्जेंड्रा ने मुँह बनाया। उसे आदेश-भंग के लिए उन्हें गार्ड के कप्तान को रिपोर्ट करना होगा। उन्हें एक सार्वजनिक पट्टा-पिटाई के साथ हल्की सज़ा मिलेगी। लेकिन अभी के लिए, एलेक्जेंड्रा उन्हें अपना मज़ा लेने देने से संतुष्ट थी। कुछ खिलखिलाते गवाह इस अनुभव को उसके भटके हुए नौजवान प्रभारी के लिए और अधिक विनम्र बना देंगे। एलेक्जेंड्रा ने महल के आँगन के किनारे एक लंबी लकड़ी की बेंच की ओर इशारा करने के लिए छड़ी घुमाई। "बहुत अच्छा, सैनिक। तुमने एक अच्छी छड़ी तैयार की है, लेकिन अब तुम्हें अपनी छड़ी-पिटाई के लिए खुद को तैयार करना होगा। तुरंत अपना नितंब नंगा करो, फिर सीधे उस बेंच पर मार्च करो, और अपनी कोहनियों पर अपना वजन टिकाओ। अपनी टाँगें सीधी रखो, और अपना सिर ऊपर रखो।"

लेंक के गाल और कान लाल हो गए, जब उसने पहरेदारों और पैदल सैनिकों को खिलखिलाते सुना। ध्यान से, उसने अपने निक्कर नीचे उतारे, अपने अंगरखे के घेरे के किनारे को पकड़े हुए, फिर बेंच की ओर टॉडल किया, उसके अंडरगारमेंट्स उसके टखनों पर खिंच रहे थे। विनम्रता से, लेंक ने अपना घेरा उठाया, उसे अपनी बेल्ट के पीछे टिका दिया ताकि उसके नितंब उजागर हो सकें, जो पहले से ही उसके पिछले थपेड़े से चितकबरे लाल-बैंगनी नील के निशानों से चिह्नित थे, और अपने अगले थपेड़े के लिए स्थिति ग्रहण की। लेंक कराहा, जब उसने अपने दुखते नितंब को खिंचते और झुनझुनाते महसूस किया।

उसने भारी बूट-क़दमों की आवाज़ सुनी, जब जनरल एलेक्जेंड्रा उसके पास आई, और बर्च की छड़ी को उसके नितंब पर थपथपाया। "ठीक है, नौजवान। मैं चाहती हूँ कि तुम यहाँ सभी को बताओ कि तुम्हें यह बेंत-पिटाई क्यों मिल रही है।"

लेंक ने धीरे से अपनी साँसों के नीचे बड़बड़ाया, लेकिन अपनी कलाई की एक त्वरित फटक के साथ, एलेक्जेंड्रा ने छड़ी को उसके नितंब पर चटकाया। "ऊँचा बोलो।"

लेंक फुफकारा, लेकिन झिझकने के आवेग का विरोध किया। "मैंने कल रात घर से भागने की कोशिश की। और मैं लगभग सफल भी हो गया था।"

एलेक्जेंड्रा ने छड़ी को लेंक के पिछवाड़े पर दो बार थपथपाया। "वह गुस्ताखी नहीं। अब, हमें बताओ कि शरारती छोटे लड़कों के साथ क्या होता है जो अपनी बिस्तर-चादरों को भागने की रस्सियों में बदल देते हैं और महल की दीवारों पर चढ़ जाते हैं?"

"हमें शरारती होने के लिए, हमारे नंगे नितंबों पर थपेड़े मिलते हैं।"

एलेक्जेंड्रा ने हाथ से बनी बेंत को लेंक के नितंब पर फिराया। "यह सही है। तुम्हें प्रत्येक अपराध के लिए सबसे अच्छे प्रशिक्षकों से छह मिलेंगे। भागने की कोशिश करने के लिए छह… और अपना बिस्तर गंदा करने के लिए छह और। अब, तुम क्या कहते हो जब थपेड़े का समय होता है, नौजवान?"

कुछ दर्शक इस मज़ाक पर छुपी हँसी के साथ खिलखिलाए। वे अनुभव से जानते थे कि जनरल में किसी भी सैनिक के लिए सज़ाओं को अपमानजनक बनाने की कला थी जो अपने कर्तव्य में विफल हो जाता था। लेंक ने एक गहरी साँस ली। "हाँ, मम्मी। कृपया मुझे थपेड़ा मारो, ठीक वैसे ही जैसे मैं इसके लायक हूँ।"

तुरंत, एलेक्जेंड्रा ने छड़ी का एक क्रूर वार लेंक के नितंबों पर काँपती ताकत के साथ मारा। लेंक चीखा, और अपना पैर पीछे मारा, जब उसने छड़ी को अपने ऊपर तीर की तरह लगते महसूस किया, जैसे गर्म मक्खन को काटती हुई छुरी। एलेक्जेंड्रा ने छड़ी के सिरे को लेंक के जूते पर थपथपाया। "पैर नीचे। वह गिनती में नहीं आता।"

लेंक ने गुर्राया, फिर अपना पैर जोर से नीचे पटका। देख रहे सैनिक आतंक से जम गए, सोच रहे थे कि एलेक्जेंड्रा इस जिद से कैसे निपटेगी। लेकिन उनके आश्चर्य के लिए, एलेक्जेंड्रा वास्तव में मुस्कुराई, दर्शकों की ओर एक अर्थपूर्ण नज़र के साथ देखने के लिए मुड़ी। फिर, बिना देखे, उसने छड़ी का एक बैकहैंड वार मारा, जो ठीक लेंक के नितंबों के केंद्र पर लक्षित था। एलेक्जेंड्रा ने कुछ सेकंड इंतज़ार किया, फिर गिना। "एक।"

लेंक ने लात मारने के आवेग का विरोध किया, जब एलेक्जेंड्रा ने वारों का अगला सेट दिया। छठे के बाद, उसने लगभग एक पूरा मिनट रुका, अपना बाजू फैलाया, और छड़ी को अपने दूसरे हाथ में बदल लिया। लेंक ने काँपती साँसें लीं, और सात धड़कते, झुनझुनाते निशानों को महसूस किया, सभी साफ पंक्तियों में।

अंततः, एलेक्जेंड्रा ने फिर से छड़ी-पिटाई शुरू की। इस बार, उसने एक वार तिरछे निशाना बनाया, जो पिछले कई निशानों को काटता हुआ गुज़रा। "एक।"

लेंक तड़पा, जब आखिरी वार ने उसके निशानों की वर्तमान पंक्तियों में एक ताज़ा दंश जगाया, इससे पहले कि अगला वार पिछले के ठीक नीचे लगे। लेंक फड़का, उसके घुटने एक-दूसरे से टकराए, लेकिन उसने लात नहीं मारी। एलेक्जेंड्रा मुस्कुराई। "दो।"

तुरंत, उसने तीसरा वार मारा, बिना लेंक को साँस लेने का समय दिए। वह आश्चर्य से चीखा, उसकी टोपी गिर गई, जब उसने अपनी पीठ झुकाई। लेंक के घुटने झुक गए, इससे पहले कि उसने अपनी टाँगें सीधी कीं और आज्ञाकारी ढंग से अपना नितंब ऊपर रखा। एलेक्जेंड्रा प्रभावित हुई। उसने उम्मीद की थी कि लेंक उसे गिनती को शुरू से शुरू करने का एक कारण बहुत पहले ही दे देगा। "तीन।"

एलेक्जेंड्रा लेंक के दूसरी तरफ टहली, और अपने काम की जाँच की। इस बार, उसने फैसला किया, वह एक नए कोण पर एक वार निशाना बनाएगी, ताकि पिछले सेट के ऊपर निशानों का एक क्रॉस-हैच पैटर्न बन सके। एलेक्जेंड्रा ने अपना बाज़ू ऊँचा उठाया और अपनी कोहनी की एक चटक के साथ छड़ी घुमाई। उसने तब तक इंतज़ार किया जब तक लेंक ने चीखना समाप्त नहीं किया, और गिना। "चार।"

आखिरी दो वारों के लिए, एलेक्जेंड्रा ने फिर से अपनी रणनीति बदल दी। इस बार, उसने अधिक अनुगामी क्रिया का उपयोग किया, यह सुनिश्चित करते हुए कि छड़ी लेंक के नितंबों के मांस में गहराई तक धँस जाए। लेंक ने लगभग अपना दम घोंट लिया, और अपने सिर को बेंच से टकराने से बचाने के लिए खुद को कठोरता से अपनी कोहनियों पर पकड़ा। एलेक्जेंड्रा ने एक काँपती साँस ली। "पाँच।"

उसने आखिरी वार भी उतनी ही ताकत से मारा। लेंक चीखा, और अपने घुटनों के बल गिर पड़ा। दर्शकों ने हाँफा। लेंक की आँखें खुल गईं, जब उसे अपनी गलती का एहसास हुआ। जल्दी से, वह अपने पैरों पर खड़ा हो गया, जनरल के भयानक फैसले की प्रतीक्षा कर रहा था।

सेकंड खिंचते गए। अंततः, लेंक ने अपने कंधे के ऊपर एक झलक देखने की हिम्मत की। जनरल एलेक्जेंड्रा सख्त, अडिग दिख रही थी। "नौजवान, तुमने अपनी स्थिति छोड़ दी। अगर तुम मेरी तलवार-चालक महिलाओं में से एक होते, तो मैं तुम्हारी बेंत-पिटाई फिर से शुरू कर देती, बिल्कुल शुरू से, बस इसके लिए।"

लेंक ने सिसकी ली, फिर सिर झुकाया, थपेड़ा फिर से शुरू करने के लिए अपना नितंब ऊँचा रखते हुए। "मुझे माफ़ कर दो, मम्मी। कृपया मेरा थपेड़ा समाप्त करो।"

गुस्से से दिखते हुए, एलेक्जेंड्रा ने बेंत को लेंक के पिछवाड़े पर थपथपाया, और उसे पकड़ लिया। फिर अंततः, एलेक्जेंड्रा मुस्कुराई, और कंधे उचकाए। "लेकिन दूसरी ओर, तुम मेरी तलवार-चालक महिलाओं में से एक नहीं हो। आखिर, लड़के लड़के होते हैं।"

लेंक ने पलक झपकी। "तुम्हारा मतलब… मेरा थपेड़ा खत्म हो गया?"

एलेक्जेंड्रा ने घुटने टेके, और लेंक को सिर पर थपथपाया। "बेशक थपेड़ा खत्म हो गया, तुम मूर्ख बच्चे। सुधार की निश्चित रूप से गुंजाइश है, लेकिन तुमने अपनी पहली बेंत-पिटाई लगभग उतनी ही अच्छी तरह से ली जितनी मुझे उम्मीद थी।"

एलेक्जेंड्रा ने लेंक को एक कोमल आलिंगन में खींचा, फिर उसके अभी भी उजागर पिछवाड़े को सहलाने के लिए चारों ओर हाथ बढ़ाया। "अब, अपनी कमर कस लो।"

लेंक शरमा गया, और जल्दी से अपने निक्कर ऊपर खींचने के लिए झुका। महिलाएं हँसी में फूट पड़ीं, जब लेंक ने अपने कपड़े ठीक किए, इससे पहले कि एक अजीब, काली-बालों वाली महिला आंगन में टहलती हुई आई। वह लगभग जनरल एलेक्जेंड्रा जितनी लंबी थी, लेकिन अधिक लचीले ढंग से बनी थी। उसने सुनहरी-गुच्छेदार कंधा-पट्टियों और एक नाजुक जोड़ी चश्मे के साथ एक लाल सैन्य जैकेट पहनी हुई थी। "उस शोरगुल को बंद करो! तुम लोग, तुम पर शर्म आनी चाहिए। शाही रक्षकों की महिलाएं, स्कूल की लड़कियों के झुंड की तरह व्यवहार कर रही हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं तुम सब को दोपहर के भोजन से पहले कोड़ा-पिटाई के खंभे पर देखूँगी, अपनी शिफ्ट पहने, और कुछ नहीं।"

एलेक्जेंड्रा काली-बालों वाली अधिकारी का सामना करने के लिए मुड़ी। "सुप्रभात, कप्तान अनीता।"

अनीता ने अपनी मुद्रा सीधी की, और सलामी दी। "जनरल एलेक्जेंड्रा। कृपया, मेरी रक्षक-महिलाओं की शिष्टाचार की कमी को क्षमा करें।"

"ओह? और अगर मैं उन्हें क्षमा कर दूँ, तो क्या तुम उनमें से प्रत्येक के लिए उनकी कोड़ा-पिटाई स्वयं लोगी?"

अनीता ने पूर्ण दृढ़ता के साथ अपनी सलामी बनाए रखी। "हाँ, महोदया! अगर यही आपका निर्णय है।"

एलेक्जेंड्रा शाही रक्षकों की ओर मुड़ी। "और अभियुक्तों का क्या कहना है? क्या तुम अपने कमांडिंग अधिकारी को तुम्हारे लिए देय सज़ा लेने दोगी?"

कवचधारी रक्षकों ने जल्दी से सलामी दी। इस तथ्य के बावजूद कि वे सभी हेलमेट पहने हुए थे जो उनके चेहरों को अस्पष्ट कर रहे थे, किसी तरह, वे सभी स्पष्ट रूप से शर्मसार थे। एक रक्षक ने कहा। "जनरल एलेक्जेंड्रा, महोदया। अगर यह आपकी इच्छा है, तो कृपया हमें अपनी स्वयं की कोड़ा-पिटाई स्वीकार करने का सम्मान दें।"

एलेक्जेंड्रा ने सिर हिलाया। "तो हो। जैसा आदेश दिया गया था, तुरंत कोड़ा-पिटाई के खंभों पर रिपोर्ट करो। कप्तान अनीता, तुम्हारी महिलाओं की वफादारी तुम्हारे बारे में अच्छा बोलती है। इसलिए, मैं उनके नितंबों का भाग्य तुम पर छोड़ दूँगी।"

"धन्यवाद, महोदया!"

एलेक्जेंड्रा ने एक हाथ हिलाया। "आराम से, कप्तान। मुझे एक एहसान माँगना है। मैंने हाल ही में एक बेटा गोद लिया है, लेंक। उसे तलवारों से युद्ध-खेल पसंद है, और मैं चाहूँगी कि तुम व्यक्तिगत रूप से उसकी तलवारबाजी के प्रशिक्षण की देखरेख करो।"

अनीता ने लेंक पर नज़र डाली, एक भौंह उठाते हुए। "एक लड़का? तलवारबाजी सीख रहा है?"

एलेक्जेंड्रा खिलखिलाई। "मुझे पता है। बच्चा काफी टॉमबॉय है। बेशक, मैं उम्मीद करती हूँ कि तुम उसके साथ सख्त रहोगी। तुम क्या कहते हो, लेंक? क्या तुम ठीक से तलवारबाजी सीखना चाहोगे?"

लेंक ने अपनी मुट्ठियाँ भींच लीं। "मुझे पहले से ही तलवारबाजी आती है।"

आंगन में सभी की निगाहें लेंक पर थीं। एलेक्जेंड्रा की मुस्कान गायब हो गई। "तो मुझे तुम्हारे पहले पाठ के बाद कप्तान अनीता से एक उत्कृष्ट रिपोर्ट सुनने की उम्मीद है। क्या यह समझा गया, नौजवान?"

लेंक ने शब्दों के पीछे अनकहे खतरे को महसूस किया, और तन गया। "हाँ, महोदया।"

एलेक्जेंड्रा ने लेंक को घूरा, फिर धीरे से उसका गाल चिकोटी काटा। "यही तो जज़्बा है, बेटा। तुम, ढाल-युवतियों, लड़के को नहलाओ, फिर उसे उसके पहले पाठ के लिए कपड़े पहनने में मदद करो।"

लेंक के नुकीले कान फड़के, जब महिलाएँ उसके पास आईं। "लेकिन–"

फिर ढाल-युवतियों में से एक ने उसे कमर से उठाया, और उसे अपने कंधे पर पालकर ले गई।

एलेक्जेंड्रा ने लेंक के चेहरे पर एक उंगली लहराई। "और अगर वह टब में कोई परेशानी करता है, तो तुम्हें मेरी अनुमति है कि उसे अच्छी तरह थपेड़ा मारो। बेशक, अगर वह दुर्व्यवहार करता है तो मुझे बताना। याद रखो, लेंक, अगर किसी और महिला को किसी भी कारण से मेरी ओर से तुम्हें थपेड़ा मारना पड़े, तो तुम सोने से पहले मुझसे एक और थपेड़े की उम्मीद कर सकते हो।"

जिस क्षण दोनों महिलाएँ सुनने की दूरी से बाहर थीं, वे खुशी की लड़कियों-सी चीखों में फूट पड़ीं। लेंक को उठाए हुए महिला ने हवा के लिए हाँफा, हँसी रोकने के लिए संघर्ष कर रही थी। "ओह! वह बहुत प्यारा है!"

लेंक ने अपना चेहरा जलता महसूस किया, और दूर देखने की कोशिश की।

दूसरी ढाल-युवती ने प्यार से कहा, "आह, तुम उसे शर्मिंदा कर रही हो। देखो, उसके कान लाल हो गए हैं!"

"उसके गरीब नितंब की तो बात ही मत करो! ती ही!"

***

लेंक के नहाने के समय के दौरान, ढाल-युवतियों ने इस बारे में एक चिढ़ाने वाली बहस की कि उनमें से किसे उसे थपेड़ा मारना चाहिए, अगर वह टब में बहुत अधिक पानी उछाले। इस पर, लेंक धीरे से रोने लगा, और दोनों लड़कियों ने वादा किया कि अगर वह अच्छा व्यवहार करेगा तो वे उसे थपेड़ा नहीं मारेंगी।

अंत में, लेंक नहाने के समय के थपेड़े से बचने में कामयाब रहा। अच्छी तरह रगड़-धो करने के बाद, उसे अपने कपड़ों का एक ताज़ा सेट पहनाया गया, उसके पुराने अंगरखे में से एक, और बैरकों में ले जाया गया।

तलवारबाजी का हॉल एक लंबा, संकरा, ऊँची-छत वाला कमरा था। चॉक में रेखाएँ तलवारबाजी के अभ्यास के लिए आयताकार क्षेत्रों को चिह्नित करती थीं। किनारों पर, कुछ शूरवीर लड़की स्क्वायरों के साथ तलवारबाजी का अभ्यास कर रही थीं, कुछ मुश्किल से लेंक से बड़ी थीं।

कप्तान अनीता केंद्रीय क्षेत्र में अपने हाथों को अपनी पीठ के पीछे मोड़कर खड़ी थी, फिर लेंक का सामना करने के लिए मुड़ी। "आह, महत्वाकांक्षी तलवारबाज आ गया है। धन्यवाद, ढाल-युवतियों, तुम्हें जाने की अनुमति है।"

दोनों युवतियाँ निराश दिखीं, लेकिन झुककर बाहर चली गईं, अपने पीछे दरवाजा पटक दिया। लेंक ने बाज़ू बाँध लिए, और कप्तान अनीता को गुस्से से घूरा, मुँह बनाते हुए।

अनीता ने लेंक को ध्यान से देखने के लिए कमर से झुका, और उसकी लंबी, नुकीली उंगली को उसके कान पर फिराया। "अजीब। क्या यह तुम्हारे गृह देश में एक सामान्य विशेषता है?"

लेंक ने अपने कान पर हाथ रखा। "यह सिर्फ एक कान है। हर किसी के पास होते हैं।"

"यहाँ के किसी भी पुरुष के कान चाकू की तरह नुकीले नहीं हैं। मुझे अपने प्रश्न का उचित उत्तर चाहिए, सैनिक।"

लेंक ने सिर झुकाया, उसका चेहरा जल रहा था। "हाँ, महोदया। हाई में हर कोई—"

लेंक हकलाया, इससे पहले कि वह गलती से एवलॉन राज्य का नाम बोल दे। "—मेरे गृह देश। हम सभी के कान ऐसे हैं।"

अनीता ने अपना होंठ मोड़ा। "और तुम्हारे गृह देश का क्या नाम है?"

लेंक ने अपना सिर ऊँचा रखा, अनीता को घूरते हुए पलक न झपकाने की कोशिश कर रहा था। अंततः, वह मुस्कुराई। "चलो, बच्चे, अपने घर का नाम बताने में क्या नुकसान है? डर है कि हम इसे जीत लेंगे?"

"मैं एवलॉन राज्य का एक शूरवीर हूँ, जिसे स्वयं राजकुमारी आइसोल्डे ने नाइट की उपाधि दी है। तुम कभी हमारे घर पर विजय नहीं पाओगे।"

"एक राज्य? कितना अजीब। कम से कम तुम्हें एक उचित राजकुमारी मिली है जिसने तुम्हें नाइट की उपाधि दी। हालाँकि, अगर सभी शूरवीर तुम्हारे जितने छोटे हैं, तो मुझे संदेह है कि यह एक कठिन विजय होगी।"

"मैं नहीं—" लेंक ने लगभग छोटा होने से इनकार किया, लेकिन खुद को रोक लिया। "—मैं नहीं डरता।"

अनीता ने पल को लटकने दिया, फिर खिलखिलाई। "कितनी हिम्मत है। एक प्रशिक्षण तलवार लाओ, और हम शुरू कर सकते हैं।"

"मैं अपनी खुद की तलवार और ढाल पसंद करता हूँ।"

"एक तलवार और ढाल लड़ाकू? मैंने तुम्हारी प्यारी छोटी तलवार देखी है। एक अच्छा ब्लेड, लेकिन तुम एक लकड़ी की अभ्यास तलवार का उपयोग करोगे, बाकी सभी की तरह।"

"मैं अपने हथियारों से बेहतर लड़ता हूँ।"

"और मैं भाले से बेहतर लड़ती हूँ। मैंने सुना है कि जनरल एलेक्जेंड्रा के साथ तुम्हारा द्वंद्व काफी जल्दी समाप्त हो गया। लेकिन हम बुनियादी बातों से शुरू करेंगे। अगर तुम तलवारबाजी के पाठ से पहले थपेड़ा नहीं चाहते, तो एक प्रशिक्षण तलवार लाओ।"

लेंक ने दाँत पीस लिए, और रैक से एक लकड़ी की तलवार ले ली। उसने महिला शूरवीरों और लड़की स्क्वायरों की निगाहों को अपने पीछे आते महसूस किया, जब उन्होंने अपना प्रशिक्षण रोक दिया।

जब लेंक केंद्रीय क्षेत्र में लौटा, तो अनीता ने अपनी स्वयं की लकड़ी की तलवार खींची, और एक रक्षात्मक मुद्रा ली। "तुम्हारा पहला पाठ: हमेशा अपने प्रतिद्वंद्वी को मापो। कमजोर लड़ाकू होने में कोई शर्म नहीं है, जब तक कि तुम कायरता का विरोध करते हो। मेरी रक्षा को भेदने की कोशिश करो।"

लेंक ने अपनी तलवार को अपने पीछे रखते हुए, एक तैयार मुद्रा में प्रवेश किया। उसने अपने बाएँ हाथ से मूठ को इतनी कसकर पकड़ा कि उसके पोर काँप रहे थे।

अनीता मुस्कुराई। "तुम बाएँ हाथ से काम करते हो? कितना अजीब। मुझे लगता है कि यह एक कमजोर प्रतिद्वंद्वी को उसकी चौकसी से हटा देगा।"

लेंक ने अपने बाएँ हाथ में तलवार घुमाते हुए हमला किया। अनीता की भौंहें तन गईं, इससे पहले कि उसने उसके पहले जंगली वार को मोड़ा, और पीछे की ओर उछली। लेंक ने हमला जारी रखा, एक अच्छी तरह से अभ्यस्त हमले के कॉम्बो में सुंदर ढंग से बहता हुआ। उसे सीमा में बने रहने के लिए आगे बढ़ते रहना था, जिससे अनीता लगभग क्षेत्र से बाहर चली गई। वह उसके हमले के अंतिम वार से हल्के से दूर घूमी, और रिंग के केंद्र की ओर वापस पीछे हट गई। "अच्छा, भयंकर आक्रमण। हालाँकि तुम्हारे दृष्टिकोण में थोड़ा जंगलीपन है। आगे, कोशिश करो—"

लेंक पीछे की ओर कूदा, अपनी पिछली गति को खोए बिना अपने हमले को दबाने के लिए पागलों की तरह घूमता हुआ। अनीता ने हाँफा, और तलवार को एक करीबी रक्षा में पकड़ लिया, मुश्किल से प्रत्येक नए हमले को मोड़ पाई। अंततः, उसने लेंक की खोपड़ी पर निशाना साधकर एक निचला तिरछा वार किया। लेंक एक तरफ उछला, अपनी गर्दन झुकाकर तलवार को अपनी खोपड़ी से टकराने दिया, और अनीता को उसके दाहिनी ओर से घेरने की कोशिश की। केवल अनीता की पैर-चाल ने उसे पेट में छुरा मारने से बचाया। उसे अजीब तरह से पीछे की ओर लड़खड़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा, लेकिन ठीक सीमा से बाहर। लेंक ने उसकी खोपड़ी पर एक उड़ता हुआ नीचे-की-ओर वार करने के लिए हवा में कूदा।

आखिरी क्षण पर, अनीता जमीन पर गिर गई, लेंक के हमले को इतनी ताकत से रोकते हुए कि उसने अपना बाजू प्रभाव से झनझनाते हुए महसूस किया। अनीता पीछे की ओर लुढ़की, और हल्के से वापस अपने पैरों पर उछली। उनके आसपास, कुछ महिलाओं और लड़कियों ने बड़बड़ाना शुरू कर दिया। "मैंने कभी किसी को कप्तान को इतना दबाते नहीं देखा।"

लेंक ने हवा के लिए हाँफा। उसने उस अथक हमले में अपनी सब कुछ झोंक दिया था, और पहले से ही उसने तनाव को अपनी मांसपेशियों पर असर करते महसूस किया।

अनीता ने एक काँपती साँस ली। "अविश्वसनीय। शुद्ध प्रवृत्ति। तुमने स्पष्ट रूप से खुद को प्रशिक्षित किया है… लेकिन तुम्हारे हमले अपने निशाने से कम पड़ जाते हैं। यह उस तरह की आक्रामक 'कुत्ता-लड़ाई' शैली है जो मुझे एक बड़े बर्बर से उम्मीद होगी। तुम अपने छोटे कद को ध्यान में नहीं रख रहे हो।"

लेंक ने हवा के लिए गला निगला। लकड़ी की तलवार उसकी छोटी तलवार से अधिक लंबी थी। अपनी साधारण उपस्थिति के बावजूद, सादी तलवार के वजन ने एक स्मृति को जगाया: उसे बुराई के विनाश की तलवार पकड़ने की याद आई, जब उसके पास अभी भी अजेय नायक के रूप में अपना वयस्क शरीर था। लेकिन उसके पास काम करने के लिए कोई ढाल नहीं थी। लेंक ने अपनी साँस स्थिर की, और अपनी तलवार को दो-हाथों वाली रक्षा में पकड़ लिया, जिस तरह का वह बड़े हथियारों के साथ इस्तेमाल करता था।

पल खिंचते गए, और जैसे ही उसने अनीता के हमले का इंतज़ार किया, लेंक ने उसकी अभिव्यक्ति को बदलते देखा। लेकिन, अजीब बात है, अनीता गुस्से में नहीं दिख रही थी। उसका चेहरा पूरी तरह से शांत था।

उसने उसकी खामोश चुनौती को समझ लिया था। ऐसा था जैसे लेंक कह रहा हो, "आओ और मुझे पकड़ो।"

फिर अनीता ने एक हाथ में अपनी तलवार पकड़कर आगे बढ़ाया। लेंक ने उसके हमलों को मोड़ा, उसकी हड़ताल सीमा से बाहर रहने के लिए पीछे हटता रहा। अनीता का हमला लगभग एक नृत्य की तरह था: प्रवाहमय, संयत। इसने लेंक को गरुडन के चोरों की लड़ाई की याद दिला दी, सभी महिलाएँ, जो सुंदर, घुमावदार स्किमिटारों से लड़ती थीं।

अनीता ने तीन सुंदर हमले देने के बाद, लेंक ने एक त्वरित वार से उसे आश्चर्यचकित करने की कोशिश की, लेकिन वह उसकी तलवार के नोक से बचने के लिए फिसल गई, और उसका सामना करने के लिए घूमी। "तो, तुम केवल एक जंगली कुत्ते की तरह झपटना ही नहीं जानते। शाबाश। एक ठोस रक्षा को नकली नहीं किया जा सकता। तो, हम आज के आखिरी पाठ पर आते हैं, जो पहले के समान है: हमेशा अपने प्रतिद्वंद्वी को मापो।"

लेकिन लेंक ने जवाब नहीं दिया।

अनीता ने लेंक की मुद्रा से मेल खाने के लिए अपनी मुद्रा बदली, यहाँ तक कि उसकी दो-हाथों वाली पकड़ की नकल भी की। "मुझे एक स्वीकारोक्ति करनी है। जब मैंने सुना कि जनरल एलेक्जेंड्रा ने उस कुख्यात जंगली-लड़के को पकड़ लिया है जो लॉर्ड चैपमैन के विद्रोह में शामिल हो गया था, तो मैं तुम्हें एक अच्छी पिटाई देने के लिए बहुत ललचा रही थी, बस तुम्हें एक सबक सिखाने के लिए। उन विद्रोही कुत्तों को कोई दया नहीं मिलनी चाहिए। लेकिन तुमने इतनी सराहनीय लड़ाई लड़ी है कि—सिर्फ इस बार—मैं तुम्हें ड्रॉ की पेशकश करने को तैयार हूँ।"

देख रहे दर्शकों ने अपनी साँस रोक ली। लेंक ने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। "अगर मैं इसे ड्रॉ कॉल नहीं करना चाहता तो क्या?"

अनीता ने अपना चश्मा ठीक किया। "तो हम अपना द्वंद्व समाप्त कर सकते हैं। लेकिन अगर हम जारी रखते हैं, तो मैं जीतने के लिए तुमसे लड़ रही हूँ, और अगर मैं जीत गई, तो मैं तुम्हें वैसे सज़ा दूँगी जैसा मैं उचित समझूँ।"

लेंक ने अपनी तलवार पर पकड़ ढीली कर दी। "और अगर मैं जीत गया?"

अनीता ने अपनी आँखें बंद कर लीं, और मुस्कुराई। वह लगभग लड़कियों-सी दिख रही थी। "तो फिर, बेशक तुम मुझे थपेड़ा मार सकते हो।"

लेंक ने अपनी दो-हाथों वाली पकड़ से वापस अपनी बाएँ-हाथ की लड़ाई शैली में बदलाव किया, लेकिन एक नए अंदाज में। उसने अपने जंगली दृष्टिकोण की नकल की, फिर

एक झूठा हमला किया, अनीता पर बाईं ओर से हमला करने के लिए एक तरफ झुका, उसकी तलवार-बाजू से दूर।

अनीता झूठे हमले में आती हुई लग रही थी, रुकते हुए जैसे उसने बचाव की कोशिश की। लेंक ने अपना मौका देखा, और एक विजयी युद्ध-घोष के साथ, उसने वार किया।

फिर, अनीता ने हल्के से अपनी तलवार को अपने बाएँ हाथ में बदल लिया, और लेंक के हमले को मोड़ दिया। लेंक की आँखें खुल गईं, जब वह आगे की ओर लड़खड़ाया, इससे पहले कि अनीता ने अपनी तलवार घुमाई और लकड़ी के ब्लेड के सपाट हिस्से को उसके नितंब पर फटकारा। लेंक ने हाँफा, जब उसने उस सुबह की अपनी बेंत-पिटाई की चाबुकों को विरोध में चीखते हुए महसूस किया।

लेंक बचाव के लिए घूमा, लेकिन अनीता हमले पर आ गई थी, अपने बाएँ हाथ का उपयोग करके भीषण, प्रवाहमय वारों की एक श्रृंखला के साथ। यह लेंक की अपनी लड़ाई शैली थी। लेंक ने तीन वारों को रोका, इससे पहले कि आखिरी वार उसके खिलाफ इतनी ताकत से टकराया कि उसे पीछे की ओर गिरा दिया, अपने दुखते नितंब पर सपाट गिर पड़ा।

फिर, लेंक ने अपने गले के खिलाफ एक लकड़ी की तलवार का नोक महसूस किया। अनीता ने सिर हिलाया। "तुत-तुत। तुम अपनी पहली परीक्षा में असफल हो गए। हमेशा अपने प्रतिद्वंद्वी को मापो। मुझे डर है कि तुमने एक तलवारबाज के रूप में कुछ बुरी आदतें विकसित कर ली हैं। तुम एक जंगली कुत्ते की तरह लड़ते हो। इसलिए मुझे तुम्हें बस एक पिल्ले की तरह प्रशिक्षित करना होगा, ताकि तुम इन आदतों को तोड़ सको। और एक मूर्ख पिल्ले को प्रशिक्षित करने का सबसे अच्छा तरीका…"

अनीता ने लेंक की तलवार को उसके हाथ से गिरा दिया, और उसे कलाई से पकड़ लिया, कठोरता से उसे उसके पैरों पर खड़े होने में मदद की, फिर अपनी लकड़ी की तलवार से खिलंदड़ अंदाज़ में उसके नितंब पर थपथपाने के लिए चारों ओर हाथ बढ़ाया। "... उसकी प्यारी छोटी पूँछ पर थप्पड़ मारना है।"

लेंक ने सिर हिलाया, और अनीता की कलाई को कठोरता से पकड़ लिया। "नहीं! तुम नहीं कर सकती!"

अनीता ने माथा सिकोड़ा, जब लेंक ने उसे अपनी लकड़ी की तलवार गिराने के लिए मजबूर किया, फिर उसे उसकी शर्ट के कॉलर से पकड़ लिया। "बहुत देर हो चुकी है, पिल्ले। मुझे डर है कि मैं कर सकती हूँ। मुझे लगता है कि एक अच्छा थपेड़ा तुम्हें सिखाएगा कि जब तुम आगे हो तो छोड़ दो। आइए 'सीखने की सीट' के लिए एक उपयुक्त स्थान खोजें।"

अनीता उसे तलवारबाजी हॉल से बाहर, एक पत्थर के प्राचीर के रैंपार्ट पर ले गई, जो आंगन को देखता था। लेंक के पास केवल इतना समय था कि वह देख सके कि प्राचीर को कुर्सियों और स्टूलों के साथ महल के निवासियों के लिए एक आरामदायक स्थान के रूप में स्थापित किया गया था, इससे पहले कि आने वाले थपेड़े के उसके भयानक डर ने विचार को उसके मन से निकाल दिया।

अनीता लेंक को एक कुर्सी की ओर ले गई, और बैठ गई। लेंक के हाथ उसकी पकड़ तोड़ने के लिए लहराए, लेकिन उसने शांति से उसके अंडरगारमेंट्स नीचे खींचे, और उसे अपनी बाईं जाँघ पर गिरा दिया, अपना दाहिना हाथ ऊँचा उठाते हुए। "उस तरह की गलती एक वास्तविक द्वंद्व में तुम्हें मार डालती। इसलिए, तुम्हें उचित प्रेरणा की आवश्यकता है, ताकि तुम बेहतर सीख सको। यह तुम्हारे अपने भले के लिए है, पिल्ले।"

इतना कहकर, अनीता ने अपना हाथ लेंक के नंगे नितंब पर तेजी से नीचे लाया। वह दर्द से चीखा, दंश को अपनी पिछली बेंत-पिटाई की पीड़ा के साथ तीव्रता से महसूस कर रहा था।

इकट्ठी महिलाएं खुशी से हाँफती रहीं, जब उन्होंने अनीता को लेंक को गंभीरता से थपेड़ा मारना शुरू करते देखा। कप्तान अनीता विशाल जनरल एलेक्जेंड्रा जितनी मजबूत नहीं थी, लेकिन अनीता में जो मांसपेशियों की कमी थी, उसने परिशुद्धता से पूरी कर दी। एलेक्जेंड्रा के "भारी-हाथ" दृष्टिकोण के विपरीत, अनीता ने अपनी हथेली स्थिर रखी, और प्रत्येक थपकी में थोड़ा अतिरिक्त घर्षण जोड़ने के लिए अपनी कलाई का उपयोग किया। लेंक ने तुरंत अंतर देखा, और इस समय, उसे यकीन नहीं था कि कौन सा बदतर था।

तथ्य यह कि थपेड़ा अत्यधिक बलशाली नहीं था, इसका मतलब था कि लेंक हर शब्द सुन सकता था, जब अनीता ने एक कोमल, गीत-जैसी आवाज़ में उसे उपदेश देना शुरू किया। "मुझे डर है कि यह थपेड़ा बिल्कुल आवश्यक है, ताकि तुम कभी भी ऐसा कुछ मूर्खतापूर्ण करने के बारे में न सोचो। मैंने अभ्यास के दौरान तुम्हारी आँखों में अवज्ञा की नज़र देखी। तुम एक जिद्दी लड़के हो।"

भारी कदमों की आवाज़ आई, और जनरल एलेक्जेंड्रा दरवाजे पर दिखाई दी। "मैं एक हाथ ताली बजाने की पहचानी जाने वाली आवाज़ें सुनती हूँ... ओह, कप्तान अनीता? क्या मेरा बेटा आज तुम्हारे लिए मुसीबत रहा है?"

लेंक की विनती जल्दी से बेसुध बड़बड़ाहट में बदल गई। अनीता ने बिना थपेड़ा रोके सिर हिलाया। "मुझे डर है कि हाँ, जनरल। इस नितंब की स्थिति से, और इस थपेड़े के

प्रति उसकी प्रतिक्रिया से, मैं बता सकती हूँ कि तुम्हारे अनुशासन का पहले से ही लड़के पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।"

लेंक पहले से ही धीरे से रोना शुरू कर चुका था। एलेक्जेंड्रा ने कार्यवाही को देखते हुए आह भरी। "धन्यवाद, लेकिन यह स्पष्ट है कि लेंक को एक अच्छे थपेड़े की ज़रूरत है, और इसकी बहुत अधिक मात्रा में। चूँकि वह अभी भी सिर्फ एक लड़का है, उसे अपनी जगह सीखनी होगी—भले ही उसे एक दिन शूरवीर बनने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा हो। लेंक, प्रिय, मुझे डर है कि मुझे तुम्हें सज़ा देनी होगी। तुम जानते हो कि मैंने तुमसे वादा किया था कि अगर तुमने अपने प्रशिक्षक से थपेड़ा कमाया तो सोने से पहले एक थपेड़ा मिलेगा।"

लेंक ने अपना दम घोंटा, और विरोध चिल्लाने की कोशिश की, इससे पहले कि एक और थपकी ने उसे रोक दिया, और उसने संकट की एक लहराती चीख निकाली। अनीता खिलखिलाई। "मुझे समझ नहीं आता कि तुम्हें उसे इतनी सख्ती से सज़ा देने का दिल कैसे होता है। वह इतना प्यारा है, उसे थपेड़ा मारना मेरा दिल तोड़ देता है। बस उसे रोते सुनो! वह एक गरीब, शोकाकुल छोटे पिल्ले की तरह लगता है।"

एलेक्जेंड्रा ने सिर हिलाया। "हाँ, मुझे प्यारे लड़के को थपेड़ा मारने से नफरत है। लेकिन फिर भी, मैं चाहती हूँ कि तुम हर तलवारबाजी पाठ से पहले उसे अच्छी तरह थपेड़ा मारो।"

अनीता खिलखिलाई। "ओह, चिंता मत करो। लेंक अभी एक अप्रशिक्षित, अवज्ञाकारी पिल्ले की तरह हो सकता है। लेकिन मुझे यकीन है कि मेरी गोद पर नियमित यात्राएँ उसे व्यवहार करना सिखा देंगी।"

एलेक्जेंड्रा ने रुचि के साथ अनीता के हाथ को ऊपर-नीचे होते देखा। "हे भगवान, सुनो कि वह कैसा शोर मचा रहा है। तुम यह कैसे करती हो? वह इतना दृढ़-इच्छाशक्ति वाला लड़का है, कभी-कभी मुझे भी उससे असली आँसू निकलवाने में परेशानी होती है।"

अनीता ने अपनी बाज़ू के ऊपर की ओर कोण के साथ एक विशेष रूप से दृढ़ थपकी दी, उसे लेंक के ऊपरी नितंब पर फिराते हुए, फिर अपना घुटना उठाकर लेंक के छिपे हुए बैठने-स्थानों को प्रकट किया, जो उसके नितंब के नीचे पिल्ला-चर्बी के ठीक नीचे थे। "ओह, यह सब कलाई में है। आखिरकार, एक अच्छा थपेड़ा हमेशा आँसुओं में समाप्त होना चाहिए!"

फिर, अनीता ने थपेड़ा फिर से शुरू से शुरू किया, अपना ध्यान नए उजागर क्षेत्र पर केंद्रित करते हुए, और लेंक ने गाढ़ी, गंदी आँसू बूँदें बहाना शुरू कर दिया।

एलेक्जेंड्रा ने प्रशंसा से प्यार से आवाज़ निकाली। "कप्तान अनीता, क्या तुम आज रात लेंक को उसके सोने-समय के थपेड़ा देने में मेरी मदद करोगी? मुझे लगता है कि मेरे बेटे को तुम्हारे मार्गदर्शक हाथ से लाभ होगा।"

अनीता ने मीठी मुस्कान के साथ मुस्कुराया, और एक अंतिम, गूँजती हुई थपकी दी। लेंक एक भेड़िया-पिल्ले की तरह चीखा, फिर एक अंतिम कराह के साथ टूट गया, और कमजोर रूप से गड़गड़ाया।

अनीता ने अपने सामने उठे, चमकते, लाल-लाल नितंबों को थपथपाया, फिर खड़ी हो गई, लेंक को अपनी बाँहों में पालते हुए। "मुझे तुम्हारी सहायता करने में सम्मान होगा, जनरल एलेक्जेंड्रा। लेंक बहुत भाग्यशाली था कि उसे तुमने गोद लिया। तुम दयालु थी कि तुमने उसे उन विद्रोही कुत्तों से बचाया।"

लेंक ने कमजोर रूप से एलेक्जेंड्रा की ओर हाथ बढ़ाया, और उसने लेंक को अपनी बाँहों में स्वीकार किया, उसके कंधों के पिछले हिस्से को थपथपाया, और उसके गाल को चूमा। "अच्छा, मैंने हमेशा माना है कि प्रत्येक लड़के को अपने जीवन में एक मजबूत, महिला रोल मॉडल की आवश्यकता होती है। मुझे उम्मीद है कि वह तुम्हें दूसरी माँ के रूप में सोचना शुरू कर देगा। क्या तुमने अपना सबक सीख लिया, लेंक?"

धीरे से रोते हुए, लेंक की साँस रुक गई, जब उसने बात करने की कोशिश की। "ह-हाँ, मम्मी।"

एलेक्जेंड्रा ने लेंक को वापस उसके पैरों पर खड़ा किया, और उसके अंगरखा के पिछले हिस्से को उसकी बेल्ट में टिकाकर उसके नंगे, पिटे हुए नितंब को उजागर किया। "और तुम अपने शिक्षक से क्या कहते हो?"

लेंक ने अपने पैर रगड़े, कप्तान अनीता की आँखों में देखने के लिए संघर्ष कर रहा था। "म-मुझे माफ़ कर दो, मू-मूर्ख हो-होने के लिए, शि-शिक्षक। मुझे थ-थ-थपेड़ा मार-मारने के लिए धन्यवाद। कृ-प-पया... मुझे माफ़ कर दो?"

अनीता ने लेंक का हाथ पकड़ा, और उसे थपथपाया। "आह, बिल्कुल एक उदास पिल्ले की तरह, अपनी पूँछ अपनी टाँगों के बीच दबाए। बेशक मैं तुम्हें माफ़ करती हूँ, लेंक, प्रिय। और मुझे उम्मीद है कि मुझे तुम्हें फिर कभी थपेड़ा नहीं मारना पड़ेगा।"

एलेक्जेंड्रा खिलखिलाई। "बेतुका मत बनो, कप्तान। बेशक तुम करोगी! आज रात सोने से पहले एक बार, और फिर कल सुबह सबसे पहले, उसके अगले पाठ से पहले।"

लेंक ने अपने हाथों के पिछले हिस्से पर अपने आँसू पोंछने की कोशिश की, लेकिन वे बस बहते रहे। उसने अपना सिर पीछे झुकाया और सिसकने लगा, इससे पहले कि वह कप्तान अनीता की स्कर्ट से चिपक गया। उसने घुटने टेके, और उसे एक कोमल आलिंगन में खींचा, धीरे से उसे चुप कराती हुई, और उसके नितंब पर थपथपाती हुई। "इस गरीब छोटी पूँछ को आज रात से पहले ठीक होने के लिए कुछ समय चाहिए। मेरे साथ आओ, लेंक, मेरे पास एक सुखदायक मलहम है जो इसे थोड़ा बेहतर महसूस करने में मदद करेगा। यह जादू नहीं है, लेकिन यह दर्द को सुन्न करने में मदद करेगा।"

लेंक ने उत्सुकता से आलिंगन स्वीकार किया, किसी भी प्रकार की सांत्वना के लिए बेताब।

***

सबसे ऊँचे टॉवर के शीर्ष पर स्थित दृष्टि-बिंदु से, राजकुमारी शार्लोट ने ठंडी रुचि के साथ आंगन को देखा। फिर, उसने दूर से रोने की आवाज़ सुनी, और नीचे देखा। "दिलचस्प। वही लड़का है जो खुद को विद्रोही समझता था। जिसे जनरल एलेक्जेंड्रा ने अपना बना लिया... मुझे आश्चर्य है कि क्या उसके वास्तव में लंबे, नुकीले कान हैं।"

दूर से भी, शार्लोट लड़के के चमकीले लाल नितंब को पहचान सकती थी, जब वह दो महिलाओं के पीछे बैरकों के अंदर गया। शार्लोट मुस्कुराई। "अच्छा, कम से कम उसे बिगाड़ा तो नहीं जा रहा है।"

[अध्याय II का अंत]

लेंक का हीलफॉल में साहसिक अभियान

अध्याय 3: वादा

यू मे और गोजी द्वारा

यह राजकुमारी शार्लोट के महल में एक और आम दिन था। महिला शूरवीर और उनकी लड़की स्क्वायर सुबह की कठिन प्रशिक्षण के बाद तलवारबाजी हॉल से बाहर निकल रही थीं। कुछ ने खिलखिलाने के लिए रुका, जब उन्होंने कप्तान अनीता को बिना किसी औपचारिकता के युवा लेंक को अपनी गोद पर बिठाते, उसका नितंब नंगा करते, और उसे अच्छी तरह थपेड़ा मारना शुरू करते देखा।

लेंक ने आज तलवारबाजी में विशेष रूप से अच्छा प्रदर्शन किया था। कप्तान अनीता और जनरल एलेक्जेंड्रा को छोड़कर, कोई भी वयस्क शूरवीर उसका सामना नहीं कर सकता था।

लेकिन जब से लेंक कप्तान अनीता के हाथों हारा था, उसने उसे प्रशिक्षित करने में व्यक्तिगत रुचि ले ली थी, लड़के को उसकी पूरी क्षमता तक पहुँचते देखने के लिए दृढ़ थी। और लेंक ने कैसा भी प्रदर्शन किया, हर सत्र एक ही तरह से समाप्त होता था।

अगर लेंक ने खराब प्रदर्शन किया, तो अनीता उसे खुद नंगा करती, उसे उसकी आलस्य और मूर्खता के लिए डाँटती, जैसे वह उसे कठोरता से अपने घुटने पर खींचती। लेकिन आज, अनीता ने उसकी प्रगति पर उसे बधाई दी, इससे पहले कि उसने विनम्रता से उसे नंगा होने और अपनी गोद पर लेटने के लिए आमंत्रित किया।

जैसे-जैसे थपेड़ा जारी रहा, लेंक ने घुरघुराया, फिर चुप हो गया।

बिना एक पल के लिए ताड़ना रोके, कप्तान अनीता ने अनुमोदन में सिर हिलाया। "पिल्ला काफी दृढ़-इच्छाशक्ति वाला है... कम से कम एक लड़के के लिए तो।"

जनरल एलेक्जेंड्रा ने कार्यवाही देखते हुए आह भरी। "यह कहने का एक विनम्र तरीका है कि मेरा लड़का एक जिद्दी बैल है।"

तलवारबाजी हॉल में एक सन्नाटा छा गया, और कप्तान अनीता का हाथ हवा में रुक गया। जनरल एलेक्जेंड्रा अकड़ गई, और एक और महिला को प्रवेश द्वार पर प्रकट होते देखने के लिए मुड़ी।

राजकुमारी शार्लोट एक आरामदायक गति से, अपना सिर ऊँचा रखते हुए, अंदर आई। वह सुनहरे बालों वाली थी, और सजावटी कवच पहने हुए थी जो एक बॉल गाउन के रूप में भी काम करता था, लेकिन उसके संयमित कपड़े केवल उसके चिकने, एथलेटिक शरीर को उजागर कर रहे थे। "देवी की कसम, कप्तान अनीता, क्या लड़के ने इतना खराब प्रदर्शन किया? तुम पिछले एक हफ्ते से हर सुबह उस दयनीय छोटे लड़के को थपेड़ा मार रही हो।"

तुरंत, एलेक्जेंड्रा ने घुटने टेक दिए। "आपकी महारानी।"

जल्दी से, अनीता ने लेंक को उसके पैरों पर खड़ा किया, उसके अंडरगारमेंट्स अभी भी उसके टखनों में उलझे हुए थे, और उसके सिर के पिछले हिस्से को दबाकर उसे अपने साथ झुकने के लिए मजबूर किया।

राजकुमारी शार्लोट ने लेंक को ध्यान से देखा। "आह, तो यह है तुम्हारा गोद लिया हुआ बेटा, जनरल एलेक्जेंड्रा? कुख्यात लड़का विद्रोही?"

एलेक्जेंड्रा ने सिर हिलाया। "हाँ, महोदया। लॉर्ड चैपमैन ने मूर्ख लड़के को अपने पुल्लिंग-वादी विश्वासघात से भटका दिया था। मैं आपको विश्वास दिलाती हूँ, लेंक को कड़ी सज़ा दी गई है।"

"शायद। लेकिन उसका अपराध ताज के खिलाफ है, और राजद्रोह की सज़ा कड़ी होनी चाहिए। उसे हमारे सामने न्याय के लिए लाया जाना होगा। क्या तुम्हारा बेटा खुद को संभालना जानता है?"

लेंक ने बोलने के लिए अपना सिर उठाया, लेकिन इससे पहले कि वह बोल पाता, जनरल एलेक्जेंड्रा ने चुपके से उसका बाज़ू चिकोटी काटा। जल्दी से, एलेक्जेंड्रा ने जवाब दिया। "वह इस भूमि का नहीं है, और उसके लोगों के तरीके अजीब हैं। कृपया मुझे उसे निर्देश देने की अनुमति दें, ताकि वह जान सके कि राजपरिवार की बेटी के सामने ठीक से कैसे बोलना है।"

राजकुमारी शार्लोट खिलखिलाई। "बहुत अच्छा। एक या दो हफ्ते उसके सिर में कुछ शिष्टाचार ड्रिल करने के लिए काफी समय होना चाहिए... या उसके पिछवाड़े पर जला देना चाहिए, यों कहिए। दो सप्ताह के भीतर मेरा समन प्राप्त करें। और, कप्तान अनीता, उसका तलवार प्रशिक्षण जारी रखें। मुझे लगता है कि मुझे अपनी सुबह की सैर पर एक शरारती लड़के को थपेड़ा मारते सुनने के संगीतमय स्वरों को सुनने के अवसर की कमी खलेगी।"

एलेक्जेंड्रा और अनीता ने अपने सिर नीचे झुकाए, और एक साथ जवाब दिया। "हाँ, महोदया!"

राजकुमारी शार्लोट ने पल को लटकने दिया, फिर चुपचाप मुड़ी और कमरे से बाहर चली गई।

***

अगले एक हफ्ते के लिए, लेंक ने हर सुबह अपनी तलवारबाजी का अभ्यास जारी रखा। कप्तान अनीता ने उसका दैनिक थपेड़ा समाप्त करने के बाद, उसे जनरल एलेक्जेंड्रा के साथ अध्ययन करने के लिए भेजा गया, जो उसे दरबारी शिष्टाचार पर कोचिंग देती थी। लेंक ने सीखने में धीमा होने के कारण कुछ थपेड़े कमाए, लेकिन एक बार एलेक्जेंड्रा ने उसकी स्थिति के खतरे को समझाया, तो लेंक निर्देश लेने के लिए उत्सुक था। ताज के खिलाफ विद्रोह में भाग लेकर, लेंक ने तकनीकी रूप से एक पूंजीगत अपराध किया था। हालाँकि हीलफॉल रानी-राज्य में मृत्युदंड अप्रचलित हो गया था, राजकुमारी शार्लोट के पास अभी भी लेंक को दोषमुक्त करने या दोषी ठहराने की शक्ति थी।

राजकुमारी शार्लोट का समन एक हफ्ते और दो दिन बाद आया, जब एक नंगे-नितंब लेंक एक विशेष रूप से शर्मनाक तलवारबाजी अभ्यास के बाद अभी भी कप्तान अनीता के घुटने पर झुका हुआ था।

अनीता और एलेक्जेंड्रा लेंक के साथ राजकुमारी शार्लोट के निजी कक्ष की ओर मार्च कर रहे थे। दरवाजे के बाहर, एलेक्जेंड्रा ने लेंक की आँखों में देखने के लिए घुटने टेके। "याद रखो, मेरे बेटा, तुमने एक भयानक अपराध किया है। राजकुमारी शार्लोट दया से रहित नहीं है, लेकिन तुम्हें उचित सम्मान दिखाना चाहिए। मैं... तुम्हें खोना नहीं चाहती।"

लेंक ने एलेक्जेंड्रा को एक आलिंगन के साथ चौंका दिया। "मैं तुम्हें निराश नहीं करूँगा, माँ।"

एलेक्जेंड्रा ने लेंक की पीठ थपथपाई। एक नौकर-पुरुष ने भव्य दरवाजा खोला, और रास्ते से हटकर झुक गया। "उनकी महारानी लेंक, लड़का विद्रोही, को प्राप्त करने के लिए तैयार हैं।"

कप्तान अनीता ने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। "क्या उनकी महारानी ने हमारी उपस्थिति का अनुरोध किया है?"

नौकर-पुरुष ने एक बार लेंक पर नज़र डाली, फिर घबराकर सिर हिलाया। "मेरी क्षमायाचना, कप्तान, लेकिन उनकी महारानी ने विशेष रूप से अनुरोध किया है कि वह लड़के को… अकेले देखना चाहती हैं।"

जनरल एलेक्जेंड्रा ने लेंक का हाथ कसकर पकड़ा, इससे पहले कि उसने उसके हाथ को एक बार दबाया और जाने दिया। लेंक कमरे में मार्च कर गया, और उसने नौकर-पुरुष को अपने पीछे दरवाजा बंद करते सुना। राजकुमारी शार्लोट के निजी क्वार्टर बेदाग ढंग से सुसज्जित थे, टेपेस्ट्री, एक किताबों की अलमारी, एक चंदवा बिस्तर। राजकुमारी शार्लोट एक कार्य-मेज पर बैठी थी, और बेपरवाही से सोने से सजी एक भारी किताब को एक तरफ रख दिया। "आह, जंगली लड़का योद्धा। पास आओ, लड़के, मैं तुम्हें अच्छी तरह देखना चाहती हूँ।"

लेंक ने संक्षिप्त रूप से सिर हिलाया, खुद को राजकुमारी आइसोल्डे का चेहरा याद करने के लिए मजबूर किया, और राजकुमारी शार्लोट के सामने खड़े होने के लिए बढ़ा। यह भयानक महिला उसकी दोस्त नहीं थी, लेकिन वह फिर भी एक राजकुमारी थी, और एक शूरवीर का कर्तव्य था कि वह एक राजकुमारी का सम्मान करे। "जैसा आपकी महारानी आदेश देती हैं। मैं आपकी सेवा में हूँ—"

अचानक, राजकुमारी शार्लोट ने लेंक को उसकी बगलों के नीचे उठाया, और उसे अपनी गोद पर बिठा दिया। "अब, चलो ताज के खिलाफ विद्रोह की कीमत पर चर्चा करें।"

बिना किसी और देरी के, राजकुमारी शार्लोट ने लेंक का घेरा ऊपर उठाया, और उसके सफेद निक्कर की कमरबंदी को पकड़ लिया। आश्चर्यचकित, लेंक ने संघर्ष करना शुरू किया, इससे पहले कि उसकी मांसपेशियों की स्मृति ने काम किया और उसने खुद को स्थिर रहने के लिए मजबूर किया। "आपकी महारानी? आप क्या कर रही हैं—"

राजकुमारी शार्लोट ने लेंक के निक्कर को नीचे खींचा, उसके नितंब को उजागर किया, जो अभी भी फीके, गुलाबी, हाथ के छाप वाले निशानों से ढका था, इससे पहले कि उसने एक दृढ़ थपकी दी। "चिंता मत करो, बच्चे, मैं तुम्हें राजद्रोह के लिए मार डालने नहीं दूँगी। लेकिन मुझे डर है कि तुम्हें अभी भी लॉर्ड चैपमैन के विश्वासघात में तुम्हारी भूमिका के लिए एक अच्छे, सख्त थपेड़े की ज़रूरत है। यह तुम्हें अपनी जगह याद दिलाने के लिए पर्याप्त होना चाहिए।"

इतना कहकर, शार्लोट ने लेंक को एक दृढ़, स्थिर गति से थपेड़ा मारना शुरू किया। लेंक ने हाँफा, लेकिन वापस लड़ने के आवेग का विरोध किया।

शार्लोट के थप्पड़ जनरल एलेक्जेंड्रा के भारी-हाथ दृष्टिकोण जितने मजबूत नहीं थे, न ही कप्तान अनीता के अच्छी तरह से निशाना बनाए गए वारों जितने परिशुद्ध थे,

लेकिन राजकुमारी शार्लोट ने बिना किसी हिचकिचाहट के थपेड़ा मारा, एक निश्चित शाही अनुग्रह के साथ अपना सिर ऊँचा रखते हुए। अच्छी दस थपकियाँ देने के बाद, शार्लोट ने एक भौंह उठाई, और थपेड़ा रोक दिया। "तुम देखते हो, मुझे डर है कि तुम्हारे जैसे सभी छोटे लड़के स्वाभाविक रूप से शरारती होते हैं, और उन्हें थपेड़ा मारना चाहिए। यह प्रकृति का नियम है। जल्दी या बाद में, हर दुर्व्यवहार करने वाले लड़के को उसकी माँ द्वारा अच्छी तरह थपेड़ा मारा जाना चाहिए, इसलिए यह केवल उचित है कि युवा पुरुषों को लड़कपन के बाद भी उचित निर्देश मिलते रहें। मैं देख सकती हूँ कि जनरल एलेक्जेंड्रा ने तुम्हें ताड़ना को ठीक से स्वीकार करने के बारे में अच्छी तरह प्रशिक्षित किया है..."

शार्लोट ने फिर से थपेड़ा शुरू किया। लेंक चीखा, लेकिन स्थिर रहा। शार्लोट खिलखिलाई। "ती ही! चीखने में शर्म मत करो। यह दिखावा करने का कोई मतलब नहीं है कि दर्द नहीं होता, न ही अपनी शान बचाने की कोशिश करने का। एक बार एक शरारती छोटा लड़का घुटने पर झुका दिया जाता है, तो उसके पास बचाने लायक कोई गरिमा नहीं बचती। विनम्रता सीखने का यही एकमात्र तरीका है। तुम्हारे मामले में, तुम्हें इसकी और भी अधिक आवश्यकता है क्योंकि तुम्हारी विद्रोही भावना है।"

लेंक रोया, और अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, दो आँसू उसकी आँखों से बह निकले। शार्लोट ने शाही अंदाज़ में हँसा, और तेज़ी से थपेड़ा मारा, केवल इतने नियंत्रित बल के साथ कि लेंक उसका उपदेश सुन सके। "तुम्हें प्राप्त होते देखे गए सभी अनुशासन के बाद, मैं तुम्हें माफ़ करने के लिए काफी तैयार थी। लेकिन जब मैं तुमसे तलवारबाजी हॉल में मिलने आई, तो मैंने अभी भी तुम्हारी आँखों में प्रतिरोध की एक छोटी, चमकती चिंगारी देखी। मैं इसे बुझाने का इरादा रखती हूँ।"

शार्लोट ने एक भीषण थपकी दी, फिर अपने काम की प्रशंसा करने के लिए रुकी। लेंक ने फुसफुसाते हुए आवाज़ निकाली, जब उसने उसे हल्के से उसके नितंब पर थपथपाते महसूस किया। शार्लोट ने लेंक के नितंब को इस तरह से सहलाया जो कोमल होता, यदि इस तथ्य के लिए नहीं कि इसने पहले के थप्पड़ों की तीव्र जलन को जगा दिया। "चिंता मत करो, बच्चे। तुम्हारी माँ और तुम्हारे शिक्षक ने अच्छा काम किया है। मैं देख सकती हूँ कि तुमने एक उचित थपेड़ा लेना सीख लिया है... बहुत ठीक से।"

शार्लोट ने अपना हाथ उठाया, और अपने सिर के पीछे एक डोरी से जुड़ी घंटी बजाई, और पुकारा। "दरबान!"

दरवाजा धीरे-धीरे चरमराता हुआ खुला, और नौकर-पुरुष झुकता हुआ अंदर आया। "आपकी महारानी? मैं आपकी आज्ञा का पालन करने को तैयार हूँ।"

शार्लोट खिलखिलाई, लेंक की कराह को नज़रअंदाज़ करते हुए, जैसे उसने नाजुकता से अपनी उंगली उसके ऊपर की ओर उठे नितंब पर फिराई। "आह! तुम्हारी प्रतिक्रियाएँ बस बहुत प्यारी हैं… ओह, नौकर-पुरुष, जनरल एलेक्जेंड्रा और कप्तान अनीता को मेरे कक्षों में भेजो।"

नौकर ने आज्ञा मानी। जैसे ही वे पास आए, एलेक्जेंड्रा और अनीता ने घुटने टेक दिए। शार्लोट कराही, और एक दृढ़ थपकी दी जिसने लेंक को चीखने पर मजबूर कर दिया। शार्लोट गूँजती आवाज़ का आनंद लेती हुई लग रही थी। "ओह, कृपया, औपचारिकता बहुत हो गई। दरबारी शिष्टाचार का कोई मतलब नहीं है जब तुम्हारे घुटने पर एक रोता हुआ लड़का झुका हो। अपने पैरों पर खड़े हो जाओ, तुम दोनों।"

जैसे ही एलेक्जेंड्रा और अनीता खड़ी हुईं, शार्लोट ने एक और भीषण थप्पड़ मारा। लेंक चीखा, लेकिन उसकी गोद पर स्थिर रहा। शार्लोट ने गुनगुनाते हुए प्रशंसा की एक निर्विवाद अभिव्यक्ति के साथ कहा। "मुझे उम्मीद थी कि जंगली लड़का खुद को अपमानित करेगा, लेकिन वह निश्चित रूप से जानता है कि एक थपेड़े के सामने आज्ञाकारी ढंग से कैसे समर्पण करना है। मुझे वास्तव में तुम दोनों की प्रशंसा करनी चाहिए। तुम्हारा बर्बर बेटा अभी भी एक उचित सज्जन बन सकता है, लेक्सी।"

एलेक्जेंड्रा ने सिर हिलाया। "धन्यवाद, महोदया। क्या इसका मतलब है कि आप मेरी ईमानदार इच्छा को स्वीकार करती हैं कि मैं उसे अपने बेटे के रूप में गोद लूँ?"

"बेशक! पहले से ही, मुझे लगता है कि इस लड़के को तुम्हारे मातृ मार्गदर्शन से बहुत लाभ हुआ है… लेकिन मुझे तुमसे मुझे संतुष्ट करने के लिए कहना होगा। तुम देखते हो, मुझे इस जंगली लड़के से काफी लगाव हो गया है। इसलिए, अब से मैं प्रशिक्षण और अनुशासन की पूरी जिम्मेदारी लूँगी।"

एलेक्जेंड्रा और अनीता ने घबराकर एक-दूसरे को देखा। जैसे ही उसने उनके भावों को देखा, शार्लोट संगीतमय ढंग से हँसी। "ओह, शायद तुम सोचती हो कि मैं बिगड़ैल हूँ? डरो मत, जनरल एलेक्जेंड्रा। उसके गोद लिए हुए माँ के रूप में, तुम्हारे पास लड़के पर पूर्ण मातृ अधिकार होगा। और अनीता, मैं चाहती हूँ कि तुम तलवारबाजी में उसका निर्देश जारी रखो, और पाठों को मजबूत करने के लिए जितनी बार आवश्यक हो, उसे थपेड़ा मारना जारी रखो।"

शार्लोट ने एक और गूँजती थपकी लेंक के तपते, गर्म-गुलाबी नितंबों पर लगाई, फिर एक धीमी स्थिर गति से थपेड़ा मारना शुरू किया। "लेकिन हर रात, सूर्यास्त से पहले, मैं चाहती हूँ कि छोटे लेंक को उसके सोने-समय का थपेड़ा देने वाली मैं ही बनूँ। उसके राजद्रोह की सज़ा के रूप में यह पर्याप्त होना चाहिए। लेंक के पिटे हुए नितंब का दृश्य सभी विद्रोही पुरुषों के लिए अवज्ञा की कीमत की एक स्थायी याद दिलाएगा। लेकिन मैं

दया से रहित नहीं हूँ। लेंक को रानी के सह-पति के रूप में सेवा करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।"

एलेक्जेंड्रा ने शार्लोट के बिस्तर पर नज़र डाली। "एक सह-पति? क्या आपका मतलब है... आप चाहती हैं कि लड़का आपके शयनकक्ष में सोए?"

शार्लोट ने खिलखिलाते हुए लेंक को और जोर से थपेड़ा मारा। "ओह, चिंता मत करो। कुछ भी अनुचित नहीं। मैं केवल लड़के को बेहतर तरीके से जानना चाहती हूँ। बेशक, जब वह उम्र का होगा, तो यह एक अलग मामला हो सकता है। लेकिन अगर तुम मुझे उसकी देखभाल करने के लिए छोड़ने को सहमत हो, तो मैं अपनी शाही शपथ पर कसम खाती हूँ कि मैं तुम्हारे बेटे की रक्षा करूँगी और उसका पालन-पोषण करूँगी, जैसे कि वह मेरा अपना हो। अगर तुम चाहो, तो तुम हमारे साथ शामिल हो सकती हो, उसकी रात्रिकालीन सोने-समय के थपेड़ों की निगरानी करने के लिए।"

एलेक्जेंड्रा ने सिर हिलाया। "धन्यवाद, आपकी महारानी। मुझे अपने बेटे को आपकी देखभाल में छोड़ने में खुशी होगी। लेंक, तुम राजकुमारी के आभारी हो। वह तुम्हें बहुत बड़ा सम्मान दे रही हैं।"

लेंक ने कुछ कहने की कोशिश की, इससे पहले कि एक विशेष रूप से भीषण थपकी ने उसे रोक दिया। जैसे ही उसने एक लहराती चीख निकाली, शार्लोट ने उसे गंभीरता से थपेड़ा मारना शुरू कर दिया। "मैं मानती हूँ, तुममें कुछ कौशल है। लेकिन तुम बहुत अहंकारी थे, इस भूमि में आकर, यह सोचकर कि तुम अकेले ही साम्राज्य को उखाड़ फेंक सकते हो। अब तुम्हारी अति-आत्मविश्वास ने तुम्हें सज़ा दिलाई है!"

शार्लोट ने एक के बाद एक दो थपकियाँ दीं, फिर एक स्थिर पैटर्न में आ गई, पिटाई की गति बढ़ाती हुई। "एक जोरदार, नंगे-हाथ थपेड़ा, तुम्हें वापस लाइन में लाने के लिए।"

लेंक ने एक भीषण युद्ध-घोष के साथ जवाब दिया, जो एक बचकानी सिसकी में पिघल गया। शार्लोट ने सिर हिलाते हुए मुस्कुराई। "यह वह परिणाम है जो तुम्हें असम्मानजनक और असभ्य होने के लिए भुगतना पड़ता है। अपमान जो जल्लाद की कुल्हाड़ी से कहीं गहरा काटता है।"

लेंक ने साँस लेने के लिए हाँफा, और चिल्लाया। "रुको!"

एक पल के लिए, शार्लोट ने वास्तव में रुका, अपने हाथ के पिछले हिस्से को अपने मुँह पर दबाते हुए नाजुकता से हँसी। "फू फू फू! पहले से ही दया की भीख माँग रहे हो? क्या तुमने सोचा था कि यह इतना बुरा नहीं होगा? एक और गलत अनुमान। पहले से ही सोचना बंद करना सीखो। छोटे लड़कों को देखा जाना चाहिए, सुना नहीं!"

लेंक ने लात मारना शुरू कर दिया, मजबूत रहने के अपने पूर्व संकल्प के सभी विचार अब बहुत पहले भूला दिए गए थे। "नहीं! कृपया, और नहीं!"

शार्लोट ने सूँघा, और लेंक को उसके प्रत्येक बैठने-स्थान पर हल्के से थप्पड़ मारा। "जहाँ तक राहत का अनुरोध करने की बात है, मुझे डर है कि तुमने अपना मौका गँवा दिया है। एक बार शारीरिक दंड शुरू हो जाने के बाद, कोई सहनशीलता नहीं हो सकती।"

शार्लोट ने थपेड़े की गति बढ़ा दी, प्रत्येक थपकी को बिजली की गति के साथ देते हुए। लेंक ने विलाप किया, फिर अनियंत्रित आँसुओं में पिघल गया। शार्लोट ने लेंक की चीखों की आवाज़ का आनंद लेते हुए सिर हिलाया। "हाँ, जैसे मेरा मार्गदर्शक ताड़ना-हाथ तुम पर पड़ता है, वैसे ही तुम्हारे आँसू भी स्वतंत्र रूप से बहने दो। पीछे मत हटो। पीड़ा में चीखो। जब मैं तुमसे निपट लूँगी, तो तुम पूरी तरह से महिला अधिकार के सामने समर्पण कर दोगे। फिर कभी तुम इस प्यारे छोटे पिछवाड़े पर आराम से नहीं बैठ पाओगे। तुम भूल जाओगे कि तुम कभी विद्रोही थे। क्या तुम समझते हो, छोटे लड़के? मुझे दिखाओ कि तुमने अपना सबक सीख लिया है!"

लेंक ने गर्जना की, अपनी पूरी ताकत से जोर लगाया, इससे पहले कि वह शार्लोट की गोद पर वापस गिर पड़ा, बहुत थक गया था कि विरोध कर सके।

शार्लोट ने थपेड़े की गति धीमी कर दी, बिना अपने वारों के बल को नरम किए। "यह बात। लेकिन चिंता मत करो। एक बार जब मुझे यकीन हो जाएगा कि तुम्हारी अहंकारी भावना पूरी तरह से टूट गई है, तो मैं तुम्हें माफ़ कर दूँगी। वास्तव में…"

ध्यान से, शार्लोट ने लेंक को उठाया, और उसे अपनी गोद पर बिठा लिया, उसे सहलाते हुए। "… मुझे लगता है कि मुझे पहले से ही तुमसे काफी लगाव हो रहा है!"

***

रात-रात भर, हफ्ता-हफ्ता, लेंक को राजकुमारी शार्लोट के शयनकक्ष में बुलाया जाता था। हर रात, जनरल एलेक्जेंड्रा प्रत्येक सोने-समय के थपेड़ा सत्र के लिए गवाह के रूप में कार्य करती थी, जब तक कि उसे युद्ध के लिए नहीं बुलाया जाता था। उन रातों पर, कप्तान अनीता एक विकल्प गवाह के रूप में कार्य करती थी। हर रात, लेंक को राजकुमारी शार्लोट द्वारा अच्छी तरह कोड़ा मारा जाता था, जो उसे रानी-राज्य के खिलाफ उसके विद्रोह की याद दिलाती थी। कुछ रातों पर, शार्लोट लेंक को पढ़ने और लिखने में अभ्यास कराती थी, या पवित्र विवाह में महिलाओं के सामने पुरुषों के समर्पण के महत्व पर एक उपदेश देती थी, जैसा कि देवी को प्रसन्न करेगा।

लेंक ने एक दुखते पिछवाड़े पर बैठकर पूरे पाठों को सहा, लेकिन कम से कम उसने अजीब नई भाषा पढ़ना सीखने का आनंद लिया। हर रात, सूर्यास्त के बाद, एक नौकर लेंक को कंबलों में कसकर लपेटने में मदद करता था, सख्त निर्देशों के तहत कि वह अपने बंडल से मुक्त नहीं होगा, इससे पहले कि उसे राजकुमारी शार्लोट के साथ उसके बिस्तर में लिटाया जाता। लेंक इस विचित्र समारोह के उद्देश्य को नहीं समझता था, और इसे हीलफॉल की महिलाओं के अजीब रीति-रिवाजों के रूप में मान लिया।

उसने सीखा कि राजकुमारी शार्लोट एक भयानक खर्राटे लेने वाली थी, लेकिन थपेड़ों के अलावा, उसने बिस्तर पर लिटाए जाने की रात्रिकालीन रस्म को अजीब तरह से सुकून देने वाला पाया।

यह रात्रिकालीन दिनचर्या जारी रही, जब तक कि एक शाही दूत, बड़े धूमधाम के साथ, राजकुमारी शार्लोट के महल में नहीं पहुँचा। महारानी-साम्राज्ञी यात्रा करना चाहती थी, और राजकुमारी शार्लोट को एक शाही स्वागत तैयार करने का निर्देश दिया गया था। जैसे ही लेंक ने दूत को अपने स्क्रॉल से सूखेपन से पढ़ते सुना, उसने कुछ अजीब देखा। रानी लीडा के नाम, और "बहुत प्रयास" करने के उसके आदेशों का उल्लेख होने पर, राजकुमारी शार्लोट सहित उपस्थित सभी महिलाओं ने धीरे-धीरे अपने नितंबों को ढँक लिया, जैसे वे सभी घबराई हुई, शरारती छोटी लड़कियों का एक झुंड थीं।

***

लेंक ने मुँह बनाया, जब राजकुमारी शार्लोट उसे अपनी बाँहों में लिए हुए थी। उसका पुराना अंगरखा अनुपयुक्त समझा गया था। और इसलिए, अवज्ञा के लिए दर्जनों थपेड़े सहने के बाद, लेंक ने आखिरकार खुद को हीलफॉल के युवा राजकुमारों के लिए बेतुके, औपचारिक पोशाक में पहनने की अनुमति दी थी। जनरल एलेक्जेंड्रा और कप्तान अनीता पीछे-पीछे, घबराए हुए दिख रहे थे। इस तथ्य ने लेंक को परेशान किया। उसने उन्हें कभी इतना डरा हुआ नहीं देखा था।

राजकुमारी शार्लोट लेंक के कान में फुसफुसाने के लिए नीचे झुकी। "लेंक, प्रिय, अपने शिष्टाचार याद रखना सुनिश्चित करो। माँ काफी... सख्त हो सकती हैं, लेकिन उनका दिल पश्चातापी लड़कों के लिए दयालु है।"

लेंक की आँखें खुल गईं, जब उसने महारानी-साम्राज्ञी के सिंहासन कक्ष को देखा। सिंहासन की ओर जाने वाला एक लंबा, लाल गलीचा था, और दीवारें टेपेस्ट्री से ढकी हुई थीं, जिनमें एक भव्य, रानी-जैसी आकृति के सामने पुरुषों को नीचे झुकते हुए दर्शाया गया था।

रानी लीडा अपने सिंहासन पर बैठी थी, उन सभी से ऊँची। लीडा जनरल एलेक्जेंड्रा से भी लंबी थी, और अपने सुनहरे बालों को एक छोटी, संयमित शैली में पहनती थी। उसकी औपचारिक पोशाक नीची-कटी हुई थी, जो एक परिपक्व, मातृ छाती को उजागर कर रही थी। राजकुमारी शार्लोट ने अपना गला साफ किया। "रानी माँ, क्या मैं युवा लेंक को पेश कर सकती हूँ, जो एवलॉन भूमि से एक आगंतुक है। और यदि आप इस मिलान के लिए सहमत होंगी… मेरा भावी पति?"

लीडा ने लेंक को एक रहस्यमय, आधी-झुकी नज़र से देखा। "ओह, क्या वह सबसे प्यारी चीज़ नहीं है? मुझे उसे देखने दो, शार्लोट।"

शार्लोट अकड़ गई, इससे पहले कि उसने लेंक को उसके पैरों पर खड़ा किया।

लीडा ने अपने दस्ताने वाले हाथ को लेंक को बुलाने के लिए लहराया। "हाँ, यहाँ आओ, छोटे।"

लेंक रानी के सिंहासन के पास पहुँचने के लिए मार्च कर गया। आंतरिक रूप से, उसने उस तर्क का अभ्यास किया जो उसने तैयार किया था। उसे इस उबाऊ बूढ़ी साम्राज्ञी और उसके नियमों की परवाह नहीं थी। वह हीलफॉल के पुरुषों के कारण के लिए विनती करने वाला था, और अपनी स्वतंत्रता की माँग करने वाला था।

फिर लीडा नीचे झुकी, उसे कान से चिकोटी काटा, और उसे आगे खींचा, उसे अपने घुटनों के बीच दबा लिया। "अच्छा लड़का। बस उसके नुकीले कानों को देखो। चिकोटी काटने में इतने आसान। अब, बच्चे, राजकुमारी शार्लोट ने मुझे सूचित किया है कि तुम्हें तुम्हारी शरारत के लिए कड़ी सज़ा दी गई है, लेकिन मुझे डर है कि मुझे विद्रोही पुरुषों के लिए कोई धैर्य नहीं है। चाहे शाही हो या आम, अवज्ञाकारी लड़के उचित सज़ा के पात्र हैं। और इस तरह के विश्वासघाती अपराध के लिए, सज़ा कड़ी होनी चाहिए।"

लेंक ने लीडा का हाथ पकड़ा, केवल उसने उसके कान पर अपनी पकड़ छोड़ी, और उसकी पतलून पकड़ ली, उन्हें उसके नितंब के नीचे खींच दिया। लेंक शर्म से चीखा, इससे पहले कि लीडा ने उसे उठाया और उसे अपनी गोद पर खींच लिया। "कितना आनंददायक! जब मैंने उसका नितंब नंगा किया तो उसके चेहरे का भाव बस बहुत प्यारा था… नितंब की तो बात ही मत करो।"

लीडा ने पहला थप्पड़ मारा, और लेंक ने हाँफा। वह चीखना चाहता था, लेकिन झटके के बल ने उसकी साँस छीन ली थी। यह उससे कहीं अधिक कठिन था जो उसने कभी महसूस किया था। लीडा ने खिलखिलाते हुए कहा। "फू फू फू। दया की भीख माँगने में बहुत देर हो चुकी है। तुम्हारे आँसू और चीखें कुछ भी नहीं बदलेंगी।"

फिर, लीडा ने एक दूसरी, गर्जनशील थपकी दी। इस बार, लेंक पीड़ा से चीखा। लीडा ने लेंक के नितंब को तब तक थपथपाया जब तक उसकी चीखें शांत नहीं हो गईं, और उसने जनरल एलेक्जेंड्रा पर अपना ध्यान केंद्रित किया। "एलेक्जेंड्रा? मुझे पता है कि तुमने इस लड़के को अपने बेटे के रूप में गोद लिया है, लेकिन मैं उम्मीद करती हूँ कि यह छोटा लड़का अब से मुझे 'मम्मी' कहे। आखिरकार, वह राजकुमारी शार्लोट से शादी करेगा, जब वह बड़ा हो जाएगा।"

राजकुमारी शार्लोट का चेहरा चमक उठा। "सच में, माँ? तो आप मेरी पसंद को स्वीकार करती हैं?"

लीडा ने एक तीसरी थपकी इतनी ताकत से दी कि ऐसा लगा जैसे सिंहासन कक्ष में एक कंपन गूँज रहा हो। "ऐसे स्पष्ट प्रश्न मत पूछो, शार्लोट। अब, जहाँ तक मेरे भावी दामाद की बात है…"

कुछ बुरा होने का एहसास करते हुए, लेंक ने अपनी एड़ियाँ पीछे मारीं। शार्लोट ने मुँह बनाया, उसकी नासिका फड़क रही थी। "इन सब से कुछ नहीं होगा। मम्मी तुम्हारी सज़ा तब तक नहीं रोकेंगी जब तक वे संतुष्ट नहीं हो जातीं कि तुम्हारा रवैया ठीक हो गया है।"

लीडा ने दो त्वरित थपकियाँ दीं, फिर अपना हाथ ऊँचा उठाया। "आज्ञाकारिता के साथ अपना पश्चाताप साबित करो। मम्मी के सवालों का ईमानदारी से जवाब दो। क्या तुम मेरी बेटी के साथ सम्मान के साथ व्यवहार करोगे, जैसा कि उसके पद की एक राजकुमारी के लिए उचित है?"

लेंक ने जवाब में गर्जना की। "हाँ! एक शूरवीर के रूप में मेरे सम्मान की शपथ, मैं कसम खाता हूँ—"

लीडा ने लेंक को एक जबरदस्त थप्पड़ के साथ बीच में रोक दिया, जो उसके नितंब के केंद्र पर लक्षित था। उसकी भारी हथेली ने आसानी से लड़के के दोनों नितंबों को ढँक लिया। "फेह! इतनी आसानी से वश में हो गया। हम तुम्हारा अनुशासन बाद में जारी रखेंगे। तब तक, कोने में जाओ और खड़े हो जाओ, नाक दीवार के सामने। हम तुम्हारा लाल, पिटा हुआ नितंब पूरे शाही दरबार के सामने पेश करेंगे, एक चेतावनी के रूप में लॉर्ड चैपमैन के किसी भी गुप्त दोस्त के लिए जो उसके कारण के प्रति सहानुभूति रख सकते हैं।"

लेंक को लीडा के शब्दों का अर्थ समझने में कुछ पल लगे, जिसे वह मुश्किल से समझ पा रहा था। उसके नितंब इतनी पागलपन से झुनझुना रहे थे, वह मुश्किल से कुछ और पंजीकृत कर पा रहा था। हिचकी लेते हुए, लेंक कोने में खड़े होने के लिए रेंगता हुआ

गया, और अपने लाल, कच्चे पिछवाड़े पर एक झलक देखने का जोखिम उठाया। जल्द ही, हीलफॉल के सभी शाही रईस भी इसकी एक झलक पाने वाले थे।

लीडा ने जीभ से चटक की आवाज़ निकाली। "झाँकना नहीं, नौजवान। इस बारे में सोचो कि तुमने क्या किया, और इस बारे में कि तुम पर क्या आने वाला है।"

जल्दी से, लेंक ने अपना चेहरा दूसरी तरफ कर लिया। लीडा ने उसे कुछ पल देखा, फिर राजकुमारी शार्लोट पर अपना ध्यान केंद्रित किया। "सच कहूँ तो, मुझे आश्चर्य है कि वह पहली थपकी से ही भीख माँगने और संघर्ष करने के लिए नहीं टूटा। लेकिन अभी भी सुधार की गुंजाइश है। शार्लोट, तुम्हें उसके साथ सख्त हाथ रखना होगा, अगर वह कभी एक उपयुक्त रानी के सह-पति के रूप में बड़ा होना है। मुझे तुम्हें एक पुरुष को वश में करने की कला पर निर्देश देना होगा।"

शार्लोट मुस्कुराई। "हाँ, रानी माँ। मैं आपके मार्गदर्शन के सामने समर्पण करूँगी। जैसा कि मेरा भावी पति भी करेगा।"

लीडा ने खिसियाते हुए कहा। "बेशक वह करेगा। क्या कभी कोई संदेह था? सभी पुरुषों को अपनी सासों से डरना चाहिए।"

***

राजकुमारी शार्लोट ने दर्पण में खुद को देखते हुए आह भरी। "तुम्हें सच में लगता है कि यह शादी का जोड़ा अभी भी फैशन में होगा, जब लेंक उम्र का हो जाएगा?"

कप्तान अनीता ने अपना चश्मा समायोजित किया। "मैं फैशन की विशेषज्ञ नहीं हूँ, लेकिन वह जोड़ा एक मास्टर दर्जिन द्वारा सिला गया था। अच्छी शिल्प-कौशल कभी भी फैशन से बाहर नहीं जाती। क्या आप सहमत नहीं हैं, जनरल?"

झटके के साथ, जनरल एलेक्जेंड्रा ने उस लॉकेट से ऊपर देखा जिसकी वह प्रशंसा कर रही थी। उसने लेंक को थपेड़ा मारने की एक लघु पेंटिंग बनवाई थी, जिस दिन उसने उसे गोद लिया था, उसकी स्मारिका के रूप में। जल्दी से, उसने इसे अपनी छाती में डाल लिया, और अपना गला साफ किया। "मुझे लगता है कि माप लेने के लिए अभी थोड़ा जल्दी है। लेंक को अभी भी बड़े होने के कुछ साल बाकी हैं।"

राजकुमारी शार्लोट ने अपनी नाक हवा में तानी, अपने बोडिस को ठीक करते हुए। "बेशक, लेकिन तैयार रहने में कभी नुकसान नहीं होता। एक महिला की शादी का जोड़ा उसका आखिरी मौका होता है कुछ ऐसा पहनने का… भड़कीला, इससे पहले कि वह अपने जीवन के बाकी हिस्सों के लिए घर में पतलून पहनने के लिए मजबूर हो।"

जनरल एलेक्जेंड्रा ने सिर हिलाया। "हाँ, पुरुष कमज़ोर लिंग हो सकते हैं, लेकिन मुझे स्वीकार करना होगा, लेंक को अपने बेटे के रूप में गोद लेने ने मेरे दृष्टिकोण को बदलना शुरू कर दिया है।"

कप्तान अनीता ने कंधे उचकाए। "पुरुष। हम उनके साथ नहीं रह सकते। और हम उनके बिना नहीं रह सकते!"

शार्लोट ने खिसियाते हुए कहा। "बहुत सच! अब, मैं लेंक को दिखाना चाहूँगी कि मैं अपने जोड़े में कैसी दिखती हूँ।"

कप्तान अनीता ने पलक झपकी। "लेकिन… क्या यह बुरा शगुन नहीं है?"

"बुरे शगुन जैसी कोई चीज़ नहीं होती। इसके अलावा, एक युवा पुरुष को अपनी भावी-पत्नी को यह बताने का हर अवसर मिलना चाहिए कि वह कितनी सुंदर दिखती है।"

इससे पहले कि कोई आपत्ति कर पाता, राजकुमारी शार्लोट ने अपने सामने एक गुलदस्ता पकड़कर कमरे से बाहर चली गई। उसने हीलफॉल के पारंपरिक शादी के मार्च की धुन गुनगुनाई, जब वह गलियारे से अपने निजी शयनकक्ष की ओर कदम बढ़ा रही थी। "लेंक, प्रिय, मुझे तुम्हें कुछ सुंदर दिखाना है। अब, मेरी तारीफ करना सुनिश्चित करना, लेकिन किसी मूर्खतापूर्ण स्पष्ट तरीके से नहीं। मैं चाहती हूँ कि तुम ऐसी बातें कहो जो मेरे दिल को धड़काएँ, बिना वास्तव में हर छोटी चीज़ को स्पष्ट रूप से बताए…"

राजकुमारी शार्लोट ने अपने कक्ष का दरवाजा खोला, उम्मीद कर रही थी कि लेंक ठीक वहाँ मिलेगा जहाँ उसने उसे छोड़ा था – नंगे नितंब, उसके निजी आभूषण संदूक के ऊपर झुका हुआ। लेकिन संदूक खुला था, और खाली था।

जनरल एलेक्जेंड्रा पीछे से राजकुमारी शार्लोट से टकराई, और आतंक की नज़र के साथ कमरे का निरीक्षण किया। बिस्तर उतार दिया गया था, और बिस्तर की चादरें एक लंबी रस्सी में बाँध दी गई थीं, जो खिड़की से बाहर जाती थी।

राजकुमारी शार्लोट के बिस्तर पर, उन्हें एक चिट्ठी मिली।

"प्रिय जनरल एलेक्जेंड्रा, मुझे गोद लेने के लिए धन्यवाद। मैं कभी अपनी माँ को नहीं जानता था। जब मैं अभी शिशु था, तो मेरी रक्षा करते हुए उनकी मृत्यु हो गई। मुझे नहीं

लगता कि कोई उन जितनी अच्छी माँ होगी, लेकिन मैं जानता हूँ कि तुमने अपनी पूरी कोशिश की।

कप्तान अनीता, मुझे लॉन्गस्वॉर्ड तलवारबाजी शैली का जवाब देना सिखाने के लिए धन्यवाद। मैं युद्ध-क्षेत्र में तुमसे मिलने की उम्मीद करता हूँ, हालाँकि मुझे उम्मीद है कि यह हीलफॉल के पुरुषों के दोस्त के रूप में होगा, दुश्मन के रूप में नहीं।

राजकुमारी शार्लोट को, तुम बहुत प्यारी व्यक्ति हो, और मुझे उम्मीद है कि तुम्हें एक दिन वह अच्छा पति मिलेगा जिसकी तुम तलाश कर रही हो। अगर मुझे अपनी यात्रा पर कोई अच्छा पति मिलता है, तो मैं उसे बताऊँगा कि वह आकर तुमसे शादी करे, लेकिन तुम्हें उसके साथ अच्छा होने का वादा करना होगा।

अलविदा!

तुम्हारा दोस्त,

लेंक!"

जैसे ही राजकुमारी शार्लोट की आँखों में आग भड़की, लेंक की चिट्ठी उसके हाथ में जलकर राख हो गई। "वह छोटा बदमाश! जब मुझे उस पर हाथ मिलेगा, मैं उसे सिखाऊँगी कि एक महिला के दिल से खिलवाड़ नहीं करते!"

[समाप्त]